वार्षिक प्रतिवेदन
2018-19

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली

वार्षिक
प्रतिवेदन
2018-19

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली

www.aud.ac.in

Published by :
The Registrar
Dr. B. R. Ambedkar University Delhi
Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi-110006
Designed & Printed at :
Smat Forms
3588, G.T. Road, Old Subzi Mandi, Delhi-110007
Email: smatforms@gmail.com

विषय-सूची

1. **विश्वविद्यालय** 1

2. **विश्वविद्यालय के स्कूल** 1

2.1. व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल 1
2.2. सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल 1
2.3. डिजाइन स्कूल 1
2.4. विकास अध्ययन स्कूल 1
2.5. शैक्षिक अध्ययन स्कूल 1
2.6. ग्लोबल अफेयर्स स्कूल 1
2.7. मानव पारिस्थितिकी स्कूल 1
2.8. मानव अध्ययन स्कूल 1
2.9. कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल 1
2.10. लेटर्स स्कूल 1
2.11. लिबरल अध्ययन स्कूल 1
2.12. स्नातक अध्ययन स्कूल 1
2.13. वोकेशनल स्टडीज स्कूल 1

3. **विश्वविद्यालय के केंद्र** 1

3.1. सामुदायिक ज्ञान केंद्र 1
3.2. विकास प्रैक्टिस केंद्र 1
3.3. प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र 1
3.4. अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र 1
3.5. एडीयू उद्धवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र 1
3.6. मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र 1
3.7. प्रकाशन केंद्र 1
3.8. शोध प्रणाली केंद्र 1

3.9.	शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र	1
4.	**प्रकाशन**	1
5.	**विश्वविद्यालय के प्रभाग**	1
5.1	इंटरनैशनल अफेयर्स	1
5.2	अनुसंधान और परामर्श	1
5.3	पुस्तकालय सेवाएं	1
5.4	सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं	1
5.5	छात्र सेवा	1
5.6	आकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति	1
5.7	शैक्षिक सेवाएं	1
5.8	मानव संसाधन	1
5.9	योजना	1
5.10	अभिशासन	1
5.11	परिसर विकास	1
5.12	प्रशासन	1
5.13	संपदा	1
5.14	वित्त	1
5.15	अभियांत्रिकी एवं रखरखाव इकाई	1
6.	**परिशिष्ट**	1

1. विश्वविद्यालय

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) की स्थापना वर्ष 2007 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) द्वारा विधानमंडल के एक अधिनियम के माध्यम से की गई थी और जुलाई 2008 में इसे अधिसूचित किया गया था। सामाजिक विज्ञान और मानविकी में शोध और अध्यापन पर ध्यान केंद्रित करने और डॉ. अंबेडकर द्वारा उत्कृष्टता के साथ समानता और न्याय के संयोजन की दृष्टि से प्रेरित होने के लिए, विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में पहुंच और सफलता के बीच स्थायी और प्रभावी संबंध बनाने के लिए इसे अपना मिशन मानता है। विश्वविद्यालय वर्तमान में कश्मीरी गेट, करमपुरा और लोधी रोड स्थित तीन परिसरों से कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय हेतु अतिरिक्त परिसरों की इस्टैब्लिशमेंट के लिए दो भूखंड आवंटित किए गए हैं- एक रोहिणी, सेक्टर 3 (7.02 हेक्टेयर) में और दूसरा धीरपुर, फेज 1 (20 हेक्टेयर) में। दोनों ही स्थानों में निर्माण कार्य आरंभ करने की तैयारी प्रगति पर है।

कश्मीरी गेट परिसर लोथियन रोड पर स्थित है और यह कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन से नजदीक है। यह परिसर इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय के साथ साझा करता है। करमपुरा परिसर, जिसमें 6.5 एकड़ की भूमि और भवन स्थित हैं, शिवाजी मार्ग, करमपुरा में स्थित है। यह परिसर मोती नगर मेट्रो स्टेशन (ब्लू लाइन), इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन (रेड लाइन) तथा करमपुरा बस टर्मिनल के समीप स्थित है।

1.97 एकड़ क्षेत्र वाले लोदी रोड परिसर बीके दत्त कॉलोनी, अलीगंज के पुराने स्कूल परिसर में स्थित है। इस चार-मंजिले परिसर भवन की निचली मंजिल का पूर्ण नवीनीकरण और क्रियाशील किया गया और अप्रैल 2017 में जीएनसीटीडी द्वारा विश्वविद्यालय को सौंप दिया गया। इस वर्ष भवन के शेष तीन तल का भी जीर्णोद्धार किया जा रहा है। छात्रों, संकाय और स्कूल ऑफ एजुकेशन (एसईएस)) के कर्मचारियों को अगस्त, 2017 में यहां स्थानांतरित किया गया। भविष्य में यह परिसर दिल्ली में स्कूली शिक्षा के सुधार की दिशा में काम करने के लिए प्रारंभिक शिक्षा और विकास केंद्र (सीईसीईडी) और अन्य केंद्रों का भी निर्माण करेगा।

विश्वविद्यालय में सभी अकादमिक गतिविधियों के लिए स्कूल और केंद्रों के साथ एक विकेंद्रीकृत संरचना है। इसने अपने स्कूल, केंद्रों एवं उसके कार्यक्रमों की कल्पना नई-नई संभावनाओं को तलाशने के लिए किया है और इन संभावनाओं को आकार दने के लिए ऐसा प्रारूप अपनाया गया

है जो अंतर्विषयक पद्धतियों के साथ अनिवार्य रूप से कार्य करे। स्कूलों की संकल्पना अपेक्षाकृत सुसंरचित अंतर्विषयी स्थानों पर निहित है जिनके भीतर कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। दूसरी ओर अध्ययन केंद्र तथा अनुसंधान को शोध परियोजना, नीतियों की वकालत, प्रशिक्षण, नेटवर्किंग एवं गृह-कार्य समाशोधन के अनुरूप की गई है ताकि समकालीन महत्व के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अधिक बढ़ावा मिल सके.

दृष्टिकोण

विश्वविद्यालय उदारवादी शिक्षा, मानविकी और सामाजिक विज्ञान पर ध्यान देने के साथ-साथ उच्चतर शिक्षा में अध्ययन, शोध और विस्तार कार्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सामाजिक स्थिरता के साथ-साथ सामाजिक असंतुलन में योगदान करने वाले कारकों का विश्लेषण करते हुए पता लगाना चाहता है कि सामाजिक विकास किस प्रकार ऐसे समाज का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिसमें लोग अपनी पूर्ण मानवीय क्षमता प्राप्त कर सकें।

दर्शन

समानता, सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता विश्वविद्यालय के दर्शन और मूल्यों का आधार है। एक सार्वजनिक संस्थान के रूप में, विश्वविद्यालय स्वयं को सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखता है और नागरिक समाज तथा राज्य की अन्तः क्रिया हेतु सामाजिक क्रियाकलाप पर ध्यान केंद्रित करता है।

लक्ष्य

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों की उच्चतर शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रयासरत है। विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य उच्च शिक्षा में पहुँच और सफलता के बीच स्थायी और प्रभावी संबंध का निर्माण करना है। यह एक ऐसी संस्थागत संस्कृति के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें मानवतावाद, गैर-श्रेणीबद्ध और विकेंद्रीकृत कार्यकलाप के साथ ही साथ सामूहिक कार्य और रचनात्मकता का पोषण शामिल है।

उद्देश्य

विश्वविद्यालय को उदार शिक्षा, मानविकी और सामाजिक विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ उत्कृष्ट व्यापक उच्चतर शिक्षा को विकसित करने और प्रदान करने का कार्य सौंपा गया है। इसे दूरस्थ और सतत शिक्षा, दोनों में संलग्न किए जाने हेतु जनादेशित किया गया है। उत्कृष्टता का

अनुसरण करने वाले किसी भी अन्य विश्वविद्यालय की तरह, यह उन्नत अध्ययनों का आयोजन करने और शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है, ताकि व्याख्यान, परिसंवादों, संगोष्ठी, कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन करके ज्ञान तथा प्रक्रियाओं का प्रसार किया जा सके और भारत तथा विदेशों में उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थानों के साथ संपर्क स्थापित किया जा सके. विश्वविद्यालय शोध, विनिबंधों, ग्रंथों, पुस्तकों, प्रतिवेदनों एवं पत्रिकाओं को प्रकाशित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है। इन उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए, यह सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को भी बढ़ावा देता है।

शैक्षणिक संरचना

विश्वविद्यालय के पास ऐसी संकाय संरचना है जो पूर्णकालिक, नियमित, मुख्य संकाय और अशंकालिक, संबद्ध, अतिथि तथा अवकाश प्राप्त (एमेरिटस) संकाय के लिए भी अनुमति देता है। विस्तारित संकाय में वरिष्ठ स्नातकोत्तर और शोध छात्र भी शामिल हैं, जो शिक्षण सहायक के रूप में वहाँ कार्य करते हैं। विश्वविद्यालय की शिक्षा कार्मिक नीति को कई भारतीय विश्वविद्यालयों की संरचनाओं और प्रक्रियाओं की तुलना में दृष्टि वक्तव्य में सन्निहित कथनों को और अधिक प्रभावी ढंग से दर्शाने के लिए तैयार किया गया है। यह सुनिश्चित करना विश्वविद्यालय का प्रयास होगा कि इसके कार्यों को पारदर्शी, क्रमबद्ध, समुचित और न्यायसंगत तरीके से संचालित किया जाए, ताकि इसके सभी कार्मिकों के बीच साझा शासन की भावना को प्रोत्साहित किया जा सके और एक नई कार्य संस्कृति विकसित कर सकें जो विश्वविद्यालय के प्रमुख मूल्यों और दर्शन को बल व स्थायित्व प्रदान करती हो। आरक्षण के लिए सभी संवैधानिक रूप से अनिवार्य प्रावधानों का पालन करते हुए, यह सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा और विशेष रूप से एक सक्रिय जेंडर-संवेदनशीलता की नीति को अपनी भर्तियों में लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय का संचालन

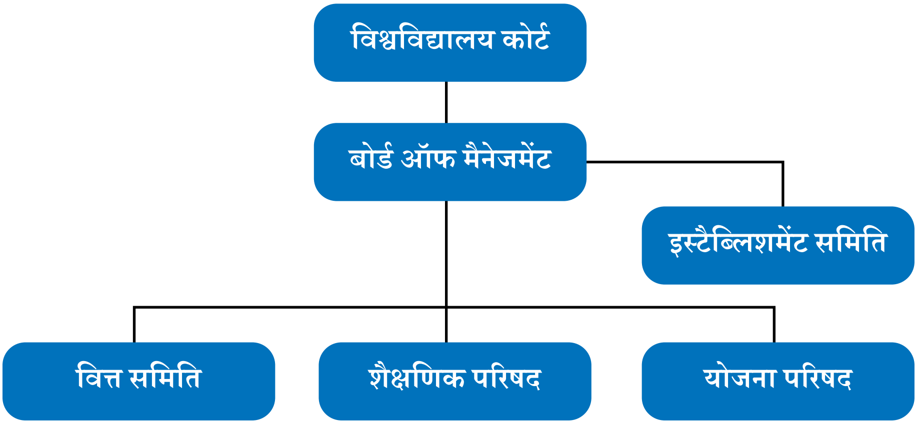

विश्वविद्यालय कोर्ट

अनिल बैजल, कुलाधिपति (अध्यक्ष)
श्याम बी मेनन (कुलपति) (पदेन सदस्य) (31.07.18 तक)
जतिन भट्ट (कुलपति) (कार्यकारिणी) (पदेन सदस्य) (01.08.18 से 21.02.19 तक)
अनु सिंह लाठर (कुलपति) (पदेन सदस्य) (22.02.19 से)
बिमल जालान (जीएनसीटीडी का नामांकित व्यक्ति)
श्याम सरन (जीएनसीटीडी के नामांकित व्यक्ति)
जलालुद्दीन ए.के. (जीएनसीटीडी के नामांकित व्यक्ति)
हाशिम एस.आर. (जीएनसीटीडी के नामांकित व्यक्ति)
गोपाल गुरु (01.08.18 से आज तक)
प्रमुख सचिव, वित्त, जीएनसीटीडी (पदेन सदस्य)
सचिव, उच्च शिक्षा, जीएनसीटीडी (पदेन सदस्य)
सचिव, कला और संस्कृति, जीएनसीटीडी (पदेन सदस्य)
नीरा चंदोके (यूजीसी के प्रतिनिधि)
रजिस्ट्रार, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (पदेन सदस्य)
अस्मिता काबरा, रजिस्ट्रार (कार्यवाहक), (पदेन सदस्य), सचिव (21.02.19 तक)
फारूकी एम. एस., रजिस्ट्रार (कार्यकारिणी), (पदेन सदस्य), सचिव (22.02.19 से)

विश्वविद्यालय का संगठनात्मक ढांचा

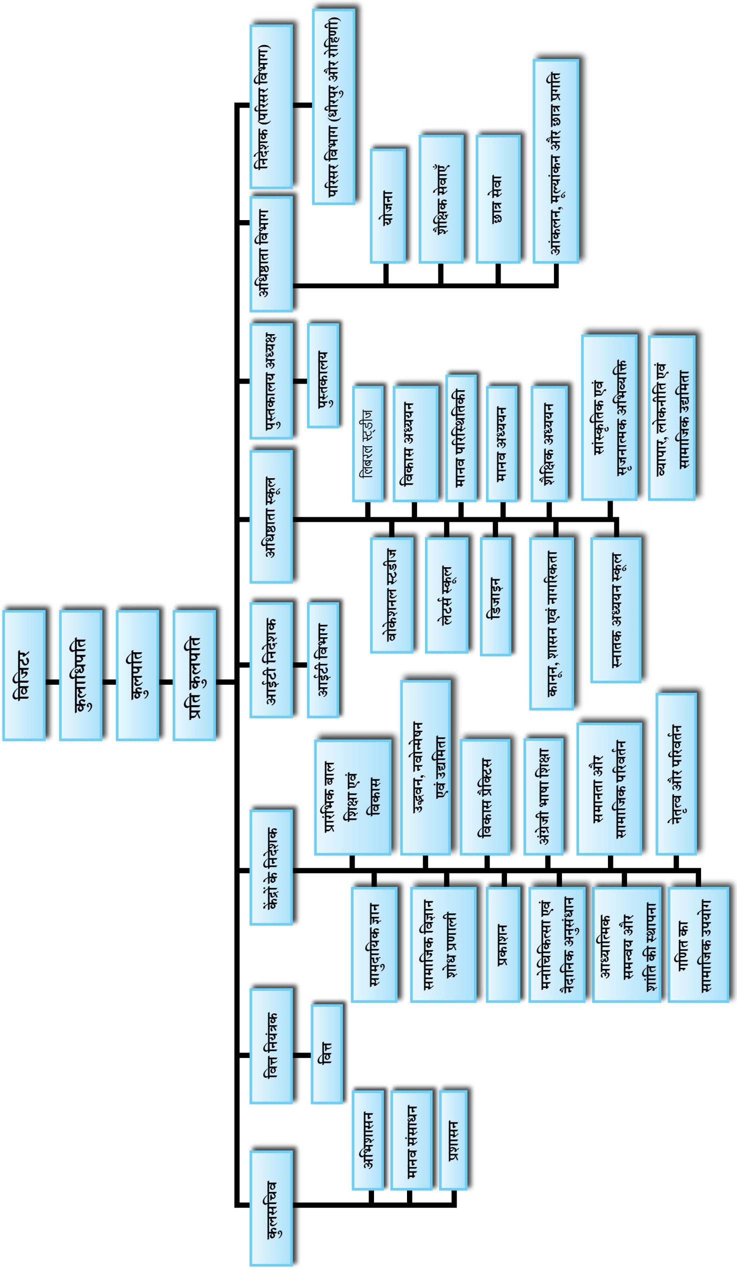

विश्वविद्यालय के अधिकारी

बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट

श्याम बी मेनन (कुलपति) अध्यक्ष (पदेन) (31.07.18 तक)
जतिन भट्ट (कुलपति) (कार्यवाहक), अध्यक्ष (पदेन) (01.08.18 से 21.02.19 तक)
अनु सिंह लाठर (कुलपति) अध्यक्ष (पदेन) (22.02.19 से)
माधव मेनन एन.आर. (जीएनसीटीडी का नामांकित व्यक्ति) (31.07.18 तक)
एस. परशुरामन (जीएनसीटीडी के नामांकित व्यक्ति)
किरण दातार (जीएनसीटीडी के नामांकित व्यक्ति)
पंकज चंद्रा (जीएनसीटीडी के नामित) (01.08.18 से आज तक)
प्रमुख सचिव, वित्त, जीएनसीटीडी (पदेन सदस्य)
सचिव, उच्च शिक्षा, जीएनसीटीडी (पदेन सदस्य)
जतिन भट्ट (चांसलर के नॉमिनी), प्रो वाइस चांसलर -I (31.07.18 तक)
सलिल मिश्रा (चांसलर के नॉमिनी), लिबरल अध्ययन स्कूल
हनी ओबेरॉय वैशाली (चांसलर के नामित), स्कूल ऑफ ह्यूमन स्टडीज
अस्मिता काबरा, रजिस्ट्रार (कार्यवाहक), (सचिव) (21.02.19 तक)
एम.एस. फारूकी, रजिस्ट्रार (कार्यवाहक), (सचिव) (22.02.19 से आज तक)

शैक्षणिक परिषद

श्याम बी मेनन (कुलपति) अध्यक्ष (पदेन) (31.07.18 तक)
जतिन भट्ट (कुलपति) (कार्यवाहक) अध्यक्ष (पदेन) (01.08.18 से 21.02.19 तक)
अनु सिंह लाठर (कुलपति) अध्यक्ष (पदेन) (22.02.19 से)
रामचंद्रन के. (जीएनसीटीडी के नामांकित व्यक्ति)
फरीदा ए. खान (जीएनसीटीडी के नामांकित व्यक्ति)
माधवन के पलाट (जीएनसीटीडी के नामिती)
मिहिर शाह (जीएनसीटीडी के नॉमिनी) (31.07.18 तक)
सब्यसाची भट्टाचार्य (जीएनसीटीडी का नामांकित व्यक्ति) (31.07.18 तक)
आशीष नंदी (जीएनसीटीडी के नॉमिनी) (22.02.19 से आज तक)
गीता नारायणन (जीएनसीटीडी के नॉमिनी) (22.02.19 से आज तक)

ए.के. शर्मा (यूजीसी के उम्मीदवार)
सलिल मिश्रा, प्रो वाइस चांसलर- II
हनी ओबेरॉय वैशाली, मानव अध्ययन स्कूल
गीता वेंकटरमन, लिबरल अध्ययन स्कूल
चंदन मुखर्जी, निदेशक, सीएसएसआरएम
राधारानी चक्रवर्ती, डीन, लेटर्स स्कूल
कृष्णा मेनन, डीन, मानव अध्ययन स्कूल
अस्मिता काबरा, डीन, मानव पारिस्थितिकी स्कूल
सुचित्रा बालासुब्रमण्यन, डीन, स्कूल ऑफ़ डिज़ाइन
सुमंगला दामोदरन, डीन, विकास अध्ययन स्कूल
तनुजा कोठियाल, डीन, स्नातक अध्ययन स्कूल
कार्तिक दवे, डीन, व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल
धीरेंद्र दत्त डंगवाल, डीन, स्कूल ऑफ़ लिबरल स्टडीज़
राजन कृष्णन, डीन, संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति स्कूल (31.07.18 तक)
दीपन शिवरामन, डीन (ऑफिसिनेटिंग), संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति स्कूल (22.02.19 से)
सीतांशु शेखर जेना, डीन, स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज
प्रवीण सिंह, डीन प्लानिंग और डीन, एसजीए (22.02.19 से)
सुनीता सिंह, डीन (ऑफिशियेटिंग) शैक्षिक अध्ययन स्कूल
ओइनम हेमलता देवी, मानव पारिस्थितिकी स्कूल
अनुज भुवानिया, डीन (ऑफिसिनेटिंग) कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल (22.02.19 से)
अस्मिता काबरा, रजिस्ट्रार (कार्यवाहक), (सचिव) (31.07.18 तक)
एम. एस. फारूकी, रजिस्ट्रार (कार्यवाहक), (सचिव) (22.02.19 से)

बोर्ड्स ऑफ स्टडी

विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित स्कूलों के लिए बोर्ड्स ऑफ स्टडी का गठन किया हैः
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल (एसबीपीपीएसई)
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल (एससीसीई)
डिजाइन स्कूल (एसडीज)

विकास अध्ययन स्कूल (एसडीएस)
शैक्षिक अध्ययन स्कूल (एसईएस)
ग्लोबल अफेयर्स स्कूल (एसजीए)
मानव पारिस्थितिकी स्कूल
मानव अध्ययन स्कूल (एसएचएस)
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल (एसएलजीसी)
लिबरल अध्ययन स्कूल (एसएलएस)
लेटर्स स्कूल (एसओएल)
स्नातक अध्ययन स्कूल (एसयूएस)
वोकेशनल स्टडीज स्कूल (एसवीएस)

वित्त समिति

श्याम बी मेनन (कुलपति) अध्यक्ष (31.07.18 तक)
जतिन भट्ट (कुलपति) (कार्यवाहक) अध्यक्ष (01.08.18 से 21.02.19 तक)
अनु सिंह लाठर (कुलपति) अध्यक्ष (22.02.19 से)
सचिव (उच्च शिक्षा) (पदेन सदस्य)
प्रमुख सचिव (वित्त) (पदेन सदस्य)
किरण दातार (प्रबंधन बोर्ड के सदस्य)
सलिल मिश्रा, प्रो वाइस चांसलर II (बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के नॉमिनी)
कार्तिक दवे, वित्त नियंत्रक (अधिकारी) (सचिव)
इस्टैब्लिशमेंट समिति
श्याम बी मेनन, कुलपति (चेयर) (31.07.18 तक)
जतिन भट्ट, कुलपति (कार्यवाहक), अध्यक्ष (01.08.18 से 21.02.19 तक)
अनु सिंह लाठर, कुलपति (अध्यक्ष) (22.02.19 से)
किरण दातार (प्रबंधन बोर्ड के सदस्य)
प्रवीण सिंह (कुलपति के नामित)
सीतांशु एस. जेना (कुलपति के नामित)
अस्मिता काबरा, रजिस्ट्रार (कार्यवाहक) (सदस्य सचिव) (21.02.19 तक)
एम. एस. फारूकी, रजिस्ट्रार (कार्यवाहक) (सदस्य सचिव) (22.02.19 से)

प्लानिंग बोर्ड

अनु सिंह लाठर (कुलपति) अध्यक्ष
जतिन भट्ट, प्रो वाइस चांसलर - I
प्रवीण सिंह, डीन प्लानिंग
कृष्णा मेनन, एसएचएस (कुलपति द्वारा नामित)
अरिंदम बनर्जी, एसएलएस (कुलपति द्वारा नामित)
रोहित नेगी, एसजीए (कुलपति द्वारा नामित)
एस.आर. हाशिम (यूनिवर्सिटी कोर्ट के नॉमिनी)
एस. परशुरामन (बीओएम के उम्मीदवार)
ए.के. शर्मा (अकादमिक परिषद के सदस्य)
पंकज चंद्रा (कुलपति द्वारा नामित)
ए.आर. खान (कुलपति द्वारा नामित)
एम. एस. फारूकी, रजिस्ट्रार (अधिकारी), (सचिव)

विश्वविद्यालय के अधिकारी गण

कुलपति	श्याम बी मेनन (31.07.2018 तक)
	जतिन भट्ट (01.08.2018 से 21.02.2019 तक)
	अनु सिंह लाठर (22.02.2019 से)
प्रति उपकुलपति	जतिन भट्ट (पीवीसी-I)
	सलिल मिश्रा (पीवीसी-II)

अधिष्ठाता (डीन) स्कूल

व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल	कार्तिक दवे
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल	राजन कृष्णन (14.12.2018 तक) दीपन शिवरमन (14.12.2018 से)
डिजाइन स्कूल	सुचित्रा बालासुब्रह्मण्यन
विकास अध्ययन स्कूल	सुमंगला दामोदरन

शैक्षिक अध्ययन स्कूल	सुनीता सिंह
ग्लोबल अफेयर्स स्कूल	प्रवीण सिंह
मानव पारिस्थितिकी स्कूल	अस्मिता काबरा
मानव अध्ययन स्कूल	कृष्णा मेनन (02-09-2017 से)
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल	अनुज भुवानिया (29.11.2018 से)
लेटर्स स्कूल	राधारानी चक्रवर्ती
लिबरल अध्ययन स्कूल	धीरेंद्र दत्त डंगवाल (01-08-2017 से)
स्नातक अध्ययन स्कूल	तनुजा कोठियाल (22-08-2017 से)
वोकेशनल स्टडीज स्कूल	सीतांशु शेखर जेना

अधिष्ठाता (डीन) प्रभाग

शैक्षणिक सेवा प्रभाग	अरिंदम बनर्जी (15.03.2019 तक)
	अनु सिंह लाठर (15.03.2019 से)
छात्र सेवा प्रभाग	संजय कुमार शर्मा
मूल्यांकन, मूल्यांकन और छात्र प्रगति	गीता वेंकटरमन (10.12.2018 तक)
	संजय कुमार शर्मा (10.12.2018 से)
योजना प्रभाग	प्रवीण सिंह
कुल सचिव	अस्मिता काबरा (कार्यवाहक) (21.02.2019 तक)
वित्त नियंत्रक	अर्नेस्ट सैमुअल रत्नाकुमार जे. (14.05.2018 तक)
	कार्तिक दवे (कार्यवाहक) (05.06.2018 से)

अन्य अधिकारी गण

पुस्तकालय अध्यक्ष	देबल सी कर
निदेशक, आईटी सेवा	दिनेश तनेजा (06.06.2018 से)

निदेशक, परिसर विकास	जतिन भट्ट
विशेष कार्य अधिकारी, कश्मीरी गेट परिसर	सत्यकेतु सांकृत
विशेष कार्य अधिकारी, करमपुरा परिसर	सीतांशु शेखर जेना
विशेष कार्य अधिकारी, लोधी रोड परिसर	मनीष जैन

केंद्र के निदेशक

सामुदायिक ज्ञान केंद्र	डेनिस पी लीटन
विकास प्रैक्टिस केंद्र	अनूप कुमार धर
प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र	वृंदा दत्त
मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र	हनी ओबेरॉय वहाली
प्रकाशन का केंद्र	राधारानी चक्रवर्ती
शोध प्रणाली केंद्र	चंदन मुखर्जी
शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीय केंद्र	सुरेश बाबू
एयूडी उद्भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र	एम.एस. फरूकी
अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र	अमोल पदवाड

विश्वविद्यालय के स्कूल और केंद्र

मुख्य रूप से विश्वविद्यालय अपने स्कूल एवं केंद्रों के माध्यम से कार्य करता है। यह मुख्य रूप से व्यावसायिक विशेषज्ञता एवं ज्ञान संबन्धित क्षेत्रों पर आधारित है जो आज के दौर में काफी प्रासंगिक हैं, बावजूद इसके देश के इस हिस्सों के अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय में तेरह स्कूल हैं जो सामाजिक विज्ञान, कला, मानविकी, गणितीय विज्ञान एवं लिबरल अध्ययन में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा अनुसंधान कार्यक्रम चला रहे हैं। ये स्कूल इस प्रकार हैं:

व्यापार, लोकनीति एवं सार्वजनिक नीति और सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल
संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल
डिजाइन स्कूल
विकास अध्ययन स्कूल
शैक्षिक अध्ययन स्कूल

ग्लोबल अफेयर्स स्कूल
मानव पारिस्थितिकी स्कूल
मानव अध्ययन स्कूल
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल
लेटर्स स्कूल
लिबरल अध्ययन स्कूल
स्नातक अध्ययन स्कूल

वोकेशनल स्टडीज स्कूल

विश्वविद्यालय ने हाशिये के या उपेक्षित क्षेत्रों में शोध एवं ज्ञान प्रसार की सुविधा के लिए कई केंद्र स्थापित किए हैं। विश्वविद्यालय के केंद्र परियोजना-आधारित अनुसंधान, नीति प्रतिपालन, क्षमता-निर्माण और समुदायों के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए विशिष्ट रूप से पहचाने जाते हैं। वर्तमान में, विश्वविद्यालय में निम्नलिखित केंद्र संचालित हो रहे हैं:

सामुदायिक ज्ञान केंद्र
विकास अभ्यास केंद्र
प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र
अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र
एयूडी उद्भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र
मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र
प्रकाशन केंद्र
शोध प्रणाली केंद्र
शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र
विश्वविद्यालय के प्रभाग

2. विश्वविद्यालय के स्कूल

2.1. व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल

व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल (एसबीपीपीएसई) की इस्टैब्लिशमेंट शोध को बढ़ावा देने और प्रबंधन, सार्वजनिक नीति तथा सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया गया। स्कूल का प्रयास समाज व अर्थव्यवस्था के बृहत्तर संदर्भ के भीतर, व्यवसाय एवं लाभ की सर्वांगीण पद्धति विकसित करना है। स्कूल पेशेवरों की बढ़ती जरूरतों के प्रत्युत्तर में, वर्ष 2012 से व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर के रूप में दो वर्षीय (पूर्णकालिक) कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

एमबीए कार्यक्रम एक अंतःविषयी वातावरण को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, जिसमें शिक्षा संरचनाओं और अभ्यास की दुनिया के बीच कृत्रिम विभाजनों को दूर करते हुए, ज्ञान संरचनाओं में विचारों के परस्पर हस्तक्षेप को बढ़ाने की क्षमता है। पाठ्यक्रम को महत्वपूर्ण विचारों को बढ़ावा देने और छात्रों के बीच तर्कसंगत जाँच की भावना पैदा करने के लिए वैचारिक विश्लेषण और आत्मनिरीक्षण का माहौल विकसित करने हेतु डिजाइन किया गया है। नवीनतम तकनीकों सहित शैक्षणिक संसाधनों का सबसे अच्छा उपयोग पाठ्यक्रम के संचालन में किया जाता है, छात्रों को ऐसे संबंधित कौशल प्रदान किए जाते हैं, जो विश्व स्तर पर उत्कृष्टता के स्वीकृत मानकों के अनुरूप होते हैं। स्कूल समकालीन प्रासंगिकता के क्षेत्रों में नए ज्ञान के निर्माण में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा जैसे गैर-पारंपरिक मॉडल का उपयोग करके पाठ्यक्रमों का संचालन करता है।

व्यवसाय प्रबंधन स्नातकोत्तर

दो वर्षीय एमबीए कार्यक्रम, विपणन, वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार और संचालन शोध के कार्यात्मक क्षेत्रों में आधुनिक प्रबंधन की आवश्यक अवधारणाओं और सिद्धांतों को प्रदान करता है, यह छात्रों को सार्वजनिक नीति और सामाजिक प्रबंधन के मुद्दों को भी सिखाता है। यह पाठ्यक्रम सीखने के कई तरीकों पर आधारित है, जैसे कि केस-स्टडी, सिमुलेशन, रोल-प्ले, कक्षा आधारित व्याख्यान और अनुभवात्मक अधिगम आदि। नियमित आधार पर चिकित्सकों द्वारा क्षेत्र-आधारित सीखने और अनुभव साझा करना भी इस पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग हैं। इस स्कूल में, प्रबंधन स्नातकों को तैयार करने और उन्हें ऐसे मार्गदर्शक, उद्यमी और प्रबंधक बनाने का प्रयास किया जाता है, जो अपने संबंधित प्रयासों में विभिन्न जिम्मेदारियों का समर्थन करने के लिए तैयार रहते हैं।

संकाय के साथ साथ चिकित्सकों, नीति निर्माताओं, प्रबंधन पेशेवरों और अन्य डोमेन विशेषज्ञ के एक समूह को लगातार छात्रों को शिक्षण, प्रशिक्षण और सलाह देने में नियुक्त किया गया है और उनके द्वारा अंतर-अनुशासनात्मक सीख पर जोर दिया गया है। यह महत्वपूर्ण अंतर है जो व्यवसाय, समाज और संस्कृति के जटिल एकीकरण को समझने में सक्षम होने के साथ-साथ एक छात्र को जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाता है।

प्रबंधन में पीएचडी

पीएचडी कार्यक्रम जुलाई 2018 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य एक शोध वातावरण विकसित करना है, जिसमें विद्वानों को मूल शोध करने, नए ज्ञान का सृजन करने और वास्तविक प्रबंधन के मुद्दों का समाधान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्हें स्वतंत्र शोध करने और प्रकाशित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। मेंटरशिप और संयुक्त अनुसंधान के माध्यम से, विद्वानों को अनुसंधान, शिक्षण और प्रबंधन में करियर के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम को कठोरता के साथ-साथ अन्य समान कार्यक्रमों के साथ वैश्विक स्तर पर मिलने और प्रतिस्पर्धा करने के लचीलेपन के साथ विकसित किया गया है। यह ज्ञान के मौजूदा शरीर के लिए मूल शोध को सीखने और योगदान करने के लिए एक तड़प के साथ उम्मीदवारों को स्वीकार करना चाहता है। अकादमिक अखंडता और अनुसंधान के लिए एक ईमानदार योगदान इस कार्यक्रम की पहचान बनने के लिए कहा जाता है।

शोध परियोजनाएं

कंवल अनिल, बाह्य शोधकर्ता। वित्तीय सेवाओं में प्रौद्योगिकी के नेतृत्व वाले नवाचार के लिए नियामक दृष्टिकोण के शुरुआती अनुभवों से उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीखे गए सबक पर एक रिपोर्ट। कैंब्रिज सेंटर फॉर अल्टरनेट फाइनेंस, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम की एक परियोजना। समावेशी वित्त के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष अधिवक्ता द्वारा वित्त पोषित (यूएनएसजीएसए)। (6 महीने, पूर्ण)।

कंवल अनिल, प्रधान अन्वेषक भारत में डिजिटल वित्तीय समावेशन : जिम्मेदार वित्त की दिशा में एक पहल। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा निगमित- एसएमजीएफआर (100,000 रुपये, एक वर्ष, पूर्ण)।

कार्तिक दवे, प्रधान अन्वेषक। फुटकर उद्योग के संबंध में स्नातक और स्नातकोत्तर रोजगार : उत्तर भारत के चयनित राज्यों का अध्ययन। आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित (900,000 रु.; दो वर्ष; जारी)।

रिचा अवस्थी, प्रधान अन्वेषक। भारत में रहने वाले प्रवासियों के अनुभव। (वित्त पोषित नहीं; जारी)।

रिचा अवस्थी, सह-प्रधान अन्वेषक, डी. पी. एस. भावुक के साथ, प्रोफेसर, हवाई विश्वविद्यालय, मनोआ। लज्जा और सामाजिक संपर्क: एक स्वदेशी शोध। (वित्त पोषित नहीं; जारी)।

वैलेंटिना के., प्रधान अन्वेषक। आदिवासियों के मानवाधिकारों के संरक्षक और उल्लंघनकर्ता के रूप में राज्य की संघर्षपूर्ण भूमिका: तेलंगाना राज्य में सिंगरेनी कोलियरीज लिमिटेड (एससीसीएल) का अनुभवजन्य अध्ययन। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा निगमित- एसएमजीएफआर (100,000 रु.; पूर्ण)।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

कंवल अनिल नई दिल्ली में एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, सुभाषलक्ष्मी फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड में एक स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में शामिल हुए।

कंवल अनिल ने राष्ट्रीय स्तर के स्व-नियामक संगठन सा-धना के साथ समन्वय किया और उसके राष्ट्रीय सम्मेलन 2018 की व्यवस्था की, माइक्रोफाइनांस के माध्यम से अनौपचारिक क्षेत्र के विकास को, 19- 20 सितंबर 2018 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा प्रायोजित, भारत सरकार केंद्र, नई दिल्ली, में प्रस्तावित किया।

कार्तिक दवे को सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट, सेंट्रल यूनिवर्सिटी हरियाणा, महेंद्रगढ़ में दो साल (जनवरी 2019 से जनवरी 2021) के लिए नामित किया गया था।

प्रस्तुतियां

कंवल अनिल ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र, टीचिंग इनोवेशन और सोशल साइंसेज में उभरते ट्रेंड्स को प्रस्तुत किया, ए कल्चर ऑफ लर्निंग एंड एक्सपेरिमेंट फ़ॉर वेलिंगिंग फ़ॉर वेलिंगिंग: कुछ पाठ, द्वारा आयोजित, अर्थशास्त्र विभाग, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, 17 दिसंबर, 2018 को।

—— और ए., मिश्रा ने एक पत्र प्रस्तुत किया, ईएसएएफ़ माइक्रोफाइनेंस: वित्तीय समावेशन के माध्यम से सतत विकास का मार्ग चलना, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सतत विकास: एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य (एसडीवीपी) 2018, प्रबंधन विकास संस्थान, मुर्शिदाबाद में, 6 सितंबर 2018 को।

—— ने भारत में एक शोध पत्र, डिजिटल वित्तीय समावेशन प्रस्तुत किया: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, जिम्मेदार वित्त की दिशा में एक पहल, सतत विकास: एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य (एसडीवीपी)

2018, प्रबंधन विकास संस्थान, मुर्शिदाबाद में, 6 सितंबर 2018 को।

21 जून 2018 को पुणे के फ्लेम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अनुसंधान और शिक्षण मामलों में विविधता को समझने के लिए ऋचा अवस्थी ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, विविधता को समझने के लिए।

वेलेंटीना के. ने एक शोध पत्र, रीथिंकिंग सीएसआर: सिंगरैनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) का अजीब विरोधाभास, 8 पीएमएमई एशिया फोरम, एस. पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई, दिसंबर 2018 में प्रस्तुत किया।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, भारतीय सामाजिक संस्थान, नई दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन, भूमि सुधार और कॉमन्स में तेलंगाना में कोयला खनन के कारण आदिवासियों का विस्थापन; अक्टूबर 2018 को ।

व्याख्यान/उपलब्धियां

कंवल अनिल ने एक सम्मेलन की अध्यक्षता की, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उभरते प्रतिमान, अर्थशास्त्र विभाग, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत द्वारा 26 मार्च 2019 को आयोजित किया गया।

—— अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की, ए संस्कृति और भलाई को बढ़ावा देने के लिए सीखने और प्रयोग की संस्कृति: कुछ पाठ, द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र विभाग, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में, 17 दिसंबर 2018 को।

—— एक सत्र की अध्यक्षता में, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सतत विकास: एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य, एमडीआई मुर्शिदाबाद में, 7 सितंबर 2018 को।

कार्तिक दवे ने एक सत्र व्यवसाय में व्यवधान की अध्यक्षता की: दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली, 30 मार्च 2019 को दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बिजनेस एंड मैनेजमेंट 2019 में डिजिटलाइजेशन के दौर को स्वीकार करते हुए।

—— ने वक्तव्य दिया, पूर्ण सत्र में, विघटनकारी प्रौद्योगिकियां: व्यापार पर प्रभाव, और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, वीयूसीए वर्ल्ड: मुद्दे और चुनौतियां, 9 मार्च 2019 को एशियन बिजनेस स्कूल, नोएडा द्वारा आयोजित।

—— एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा 27 फरवरी 2019 को आयोजित ग्लोबल लीडरशिप रिसर्च

कॉन्फ्रेंस में सत्र, मार्केटिंग ट्रैक में एक भाषण दिया।

—— ने एक सत्र की अध्यक्षता की, मैनेजमेंट एजुकेशन फॉर द फ्यूचर, 4 डी प्रिंसिपल्स फॉर रिस्पॉन्सिबल मैनेजमेंट एजुकेशन (पीएरएम) एशिया फोरम, एसपीजेआईएमआर, मुंबई द्वारा आयोजित किया गया। और एसएनजेआईएमआर, मुंबई में यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट, 12 दिसंबर 2018 को।

—— ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रमुख संबोधन दिया, प्रबंधन और सूचना प्रौद्योगिकी में नवीन मुद्दे, श्रीनाथजी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, नाथद्वारा द्वारा आयोजित, राजसमंद, 30 अक्टूबर 2018 को।

—— को गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) दिल्ली द्वारा अकादमिक ऑडिट के लिए और मूल्यांकन समिति में शामिल होने के लिए मई-जून 2018 में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

—— एमडीयू रोहतक, 2018-19 को चयन समिति के सदस्य थे।

—— बीएचयू वाराणसी, , 2018-19 को चयन समिति के सदस्य थे।

—— जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली की 2018-19 की चयन समिति का सदस्य था।

—— जामिया मिल्लिया इस्लामिया, 2018-19 में पीएचडी परीक्षक था।

—— एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में 2018-19 में पीएचडी परीक्षक थे।

—— प्रशांत विश्वविद्यालय, उदयपुर में 2018-19 में पीएचडी परीक्षक था।

—— नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय, द्वारका, नई दिल्ली, 2018-19 में चयन समिति (पीएचडी प्रवेश) के सदस्य थे।

कार्यक्रम/गतिविधियां

स्कूल के छात्र परिषद ने रुद्रपुर जिले के बजाज ऑटो लिमिटेड और वीएचबी मेडी साइंसेज लिमिटेड, 1–4 मार्च 2019 को एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया।

'यूरोमोनीटर' और 'आर एंड टैब्लिउ' का उपयोग करने वाले बिजनेस एनालिटिक्स पर केपीएमजी द्वारा 9-10 और 16-17 मार्च 2019 तक कार्यशालाएँ आयोजित की गई थीं।

छात्रों ने ब्लाइंड पाइंटिक्स का एक खेल आयोजित किया और एनजीओ द्वारा स्टॉल लगाने और

चलाने में मदद की जिसे उन्होंने अपने पाठ्यक्रम के काम के हिस्से के रूप में 27-28 फरवरी 2019 तक इंटर्न किया था।

कंवल अनिल ने भारत में डिजिटल वित्तीय समावेशन: ए रोड टू सस्टेनेबिलिटी, 16 नवंबर 2018 को एक पैनल डिस्कशन का आयोजन किया।

विद्यार्थी परिषद ने 14 नवंबर 2018 को इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ मिलकर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में एक सौ पांच लोगों ने रक्तदान किया।

स्कूल के छात्रों ने 10 नवंबर 2018 को खेल दिवस का आयोजन किया।

रिचा अवस्थी ने 6 सितंबर 2018 को कॉन्फ्लुएंस, पैनल चर्चा श्रृंखला के भाग के रूप में एक दिन का आयोजन किया।

विद्यार्थी उपलब्धियां

अपूर्वा गोयल ने एक्स-कल्चर में 500 सीएचएफ (लगभग 34,000 रुपये) का द्वितीय पुरस्कार और नकद पुरस्कार जीता, ग्लोबल वर्चुअल टीमों का प्रोजेक्ट जहां 40 देशों के 131 विश्वविद्यालयों के 4,500 छात्रों ने जनवरी और मार्च 2019 के बीच प्रतिस्पर्धा चली।

सुमेधा रावत ने एथलीट मीट में भाग लिया और लड़कियों की रिले रेस (400 मीटर), 29 मार्च 2019 में स्वर्ण पदक जीता।

नियोजन सहायता

एमबीए के प्रथम वर्ष के सभी छात्रों को उनकी ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजनाओं शामिल किया गया। प्लेसमेंट टीम और संकाय सलाहकारों ने 23 अतिथि व्याख्यान आयोजित किए, जिसमें सीवी बिल्डिंग, मॉक साक्षात्कार सहित कई मेंटरिंग और प्रारंभिक सत्र आयोजित किए, ताकि छात्रों को उनके प्लेसमेंट के लिए तैयार किया जा सके और 21 दूसरे वर्ष के छात्रों को उनके प्लेसमेंट का अवसर मिला।

2.2. सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल

2012 में स्थापित **सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल** (एससीसीई) को एक ऐसे स्थान के रूप में देखा जाता है, जो भारत में कला शिक्षा और अभ्यास के लिए एक नई दृष्टि को लागू करता है, जिसमें अग्रणी कार्यक्रम हैं जो अभ्यास और अनुसंधान के बीच एक संवाद के उद्घाटन की आशा करते हैं। स्कूल का उद्देश्य रचनात्मक और महत्वपूर्ण मूल्यांकन के साथ विद्वानों और चिकित्सकों को संलग्न करना और उन्हें प्रेरित करना है जो अंततः उन्हें नागरिक समाज और राज्य से संबंधित मुद्दों से जुड़ने के लिए प्रेरित कर सकता है, और उन कार्यों के बारे में ला सकता है जो समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। स्कूल दृश्य कला, साहित्य कला, प्रदर्शन कला और सिनेमाई कला के क्षेत्रों में नए और अलग-अलग कला-निर्माण प्रथाओं और सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि के विकास के लिए एक पोषण का विकल्प प्रदान करता है।

बड़े पैमाने पर जनता के साथ नए सिरे से जुड़ाव शुरू करने के लिए स्कूल द्वारा एमए और अवधारणा की पेशकश की जाती है। स्कूल के जनादेश का आधार गैर-कुलीन कलात्मक संस्कृति की खेती करना है। इसके परिणामस्वरूप, स्कूल के सभी एमए कार्यक्रम कलात्मक ज्ञान के प्रसार से संबंधित प्रश्नों के साथ सख्ती से जुड़े हुए हैं। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, सभी एमए कार्यक्रमों में एक अंतर्निहित संरचना होती है जो एक नए सार्वजनिक और प्रचार के निर्माण की संभावनाओं के साथ संलग्न होती है। यह अनुमान लगाया जाता है कि सभी कार्यक्रम दिल्ली के सिटीस्केप के भीतर मैक्रो- और माइक्रो-स्तरों, दोनों में सांस्कृतिक गतिविधियों की परिवर्तनकारी क्षमता में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

एम.ए. साहित्य कला (सृजनात्मक लेखन)

कार्यक्रम एक आविष्कारशील और विचारक अभ्यास-आधारित शिक्षाशास्त्र पर जोर देता है जिसका उद्देश्य सूचित और स्व-विकसित रचनात्मक लेखकों का उत्पादन करना है। यह उपमहाद्वीप में और विश्व स्तर पर साहित्यिक परिदृश्य के दायरे, गहराई और भाषाई विविधता के बारे में जागरूकता पैदा करता है और रचनात्मक लेखन के लिए एक ग्रहणशीलता सहयोगी काम के रूप में, इस प्रकार रचनात्मक उत्पादन के लिए एक संवेदनशील और सहायक वातावरण की आवश्यकता होती है।

एम. ए. फिल्म अध्ययन

कार्यक्रम भारतीय, विश्व सिनेमाघरों में फिल्म समीक्षकों, क्यूरेटर और सैद्धांतिक रूप से सूचित चिकित्सकों के रूप में छात्रों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता को संबोधित करने के साथ-साथ

फिल्म, मीडिया, और सभी देशों के सांस्कृतिक अध्ययन में अनुसंधान कार्यक्रमों की तलाश करता है। यह सिद्धांतों, इतिहास और फिल्म और मीडिया के साथ जुड़ने के तरीकों से परिचित होने पर जोर देता है।

एम. ए. दृश्य कला

कार्यक्रम को महत्वपूर्ण और प्रायोगिक कला अभ्यास के साथ संलग्न करने और नए रिक्त स्थान बनाने या वैकल्पिक रचनात्मक प्रथाओं के उपलब्ध स्थानों को मजबूत करने के लिए छात्रों को सक्षम करने के लिए डिजाइन किया गया है।

एम. ए. प्रदर्शन कला अध्ययन

संस्थापक अनुसंधान-उन्मुख कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को एमफिल / पीएचडी के रूप में क्षेत्र में आगे विशेषज्ञता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जो बहु-विषयक दृष्टिकोण और मजबूत सामाजिक जुड़ाव की भावना के साथ इस उभरते हुए क्षेत्र में विद्वानों का एक नया समूह, कलाकार, लेखक, निर्देशक, स्वतंत्र शोधकर्ता और सामुदायिक कार्यकर्ता बनाएंगे। यह कार्यक्रम 21 वीं सदी के संचार और डिजिटल गतिशीलता के बहुत हालिया तौर-तरीकों, विश्लेषण और गंभीर रूप से विभिन्न प्रदर्शन प्रक्रियाओं और प्रथाओं को समझने, सिद्धांत और व्यवहार के साथ दोनों के द्वारा संस्कृति के प्राचीन सिद्धांतों से अपने प्रमुख सैद्धांतिक योगों का उपयोग करके अंतर और कई अनुशासनात्मक दृष्टिकोणों का उपयोग करता है।

एम. ए. प्रदर्शन प्रायौगिक (नृत्य)

अपने एकीकृत पाठ्यक्रम के साथ, जिसमें शारीरिक प्रशिक्षण, कोरियोग्राफी, महत्वपूर्ण सोच और अंतर-अनुशासनात्मक अध्ययन शामिल हैं, कार्यक्रम प्रतिभागियों को प्रदर्शनियों, रचनाकारों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और प्रबंधकों के रूप में नृत्य अभ्यास की सीमाओं को फिर से परिभाषित करता है और संवेदी संस्कृतियों के साथ एक महत्वपूर्ण जुड़ाव के माध्यम से संचालित करता है। और भारतीय उपमहाद्वीप के विकसित नृत्य पारिस्थितिकी। छात्रों को एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण के साथ नृत्य के अनुशासन के साथ जुड़ने वाले रिफ्लेक्टिव चिकित्सक होने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

पीएचडी

स्कूल दृश्य कला, साहित्य कला और फिल्म अध्ययन में पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। इन

कार्यक्रमों की अनूठी विशेषता यह है कि उन्होंने अभ्यास-आधारित कलात्मक अनुसंधान के लिए एक पाठ्यक्रम संरचना विकसित की है।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

अखिल कत्याल को उनकी (महान) भारतीय कविता संग्रह, 2018- हाउ मैनी कंट्रीज डज द इंडस क्रॉस के लिए, संपादक की पसंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मंदीप सिंह रायखी ने एशियन ड्रामाटर्ग्स नेटवर्क लैब्स, याग्याकार्टा, इंडोनेशिया में 7 से 10 सितंबर 2018 तक प्रयोगशाला प्रतिभागियों के लिए परामर्शक की भूमिका निभाई।

रमानी आर. वी. की फिल्म, संथाल फ़ैमिली टू मिल री-कॉल, को मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, 2018 में निर्देशन और निर्माण के लिए बेस्ट लॉन्ग डॉक्यूमेंट्री अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिसमें रजत शंख और 5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

रमानी आर. वी. 65 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2018 के लिए जूरी सदस्य थे।

रंजना दवे ने 15-22 दिसंबर 2018, गोवा के सेरेंडिपिटी आर्ट्स फेस्टिवल में एक नृत्य किया।

रंजना दवे फर्स्टपोस्ट की स्तंभकार थीं और उन्होंने जून और सितंबर 2018 के बीच पांच लेख प्रकाशित किए।

15 नवंबर, 2018 को साहित्य कला परिषद, दिल्ली द्वारा संचालित विज़ुअल आर्ट्स स्कॉलरशिप का चयन करने के लिए शेफाली जैन जूरी सदस्य थीं।

विभूति दुग्गल ने मधुमिता लाहिड़ी के साथ एक पैनल चर्चा का आयोजन और अध्यक्षता की, भारत में सुनना: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मीडिया भूगोल, एशिया में गति: भूगोल और वंशावली, एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज़ इन एशिया द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली, भारत में 6 जुलाई 2018 को आयोजित की गई।

प्रस्तुतियां

अनीता ई. चेरियन ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो भाषाई समानता को दर्शाता है। राज्यों के भाषाई पुनर्गठन की समस्या, 1953–56: साहित्य सम्मेलन, साहित्य सम्मेलन के लिए साहित्य अकादमी की नीति का प्रारंभिक अध्ययन, साहित्यिक सम्मेलन: तुलनात्मक फ्रेम, 19 फरवरी 2019 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सेमिनार में उदारीकरण पश्चात भारतीय में सांस्कृतिक नीति प्रवचन की पुनरावृत्ति, रंगमंच समावेशी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली में 10 फरवरी 2019 को 20 वें भारत रंग महोत्सव 2019 के भाग के रूप में आयोजित किया गया।

—— नाट्य कलाकार विनय कुमार (आदिशक्ति ग्रुप, पांडिचेरी) के साथ संवाद किया, आदिशक्ति के पिछले और वर्तमान काम पर, नाट्य मंचन कार्यक्रम के तहत, नाट्य बैले डांस 2018, नई दिल्ली द्वारा 1 दिसंबर, 2018 को आयोजित।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, भूलने की क्रिया और स्मरण के कार्य: राज्य सांस्कृतिक अकादमी और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय स्वतंत्रता के बाद के पहले दशक में, यूरोपीय संघ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दक्षिण एशियाई अध्ययन (ईएएएस), पेरिस, फ्रांस में 27 जुलाई, 2018 को आयोजित।

संतोष सदाननथन ने एक शोध पत्र, टीचिंग मशीन प्रस्तुत की: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, शैक्षणिक प्रवाह और शिक्षा की कला पर छात्रों के द्विवार्षिक, कोच्चि-मुज़िरिस बायनेले, कोच्चि द्वारा 22 मार्च, 2019 को आयोजित की जाने वाली तकनीकी मानसिकता पर प्रकाश डाला।

शेफाली जैन ने आईआईटी-हैदराबाद, 1–2 फरवरी 2019 तक विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार में एक शोध पत्र, लैंडस्केप और फॉल: एक इंस्टॉलेशन, द परफॉर्मिंग बॉडी: लिबरेशन ऑन मेडिकल ह्यूमैनिटीज प्रस्तुत किया।

—— ने किरन नादर संग्रहालय कला और अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा, किरन नादर संग्रहालय, दिल्ली में, 22-24 नवंबर, 2018 को आयोजित एक संगोष्ठि में पैनल में ग्राफिक स्टोरीज़ बनाना, भारत में ग्राफिक कहानी पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विभूति दुग्गल ने एक पत्र, सर्वव्यापी श्रवण प्रस्तुत किया: उत्तर भारत में रेडियो, सार्वजनिक स्थान और फिल्म साउंड पर। 1952-75 में, संगोष्ठी में, टीचिंग फिल्म प्रशंसा: फिलॉसफी, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज और केआईआईटी विश्वविद्यालय द्वारा 29 अक्टूबर 2018 को आयोजित प्रसार मूल्यों (भारतीय और विश्व सिनेमा का तुलनात्मक अध्ययन) के माध्यम के रूप में सिनेमा पर विशेष ध्यान देने के साथ।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, हर रोज ध्वनियों को बदलना: 'लाउडनेस', भारत में बुनियादी ढाँचा और आधुनिकता, सी 1925–45, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, साउंड कल्चर स्टडीज एंड एशिया में आधुनिकता, टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ़ फॉरेन स्टडीज, जापान, 14 सितंबर 2018 को।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, हर रोज ध्वनियों को बदलना: भारत में लाउडनेस, सी. 1925–45, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में, एशिया इन मोशन: जियोग्राफ़ीज़ और वंशावली, एसोसिएशन फ़ॉर एशियन स्टडीज़ इन एशिया, इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिल्ली, इंडिया, 6 जुलाई 2018 को।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, हर रोज ध्वनियों को बदलना: भारत में लाउडस्पीकर, सी. 1925–45, वर्कशॉप में, नॉटिंघम, यूके, 11 मई 2018 को विश्वविद्यालय में गूंजते हुए कब्जे।

—— एक पत्र प्रस्तुत किया, सुनने का इतिहास: अधोसंरचना, सार्वजनिक स्थान और लाउडस्पीकर, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, मीडिया उद्योग: वर्तमान बहस और भविष्य के निर्देश, किंग्स कोलाज लंदन, यूके में, 18 अप्रैल 2018 को।

व्याख्यान/उपलब्धियां

अखिल कात्याल ने कविता पाठ और चर्चा में भाग लिया, तुम कोई मेट्रो स्टेशन होती: अखिल कात्याल के साथ हिंदी और अंग्रेजी कविता की एक शाम, सीगल स्पेस, महारानी बाग, नई दिल्ली में 23 मार्च 2019 को।

—— काव्य प्रदर्शन / जुगलबंदी, 'शुरुआत' में दिल्ली की कवि अदिति राव के साथ भाग लिया, बुक लॉन्च में, एक प्रकार का स्वतंत्रता गीत, जो कि द आर्ट ऑफ स्पोर्ट, नई दिल्ली द्वारा 17 मार्च 2019 को आयोजित किया गया था।

—— पैनल डिस्कशन में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, मातृभाषा को पुनःप्राप्त: सलमा, अशोक वाजपेयी, अखिल कात्याल और एनएस माधवन ने कनिष्क थरूर के साथ जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में 28 जनवरी 2019 को बातचीत की।

—— ने एक पैनल डिस्कशन में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, नए भारत की हिंदी: रक्षांदा जलिल, नीलेश मिश्रा, अखिल कात्याल, प्रवीण कुमार और गीतांजलि श्री ने जयपुर साहित्य महोत्सव में, 26 जनवरी 2019 को ओयूपी द्वारा आयोजित, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के साथ बातचीत की।

—— कविता पाठ में एक चर्चा में भाग लिया, कविता समय: अखिल कत्याल, अनुपमा राजू, देवेश सूद, मकरंद परांजपे, लीलाधर मंडलोई और रूथ पाडेल, सत्यजीत सरना द्वारा संचालित, 26 जनवरी 2019 को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल।

—— पैनल डिस्कशन में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, एलजीबीटीक्यू लेखकों: अंतर और सर्वसम्मति: उर्वशी बुटालिया, अखिल कात्याल, जेरी जॉनसन और नंदिनी कृष्णन ने अर्पिता दास के

साथ बातची, जयपुर बुकमेल फेस्टिवल में, 23 जनवरी 2019 को आयोजित किया।

—— काव्य वाचन में भाग लिया, पुस्तक मेलों के द्वारा सड़क पर कविताएँ: जयपुर बुकमार्क फेस्टिवल में 23 जनवरी 2019 को जयपुर बुकमार्क फेस्टिवल में अलरिके अलमूत सैंडिग, अखिल कात्याल और सोहिनी बसाक द्वारा पठन।

—— कविता प्रदर्शन में भाग लिया; छतरपुर फार्महाउस के रूप में वह एक अभिमानी था: एक कविता प्रदर्शन, कोम्यून, मुंबई, महाराष्ट्र, 13 जनवरी 2019 तक स्पोकेनफेस्ट में।

—— कविता पाठ, कविता, संगीत और आनंद में भाग लिया: ऑक्सफोर्ड बुकस्टोर, नई दिल्ली, 20 दिसंबर 2018 को विशेष रूप से कवियों अखिल कात्याल, सोहिनी बसाक, विकी आर्य, माइकल क्रेटन ने भाग लिया।

—— कविता वाचन और चर्चा में भाग लिया, साहित्य सबका, दुनिया सबकी: कविताएं और बातचीत: अखिल कात्याल, सामुदायिक पुस्तकालय परियोजना द्वारा, दीपालय, नई दिल्ली, 18 नवंबर 2018 को आयोजित किया गया।

—— 10 नवंबर 2018 को सीएमवायके बुकस्टोर, दिल्ली में जुगोरनोट पब्लिशर्स द्वारा आयोजित एक लेखन कार्यशाला, कविता और अखिल कात्याल के साथ शहर की सुविधा।

—— कविता पाठ और चर्चा में भाग लिया, टॉक टेल: अखिल कात्याल, अंग्रेजी विभाग, हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, 5 नवंबर 2018 को आयोजित।

—— कविता पाठ और चर्चा में भाग लिया, अखिल कात्याल की एक छोटी सी कविता, जिसका आयोजन 4 दिसंबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन कॉलेज में, पोएट्री सोसाइटी द्वारा किया गया था।

—— काव्य पाठ और चर्चा में साहित्यकार के रूप में प्रस्तुत, साहित्यिक मंच: अखिल कत्याल, माज़ बिन बिलाल, मानस फिराक भट्टाचार्जी और सोहिनी बसाक द्वारा, 22 जून, 2018 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

—— कविता पढ़ने और चर्चा में एक चर्चा के रूप में मान्यता प्राप्त, मैं था 377 आप इतने बुरे: अखिल कात्याल द्वारा कविता की एक शाम, लिंग और कामुकता के लिए अध्ययन केंद्र, अशोका विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा में 24 अप्रैल 2018 से संबंधित।

—— काव्य वाचन में भाग लिया, संकेत 2018: अखिल कात्याल द्वारा काव्य पाठ, अंग्रेजी लिटरेरी सोसाइटी, अंग्रेजी विभाग, इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वुमन, दिल्ली विश्वविद्यालय, 16 अप्रैल 2018 को

आयोजित किया गया।

अनीता ई. चेरियन ने पैनल चर्चा में भाग लिया, विश्वविद्यालय पर पुनर्विचार: नीतियां, इतिहास, संस्कृतियां, पुस्तक पर चर्चा के दौरान, विश्वविद्यालय ने विचार किया: भविष्य के लिए नोट्स और विश्वविद्यालय के विचार: इतिहास और संदर्भ, देवता भट्टाचार्य द्वारा संपादित, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट परिसर में, 15 मार्च 2019 को।

बेनील बिस्वास ने पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, 8 मार्च 2019 को सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में वार्षिक पैडली मेमोरियल चर्चा में।

—— वार्षिक सम्मेलन, लिटमस 2018-19 में भारत में एक व्याख्यान, पहचान और रंगमंच दिया: फॉल्ट लाइन्स - संघर्ष और परिवर्तन के भारतीय अनुभव, अंग्रेजी साहित्यिक संघ, लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वुमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2 मार्च 2019 को आयोजित।

—— सामुदायिक ज्ञान, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, जनवरी 2019 के केंद्र के साथ, भारतीय मौखिक इतिहास कांग्रेस सम्मेलन का आयोजन किया।

—— संगीत नाटक अकादमी, धर्मनगरी, त्रिपुरा, 2 अक्टूबर 2018 को आयोजित जगदीश चंद्र माथुर शताब्दी नाट्य समरोह के एक भाग के रूप में एक सेमिनार में व्याख्यान, पारंपरिक रंगमंच (परम्पराशेल नाट्य) दिया।

—— नाटक में प्रस्तुति दी, आम आदमी तंत्र, राजेश सिंह द्वारा निर्देशित, दिनमान महोत्सव में, भारत भवन, भोपाल (9 अगस्त 2018) और कथक केंद्र, चाणक्यपुरी में, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 27 सितंबर, 20-18 को आयोजित।

—— एनर्जी रिसर्च इंस्टिट्यूट (टीईआरआई), नई दिल्ली में 25-26 सितंबर 2018 को स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज द्वारा आयोजित जलवायु जाम्बोरे 2018 के हिस्से के रूप में एक कार्यशाला, थिएटर और स्थिरता की सुविधा प्रदान की।

—— सेंट टेरेसा कॉलेज, एर्नाकुलम, केरल, 4 अगस्त 2018 को भारत में एक व्याख्यान, जेंडर और थिएटर किया।

—— अंग्रेजी और नानजील कैथोलिक कॉलेज ऑफ आर्ट्स और साइंस, कन्याकुमारी, तमिलनाडु में, भाषा और अनुवाद विभाग, डोफार यूनिवर्सिटी, सल्तनत ऑफ ओमान के सहयोग से अंग्रेजी विभाग, नानजिंग साहित्य, विज्ञान और विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया। एसोसिएशन ऑफ कल्चरल एंड साइंटिफिक रिसर्च, अलाप्पुझा, केरल में, 3 अगस्त

2018 को।

—— चेरतला, केरल में 2 अगस्त 2018 को नैपुण्य स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में भारत की प्रदर्शन कला पर एक व्याख्यान दिया, एक कार्यशाला आयोजित की।

—— राजेश सिंह द्वारा निर्देशित, आदमी नामा, नाटक में प्रदर्शन किया, उर्दू नाटक महोत्सव 2018, ग़ालिब संस्थान, 9 जुलाई 2018 में।

दीपन शिवरामन ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली, मार्च 2019 के छात्रों के लिए एक कार्यशाला, थिएटर ऑफ़ टूरिज़्मोग्राफी की प्रस्तुति दी।

—— रोटरी क्लब कोच्चि, केरल द्वारा मार्च 2019 में आयोजित नाटक प्रोडक्शन, द कैबिनेट ऑफ़ डॉ. कैलगरी के साथ केरल के बाढ़ पीड़ितों को राहत दिलाने के लिए एक धन उगाहने वाले कार्यक्रम में भाग लिया।

—— संस्कृति और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, संगीत नाटक अकादमी परिसर, मंडी हाउस, फरवरी 2019 में, निदेशक प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, एक कार्यशाला आयोजित।

—— प्ले प्रोडक्शन, डार्क चीजों, केरल, भारत, जनवरी 2019 के साथ अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव केरल में भाग लिया।

—— पैनल डिस्कशन में भाग लिया, नो पैसिव बायस्टैंडर्स: ईयर ऑन मुम्बई सम्मेलन में विसंगतिपूर्ण वातावरण बनाना, - मुंबई विधानसभा, केसीए हॉल, बांद्रा (डब्ल्यू), मुंबई, नवंबर 2018 में एक रचनात्मक उद्योग सम्मेलन।

—— वुजन इंटरनेशनल थिएटर फेस्टिवल में भाग लिया, नाटक के निर्माण के साथ, द कैबिनेट ऑफ़ डॉ. कैलगरी, शंघाई, चीन, नवंबर 2018 को।

—— पैनल चर्चा में सामने आई, स्क्रीन से स्टेज तक वुजन इंटरनेशनल थिएटर फेस्टिवल, शंघाई, चीन, अक्टूबर 2018 को।

—— थिएटर प्रदर्शन के साथ उलीसा इंटरनेशनल थिएटर फेस्टिवल में भाग लिया, कार्य प्रगति पर है - राष्ट्रवाद परियोजना, क्राको, पोलैंड, अक्टूबर 2018 को।

—— नवरस नेशनल परफॉर्मिंग आर्ट्स फेस्टिवल में भाग लिया, नाटक निर्माण के साथ, जवाहर कला केंद्र, जयपुर द्वारा आयोजित डॉ. कैलगरी के कैबिनेट में, अप्रैल 2018 को।

मनदीप सिंह रिखी ने 9 जनवरी 2019 को अपने कोरियोग्राफिक काम 'क्विन साइज' के साथ के

साथ कानपुर के का दौरा किया; बॉम्बे, 19 जनवरी 2019; और भोपाल, 14 अप्रैल 2018, और प्रदर्शन में एक कार्यशाला, लिंग और कामुकता का आयोजन, इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स से अनुदान प्राप्त।

—— 2018 के शीतकालीन सेमेस्टर में अशोका यूनिवर्सिटी में विरोध के रूप में एक सह-पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण और प्रदर्शन किया गया।

—— गोएथे-इंस्टिट्यूट / मैक्स मुलर भवन में 'डेज विदाउट नाइट', एक नए कोरियोग्राफिक कार्य को तैयार और प्रस्तुत किया गया है, प्रदर्शनी के दिन, 4-5 दिसंबर 2018 को।

—— गोएथे-इंस्टीट्यूट में मैक्स डांसर भवन, नई दिल्ली में 22-25 नवंबर, 2018 को गैटी डांस फोरम की ओर से चार दिवसीय संगोष्ठी, द बॉडी एंड परफॉर्मर का आयोजन किया गया।

—— 10-12 फरवरी, 2019 को मैक्स मुलर भवन, नई दिल्ली में, पूरे भारत में कलाकारों के एक समूह, तंजलसोन में, रंजना दवे चर्चा में थीं।

—— दो व्याख्यान दिए, भारतीय नृत्य में नई दिशाएँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय विस्तार कार्यशाला के लिए, 23 जनवरी और 1 फरवरी 2019 को।

—— एक पैनलिस्ट थे, सम्मेलन में, ईयर्स ऑन एशिया, मुंबई विधानसभा, मुंबई द्वारा आयोजित, 17 और 18 नवंबर, 2018 को आयोजित।

—— प्रकृति फाउंडेशन, चेन्नई में 31 अगस्त 2018 को द पार्क के न्यू फेस्टिवल द्वारा आयोजित एक दिन के सेमिनार में एक पैनलिस्ट था।

—— रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 4 अगस्त 2018 को संकाय विकास कार्यक्रम में कला पारिस्थितिकी में अंत:विषय पर एक व्याख्यान।

संतोष सदानंथन ने कलाकार आर्यकृष्णन रामकृष्णन के साथ बातचीत की और सहपेडिया द्वारा केरल इतिहास संग्रहालय, एडापल्ली, कोच्चि में, 22 मार्च 2019 को, ऑलरेडी-नॉट-येट का आयोजन किया।

—— गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स, त्रिशूर, केरल में जनवरी 2019 को विजिटिंग फैकल्टी के रूप में, कला के मूल्यांकन पर, व्याख्यान की एक श्रृंखला प्रदान की गई.

—— एक कार्यशाला, टेक्नोलॉजी औफ सेल्फ:बॉडी, आर्ट का चित्रा कला परिषद, बैंगलोर में, नवंबर 2018 को आयोजन किया गया।

—— विस्तृत शिक्षा कार्यक्रम, स्टूडेंट्स बायेनेल, कोच्चि-मुजिरिस बिएनले 2018, कला संकाय द्वारा आयोजित, श्री शंकराचार्य यूनिवर्सिटी ऑफ संस्कृत, कलाडी, केरल, सितंबर 2018 के तहत एक कार्यशाला, कला और प्रौद्योगिकी का आयोजन किया गया।

—— कला, सौंदर्यशास्त्र, और राजनीति पर एक सार्वजनिक व्याख्यान: एक अल्पसंख्यक परिप्रेक्ष्य। डॉ. भाऊ दाजी लाड संग्रहालय, मुंबई में, सितंबर 2018 को।

शेफाली जैन ने आर्ट्बज स्टूडियो, ओखला, दिल्ली के सहयोग से जनवरी 2019 में एक इलस्ट्रेटर वर्कशॉप, टू व नजा टू, टू टू जा....का आयोजन किया।

—— अजूबा और अन्य कहानियां पुस्तक में रितिन द्वारा लिखित सचित्र कहानी, जीत का जश्न का एकलव्य, भोपाल द्वारा दिसंबर 2018 में प्रकाशित।

—— का आयोजन, इंडी कोमिक्स फेस्ट, स्व-प्रकाशित कॉमिक्स के लिए स्वयंसेवक द्वारा संचालित उत्सव, कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत, लाजपत नगर, दिल्ली में, 25 नवंबर, 2018 को।

—— नीव अकैडमी, यमलपुर कैंपस, बैंगलोर में, सितंबर 2018 में नीव लिटरेचर फेस्टिवल कार्यशाला आयोजित की गई।

विभूति दुग्गल ने व्याख्यान दिया, फर्माइश के माध्यम से ध्वनि की कल्पना: रेडियो, वार्षिक पोस्टकार्ड और मान्यता का प्रश्न, लिटमस 2018-19: फॉल्ट लाइन्स - संघर्ष और परिवर्तन के भारतीय अनुभव, 2 मार्च 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वूमैन में इंग्लिश लिटरेरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित

कार्यक्रम/गतिविधियां

स्कूल ने 15 मार्च 2019 को पुस्तक चर्चा का आयोजन किया- विश्वविद्यालय पर पुनर्विचार: नीतियां, इतिहास और संस्कृतियाँ, देवदाति भट्टाचार्य, अनीता चेरियन, मानसी थपलियाल और रीना रामदेव के साथ पैनलिस्ट के रूप में, और रुमिनी सेन ने मॉडरेटर के रूप में।

एक कार्यशाला, कामुकता और बहुलता: कॉमिक बनाने वाली कार्यशाला, कश्मीरी गेट परिसर में 8 फरवरी 2019 को आयोजित की गई थी।

एक फिल्म, हम यहां मरने के लिए नहीं आए हैं, जिसका निर्देशन दीपा धनजार ने किया था, 18 जनवरी 2019 को प्रदर्शित हुई थी।

फराह नकवी और संजय बरनेला द्वारा निर्देशित एक फिल्म, मेरे घर का रंग प्रदर्शित किया गया, 2

नवंबर, 2018 को।

वर्कशॉप, त्रुटियां और सुधार: लेबर एंड माइग्रेशन इन सांग का आयोजन किया गया था, 24-28 सितंबर, 2018 को।

मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी की एन फोलिनी व्हाइट, ने एक बात, यूएस थिएटर में लैंगिक समानता के लिए आंदोलन, 15 फरवरी 2019 को दिया।

अशरफ अज़ीज़, हावर्ड विश्वविद्यालय, ने एक बात की, भारत में अद्वितीय लोकप्रिय छायांकन की उत्पत्ति, 13 फरवरी 2019 को।

अवंतिका बहल ने 25 जनवरी, 2019 को अवंतिका बहल से बातचीत में एक भाषण दिया।

क्रिश्चियन गिरार्ड और फिलिप मोरेल, डिजिटल नॉलेज डिपार्टमेंट के को-फाउंडर्स, इकोले नेशनल सुपरिच्योर डी'आर्किटेक्ट पेरिस-मालाक्वैस, ने एक बातचीत, क्रिश्चियन गिरार्ड और फिलिप मोरेल के साथ बातचीत की, 21 नवंबर 2018 को।

केंट विश्वविद्यालय के क्रिस्टीन होइन ने 20 फरवरी, 2019 को रवींद्रनाथ टैगोर के लेखन में आधुनिकता की आवाज, एक बात की।

मरीना कोलार्ड ने 13 फरवरी 2019 को मरीना कोलार्ड के साथ बातचीत में एक बात की।

नवतेज जोहर के साथ बातचीत में नवतेज जौहर ने एक भाषण दिया, 8 मार्च 2019 को।

परिबर्तना मोहंती ने एक चर्चा की, ट्रीज आर स्ट्रेंजर दैन एलियंस फिल्म पर, 5 अक्टूबर 2018 को।

संदीप कुरीकोस, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कलाकार द्वारा प्रस्तुति, 22 फरवरी 2019 को।

उर्वशी बहुगुणा ने 8 मार्च 2019 को एक कविता पाठ, टेरारियम का प्रदर्शन किया।

Performance practice as research course work mentored by Inder Salim, Performer Padmini Biswas

2.3. डिजाइन स्कूल

डिजाइन स्कूल की कल्पना स्नातक स्तर से परा-स्नातक और डॉक्टरेट स्तर तक डिजाइन शिक्षा की शोध के लिए अभ्यास और अनुसंधान-आधारित स्कूल के रूप में की जाती है। स्कूल अद्वितीय है क्योंकि यह मानविकी और सामाजिक विज्ञान पर केंद्रित विश्वविद्यालय में रखा गया है। इस तरह से डिजाइन का अध्ययन और अभ्यास इस प्रकार डिजाइन की पारंपरिक विशेषताओं को एक साथ लाने पर केंद्रित है- फॉर्म, फंक्शन, और सौंदर्यशास्त्र पर जोर देता है- जो इक्विटी और पारिस्थितिकी की चिंताओं के साथ भागीदारी और अभ्यास के माध्यम से अधिक सुलभ, समावेशी और टिकाऊ सार्वजनिक सेवाओं और प्रणालियों को बनाने के लिए सहयोगी तरीके से डिजाइन किया गया है। स्कूल रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट (लंदन) और ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट (ग्लासगो और फॉरेस) के साथ संकाय विनिमय पहल के माध्यम से जुड़ा हुआ है और अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर अन्य संस्थानों के साथ जुड़ा हुआ है।

डिजाइन स्कूल के संकाय के सदस्यगण औद्योगिक डिजाइन, दृश्य संचार, वास्तुशास्त्र, शहरी डिजाइन, कला एवं डिजाइन का इतिहास, दृश्य मानव विज्ञान और चलचित्र निर्माण सहित, विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता का योगदान देते हैं। संकाय के सहायक सदस्यगण सेवा डिजाइन, प्रणालियों की सोच, स्थिरता, पारिस्थितिकी, डाटा का दृश्यकरण और नागरिकता में विभिन्न दक्षता को सम्मिलित करते हैं।

डिजाइन स्कूल ने सामाजिक प्रासंगिकता के उभरते हुए क्षेत्रों में प्रभावशीलता और डिजाइन के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए प्रायोजित एवं स्वयं आरंभ किये गये परियोजनाओं का भार उठाने के लिए एक फ्यूचर्स लैब की भी इस्टैब्लिशमेंट की है। यह प्रयोगशाला वर्तमान में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अनुदानित डिजाइन इनोवेशन सेंटर के एक भाग के रूप में 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' और 'अर्बन फार्मिंग' पर दो परियोजनाओं में संलग्न है।

मास्टर ऑफ डिजाइन (सामाजिक डिजाइन)

मास्टर ऑफ डिजाइन (सोशल डिजाइन) ढाई साल, पूर्णकालिक, अभ्यास-आधारित कार्यक्रम है। छात्रों को सामाजिक विज्ञान के उन तरीकों, उपकरणों और डिजाइन विषयों में प्रशिक्षित किया जाता है, जो सहभागी और सहयोगी प्रक्रियाओं के माध्यम से जटिल सामाजिक मुद्दों को रचनात्मक रूप से संबोधित करते हैं। फोकस के क्षेत्र सार्वजनिक सेवाएं और प्रणालियां हैं (जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, अपशिष्ट, शासन इंटरफेस), सामुदायिक नेटवर्क और आजीविका (शिल्प से

संबंधित, अनौपचारिक अर्थव्यवस्थाएं, निर्मित और अमूर्त विरासत, शहरी और ग्रामीण कॉमन्स), डिजिटल प्रौद्योगिकियां (सोशल मीडिया, उपयोगकर्ता इंटरफेस और अनुभव, गोपनीयता)। छात्रों को उद्यमशीलता दक्षताओं और नेतृत्व के लिए भी पेश किया जाता है ताकि वे अपने स्वयं के उद्यमों को स्थापित करने के लिए उनका समर्थन कर सकें और साथ ही स्थापित संगठनों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान कर सकें।

कार्यक्रम में प्रत्येक 16 सप्ताह के पांच सेमेस्टर के दौरान 100 दायित्व (क्रेडिट) शामिल हैं। अकादमिक कार्य में शामिल पाठ्यक्रम, स्टूडियो परियोजनाएं, अनुसंधान और वास्तविक जीवन के संक्षिप्त विवरण पर एक थीसिस परियोजना में समापन अध्ययन शामिल हैं। इंटर्नशिप और क्षेत्र अध्ययन ग्रामीण और शहरी दोनों व्यवस्थाओं में समुदायों और संगठनों के साथ जुड़ाव के माध्यम से सीखने का एक अभिन्न अंग बनाते हैं। स्नातक अब सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, सेंटर फॉर इंटरनेट सोसाइटी और यूएनडीपी जैसे संगठनों में स्वास्थ्य, वन्यजीव संरक्षण, डिजाइन शिक्षा, डिजिटल गोपनीयता और अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं जैसे विविध क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

अनुसंधान परियोजनाएं

दिव्या चोपड़ा, सह-अन्वेषक। इंस्टिट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज (ब्राइटन, यूके), स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड डिजाइन, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्राइटन (यूके), ओस्लो स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड डिजाइन के सहयोग से, ईयू-इंडिया अनुसंधान प्रस्ताव, शहर में विस्थापन, प्लेसमेंट और प्लेसमेकिंग। नॉर्वे), इंस्टीट्यूट ऑफ माइग्रेशन स्टडीज (फिनलैंड)। आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित (रु. 500,000, जारी)

सुचित्रा बालासुब्रमण्यन, सह-अन्वेषक। बॉहॉस इमेजिनिस्टा चैप्टर, दूर जा रहा है: एशिया में बाउहॉस का प्रभाव, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, ब्राजील, मोरक्को, चीन, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के विद्वानों के साथ बॉहॉस डिजाइन स्कूल की शताब्दी को चिह्नित करने के लिए। बॉहॉस सहयोग और गेटे इंस्टीट्यूट (यूरो 5000, पूर्ण) द्वारा वित्त पोषित।

सम्मान/पुरस्कार/उपलब्धियां

दिव्या चोपड़ा को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सिटी एंड रीजनल प्लानर्स (आईएसओसीएआरपी) स्टूडेंट्स अवार्ड 2018 के लिए जूरी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

दिव्या चोपड़ा को इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन डिज़ाइनर्स, इंडिया (आईयूडीआई) (अगस्त 2018 - आज

तक) की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

सुचित्रा बालासुब्रमण्यन को नई दिल्ली के गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के पूर्वी परिसर के लिए परियोजना निगरानी के लिए समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

सुचित्रा बालासुब्रमण्यन को शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में डिजिटल और संचार डिजाइन पर कार्यक्रम के अध्ययन बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रस्तुतियां

जेड एक्सिस 2018, तीसरा संस्करण में दिव्या चोपड़ा, कला अकादमी, पणजी, गोवा में 6 से 8 सितंबर 2018 को चार्ल्स कोरेया फाउंडेशन द्वारा आयोजित द्विवार्षिक सम्मेलन, डिजाइनिंग इक्विटेबल सिटीज़।

सुचित्रा बालासुब्रमण्यन ने एक पत्र प्रस्तुत किया, शहर: निरंतर दृष्ट; 15 फरवरी 2019 को एनआईडी, गांधीनगर, गुजरात में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) और वर्ल्ड डिजाइन ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूडीओ) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डिजाइन, सामाजिक विकास के लिए दृष्ट।

—— अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, भारत में एक शोध पत्र, डिज़ाइन और उत्तर-आधुनिक राज्य प्रस्तुत करना, दूर जाना: मैओन वॉन ओस्टेन और ग्रांट वॉटसन द्वारा आयोजित, गौथ इंस्टीट्यूट, मैक्स मुलर भवन, नई दिल्ली, के सहयोग से, 2 दिसंबर 2018 को।

—— एक पत्र प्रस्तुत किया, आधुनिक भारत का डिजाइन: आधुनिकतावाद को बढ़ाते हुए, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, बॉहॉस इमेजिनिस्टा: दूर हटते हुए: एशिया में बाउहॅास से डब्ल्यूडब्ल्यू टू से एशियाई डिजाइन: रिसेप्शन और प्रतिबिंब, गोएथे इंस्टीट्यूट पेकिंग, बीजिंग, चीन में, 14 अप्रैल 2018 को।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, डिजाइन छात्र अनुभव और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, जब कला शिक्षा बन जाती है, जब शिक्षा कला बन जाती है: संघीय गणराज्य के महावाणिज्य दूतावास में बॉहॉस के पाठ्यक्रम का अतीत और भविष्य जर्मनी, शंघाई, 11 अप्रैल 2018 को।

—— एक शोध पत्र, डिज़ाइन, राष्ट्र-निर्माण और भारत में उत्तर-आधुनिक राज्य, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, बॉहॉस इमेजिनिस्टा: डिज़ाइनिंग लाइफ / मूविंग: एशिया में बॉहॉस, चाइना डिज़ाइन म्यूज़ियम, हांग्जो, चीन में 10 अप्रैल 2018 को प्रस्तुत किया गया।

वेणुगोपाल मदिपति ने एक पत्र प्रस्तुत किया, अव्यक्त दुनिया में अंतरिक्ष की भूल: गांधी और 20 वीं सदी के भारत में पारिस्थितिक मौन की वास्तुकला, दक्षिण एशिया अध्ययन कार्यक्रम संगोष्ठी, रटगर्स विश्वविद्यालय, न्यू जर्सी में, 11 सितंबर 2018 को।

व्याख्यान/उपलब्धियां

खुशबू डुबलिश ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया और एयूडी (टेरा) के साथ समन्वय किया और छात्रों को देश भर के कॉलेजों से भागीदारी के साथ एक साल की परियोजना और प्रतियोगिता, प्लास्टिक कचरे में भाग लेने के लिए सलाह दी।

—— एकेएसईईआर नामक संगठन के साथ समन्वित और दिल्ली में अफगान शरणार्थी महिलाओं पर एक छात्र की थीसिस परियोजना का उल्लेख किया।

सुचित्रा बालासुब्रमण्यन ने एक शोध पद्धति व्याख्यान, लॉक्स, लाइम्स एंड चार्म्स: एक आधुनिक दुनिया में सुरक्षित रखने और सुरक्षित महसूस करने, 22 मई 2018, और एक महत्वपूर्ण ढाँचा व्याख्यान, दशावातारा: सभ्यता के डिजाइन को अनिश्चितता की प्रतिक्रिया के रूप में पीएचडी कार्यशाला में छात्रों के लिए दिया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन में, 23 मई 2018 को।

वेणुगोपाल मादिपति ने 3 दिसंबर 2018 को फाउंडेशन फॉर इंडियन कंटेम्परेरी आर्ट (एफआईसीए) में गोएथे इंस्टीट्यूट के सहयोग से आयोजित काव्य, पीटर रोल्स, काव्य अराजकता, से बातचीत को मॉडरेट किया।

—— शाहजहांनाबाद में बस्ती सुरक्षा मंच के साथ समन्वय कर शाहजहानाबाद में बेघर होने वाले स्टूडियो के लिए एक मेजबान संगठन के रूप में काम कर रहा है। बस्ती सुरक्षा मंच के संयोजन में तुर्कमान गेट में आश्रयों में प्रस्तुतियां दी गई हैं।

घटनाक्रम / गतिविधियां

स्कूल ने 29 नवंबर 2018 को वर्तमान छात्रों के साथ और 6 दिसंबर 2018 को पूर्व छात्रों के साथ दो संरचित प्रतिबिंब सत्रों का आयोजन किया। वर्तमान में नामांकित छात्रों के साथ सत्र को कल्याणी मेनन-सेन द्वारा सुविधाजनक बनाया गया था।

विकिमीडिया फाउण्डेशन और सेंटर फॉर इंटरनेट एंड सोसाइटी, बैंगलोर द्वारा वित्त पोषित, एसवीजी प्रारूप पर चित्र और डिजिटल ड्राइंग बनाने के लिए आवश्यक कौशल से प्रतिभागियों को लैस करने के लिए स्कूल ने विकीग्राफिस्ट बूटकैम्प, एक तीन-दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षण कार्यशाला

28-30 सितंबर 2018 को आयोजित की। कार्यशाला के भाग के रूप में, स्कूल ने एयूडी और बाहरी विशेषज्ञों के पैनलवादियों के साथ 'डिजाइन और ओपन नॉलेज' पर एक पैनल चर्चा की भी मेजबानी की।

28 फरवरी – 2 मार्च, 2019 को स्कूल में ओपन-सोर्स विकीग्राफिस्ट्स का एक समुदाय बनाने के लिए, स्कूल ऑफ डिज़ाइन के छात्रों के लिए एक दूसरा विकीग्राफिस्ट बूटकैंप आयोजित किया गया था।

स्कूल ऑफ डिज़ाइन को दिल्ली शहर से जोड़ने की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, क्रमशः जोर बाग और शाहजहानाबाद में दो स्टूडियो आयोजित किए गए। अगस्त से दिसंबर 2018 तक, सेमेस्टर 3 के छात्रों ने स्थानीय परिवहन, सड़क के किनारे फेरीवालों, सड़क पर रहने वाले बच्चों, अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक शौचालयों, और सार्वजनिक कला की जरूरतों का जवाब देते हुए एयूडी के लोधी रोड परिसर में और आसपास के समुदायों के लिए डिजाइनिंग सिस्टम पर काम किया।

जनवरी से अप्रैल 2019 के महीनों में, सेमेस्टर 2 के छात्रों ने विश्वविद्यालय के कश्मीरी गेट परिसर के पास, शाहजहानाबाद की चारदीवारी में बेघरों के सामने आने वाले मुद्दों का अध्ययन किया और स्थितियों का जवाब देने के लिए सेवाओं को डिजाइन किया।

बैपटिस्ट कोएलो ने 11 अप्रैल, 2018 को ग्लेशियर का मानचित्रण करते हुए एक बात की।

पर्ल अकादमी से कुणाल सिन्हा ने 1 अगस्त 2018 को दृश्य कला, मानव आकृति ड्राइंग, 3 डी चित्र और स्केचिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

असीम वक्फ ने 15 से 17 अगस्त 2018 तक सरकंडा घास से मूर्तियां बनाने पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

संगम गौतम ने फिल्म निर्माण, निर्देशन, छायांकन और वीडियो संपादन, 24 और 31 अगस्त 2018 को एक कार्यशाला आयोजित की।

लियोन मोरेनास, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, दिल्ली ने एक बात की, स्मार्ट सिटी के बारे में 'स्मार्ट' क्या है? 26 अक्टूबर 2018 को।

स्वाति जानू, एमएचएस सिटीलैब, डीआईसी स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, दिल्ली ने 10 अक्टूबर, 2018 को एक चर्चा, आवास विच्छेद, सामुदायिक प्रवास, वितरित किया।

स्निग्धा पूनम, नेशनल अफेयर्स, हिंदुस्तान टाइम्स, ने एक बात की, यंग इंडियन चेंजमेकर्स, 30 जनवरी 2019 को।

प्रसून कुमार, बिलियन ब्रिक्स, ने एक वार्ता, शेल्टर डिजाइन, वेदरह्यूड, 16 जनवरी 2019 को दिया।

सैमुअल रेमी ने 15 फरवरी, 2019 को एक बात विल्ट मेकरेज़ से बात की।

भानु गोला ने क्ले मॉडलिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, 7 मार्च 2019 को।

डिजाइन मैटर्स फाउंडेशन और अंबेडकर सेंटर फॉर इन्क्यूबेशन, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप के सहयोग से स्कूल ऑफ डिजाइन में डिजाइन इनोवेशन सेंटर, 2019 में छात्रों के बीच नवाचार के मूल्य को बढ़ाने के लिए 2019 में एक एमओयू के हिस्से के रूप में दो इनोवेशन वर्कशॉप का आयोजन किया, 2-3 फरवरी और 9-10 फरवरी 2019 को कार्यशाला विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए खुली थी। निम्नलिखित संस्थानों के 30 छात्रों ने भाग लिया: अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय (उत्तर और दक्षिण परिसर), एमिटी विश्वविद्यालय, एसआरएम विश्वविद्यालय, पर्ल अकादमी, निफ्ट, आईआईआईटी दिल्ली। कार्यशाला प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण कौशल और दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करने में सफल रही जो डिजाइन सोच प्रक्रिया और मानसिकता के मूल में हैं।

क्षेत्र के दौरे

छात्रों ने अगस्त से दिसंबर 2018 तक डिजाइन प्रोसेस स्टूडियो के हिस्से के रूप में जहांगीरपुर में एक चिकित्सा अपशिष्ट उपचार संयंत्र का दौरा किया।

छात्रों ने फॉर्म और अनुभव के पाठ्यक्रम सौंदर्यशास्त्र के हिस्से के रूप में नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट का दौरा किया।

'ग्रामीण और शहरी परीक्षा' पाठ्यक्रम के भाग के रूप में ग्रामीण अध्ययन के लिए राजस्थान में उदयपुर के पास द्वितीय वर्ष के छात्रों ने राजसमंद का दौरा किया। इस अध्ययन का आयोजन 22 सितंबर से 1 अक्टूबर 2018 तक राजस्थान के राजसमंद में जाटान संस्थान और विकास डिजाइन के सहयोगात्मक अभ्यास के रूप में किया गया था।

छात्रों की उपलब्धियां

खुशबू डॉम्ब्रिज की स्टूडेंट की ब्रोशर डिज़ाइन को नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट द्वारा उनके आगामी प्रदर्शनी में उपयोग करने के लिए चुना गया था। छात्र ने संकाय द्वारा पढ़ाए गए फॉर्म एस्थेटिक्स ऑफ फॉर्म एंड एक्सपीरियंस के एक भाग के रूप में ब्रोशर को विकसित किया था।

भार्गवी सिन्हा 4 से 11 अक्टूबर 2018 तक लुफ्थांसा द्वारा क्यूरेट किए गए इम्पैक्ट वीक के माध्यम

से फोस्टरिंग एंटरप्रेन्योरशिप और इंटरकल्चरल एक्सचेंज में अंतरराष्ट्रीय जूरी द्वारा दिए गए पहले पुरस्कार को जीतने वाली विजेता टीम का हिस्सा थीं।

दूसरे और चौथे सेमेस्टर के छात्रों ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, गांधीनगर कैंपस में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'डिजाइन फॉर सोशल डेवलपमेंट' में भाग लिया। यह आयोजन 14-15 फरवरी 2019 को संयुक्त रूप से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) और विश्व डिजाइन संगठन (डब्ल्यूडीओ) द्वारा आयोजित किया गया था।

छात्रों ने जनवरी 2019 में 'सामग्री और प्रक्रियाओं' के ऐच्छिक के भाग के रूप में भारत कला मेले में भाग लिया और कला का उपयोग करते हुए दुनिया भर में सामाजिक हस्तक्षेप वाले विशेषज्ञों की एक पैनल चर्चा में भी भाग लिया।

School of Design faculty members, students and external experts at the Semester-end Evaluation December 2018

2.4. विकास अध्ययन स्कूल

विकास अध्ययन स्कूल (एसडीएस) का उद्देश्य समाजशास्त्र, नृविज्ञान, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र के विषयों के आधार पर अंतर्विषयक पद्धतियों के जरिए सामाज विज्ञान की शिक्षा एवं शोध की व्यवस्था को सशक्त करना है। विश्वविद्यालय की विस्तृत और बहुविषयक उच्चतर शिक्षा को प्रोत्साहन की समग्र संकल्पना से स्कूल का विशेष संबंध है, जिसका समाज की आवश्यकताओं से गहरा संबंध है। यह इस समझ के अनुरूप चलता है कि विकास सिद्धांत, विकास के अनुभव, अस्मिता एवं भेदभाव के सरोकारों, पर्यावरण के सरोकारों और विकास प्रबंध के अन्य स्वरूपों का वर्तमान के संदर्भ में, संचालन एवं अंतर्विषयक पद्धति से अधिक प्रभावशाली ढंग से किया जा सकता है। स्कूल का लक्ष्य संकटग्रस्त, उपेक्षित और वंचित समूहों को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक मुद्दों, क्रियाकलापों और यथार्थताओं के क्षेत्र में नवोन्मेषी एवं उच्च शोध को प्रोत्साहन देना है।

एम. ए. विकास अध्ययन

2009 से यह स्कूल स्नातकोत्तर कार्यक्रम के माध्यम से, अपने संकाय एवं शैक्षिक दुनिया के विशेषज्ञों की सहायता से विद्यार्थियों की अंतर्विषयक दृष्टि को विकसित करने के उद्देश्य से अध्यापन का कार्य किया जाता है। यह पाठ्यक्रम अनुसंधान के माध्यम से स्नातकोत्तर स्तर पर क्षेत्र आधारित शिक्षा के साथ-साथ सैद्धांतिक और वैचारिक समझ को निर्मित करने का कार्य करता है। अंतर्विषयक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करते समय यह छात्रों को इच्छानुसार अन्य विषयों के विशेष अनुशासनात्मक दृष्टिकोणों पर भी अधिक ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है, यदि वे अन्य विषयों के दृष्टिकोण से सूचित करते हैं।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

सुमंगला दामोदरन ने सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में दो कार्यशालाओं में भाग लिया, आईएलओ-सीडब्ल्यूडीएस परियोजना, लिंग और प्रवासन, मई और जून 2018.

प्रस्तुतियां

बाबू पी. रेमेश ने 6 सितंबर, 2018 को सेंटर फॉर एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन (सीईसी), नई दिल्ली में उद्योग 4.0 के संभावित प्रभाव और भारत में काम और श्रम के भविष्य को प्रस्तुत किया।

दीपिता चक्रवर्ती ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, क्या पूर्वी महिलाएं कम काम करती हैं? 4 अगस्त

2018 को त्रिवेंद्रम के गुलाटी इंस्टीट्यूट फॉर फाइनेंस एंड ट्रेड में प्रोफेसर एन. कृष्णजी के सम्मान में आयोजित एक संगोष्ठी में तमिलनाडु के साथ पश्चिम बंगाल की तुलना।

आइवी धर ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, प्रार्थना का अधिकार: लिंग और आस्था के बीच तनाव, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, संघर्ष और शांति में धर्म और संस्कृति: दक्षिण एशिया में सुलह और शांति निर्माण, लुम्बिनी डेवलपमेंट ट्रस्ट और ब्रिटेन के यूनिवर्सिटी ऑफ विनचेस्टर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। 26 मार्च 2019 को बुद्ध माया गार्डन होटल, लुंबिनी, नेपाल में।

—— एक शोध पत्र, सिविक लर्निंग और युवा नागरिकों को प्रस्तुत किया: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, लोकतंत्र के फ्रंटियर्स, जे. एम. टिशू कॉलेज ऑफ सिटीजनशिप एंड पब्लिक सर्विस, टफ्ट्स यूनिवर्सिटी, बोस्टन, यूएसए, 23 फरवरी 2018 को उच्च शिक्षा में प्रजातांत्रिक अनुबंध।

मोगल्गलन भारती ने एक पत्र प्रस्तुत किया, उत्तर औपनिवेशिक दुनिया: मूल निवासी और ब्राह्मण बनाम दलित: अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस में बोलीविया और भारत की तुलनात्मक समझ, वैश्विक दुनिया में लैटिन अमेरिकी अध्ययन, लैटिन अमेरिकी अध्ययन संघ, बार्सिलोना, स्पेन द्वारा आयोजित। , 26 मई 2018.

नंदिनी नायक ने एक पत्र प्रस्तुत किया, दिल्ली में पीछा करने के अधिकार: राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम पर विचार, दक्षिण एशियाई अध्ययन पर यूरोपीय सम्मेलन में, d'Etudes de l'Inde/ Asie du Sud (CEIAS) centre, CNRS / EHESS, पेरिस , फ्रांस, 24 जुलाई 2018.

सुमंगला दामोदरन ने एक पत्र, लाबूर की शक्तियों और स्वतंत्रता के सवालों को कार्यशाला में, लिपियों की अवहेलना, निकोसिया विश्वविद्यालय, साइप्रस, 15 मार्च 2019 को प्रस्तुत किया।

—— पूर्व-औपनिवेशिक अफ़रोसिया में एक शोध पत्र, संगीत प्रस्तुत किया: कुछ प्रतिबिंब, कार्यशाला में, हाल्लिंग अफ़रोसिया: जोहानसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में संगीत और मानव पलायन, 19 सितंबर 2018.

—— एक शोध पत्र, सिटी लाइट या घर की लालसा प्रस्तुत की? दिल्ली में औद्योगिक कार्यों में अनौपचारिकता की परिधि में ग्रामीण-शहरी उलझाव, कार्यशाला में, ग्रामीण-शहरी उलझाव, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 16 जुलाई, 2018 को।

—— एक शोध पत्र, ग्रामीण-शहरी उलझाव प्रस्तुत किया: भारतीय इस्लामिक केंद्र, नई दिल्ली में, 28 अप्रैल, 2018 को कार्यशाला में ग्रामीण-शहरी उलझनों के माध्यम से प्रवासी कथाओं को पहचानना और सांस्कृतिक कथनों के माध्यम से जोड़ना।

व्याख्यान/उपलब्धियां

बाबू पी. रेमेश ने अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, दक्षिण एशिया में प्रवासन: गरीबी और असमानता, दक्षिण एशिया प्रवासन रिपोर्ट 2019 के प्रमुख लेखक और भारत रिपोर्ट के लेखक के रूप में भाग लिया, दक्षिण एशियाई गठबंधन द्वारा गरीबी उन्मूलन (एसएएपीई) के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया गया। लॉ स्कूल ऑफ़ इंडिया, बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलोर, 24-25 फरवरी 2019 को।

—— कोलकाता में 15-16 दिसंबर 2018 को दक्षिण एशियाई गठबंधन की गरीबी उन्मूलन के लिए दक्षिण एशिया प्रवासन रिपोर्ट-2019 की तैयारी के लिए दूसरी संपादकीय बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

—— श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज फॉर वुमन, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 10 अक्टूबर 2018 को ऑटोमेशन और रोबोटिसाइजेशन के समय में एक परिश्रम दिया।

—— एक बात पहुंचाई, क्या पत्रकार को डिग्री की आवश्यकता है? मीडियाकर्मियों की नौकरी की असुरक्षा और कौशल, प्रशिक्षण और योग्यता के सवाल, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में, 3 अक्टूबर 2018 को।

—— एक बात पहुंचाई, कमजोर या मुश्किल दबाया? सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 28 अगस्त 2018 को भारत में पत्रकारों की नौकरी की असुरक्षा।

—— एक कार्यशाला, राष्ट्रीय डेटासेट: एप्लीकेशन और चुनौतियाँ, प्रबंधन अध्ययन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के सहयोग से, 18 अप्रैल 2018 को।

दीपिता चक्रवर्ती ने 31 मार्च 2019 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में अर्थशास्त्र समूह द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में दक्षिण की तुलना में भारत के पूर्वी राज्यों में महिलाओं की ऐतिहासिक कम कार्य सहभागिता पर एक चर्चा की।

—— 24 से 27 नवंबर, 2018 को जर्मनी के एल्सेवियर में मिशिगन विश्वविद्यालय और विश्व विकास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्थिरता और विकास में एक पर्यवेक्षक (विश्व विकास की स्थायी समीक्षा के रूप में) के रूप में भाग लिया।

—— 19 जुलाई, 2018 को नेहरू संग्रहालय, नई दिल्ली में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज (ISS), द हेग के ग्रीष्मकालीन स्कूल के छात्रों के लिए दक्षिण एशिया में एक व्याख्यान, विकास और विकास दिया।

आइवी धर ने 21 वीं सदी में महिलाओं की स्थिति पर संगोष्ठी, द्वंद्वात्मक प्रतिबिंबों में एक सत्र की अध्यक्षता की: एमिटी लॉ स्कूल, उत्तर प्रदेश, नोएडा में 7 मार्च 2019 को आयोजित समानता के अधिकार की दिशा में एक कदम।

आइवी धर ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में एक सत्र की अध्यक्षता की: सामुदायिक ज्ञान केंद्र और नॉर्थ ईस्ट फोरम, एयूडी द्वारा अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में 25 अक्टूबर 2018 को आयोजित निरंतरता, अन्वेषण।

—— 19 अप्रैल, 2018 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में विकास अध्ययन स्कूल के एमए छात्र के लिए एक पाठ्यक्रम गतिविधि के हिस्से के रूप में दिल्ली के पानी, स्वच्छता, आजीविका, पोषण और शिक्षा की खोज के लिए एक फोटो निबंध प्रदर्शनी का आयोजन किया।

नंदिनी नायक ने भारतीय सामाजिक संस्थान, लोधी रोड, नई दिल्ली में, सेंटर फॉर इक्विटी स्टडीज एंड राइट टू फूड कैंपेन द्वारा 29 अक्टूबर 2018 को आयोजित, सिविल सोसाइटी वर्कशॉप में, खाद्य राशन के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली, एक बात पहुंचाई।

सुमंगला दामोदरन ने सरोज गुप्ता मेमोरियल लेक्चर, इकोनॉमिक्स से डेवलपमेंट की पढ़ाई और उससे आगे, लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वूमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 3 मार्च 2019 को दिया।

—— 19 अप्रैल 2018 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में, एयूडी थिएटर प्रोडक्शन, डार्क चीजों का संगीत निर्देशित; और केरल के इंटरनेशनल थिएटर फेस्टिवल, त्रिशूर में, 21 जनवरी 2019 को।

—— प्रदर्शन, दुख के धागे, भारत-दक्षिण अफ्रीकी इंश्योरेंस एनसेंबल के हिस्से के रूप में, सेंटर फॉर द कम गुड आइडिया, जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका, सितंबर 2018; शिशिमानी सेंटर, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका, अक्टूबर 2018 में; कोच्चि-मुजिरिस बेनेले में, 18 दिसंबर 2018; और 20 दिसंबर 2018, गोवा में सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फेस्टिवल।

—— एक वार्ता, संगीत और प्रवास दिया: लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वुमन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 6 सितंबर 2018 को अफरोसिया में पूर्व-औपनिवेशिक संबंध को समझना।

—— व्याख्यान, सह-प्रदर्शन, राजनीति में संगीत, राजनीति के रूप में संगीत दिया: भारतीय राष्ट्र की कल्पना में प्रतिरोध संगीत को समझना, द बैकवाटर्स कलेक्टिव, कोच्चि, केरल द्वारा 15 जुलाई, 2018 को आयोजित सम्मेलन, मेटाफिजिक्स और राजनीति में।

—— पूर्व-औपनिवेशिक अफ़रोसिया में संगीत के तीन व्याख्यान दिए: भारत में अनुसंधान से कुछ

अंश - भाग I से III, एक सप्ताह के लिए विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में, संगीत विभाग, ताइनान प्रौद्योगिकी संस्थान, ताइवान, 4, 5 और 6 जुलाई 2018 को।

—— एक प्रदर्शनी, पीपुल्स म्यूज़िक: एक पुनर्निर्माण, सीरेंडिपीटी आर्ट्स फाउंडेशन, नई दिल्ली में, सटीक तारीख 28-29 अप्रैल 2018 को।

2.5. शैक्षिक अध्ययन स्कूल

शैक्षिक अध्ययन स्कूल का दृष्टिकोण पेशेवरों एवं विद्वानों को एक समुदाय के रूप में शामिल करना है, जो छात्रवृत्ति एवं अभ्यास के माध्यम से शिक्षा के ऐतिहासिक और पारंपरिक संदर्भों को समझने के लिए प्रयासरत हैं। स्कूल का लक्ष्य अपनी विभिन्न अवस्थितियों में शिक्षा के सिद्धांत और अभ्यास के बीच के अंतर को दूर करना है- इस हेतु यह एक सामाजिक अभिप्राय के रूप में शिक्षा के अध्ययन एवं व्यावसायिक शिक्षकों की तैयारी के बीच वृहत्तर योजना स्थल के विकास का प्रयास करता है। अपनी संकल्पना के अनुरूप स्कूल ने वर्ष 2012 में अपना पहला अकादमिक कार्यक्रम, एमए शिक्षाशास्त्र से शुरू किया। प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईसीईडी) के सहयोग से तथा सर रत्न टाटा ट्रस्ट के शुरूआती सहयोग से स्कूल ने 2014 में एमए शिक्षा (प्रारम्भिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा) की शुरूआत की। निकट भविष्य में यह स्कूल शिक्षा में एम.फिल./पीएच.डी., पूर्व सेवा अध्यापक शिक्षा और सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू करना चाहता है। 2019 में, स्कूल ने शिक्षकों के अभ्यास के लिए सतत व्यावसायिक विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया है। ये पाठ्यक्रम विभिन्न स्कूल स्तरों में शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता पूर्व-सेवा और इन-सेवा कार्यक्रमों को स्थापित करने की योजना का एक हिस्सा हैं। स्कूल 2019 में शिक्षा में अपना पीएचडी कार्यक्रम शुरू करने की भी योजना बना रहा है।

एम. ए. शिक्षाशास्त्र

शिक्षा में एमए दो साल का पूर्णकालिक कार्यक्रम है जिसमें शैक्षिक सिद्धांत, अभ्यास और नीतियों के साथ कठोर जुड़ाव शामिल है। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक घटना और ज्ञान के एक क्षेत्र के रूप में शिक्षा के साथ जुड़ना है, जो सामाजिक-ऐतिहासिक-राजनीतिक-आर्थिक संरचनाओं और समाज की प्रक्रियाओं में स्थित है। यह शिक्षा की विभिन्न प्रक्रियाओं और प्रणालियों को समझने और गंभीर रूप से समझने के लिए कई अनुशासनात्मक दृष्टिकोणों का उपयोग करता है। इस तरह, यह एक अनुशासन के रूप में शिक्षा के विकास में योगदान करने की उम्मीद करता है - साहित्य और सिद्धांतों की एक श्रृंखला को लाकर जो विभिन्न शैक्षिक घटनाओं की जांच करने में मदद कर सकता है, सक्रिय रूप से क्षेत्र के साथ संलग्न होकर और शिक्षा में अनुसंधान की दिशा में योगदान करके. छात्रों को शिक्षण, कार्यशालाओं, सेमिनारों, अनुसंधान और क्षेत्र के घटकों के संयोजन के माध्यम से समकालीन शिक्षा के साथ-साथ क्षेत्र की वास्तविकताओं और हाथों के अनुभवों पर विभिन्न महत्वपूर्ण बहस से अवगत कराया जाएगा।

एमए शिक्षाशास्त्र (प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा)

शिक्षा में एमए (ईसीसीई) कार्यक्रम कई विषयों के माध्यम से प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा की गहन समझ प्रदान करता है- बच्चों का विकास, समाजशास्त्र, इतिहास, मनोविश्लेषणात्मक ढांचा, नृविज्ञान और महत्वपूर्ण शिक्षाशास्त्र के माध्यम से बचपन की देखभाल और शिक्षा की गहन समझ प्रदान करता है। यह बहु-विषयक दृष्टिकोण, पूर्व-विद्यालयों में निरंतर लगाव और गैर-विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के साथ, छात्रों के लिए एक अद्वितीय व्यावसायिक विकास का अवसर प्रदान करता है। ईसीसीई के क्षेत्र में अनुसंधान शोध प्रबंध घटक के माध्यम से आगे बढ़ा है। कार्यक्रम का उद्देश्य ईसीईसीई के क्षेत्र में पाठ्यक्रम डेवलपर्स, सामाजिक उद्यमियों और शिक्षक शिक्षकों की बढ़ती मांग को पूरा करना है, और विद्वानों और शोधकर्ताओं जो ईसीसीई में ज्ञान के शरीर में योगदान कर सकते हैं।

शिक्षकों के लिए सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) पाठ्यक्रम

स्कूल के सीपीडी की योजना शिक्षकों की प्रैक्टिस के लिए अपर्याप्त मात्रा और इन-सर्विस शिक्षक शिक्षा के अवसरों की गुणवत्ता के वर्तमान संदर्भ के साथ उलझने पर केंद्रित है। ये योजनाएँ कार्यक्रमों की एक सहज निरंतरता की दृष्टि पर आधारित हैं जो शिक्षकों की एक श्रृंखला के लिए प्रारंभिक व्यावसायिक तैयारी और सीपीडी के अवसर प्रदान करती हैं (जिनमें स्कूल शिक्षक और नेता, शैक्षिक प्रशासक और नियोजक, शिक्षक शिक्षक, पाठ्यक्रम डेवलपर्स, माता-पिता और अन्य शामिल हैं)। दीर्घकालिक योजना कई विशिष्ट पाठ्यक्रमों की पेशकश करने की है जो क्रेडिट आय की अनुमति देती है जो एक डिप्लोमा या डिग्री प्रोग्राम में समाप्त होगी। शिक्षकों को अभ्यास करने के लिए निरंतर शिक्षा के लिए लचीलेपन का यह प्रावधान एक अनूठी विशेषता है जो भारतीय शिक्षक शिक्षा परिदृश्य में शायद ही कभी देखा जाता है। विश्वविद्यालय के मुख्य भाग में पेशेवरों के अभ्यास के लिए सीपीडी लाना और स्कूल और उच्च शिक्षा के बीच आदान-प्रदान के लिए स्थान बनाना, योजनाओं के व्यापक लक्ष्य हैं।

सहयोग

इरास्मस + और बीडब्ल्यूएस + लुडविग्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन के साथ अनुदान (एलयूई)

इरास्मस + और बीडब्ल्यूएस + अनुदान के लिए जर्मनी के लुडविग्स यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन (एलयूई) के साथ एसईएस अपने दो संयुक्त अनुप्रयोगों में सफल रहा है। इन अनुदानों के बाद विश्वविद्यालय ने हस्ताक्षर किए- (ए) इरास्मस के लिए कार्यक्रम और भागीदार देशों के संस्थानों

के बीच अंतर-संस्थागत समझौता, (बी) बीडब्ल्यूएस + के लिए एलयू के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)। 20 महीने के इरास्मस + अनुदान से दो संस्थानों में छात्र, संकाय और कर्मचारियों का आदान-प्रदान होगा, संकाय सदस्यों के बीच सम्मेलनों और सहयोगी अनुसंधान में भागीदारी होगी। इस तीन-वर्षीय बीडब्ल्यूएस + परियोजना के अंतिम दो वर्षों में, एलयूई और एयूडी ने संयुक्त रूप से (ऑनलाइन) सेमिनार, कार्यशालाएं / सेमिनार, समर स्कूल और अल्पकालिक कार्यक्रमों के लिए शिक्षक प्रशिक्षण छात्रों का आदान-प्रदान किया है। कार्यक्रम के समन्वयक मनीष जैन और सुनीता सिंह हैं।

एलयूई के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मार्च 2019 में विश्वविद्यालय में एलयूई के ग्रीष्मकालीन स्कूल की योजना के लिए सितंबर-अक्टूबर 2019 में दौरा किया। इसके एक भाग के रूप में, तीन एयूडी फैकल्टी को एलयूई में फैकल्टी के रूप में चुना गया और आठ छात्रों का चयन एलयूई में ग्रीष्मकालीन स्कूल के लिए चयन किया गया।

अल्पकालिक आदान-प्रदान

स्कूल ने विंटर सेमेस्टर 2019 के दौरान टीचिंग स्कॉलर डॉ. हीथर बिगली को फुलब्राइट डिस्ट्रिक्टेड अवार्ड दिया। गुंजन शर्मा विद्वान की अकादमिक सलाहकार थीं। हीदर बिगली ने स्कूल की सीपीडी पहल के तहत स्कूली छात्रों के लिए 'कक्षा में मीडिया के उपयोग' पर कार्यशालाएँ आयोजित कीं। उन्होंने एमए कार्यक्रमों में शिक्षक शिक्षा पर और एयूडी के अन्य स्कूलों में विशेष व्याख्यान दिए।

एयूडी-एलयूई, इरास्मस + अनुदान के बीच सहयोग के तत्वावधान में स्कूल ने डॉ. क्रिस्टोफ़ नोबलच, लुडविग्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ़ एजुकेशन (एलयूई) की मेजबानी की। सुनीता सिंह ने एमए शिक्षा (अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन) कार्यक्रम में 'डेवलपिंग अर्ली चाइल्डहुड करिकुलम'के लिए यात्रा के दौरान विद्वान के साथ सहयोग किया।

एयूडी-एलयूई, इरास्मस + अनुदान के बीच सहयोग के तत्वावधान में स्कूल ने डॉ. थॉमस वेडनहॉर्न, प्रोफेसर, लुडविग्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन (एलयूई) की मेजबानी की। गुंजन शर्मा ने 'शिक्षक शिक्षा का परिचय, और शिक्षक के रूप में शोधकर्ता' के लिए यात्रा के दौरान विद्वान के साथ सहयोग किया।

अनुसंधान परियोजनायें

आनंदिनी डार, प्रधान अन्वेषक। शहर में विस्थापन, जगह बनाना और भलाई। ईक्यूयूयूआईपी-

इंडिया पायलट रिसर्च कॉल ऑन सस्टेनेबिलिटी, इक्विटी, वेलबिइंग और कल्चरल कनेक्शन के तहत ईयू-आईसीएसएस द्वारा वित्त पोषित (5 लाख रुपये; जारी)।

गुंजन शर्मा, सह-अन्वेषक। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में शिक्षक शिक्षा संकाय के बीच उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति, शैक्षणिक उत्पादकता, प्रकाशन रणनीति। मैकके स्कूल ऑफ एजुकेशन रिसर्च ग्रांट्स, ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा वित्त पोषित। (यूएस $ 14,600; जारी)।

मनीष जैन और सुनीता सिंह, सह-प्रधान जांचकर्ता। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में नए शिक्षा प्रयोगों का अध्ययन। दिल्ली सरकार की एनसीटी द्वारा अनुदानित सहायता अनुदान। (रु. 1 करोड़; जारी)।

—— सह-अन्वेषक (शैलजा मेनन और राहुल मुखोपाध्याय के साथ)। औपनिवेशिक भारत में प्रारंभिक भाषा और साक्षरता शिक्षा: प्रारंभिक साक्षरता पहल परियोजना, टीआईएसएस-हैदराबाद में एक सामाजिक-ऐतिहासिक अध्ययन। टाटा ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित। (रु. 2,618,600; जारी)।

—— प्रोजेक्ट पार्टनर। शिक्षा का उचित अवसर: हरियाणा, भारत में शैक्षिक सफलता के लिए मार्ग प्रशस्त। फेयरचैन फाउंडेशन और वारविक विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित। (£ 250,000; जारी)।

मोनिमालिका डे, सह-अन्वेषक। बचपन के विकास और ओडिशा, भारत में प्री-स्कूल कार्यक्रम। येल विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस $ 73184; जारी) द्वारा वित्त पोषित।

—— मुख्य जाँचकर्ता। एकीकृत ईसीडी हस्तक्षेप पैकेज और मेघालय में एमएसआरएलएस की भूमिका पर व्यवहार्यता अध्ययन। विश्व बैंक समूह, दिल्ली, भारत द्वारा वित्त पोषित। (यूएस $ 48,356; जारी)।

—— मुख्य जाँचकर्ता। बिहार राज्य में बचपन की शिक्षा पर तकनीकी सहायता। यूनिसेफ बिहार, भारत द्वारा वित्त पोषित। (रु. 3,337,480; जारी)।

—— मुख्य जाँचकर्ता। यूनिसेफ पश्चिम बंगाल में बचपन की शिक्षा पर तकनीकी सहायता। यूनिसेफ पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा वित्त पोषित। (रु. 2,501,992; जारी)।

सुनीता सिंह, प्रधान अन्वेषक प्रारंभिक शिक्षा पहल (ईएलआई)। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित। (रु. 2,021,000; जारी)।

—— सह-प्रधान अन्वेषक। बचपन की देखभाल और दिल्ली में शिक्षा केंद्रों का विकास। उच्च शिक्षा निदेशालय (डीएचई), दिल्ली सरकार के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) द्वारा वित्त पोषित। (40,000,000 रुपये; जारी)।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

आनंदिनी डार को इंडियाना विश्वविद्यालय-एयूडी साझेदारी, जुलाई-अगस्त 2018 के भाग के रूप में इंडियाना विश्वविद्यालय के साथ संकाय विनिमय के लिए चुना गया था।

गुंजन शर्मा और शिवानी नाग का चयन लुडविग्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन, जर्मनी के साथ संकाय एक्सचेंज के लिए एक प्रतियोगी प्रक्रिया के माध्यम से किया गया था, जो इरास्मस + अनुदान, मार्च 2019 के तहत एयूडी-एलयूई सहयोग के एक भाग के रूप में था।

—— एक आमंत्रित सदस्य के रूप में, संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत शैक्षिक फाउंडेशन (USIEF) के पूर्व छात्र पुरस्कार प्रतियोगिता 2018-2019, दिसंबर 2018-जनवरी 2019 के लिए राष्ट्रीय चयन समिति।

मनीष जैन ने मई-जून 2018 को जर्मनी के बेयरुथ विश्वविद्यालय के जनरल पेडागोजी विभाग में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।

प्रभात राय ने जनवरी 2019 के आरंभिक वर्षों में बच्चों में संकल्पना विकास पर अनुसंधान करने के लिए शिक्षा संकाय, मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा वरिष्ठ अनुसंधान फैलोशिप का लाभ उठाया।

—— मिलनियम ब्रॉडवे न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क शहर, यूएसए, 14 अप्रैल 2018 को AERA द्वारा आयोजित अमेरिकन एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन (AERA) की वार्षिक सम्मेलन की बैठक में, सामाजिक जाति और वर्ग की स्कूली बच्चों की धारणाओं को प्रस्तुत किया। ।

मानसी थपलियाल-नवानी ने राष्ट्रीय संगोष्ठी, समावेशी शिक्षाशास्त्र में एक शोध पत्र, परिणाम आधारित शिक्षण और समान शिक्षण परिणाम प्रस्तुत किए: भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षण और शिक्षण अभ्यास, सेंटर फॉर राइटिंग एंड कम्युनिकेशंस (सीडब्ल्यूसी) द्वारा अशोक विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। , सोनीपत, भारत, 27 मार्च 2019 को।

—— भारतीय उच्च शिक्षा में भेदभाव और बहिष्कार को संबोधित करते हुए एक शोध पत्र प्रस्तुत किया: भारतीय विश्वविद्यालयों में सेमिनार, विविधता, समावेश और अंतर्राष्ट्रीयकरण में लिंग, अल्पसंख्यक और विकलांगता: ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी जेजीयू) द्वारा आयोजित तुलनात्मक दृष्टिकोण, जिंदल ग्लोबल एजुकेशनल और प्रोफेशनल एकेडमी, नई दिल्ली, भारत, 19 मार्च 2019 को।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, उद्यमी और अभिनव बनना: अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में, भारतीय उच्च

शिक्षा में बहस का आयोजन करना, दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षाविदों का आयोजन: सरसुना कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा परिवर्तनशील दृष्टिकोण , रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय (आरबीयू), हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (एचसीक्यू) और अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, भारत, 26 फरवरी 2019 को।

—— एक पेपर प्रस्तुत किया, विज्ञान की शिक्षा का समाज और विज्ञान शिक्षा: कुछ विचर और अनुभव (विज्ञान और विज्ञान शिक्षा की प्रकृति को समझना: कुछ विचार और अनुभव), राष्ट्रीय संगोष्ठी, विज्ञान और विज्ञान शिक्षा (विज्ञान और शिक्षा) , 15 अक्टूबर 2018 को अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर और भारत के IISER, मोहाली में, IISER, मोहाली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

—— 15 जुलाई, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में, काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट (CSD) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, माध्यमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण में उच्च शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए संक्रमण, एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मनीष जैन ने सामाजिक विज्ञान के माध्यम से लर्निंग, एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, बोलचाल में, बिना बोझ के सीखना: सेंटर फॉर एजुकेशन इनोवेशन एंड एक्शन रिसर्च, TISS, मुंबई और APSoE, हैदराबाद, भारत द्वारा 6 दिसंबर 2018 को आयोजित यशपाल समिति की रिपोर्ट।

—— लखनऊ युवा भारत, लखनऊ, भारत द्वारा 16 नवंबर, 2018 को आयोजित लखनऊ यूथ कन्वेंशन 2018 में एक शोध पत्र, क्वालिटी एजुकेशन प्रस्तुत किया गया।

—— पत्रों को प्रस्तुत किया, एक विचार की राजनीति: कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और भारत में गरीबों को शिक्षित करना, 23 मई 2018, और शिक्षक शिक्षा विविधता के संदर्भ में: भारत से अनुभव, 30 मई 2018, सेमिनार श्रृंखला में, विविधता और स्कूल में विविधता। और विश्वविद्यालय, जर्मनी के यूनिवर्सिटी ऑफ़ बियरेथ में जनरल पेडागोजी विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

मोनिमलिका डे ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, गरीबों के लिए बचपन का विकास: पैमाने पर प्रभाव, ओडिशा, भारत, संगोष्ठी में, एससीआरडी, बाल्टीमोर, मैरीलैंड, यूएसए द्वारा आयोजित सोसाइटी फॉर रिसर्च इन चाइल्ड डेवलपमेंट (एससीआरडी) की द्विवार्षिक बैठक, मार्च 2019 को।

निवेदिता सरकार ने एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, गृहस्थी उच्च शिक्षा में कितना खर्च करती है: अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भागीदारी पर असम्बद्धता, दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षाविदों का आयोजन: सरसुना कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा

आयोजित दृष्टिकोण बदलना। आईसीएसएसआर), रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय (आरबीयू), हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (HCU) और अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, स्कूल ऑफ एजुकेशन स्टडीज, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में, 26 फरवरी 2019 को।

—— भारत में उच्च शिक्षा में घरेलू खर्च, एक शोध पत्र प्रस्तुत किया: राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़ों में से कुछ प्रतिबिंब, राष्ट्रीय संगोष्ठी में, शिक्षा वित्तपोषण में प्रतिमान: गुणवत्ता, इक्विटी और रोजगार की चिंता, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान द्वारा आयोजित NIEPA), नई दिल्ली, भारत, 14 दिसंबर 2018 को।

—— एक पत्र प्रस्तुत किया, जो भारत में माध्यमिक शिक्षा पूरी करता है: राष्ट्रीय संगोष्ठी में, व्यक्तिगत और घरेलू विशेषताओं की भूमिका की जांच, माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण, सामाजिक विकास परिषद (CSD) द्वारा आयोजित, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, भारत में , 15 जुलाई 2018 को।

राजश्री चंचल और शीद ने मौलाना आज़ाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, भारत में समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, भाषा, संस्कृति और अल्पसंख्यकों में एक शोध पत्र, स्कूल की पसंद, शिक्षा के माध्यम और शैक्षिक बाजारों को प्रस्तुत किया। , 22 मार्च 2018 को।

—— उत्तर प्रदेश में एक 'शहरी फ्रिंज' में उभरते हुए स्कूली शिक्षा के बाजारों में एक पत्र प्रस्तुत किया: कार्यशाला में, कम आय वाले परिवारों की शैक्षिक आकांक्षाओं और प्रथाओं, हाशिए पर पूछताछ: शिक्षा और शहरी, मैक्स वेबर स्टैफ़र्ट इंडिया शाखा कार्यालय और राष्ट्रीय द्वारा आयोजित इंस्टिट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज़ (NIAS), बैंगलोर, भारत, 12 नवंबर 2018।

शिवानी नाग ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में उच्च शिक्षा में सामाजिक रूप से वंचित, समावेशी शिक्षाशास्त्र में सामाजिक-वंचितों को शामिल करने को मजबूत करने के लिए एक शोध पत्र, सुविधात्मक शिक्षा संबंधी बुनियादी ढाँचे और प्रथाओं की भूमिका प्रस्तुत की: सेंटर फॉर राइटिंग एंड कम्युनिकेशन्स द्वारा आयोजित भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षण और शिक्षण अभ्यास। (CWC), अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत, भारत में, 26 मार्च, 2029 को।

—— 22 सितंबर, 2018 को ए. एन. सिन्हा इंस्टीट्यूट, पटना में ऑल इंडिया फ़ोरम फ़ॉर एजुकेशन द्वारा आयोजित एक विकल्प के लिए रणनीति: भारतीय शिक्षा में संकट, राष्ट्रीय सेमिनार में, बहिष्कार की काउंटरिंग शैक्षिक नीति, एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रभात सी. राय ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT), नई दिल्ली, भारत,

अगस्त 2018 में प्राथमिक स्तर पर एक शोध पत्र, स्कूल-आधारित मूल्यांकन अभ्यास प्रस्तुत किया।

—— राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT), नई दिल्ली, भारत, जून 2018 में एक शोध पत्र, सांस्कृतिक-ऐतिहासिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए सीखने के लिए, एक हितधारकों की कार्यशाला में, मूल्यांकन पर वैचारिक परिभाषाओं का विकास करना।

व्याख्यान / उपलब्धियां

आनंदिनी डार ने कार्यशाला में जेंडरस्केप: वूमन्स इन सिक्योरिटी, कंफ्लिक्ट मैनेजमेंट एंड पीस (WISCOMP), दिल्ली, भारत, मई 2018 द्वारा आयोजित कार्यशाला में बात करते हुए, हिंसा और बहिष्कार की बात की।

—— बचपन, ऋषि प्रकाशन और बच्चों की भौगोलिक, टेलर और फ्रांसिस प्रकाशन के लिए एक रेफरी के रूप में सेवा की।

भारती बवेजा ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नवाचार और रचनात्मक शिक्षा और शिक्षण में एक व्याख्यान, नवाचार और रचनात्मक शिक्षा और शिक्षण दिया, आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, दिल्ली, भारत द्वारा 30 मार्च 2019 को आयोजित किया गया।

—— सम्मेलन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया, तृतीयक शिक्षा में उभरते रुझान: गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 29-30 मार्च 2019 तक चुनौतियों और संभावनाओं का आकलन करना।

—— 12 मार्च 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन और विकास केंद्र में कार्यस्थल अधिनियम 2013 में कार्यशाला के लिए एक व्यक्ति के रूप में कार्य किया गया, लिंग संवेदीकरण और रोकथाम, निषेध और महिलाओं के यौन उत्पीड़न के कार्यान्वयन के लिए।

—— व्याख्यान दिया, भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की पुनरभचना, राष्ट्रीय संगोष्ठी में, शिक्षा दिभन और समाज, विद्याश्री न्यास द्वारा आयोजित, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, बनारस, भारत, 14 जनवरी 2019 को।

—— मानव संसाधन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली, भारत में 19 दिसंबर, 2018 को 'टीचर रिफ्रेशर कोर्स ऑन टीचर एजुकेशन: ट्रांसफॉर्मेटिव टीचर एजुकेशन' में रचनावाद और शिक्षाशास्त्र पर एक व्याख्यान दिया।

—— गांधी अनन्तश्री हिंदी विश्व विद्यालय, वर्धा, भारत में 17 दिसंबर, 2018 को सतत विकास के

लिए एक व्याख्यान दिया।

गुंजन शर्मा को विशेष कर्तव्य पर तैनात किया गया था, शिक्षक शिक्षा इकाई, स्कूल ऑफ एजुकेशन स्टडीज, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, जून 2018 - वर्तमान।

—— 26 मार्च, 2019 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज़ में स्नातक सेमिनार में तकनीकी सत्र, क्रिटिकल शिक्षाशास्त्र और शिक्षक शिक्षा पर चर्चा की गई.

—— फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम: डिजिटल लर्निंग इंटीग्रेटेड कोर्स डिज़ाइन, 12 दिसंबर, 2018 को सत्र की सुविधा, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम: डिजिटल लर्निंग इंटीग्रेटेड कोर्स डिज़ाइन।

—— डेक्निअल रिव्यू कमेटी, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, फरवरी - जुलाई 2018 के लिए संकाय सचिव थे।

—— 25 मई, 2018 को यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन, हैली रोड, दिल्ली के आमंत्रण पर, संयुक्त राज्य अमेरिका में शिक्षा का सांस्कृतिक संदर्भ, संगोष्ठी में भारतीय विद्वान उन्मुखीकरण कार्यक्रम दिया गया।

—— दिसंबर 2017 से मई 2018 तक अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में डिप्टी डीन, अकादमिक गवर्नेंस के रूप में कार्य किया।

—— सेज ओपन जर्नल के लिए स्कूल स्तर पर शिक्षा नेतृत्व के क्षेत्र में एक अनुच्छेद संपादक के रूप में सेवा की।

मानसी थपलियाल-नवानी आज तक, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के नियोजन विभाग के डिप्टी डीन थे।

—— पैनल के सदस्य थे, विश्वविद्यालय पर पुनर्विचार: नीतियां, इतिहास, संस्कृति, पुस्तकों पर पैनल चर्चा विश्वविद्यालय के संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति और लिबरल अध्ययन स्कूलद्वारा आयोजित विश्वविद्यालय के विचार और विचार। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट परिसर, दिल्ली, 15 मार्च 2019 को।

—— कार्यशाला में सत्र, पूछताछ और विज्ञान के शिक्षण की सुविधा, शिक्षण विज्ञान को जांच के रूप में: स्कूल शिक्षकों के लिए एक कार्यशाला, आईआईएलएम, लोधी रोड, 19 जनवरी 2019 को सेंटर फॉर टीचिंग रिसर्च एंड लर्निंग का आयोजन किया गया।

—— फरवरी-जुलाई 2018, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली की स्नातक समीक्षा समिति के लिए संकाय सचिव थे।

30 नवंबर, 2018 को ICDS बिहार, पटना में समीक्षा बैठक में मोनिमालिका दिवस में भाग लिया।

—— यूनिसेफ बिहार, पटना में 16 मई 2018 को एनजीओ पार्टनर्स की बैठक में भाग लिया।

निवेदिता सरकार ने न्यूज़क्लिक, दिल्ली में 14 अप्रैल, 2018 को अनवेश द्वारा आयोजित कार्यशाला, भारत में उच्च शिक्षा की सुविधा प्रदान की।

—— कार्यशाला की सुविधा, शिक्षकों के लिए विषय-वार संसाधनों की पहचान, NIEPA, नई दिल्ली में नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर एजुकेशन (MHRD) द्वारा 24-25 मई, 2018 को आयोजित की गई.

—— एशिया और पैसिफिक पॉलिसी स्टडीज (विली जर्नल्स) और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल इकोनॉमिक्स (एमरल्ड इनसाइट) के लिए एक समीक्षक के रूप में कार्य किया।

—— प्रभात राय ने 1921 दिसंबर 2018 को नेशनल एकेडमी ऑफ साइकोलॉजी द्वारा आयोजित नेशनल एकेडमी ऑफ साइकोलॉजी के 28 वें वार्षिक सम्मेलन में सामाजिक मनोविज्ञान पर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

—— फैसिलिटेटेड वर्कशॉप, कल्चरल-हिस्टोरिकल असेस्मेंट्स: IILM यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचिंग एंड लर्निंग, 15 दिसंबर 2018 को स्कूल के शिक्षकों और प्रिंसिपलों के साथ बच्चों के सीखने का आकलन करने के लिए एक विकासात्मक दृष्टिकोण।

—— फैसिलिटेड वर्कशॉप, अंडरस्टैंडिंग स्कूल-बेस्ड असेसमेंट: टीचर्स फॉर रिफ्लेक्शन, एलीमेंट्री स्कूल-लेवल टीचर्स एंड प्रिंसिपल्स के साथ, IILM यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचिंग एंड लर्निंग, 6 अक्टूबर 2018।

राजश्री चंचल ने तकनीकी सत्रों, शिक्षा, शहरीकरण और हाशिए पर चर्चा में भाग लिया, और भारत के बदलते सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ में शैक्षिक परिदृश्य, स्नातक सेमिनार में, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, के लिए जाकिर हुसैन सेंटर ऑफ़ एजुकेशनल स्टडीज में भाग लिया। 2019।

शिवानी नाग ने अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत द्वारा 26 मार्च 2019 को आयोजित 'समावेशी शिक्षाशास्त्र: भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षण और शिक्षण अभ्यास' विषयक संगोष्ठी में मुख्य सत्र की अध्यक्षता की।

—— YMCA में रेलवे के संपर्क में बच्चों के अधिकारों पर अखिल भारतीय कार्यकारी समूह द्वारा आयोजित रेलवे के संपर्क में लाइफ वर्ल्ड और एजेंसी ऑफ चिल्ड्रन की रिपोर्ट पर राष्ट्रीय स्तर की परामर्श बैठक में भाग लिया। नई दिल्ली, 12 जनवरी 2019 को।

—— सुनीता सिंह ने जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (DIET), नई दिल्ली द्वारा 10 अगस्त 2018 को आयोजित प्री-स्कूल एजुकेशन कोर्स (DPSE) भाषाओं में प्रवीणता में डिप्लोमा की पेशकश करने वाले स्व-वित्तपोषण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

—— प्रारंभिक साक्षरता पर एक सत्र: प्रभाव और राष्ट्रीय साझाकरण कार्यशाला में रणनीति, E सीएआरई इंडिया और यूएसएआईडी द्वारा आयोजित साक्षरता के मुद्दों को समझने के लिए दृष्टिकोण और सिद्धांत को समझना, 18 जनवरी 2019 को।

—— टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, हैदराबाद में 22 फरवरी 2019 को प्रारंभिक साक्षरता पहल की सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

—— राष्ट्रीय सम्मेलन में कार्यशाला की शुरुआत, प्रारंभिक भाषा और साक्षरता की भूमिका, बाल्यावस्था विकास के लिए प्रत्येक बच्चे का अधिकार, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और विकास केंद्र, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, यूएसआई, नई दिल्ली द्वारा 23 नवंबर 2018 को आयोजित किया जाएगा।

Session on Tagore's Thoughts and Works

—— टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, हैदराबाद द्वारा 18-22 जून 2018 को बच्चों के लेखन पर एक सप्ताह के ग्रीष्मकालीन स्कूल के लिए एक आयोजन पर संसाधन व्यक्ति।

घटनाक्रम / क्रियाएं

आनंद, पी ने एक प्रस्तुति दी, हाउ डार्क इज टू डार्क: युवा वयस्कों और किशोरों के लिए संघर्ष पर, 3 अक्टूबर 2018 को।

फारूकी, एम. एस. ने एक प्रस्तुति दी, शिक्षकों के लिए डिजाइन सोच पर कार्यशाला, 20 मार्च 2019 को।

गोविंदा, आर. ने एक प्रस्तुति दी, शिक्षा का अधिकार: इतिहास और प्रतियोगिता, 12 सितंबर 2018 को।

जुनेजा, एन ने एक प्रस्तुति दी, आरटीई के 'नो डिटेंशन' क्लॉज में संशोधन: परिणामों में सुधार या विनियमन में कमी? 13 फरवरी 2019 को।

कौल, वी और एमेरिटा ने एक प्रस्तुति दी, भारत प्रारंभिक बचपन शिक्षा प्रभाव अध्ययन: नीति के लिए निहितार्थ, 29 अगस्त 2018 को।

कुमार, के. ने व्याख्यान दिया, कुशल शिक्षक: एक वैचारिक पूछताछ, 21 फरवरी 2019 को।

सक्सेना, एस ने एक प्रस्तुति दी, पीड़ित का दमन: कुछ विचार, कुछ अनुभव, 26 सितंबर 2018 को।

राज, एस ने एक प्रस्तुति दी, वर्किंग क्लास महिलाओं के आंदोलनों और भारत में वर्तमान संघर्ष, 6 मार्च 2019 को।

राव, एस. के. एम. ने एक प्रस्तुति दी, सज्जन जो अनंत सिखाते थे: गणित के पठन-पाठन पर विचार, 14 नवंबर 2018 को।

थियोबाल्ड, यू ने एक प्रस्तुति दी, शिक्षकों के लिए डिजाइन सोच पर कार्यशाला, 6 मार्च 2019 को।

छात्रों की उपलब्धियां

8 मार्च 2019 को एलयूई, जर्मनी के साथ MoU के तहत स्कूल के आठ छात्रों को छात्र की गतिशीलता के लिए चुना गया था।

स्कूल के छात्रों ने 19 सितंबर 2018 को पाउलो फ्रेयर के जन्मदिन पर एक थिएटर प्रदर्शन तैयार किया।

Session on Tagore's Thoughts and Works

2.6. ग्लोबल अफेयर्स स्कूल

ग्लोबल अफेयर्स स्कूल(SGA) उभरते प्रक्रियाओं और मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है जो ग्रह पर जीवन को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। इन 'सीमांत' प्रक्रियाओं ने उनकी अनिश्चित और तेजी से विकसित प्रकृति को देखते हुए, शैक्षणिक संस्थानों से सगाई के समान लचीले और सहयोगात्मक तरीके विकसित करने का आह्वान किया। इन चिंताओं में ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण परिवर्तन, स्वास्थ्य और कल्याण, शहरीकरण, संघर्ष और सुरक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और नए मीडिया परिदृश्य शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक महत्वपूर्ण है और विचार और विचार कार्रवाई की आवश्यकता है। स्कूल को सम-अनुशासनात्मक वार्तालापों और सहयोगों को सक्षम करने के लक्ष्य के साथ इन प्रयासों को समाहित करने और व्यवस्थित करने का लक्ष्य है।

स्कूल वर्तमान में ग्लोबल स्टडीज, सस्टेनेबल अर्बनवाद और सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज में तीन स्नातक कार्यक्रम और ग्लोबल स्टडीज और शहरी अध्ययन में दो स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है।

ग्लोबल स्टडीज में बी.ए.

ग्लोबल स्टडीज में बीए एक परस्पर दुनिया में अंतःविषय सोच में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए है। पाठ्यक्रम वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करता है जैसे कि जलवायु परिवर्तन, सीमाहीन प्रौद्योगिकियां, एकीकृत अर्थव्यवस्थाएं, और मोबाइल आबादी, भविष्य के स्नातकों को लगता है और वैश्विक स्तर पर कार्य करता है। आधुनिक दुनिया की चुनौतियां उस कार्यक्रम में सावधानी से स्थित हैं जो समय और स्थान के रूप में विकसित होने के रूप में वैश्वीकरण की प्रक्रिया को पहचानती है। कार्यक्रम के अनिवार्य विदेशी भाषा घटक का उद्देश्य आगे वैश्विक परिवर्तन के युग में नेताओं बनने के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आवश्यक कौशल के साथ स्नातक लैस करना है।

संधारणीय शहरीवाद में बी.ए.

संधारणीय शहरीबाद में बीए का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के शहरी पारिस्थितिक तंत्रों में बसे शहरों के विकास और नियोजन की एक अंतःविषय समझ बनाना है। इसका उद्देश्य तकनीकी रूप से सुसज्जित, विश्लेषणात्मक रूप से तैयार और सामाजिक रूप से व्यस्त चिकित्सकों को तैयार करना है। स्नातक, कार्यक्रम के अंत तक, उनके डिजाइन, सामाजिक हित और पारिस्थितिक स्थिरता के संदर्भ में शहरी प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन करने की स्थिति में होगा।

सामाजिक विज्ञान और मानविकी में बीए

सामाजिक विज्ञान और मानविकी (एसएसएच) कार्यक्रम में बीए लॉ और पॉलिटिक्स, ग्लोबल स्टडीज, और सस्टेनेबल अर्बनिज़्म में अन्य तीन बीए कार्यक्रमों के अभिविन्यास द्वारा संरचित और पूरक है, जो एक अंत:विषय मार्ग के माध्यम से अपने स्वयं के आला को तैयार करना चाहते हैं।

ग्लोबल स्टडीज में एम.ए.

ग्लोबल स्टडीज में एमए छात्रों के बीच एक 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य' विकसित करने की इच्छा रखता है, जो विभिन्न प्रकार के बौद्धिक साधनों और तरीकों की तैनाती करके विभिन्न ऐतिहासिक प्रक्षेपवक्रों और वैश्विकता के अंतर्निहित कारकों की जांच करने के लिए एक महामारी विज्ञान के प्रयास के रूप में, कनेक्शन और संबंधों की सराहना के लिए अग्रणी है। वैश्विकता, वैश्वीकरण और वैश्विकता। कार्यक्रम के कुछ आवश्यक उद्देश्य छिपे हुए इतिहास और भूमंडलीकरण की भौगोलिकता को उजागर करना है जो अक्सर औपनिवेशिक, उत्तर औपनिवेशिक और नवपाषाण वैश्वीकरण के प्रमुख आख्यान के भीतर निहित हैं; और प्रक्रियाओं को समझने के लिए जिसके माध्यम से 'स्थानीय' और 'वैश्विक' की धारणाएं स्थानीय रूप से एम्बेडेड संदर्भों की एक भीड़ के भीतर सह-निर्मित होती हैं। यह कार्यक्रम कोर, ऐच्छिक पाठ्यक्रम और निर्देशित अनुसंधान परियोजनाओं के एक सूट के माध्यम से आत्म-जागरूक और चिंतनशील सीखने की संस्कृति को प्रस्तुत करना चाहता है। यह संगठनों, संस्थानों और सभी प्रकृति के सामाजिक स्थानों में काम करने के लिए सभी पहलुओं में स्नातक तैयार करने का इरादा रखता है।

अर्बन स्टडीज में एम.ए.

अर्बन स्टडीज में एमए का उद्देश्य उन स्नातकों का उत्पादन करना है जो शहरी चिंताओं के लिए एक मानवतावादी दृष्टिकोण लाते हैं, भले ही वे अपने तकनीकी और विश्लेषणात्मक पहलुओं के साथ बातचीत कर रहे हों। कार्यक्रम क्षेत्र के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से ग्लोबल साउथ की वास्तविकताओं और अनुभवों में निहित है। यह शहरीकरण के तीन पहलुओं पर बनाया गया है - जीवित, निर्मित, और पारिस्थितिक - जिसमें से इसकी सामग्री इस प्रकार है।

सहभागिता

स्कूल ने सितंबर 2019 में आयोजित होने वाले दिल्ली में इंटरनेशनल सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन की रिसर्च कमेटी 21 (शहरी और क्षेत्रीय अध्ययन) की वार्षिक बैठक की मेजबानी करने के लिए

सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एंड वर्डसाइड ट्रस्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए.

स्कूल ने स्वीडिश यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, बर्गन विश्वविद्यालय, द चे माइकलसन इंस्टीट्यूट, बर्गन और ऑस्ट्रेलियाई नेशनल यूनिवर्सिटी के साथ स्वीडिश रिसर्च काउंसिल (स्कूल ऑफ ह्यूमन इकोलॉजी) और नॉर्वे की रिसर्च काउंसिल के साथ एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। 'इंडियाज रिसोर्स (इंटर) राष्ट्रवाद: मार्च 2019 में राष्ट्रीय हित विदेशी निवेश और सहायता को कैसे आकार देते हैं'।

रिसर्च प्रोजेक्ट्स

नककेरन नंजप्पन, सह-अन्वेषक। KEM अस्पताल अनुसंधान केंद्र, पुणे के सहयोग से, स्वास्थ्य प्रणालियों पर शिक्षण के लिए सामाजिक विज्ञान के लिए शिक्षाशास्त्र पर एक पाठक। छोटे अनुदान द्वारा वित्त पोषित (रु. 85,000; जारी)।

पार्थ साहा, प्रधान अन्वेषक। ग्रामीण पंजाब में कृषि मशीनीकरण और उत्पादन संबंधों पर एक अध्ययन। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा निगमित- SMFGR (रु. 100,000; पूर्ण)।

रोहित नेगी, प्रधान अन्वेषक। भारतीय हिमालय में शहरी वायदा। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (रु. 429,000; पूर्ण)।

समिक चौधरी, प्रधान अन्वेषक। शहरी भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में अंतराल को संबोधित करते हुए — क्या 'मोहल्ला क्लीनिक' जाने का रास्ता है? अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित (रु. 1,400,000; जारी)।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

अमित कुमार मिश्रा को एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा के बोर्ड ऑफ स्टडीज के बाहरी सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

——ने वैश्विक गिरमिट संस्थान, फिजी के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया था।

—— इस प्रवास और प्रवासी भारतीयों के संपादकीय बोर्ड में नामांकित (लॉन्च किया जाने वाला जर्नल)।

नकेरन नंजनप्पन सलाहकार समूह के सदस्य हैं,-'एराइज-हब' के लिए, अर्बन वल्नरेबिलिटीज पर एक मल्टी-कंट्री कंसोर्टियम: अनौपचारिक शहरी इक्विटी प्रोजेक्ट (एराइज) के लिए जवाबदेही से

प्रतिबिंब।

रोहित नेगी को एंटीपोड फाउंडेशन, यूके के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के लिए नामित किया गया था।

—— ने विजिटिंग फेलो ऑन द इंडिया चाइना इंस्टीट्यूट, द न्यू स्कूल यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क, यूएसए, 18 अप्रैल 2018.

टीना अनिल ने सेंटर फ़ॉर स्टडी ऑफ़ डेवलपिंग सोसाइटीज़, नई दिल्ली, सितंबर 2018 में विजिटिंग फेलो के रूप में कार्य किया।

प्रस्तुतियां

अमित कुमार मिश्रा ने सिंगापुर में एक शोध पत्र, सिखों को सिंगापुर के सिखों के लिए प्रस्तुत किया: सिंगापुर में सिख युवाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय पहचान की अभिव्यक्ति, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रवासी और अंतरराष्ट्रीयतावाद: वैश्विक दृष्टिकोण, यूजीसी सेंटर फॉर स्टडी ऑफ इंडियन डायस्पोरा, हैदराबाद और संयुक्त रूप से आयोजित। हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में डायस्पोरा पहल के लिए संगठन, 4 अक्टूबर 2018.

—— प्रबंधित गतिशीलता, शाही अवमूल्यन: भारतीय श्रमिक प्रवासी भारतीय श्रम व्यवस्था की सीमाओं से परे, शोध पत्र पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, दासता की विरासत और गिरमिटिया श्रम, अतीत को भविष्य से जोड़ना, सूरीनाम विश्वविद्यालय, पारामारिबो द्वारा आयोजित , सूरीनाम, 21 जून 2018.

एकता सिंह ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), नई दिल्ली, जनवरी 2019 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डिजिटल कॉन्फ्रेंस में अनुशासन, सामाजिक विज्ञान में एक शोध पत्र, बिग डेटा और स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया।

एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में तकनीकी लोकतंत्र और दक्षिणपंथी लोकलुभावन के उभरते हुए उदाहरण, 21 वीं सदी में लोकतांत्रिक राजनीति में प्रौद्योगिकी की भूमिका, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, सटीक तारीख जुलाई 2018.

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, नीति आयोग : इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (ISEC), बैंगलोर द्वारा 24 अप्रैल 2018 को आयोजित डेवलपमेंट कन्वेंशन में साक्ष्य के माध्यम से शासन करने की कला।

रचना मेहरा ने एक शोध पत्र, द अमेरिकन ड्रीम एंड इंडियन रियलिटीज़: पोस्ट-औपनिवेशिक युग में सामुदायिक विकास कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, मापने का वायदा: एशिया में विशेषज्ञता की राजनीति, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, वेनर ग्रेने फाउंडेशन और विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया। शिकागो सेंटर दिल्ली, शिकागो विश्वविद्यालय, दिल्ली में, 11 दिसंबर 2018।

रोहित नेगी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), मुंबई में 4 दिसंबर, 2018 को संगोष्ठी में, दिल्ली में वायु प्रदूषण, विशेषज्ञता और लोक प्रदूषण: दिल्ली में वायु प्रदूषण के बारे में एक पत्र प्रस्तुत किया।

—— एक शोध पत्र, दिल्ली की परिधियों और जहरीली हवा की अदिश राजनीति को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत करते हुए, 28 सितंबर, 2018 को इंडियाना यूनिवर्सिटी, यूएसए में वैश्विक रूप से तैयार।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, गतिशीलता की भौतिकता: हिमाचल प्रदेश में शहरी वायदा और अवसंरचना, एशियन स्टडीज के वार्षिक सम्मेलन में, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में, 7 जुलाई 2018.

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, भारतीय हिमालय में क्षेत्रीय शहरीकरण, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ग्रामीण-शहरी उलझनों, वाशिंगटन विश्वविद्यालय और अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 27 अप्रैल, 2018.

—— और पी. श्रीग्यान ने 20 अप्रैल, 2018 को सांस्कृतिक नृविज्ञान के लिए सोसाइटी द्वारा आयोजित आभासी सम्मेलन, विस्थापन में दिल्ली की परिधि में सांस लेते हुए एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— एक शोध पत्र, माइनिंग सॉलिडैरिटी, ड्रेजिंग अनिश्चितता, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, अफ्रीका-इंडिया में प्रस्तुत किया: ड्यूक यूनिवर्सिटी में एनकाउंटर, एपिसोड, उलझाव, 3 अप्रैल 2018.

संतोष कुमार सिंह ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, एक पहचान की तलाश में: कैसे गीत पंजाब में जाति के इतिहास को संप्रेषित करते हैं, राष्ट्रीय संगोष्ठी, जाति और संचार में, जामिया मिलिया इस्लामिया में 27 मार्च, 2019 को संस्कृति, मीडिया और शासन केंद्र द्वारा आयोजित किया जाता है।

सुनलिनी कुमार ने एक पत्र प्रस्तुत किया, भारत का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र: अमेरिका से इतना दूर, ईश्वर से दूर !, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, मापने वाला वायदा: एशिया में विशेषज्ञता की राजनीति, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, वेनर ग्रेन फाउंडेशन और विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित शिकागो सेंटर दिल्ली, यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो सेंटर दिल्ली, नई दिल्ली, 11 दिसंबर 2018।

19 मार्च, 2019 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, दलित प्रश्न पर समकालीन प्रतिवर्तकता, तीना अनिल ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, अस्तित्वहीन, अप्राप्य राज्य: शहरी स्थान में अस्पृश्यता की खोज।

व्याख्यान / उपलब्धियां

अमित कुमार मिश्रा ने 14 फरवरी 2019 को एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार, समकालीन समय में मानवाधिकार और प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।

अनिल पारसौद ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, प्रवासी और राज्य: उपनिवेशवाद से नवउदारवाद तक, TISS पटना, बिहार में 29 नवंबर, 2018 को एक व्याख्यान दिया, जिसके बाद दासता और गवाह का प्रश्न।

एकता सिंह, 30 मार्च, 2019 को संस्कृति विभाग, केरल सरकार द्वारा आयोजित सत्य-युग के बाद के सेमिनार, सोशल मीडिया और लोकतंत्र में एक अतिथि वक्ता थीं।

——— एक विजिटिंग फैकल्टी ने TISS, हैदराबाद में 24-30 दिसंबर 2018 को मास्टर्स कोर्स, पॉलिसी इंस्टीट्यूशंस इन प्रैक्टिस सिखाया।

——— डॉ. एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान, तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सेवाओं और केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के 93 वें फाउंडेशन कोर्स के हिस्से के रूप में दो व्याख्यान, अधिकारों, स्वतंत्रता, समानता और न्याय की अवधारणा और लोकतंत्र का व्याकरण। हैदराबाद, 24–26 सितंबर 2018.

7 मार्च, 2019 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में सेंटर फॉर वीमेन स्टडीज द्वारा आयोजित एक लैंसडेड लेंस के माध्यम से कौस्तुव बनर्जी ने एक अतिथि व्याख्यान, काउंटरिंग इन्विसिबिलीज़ेशन: डेटा का विश्लेषण कैसे किया।

——— बोलचाल के भाषण, आजीविका की चोरी और आपराधिकता का उत्पादन: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में 31 जनवरी, 2019 को सेंटर फॉर सोशल सिस्टम के अध्ययन के लिए केंद्र द्वारा आयोजित पूंजीवादी संचय का एक फील्ड व्यू।

——— एक अतिथि व्याख्यान दिया, लोकतंत्र में विकासवाद: पिछड़ेपन को समझना, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में 24 जनवरी, 2019 को सेंटर फॉर सोशल मेडिसिन एंड कम्युनिटी हेल्थ द्वारा आयोजित किया गया।

प्रवीण सिंह ने 24 अप्रैल, 2018 को सीडी देशमुख सभागार, सीएसडी, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और जामिया मिल्लिया इस्लामिया, संयुक्त रूप से सीएसडी, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित पैनल डिस्कशन, बैंडुंग विजन और समकालीन वैश्विक चुनौतियों में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

—— एक सत्र, पर्यावरण संबंधी चिंताओं और वैश्विक कॉमन्स II का प्रबंधन, भारत पब्लिक पॉलिसी नेटवर्क (IPPN) के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली विश्वविद्यालय में राजनीति और सार्वजनिक नीति, 5-6 फरवरी 2019 तक।

रोहित नेगी ने 25 सितंबर 2018 को अमेरिका के इंडियाना यूनिवर्सिटी के धार इंडिया स्टडीज सेंटर में व्याख्यान दिया।

—— पैनल डिस्कशन में एक पैनलिस्ट, मैदान से सबक: वायु प्रदूषण के साथ नागरिक सगाई, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, दिल्ली में, 8 अगस्त 2018.

समिक चौधरी ने भारतीय आर्थिक सेवाओं (IES) के अधिकारी-प्रशिक्षुओं, बैच 2018, के इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, दिल्ली में इंडक्शन इकोनॉमिक सर्विसेज (IES) के प्रशिक्षु स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम, भारतीय राज्यों का प्रदर्शन - 2001–02 और 2013-14 में सुविधा प्रदान की। , 11 मार्च 2019.

—— एक व्याख्यान, जनसांख्यिकी लाभांश: संकल्पना, अनुभव, संभावनाएं और चुनौतियां, प्रमाण पत्र कार्यक्रम में, सार्वजनिक वित्त और बजट, पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों के लिए, जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी, ओपीलाल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, दिल्ली में , 18 फरवरी 2019 को।

—— अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की, ट्रांसफॉर्मिंग अफ्रीका: दिल्ली विश्वविद्यालय में अफ्रीकी अध्ययन विभाग द्वारा 7 फरवरी 2019 को आयोजित संभावित और चुनौतियां।

—— एक व्याख्यान, जनसांख्यिकी लाभांश: संकल्पना, अनुभव, संभावनाएं और चुनौतियां, प्रमाण पत्र कार्यक्रम में, सार्वजनिक नीति में उभरती चुनौतियां, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) के लिए, जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक में नीति, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, 20 दिसंबर 2018 को।

गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अक्टूबर-दिसंबर 2018 में, विजिटिंग फैकल्टी के रूप में हेल्थ इकोनॉमिक्स पर एक पूर्ण पाठ्यक्रम प्रदान किया।

संतोष कुमार सिंह ने 28 मार्च, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'विलेज इंडिया' के पुन: स्वरूप की जांच करते हुए एक व्याख्यान दिया।

—— ने एक वार्ता में भाग लिया, प्रतिभागी अवलोकन: शोध विद्वानों के लिए नृवंशविज्ञान कार्यशाला में, फील्डवर्क के दौरान क्या और कैसे रिकॉर्ड करना है, 18 मार्च 2019 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से आयोजित किया गया।

—— एक व्याख्यान, जड़ों की ओर लौटें: ग्लोबल रिसोर्सेज के पांचवें रिफ्रेशर कोर्स में, ग्लोबल रिसर्चेरेशन के कुछ प्रमुख परिसरों का पुनर्मिलन, मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में, 13 मार्च, 2019 को।

—— राष्ट्रीय सेमिनार में एक व्याख्यान दिया, जड़ों से मार्गों तक: सामाजिक-अर्थशास्त्र और अर्थशास्त्र के पोस्ट ग्रेजुएट विभाग, गोविंद सिंह कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़, 8 मार्च 2019 को आयोजित, सामाजिक समुदाय के सामाजिक-आर्थिक निहितार्थ।

—— आधुनिक भारत में व्याख्यान, जाति और वर्ग, 12 जून 2018 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में मेट्रोपोलिटन स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ डेनवर, संयुक्त राज्य अमेरिका से एक संकाय प्रतिनिधिमंडल के लिए भेजा।

—— आइडेंटिटीज: टेल्स फ्रॉम पंजाब एंड बनारस, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 11 अप्रैल 2018 को एक टॉक आयोजित किया।

मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली द्वारा 20 अक्टूबर 2018 को आयोजित 122 वें अभिविन्यास कार्यक्रम में सुनलिनी कुमार ने एक व्याख्यान दिया, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और दिल्ली का विचार।

—— डॉलीवरेड टॉक, पॉलिटिक्स ऑफ अर्बन प्लानिंग, पॉलिटिकल साइंस डिपार्टमेंट, लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 27 सितंबर 2018 को।

घटनाक्रम / गतिविधियां

स्कूल ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की, मापने का वायदा: एशिया में विशेषज्ञता की राजनीति, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, वेनर ग्रेन फाउंडेशन और यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो सेंटर, दिल्ली द्वारा आयोजित, 10-11 सितंबर, 2018 को।

रचना मेहरा 1 फरवरी 2019 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में ओरल हिस्ट्री एसोसिएशन के चौथे वार्षिक सम्मेलन की आयोजन समिति का हिस्सा थीं।

रोहित नेगी सह-संगठित (सेंटर फ़ॉर पास्टरलिज़्म एंड द इंडियन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस - हैदराबाद) के साथ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, लिविंग हलके में: एक बदलती दुनिया में देहातीवाद, 16-18 फरवरी 2019 को आईआईएसआर-पुणे में आयोजित।

चीनी अध्ययन संस्थान, मनोरंजन मोहंती, ने ग्लोबल स्टडीज पर तीन व्याख्यान दिए, अगस्त 2018।

सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के अंकित भारद्वाज ने मार्च 2019 में तीन व्याख्यान, वैश्विक जलवायु परिवर्तन और शहरों में वितरित किए.

सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च की एकता कुंदुरी ने दो लेक्चर दिए, राइट टू द सिटी, सितंबर 2018।

मैसाचुसेट्स और एयर साउथ एशिया विश्वविद्यालय की पल्लवी पंत ने 14 सितंबर, 2018 को दिल्ली में वायु प्रदूषण को जोड़ने वाली विज्ञान और वकालत की एक बात की।

सीएसडीएस अवधेंद्र शरण ने 19 सितंबर, 2018 को एक भाषण, अपशिष्ट, प्रदूषण और शहरी वातावरण दिया।

अरिंदम बनर्जी, एयूडी, ने वित्तीय संकट से लेकर व्यापार युद्धों तक एक बात पहुंचाई: वैश्वीकरण का अंत? 3 अक्टूबर 2018 को।

डेनीज लिगटन, एयूडी, ने एक चर्चा, वैश्विक इतिहास पर 3 अक्टूबर 2018 को व्याख्यान दिया।

जेएनयू के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज निवेदिता मेनन ने 14 नवंबर, 2018 को थिंकिंग द ग्लोबल साउथ नाम से एक बात कही।

मार्च फ्रैज़ियर, द न्यू स्कूल, न्यूयॉर्क, ने एक बात की, द चाइना में शहरी नागरिकता की राजनीति को बीसवीं सदी में देखा, 14 नवंबर 2018।

लोरेंज़ा मोनाको, जोहान्सबर्ग विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका, ने एक बात की, उभरती असुरक्षा: भारतीय और दक्षिण अफ्रीकी ऑटो उद्योगों में रोजगार संबंधों का प्रसार, 23 नवंबर 2018 को।

राहुल वर्मा, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय - बर्कले, ने एक चर्चा, विचारधारा और पहचान प्रदान की: भारत की बदलती पार्टी प्रणाली, 30 जनवरी 2019।

दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के पूर्व प्रोफेसर अचिन वणिक ने एक चर्चा की, वैश्वीकरण: क्या, कब, क्यों और अन्य विवादों में, 06 फरवरी 2019।

जॉन रीड, सेंट मैरी यूनिवर्सिटी, हैलिफ़ैक्स, कनाडा, ने एक वार्ता, कनाडा में क्रिकेट को 1914 में वितरित किया: नोवा स्कोटिया प्रांत एक वैश्विक खेल के इतिहास में केस स्टडी के रूप में, 19 फरवरी 2019 को।

कैओ सिमोस डे आराजू, दक्षिण अफ्रीका के यूनिवर्सिटी ऑफ विटवाटरसैंड, डेकोलोनाइजेशन, नेहरूवादी अंतर्राष्ट्रीयतावाद, और दौड़ का सवाल, 20 फरवरी 2019 को दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर अचिन वणिक ने एक बातचीत की, द ग्लोबल वॉर ऑफ टेरर: फ्रॉड या आवश्यकता ?, 21 मार्च 2019 को।

जावेद ए वानी, एयूडी, एक बातचीत, संप्रभु चिंताओं, 'अविश्वसनीय' नागरिक और सार्वजनिक आदेश दिया: डकैतों के खिलाफ लड़ाई और भारत में संप्रभु हिंसा की उपमहाद्वीप, 13 मार्च 2019 को।

फील्ड के दौरे

25-28 अक्टूबर 2018 को रोहित नेगी और प्रितपाल एस. रंधावा की देखरेख में आधुनिकतावादी शहरी डिजाइन और औपचारिक नियोजन के बाद के प्रदर्शन के लिए, एमए शहरी अध्ययन के छात्रों के साथ चंडीगढ़ का एक क्षेत्र-दौरा आयोजित किया गया था।

रोहित नेगी और प्रितपाल एस. रंधावा, 1 से 5 मार्च 2019 तक भोपाल क्षेत्र की विरासत, आपदा के बाद के बदलाव और योजना के विभिन्न पहलुओं पर शोध करने के लिए, एमए अर्बन स्टडीज के छात्रों के साथ भोपाल में एक फील्ड-विजिट का आयोजन किया गया था।

6 अक्टूबर 2018, प्रितपाल एस. रंधावा की देखरेख में पेरी-शहरी दिल्ली में पर्यावरण तनावों के संपर्क के लिए, एमए शहरी अध्ययन और एमए पर्यावरण और विकास के छात्रों के साथ गाजियाबाद के लिए एक फील्ड-विजिट का आयोजन किया गया था।

15 मार्च, 2019 को टॉम कोवान (संबद्ध विद्वान) की देखरेख में गुड़गांव के आसपास के ग्रामीण गांवों के परिवर्तन पर शोध करने के लिए, एमए अर्बन स्टडीज के छात्रों के साथ गुड़गांव में एक फील्ड-विजिट का आयोजन किया गया था।

15 नवंबर, 2018 को रोहित नेगी की देखरेख में दिल्ली के अद्वितीय शहरी पारिस्थितिकी का पता लगाने के लिए एमए शहरी अध्ययन और एमए पर्यावरण और विकास के छात्रों के साथ संजय वैन के लिए एक क्षेत्र-यात्रा का आयोजन किया गया था।

9 फरवरी 2019 को रोहित नेगी की देखरेख में आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र और शहरी आर्द्रभूमि का सामना करने वाले मुद्दों का निरीक्षण करने के लिए बीए सस्टेनेबल अर्बनवाद और बीए एसएसएच के छात्रों के साथ धीरपुर वेटलैंड पार्क का एक क्षेत्र-दौरा आयोजित किया गया था।

अयोध्या और फैजाबाद के क्षेत्र का दौरा भारतीय राजनीतिक काल्पनिक पर अयोध्या के पौराणिक और राजनीतिक महत्व का पता लगाने के लिए बीए ग्लोबल स्टडीज, बीए सस्टेनेबल अर्बनवाद, बीए एसएसएच, बीए लॉ एंड पॉलिटिक्स और बीए इतिहास के छात्रों के साथ आयोजित किया गया था। इस यात्रा की देखरेख अनिल पारसौद, एकता सिंह, योगेश स्नेही, आदिल जुबैल और विनोद आर., १४-१ 201 मार्च २०१ ९ को की गई.

छात्रों के साथ चुनाव संग्रहालय, कश्मीरी गेट का एक क्षेत्र-भ्रमण आयोजित किया गया था

बीए ग्लोबल स्टडीज़, बीए सस्टेनेबल अर्बनिज़्म, बीए एसएसएच और बीए लॉ एंड पॉलिटिक्स, 1952 से वर्तमान तक के भारतीय चुनावों के इतिहास, यांत्रिकी, परिवर्तनों और पैमाने का अध्ययन करने के लिए. इस यात्रा की देखरेख 15 फरवरी 2019 को अनिल पारसौद और एकता सिंह ने की थी।

छात्रों के साथ राष्ट्रीय संग्रहालय, जनपथ का एक क्षेत्र-दौरा आयोजित किया गया था

बीए सस्टेनेबल अर्बनिज्म और बीए एसएसएच, भारतीय संदर्भ में शहरीकरण के इतिहास को समझने के लिए, 29 सितंबर 2018 को रचना मेहरा की देखरेख में।

गुड़गांव, मानेसर, नीमराणा, अलवर और जयपुर का फील्ड-विजिट, एमए ग्लोबल स्टडीज के छात्रों के साथ आयोजित किया गया था, ताकि एक वैश्वीकरण और शहरीकरण भारत में उत्पादन, खपत और संचय को समझने के लिए किया जा सके, सुनलिनी कुमार और काव्या बेनर्जी 3 द्वारा निगरानी, 1–मार्च 2019 को।

छात्रों की उपलब्धियां

प्रस्तुतियां

अंशिका बैराली ने सेंटर, एडवांस्ड रिसर्च एंड ट्रेनिंग, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, अक्टूबर 2018 के सेंटर में, कसेरा कलेक्टिव सोसाइटी, ट्रांसलेशन ऑफ़ बॉर्डर्स: जिनर्स एंड ज्योग्राफीज़, के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में औसत दर्जे का अनुवाद करने के लिए एक अभ्यास, एक अभ्यास प्रस्तुत किया।

धनंजय एन., ने एक पत्र प्रस्तुत किया, मलयालम में मध्यस्थता का अनुवाद: सेशुरा कलेक्टिव सोसाइटी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, भाषाओं के साथ काम करने का एक दौरा, सीमाओं के पार अनुवाद: शैलियों और भूगोल, उन्नत अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र में, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, अक्टूबर 2018।

प्रिंस तोमर ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, यात्रा शब्द: एक भाषा से दूसरी भाषा में शब्दों की यात्रा को समझना, सीसुराए कलेक्टिव सोसाइटी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सीमाओं के पार अनुवाद: शैली और भूगोल, उन्नत अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में , अक्टूबर 2018 को।

अन्य उपलब्धियां

स्कूल के छात्रों ने शांति संचालन प्रशिक्षण संस्थान और रॉबिन हुड आर्मी के समर्थन में 20-20 अप्रैल 2019 को मॉडल संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में भाग लिया। राघव दुआ को परिषद में रु. 4000 के नकद पुरस्कार के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का पुरस्कार दिया गया।

राघव दुआ ने आईआईटी-गुवाहाटी, ले मार्टिनियर कॉलेज, लखनऊ, एसआरसीसी, दिल्ली पब्लिक स्कूल, यमुनानगर सहित कई संस्थानों में MUN सम्मेलनों में निर्णायक मंडल के रूप में कार्य किया। वह कई संस्थानों में MUN कार्यक्रम में मुख्य सलाहकार भी रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में जामिया मिलिया इस्लामिया में आयोजित MUN 2019 में स्कूल के दो छात्रों ने पुरस्कार जीते।

जनवरी 2019 को श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में मॉडल यूएन में मुस्कान सेठी को एक विशेष उल्लेख पुरस्कार मिला।

मस्कान सेठी को एयूडी @ CITY, एयूडी वार्षिक उत्सव के दौरान सतत विकास पर ओपन फोरम में विशेष उल्लेख पुरस्कार मिला।

मुसकान सेठी को ACIIE द्वारा आयोजित इम्पैक्ट वीक दिल्ली 2018 में एक उपलब्धि पुरस्कार मिला और लुफ्थांसा द्वारा समर्थित।

प्लेसमेंट का समर्थन

स्कूल ने उन संगठनों और संस्थानों के साथ एक परामर्श बैठक आयोजित की, जिन्हें वैश्विक अध्ययन के क्षेत्र में ज्ञान के सह-उत्पादन में योगदान देने और छात्रों के लिए इंटर्नशिप और रोजगार के अवसरों

को आगे बढ़ाने में भागीदार बनने के लिए परिकल्पित किया गया है। संगठनों ने आमंत्रित किया और प्रतिनिधित्व किया, जिसमें ऑक्सफेम, वाटरएड, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, फेसबुक, और पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क, 2 फरवरी 2019 शामिल थे।

2.7 मानव पारिस्थितिकी स्कूल

मानव पारिस्थितिकी कई स्थानिक पैमानों पर जटिल सामाजिक-पारिस्थितिक मुद्दों का अंतःविषय अध्ययन है। मानव पारिस्थितिकी स्कूल(एसएचई) में अनुसंधान और शिक्षण जैव-भौतिक वातावरण और मानव समाज के बीच बातचीत को समझने के लिए प्राकृतिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में विभिन्न विषयों के विचारों, कार्यप्रणाली और टूलकिट को एक साथ लाता है। स्कूल के विषयगत फोकस क्षेत्रों में पर्यावरणीय और पारिस्थितिक परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिक बहाली, ग्रामीण और शहरी परिवर्तन, पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन और सार्वजनिक स्वास्थ्य शामिल हैं। विद्वानों और संकाय मनुष्यों और अन्य प्रजातियों के पारस्परिक जीवन में जटिलता और कारण को समझने के उद्देश्य से मात्रात्मक, गुणात्मक और भू-स्थानिक कार्यप्रणाली को तैनात करते हैं। स्कूल अपने छात्रों से अपेक्षा करता है कि वे सामाजिक न्याय और पारिस्थितिक स्थिरता की दोहरी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण संबंधी चिंताओं का सख्ती से विश्लेषण और पता करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल के साथ स्नातक हों।

पर्यावरण और विकास में एमए और मानव पारिस्थितिकी में पीएचडी

स्कूल के प्रमुख कार्यक्रम पर्यावरण और विकास में एमए (एमएईडी) और मानव पारिस्थितिकी में पीएचडी कार्यक्रम हैं। ये कार्यक्रम दक्षिण एशिया में अपने अभिविन्यास, दायरे और शिक्षाशास्त्र में अद्वितीय हैं। वे स्नातक से लैस करने के लिए अनुसंधान और उच्च शिक्षा संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और पर्यावरण, विकास और स्थिरता से संबंधित क्षेत्रों पर नागरिक समाज संगठनों में काम करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। कार्यक्रम पारिस्थितिक और सामाजिक विज्ञान के भीतर अंतःविषय और क्षेत्र-आधारित सीखने पर एक मजबूत जोर देते हैं, और अनुभवजन्य अनुसंधान, गहन छात्र मेंटरिंग और विशेषज्ञों और छात्र प्रतिक्रिया के साथ परामर्श के आधार पर पाठ्यक्रम के नियमित अद्यतन पर।

अनुसंधान परियोजनाएं

अस्मिता काबरा, प्रधान अन्वेषक, और बुधादित्य दास, सह-अन्वेषक। राजस्व प्रभाव नंगली रज़ापुर, दक्षिण पूर्व दिल्ली में भूमि अधिग्रहण के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन और शमन योजना। दिल्ली सरकार के एनसीटी के भूमि और भवन विभाग द्वारा, (रु. 1,552,240; पूर्ण)।

सुरेश बाबू, परियोजना समन्वयक परियोजना ई-प्रश्न: भारत में स्नातक शिक्षा की गुणवत्ता, पहुंच और शासन को बढ़ाना। ब्रिटिश काउंसिल के साथ साझेदारी में एक अंतर-विश्वविद्यालय सहयोगी परियोजना। यूरोपीय संघ द्वारा वित्त पोषित, (रु. 13,260,000; पूर्ण)।

ओइनम हेमलता देवी, सह-प्रधान अन्वेषक उग्रवाद प्रभावित युवाओं में कैरियर की आकांक्षा, आत्म-अवधारणा स्पष्टता: उभरते भारतीय नौकरी बाजार के संदर्भ में मणिपुर का एक केस अध्ययन। इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च, (जारी) द्वारा वित्त पोषित।

ओइनम हेमलता देवी, सह-प्रधान अन्वेषक शहरी नई दिल्ली में कम आय वाले समुदायों में बच्चों के लिए सुरक्षित पानी और व्यक्तिगत स्वच्छता पर भागीदारी दृष्टिकोण और सूक्ष्मजीवविज्ञानी जोखिम लक्षण वर्णन का उपयोग करते हुए स्कूल-आधारित हस्तक्षेप। IU-AUD-SEEDS-AUUP सहयोग द्वारा वित्त पोषित, ($ 3500; 2 वर्ष; जारी)।

पुलक दास, प्रधान अन्वेषक दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शहरी विस्तार के उपाय के रूप में निर्मित क्षेत्र की गतिशीलता का सुदूर संवेदन आधारित अध्ययन। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित - SMGFR, (रु. 100,000; जारी)।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

अस्मिता काबरा को अप्रैल 2018 को दिल्ली के जीएनसीटी का मेधावी शिक्षक पुरस्कार मिला, जिसमें रु. 1 लाख का नकद पुरस्कार शामिल था।

——— को 2018-20 की अवधि के लिए इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स के लिए इंडियन सोसाइटी की कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

पुलक दास को शास्त्री इंडो कनाडा इंस्टीट्यूट (SICI) द्वारा शास्त्री फैकल्टी ट्रेनिंग एंड इंटरनेशनलाइजेशन प्रोग्राम (SFTIG 2017-18) से सम्मानित किया गया और डलहौज़ी यूनिवर्सिटी, हैलिफ़ैक्स, कनाडा में विजिटिंग फैकल्टी के रूप में जून-जुलाई 2018 तक गए.

सुरेश बाबू को एक स्वतंत्र मूल्यांकन समिति का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था, जो पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा बनाया गया था, एक रुपये का मूल्यांकन करने के लिए. 183 करोड़, विश्व बैंक अनुदानित राष्ट्रीय परियोजना, छह राज्यों में लागू, जून-सितंबर 2018।

——— ने NIPGR, 7 अगस्त 2018 में आयोजित जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के इनवेसिव प्रजाति में एक राष्ट्रीय नेटवर्क परियोजना का हिस्सा बनने और आमंत्रित करने के लिए आमंत्रित किया।

प्रस्तुतियां

बुधादित्य दास ने एक पत्र प्रस्तुत किया, एएएस-इन-एशिया सम्मेलन, एशिया इन मोशन: भूगोल और वंशावली, मध्य भारत में अपलैंड मध्य भारत में भूमि के कार्यकाल और संसाधन संयोजन का परीक्षण, येल विश्वविद्यालय के सहयोग से एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज और अशोक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित। इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 7 जुलाई 2018 को।

ओइनम हेमलता देवी ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, एथनोमेडिसिन: स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक अंतर्दृष्टि, अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में, नॉर्थ ईस्ट इंडिया के हाइलैंडर पर इतिहास लेखन, 6 मार्च 2019 को।

—— ने एक पत्र प्रस्तुत किया, भोजन की आदतों में आधुनिकता और स्वास्थ्य पर इसके निहितार्थ: उत्तर-पूर्व भारत में एक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया: उत्तर-पूर्व फोरम (एनईएफ) और सामुदायिक समुदाय के केंद्र द्वारा आयोजित निरंतरताओं की खोज ज्ञान (CCK), अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली में, 26 अक्टूबर 2018 को।

पुलक दास ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, इंडो-बर्मा बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट: पूर्वोत्तर भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ना, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया: निरंतरता की खोज, नॉर्थ-ईस्ट फोरम (एनईएफ) और सेंटर फॉर कम्युनिटी नॉलेज (सीसीके) द्वारा आयोजित), अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में, 26 अक्टूबर 2018 को।

सुरेश बाबू ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, आपसी पारिस्थितिक नेटवर्क में विलोपन घटता है और त्रुटि प्रसार: 7वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, कॉम्प्लेक्स नेटवर्क और उनके अनुप्रयोगों, कैम्ब्रिज, यूनाइटेड किंगडम, दिसंबर 2018 में एक उष्णकटिबंधीय वर्षावन में फ्रुजीवोर्स का मामला।

व्याख्यान / उपलब्धियां

अस्मिता काबरा ने व्याख्यान दिया, लैंडफॉल से रिपोर्टिंग: एनसीआर में ग्राउंड जीरो से एसआईए नोट, लैंडमार्टर्स @ सीएलजी श्रृंखला में वार्ता, भारतीय मानव बस्तियों के लिए संस्थान, नई दिल्ली, 27 अगस्त 2018 को।

बुध्दित्य दास ने विद्वानों की बोलचाल में, समकालीन भारत में आदिवासी पहचान और आजीविका केंद्र, नॉर्थ ईस्ट स्टडीज एंड पॉलिसी रिसर्च सेंटर, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 3 अप्रैल 2018 को आयोजित किया।

ओइनम हेमलता देवी ने आमंत्रित व्याख्यान, फूमिडिस और इसके प्रभाव को दिया: मणिपुर के मछुआरों की एक सामाजिक-आर्थिक और पारिस्थितिक चिंता, और सत्यवती कॉलेज में लोकतक

झील, मणिपुर के अस्थायी झूलों पर एक वृत्तचित्र की स्क्रीनिंग पर चर्चा की गई. दिल्ली विश्वविद्यालय, 4 सितंबर 2018 को।

पुलक दास ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, जूलॉजी विभाग, गवर्नमेंट ऑटोनोमस पी. जी. कॉलेज, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश में 28 फरवरी 2019 को आयोजित मुख्य भाषण दिया।

सुरेश बाबू ने एक व्याख्यान दिया, वेटलैंड्स: जल विज्ञान और नीति कार्यक्रम में पारिस्थितिकी, प्रबंधन और बहाली, शिव नादर विश्वविद्यालय में 25 अक्टूबर 2018 को सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स एंड क्रिटिकल थ्योरी (सी-पीएसीटी) द्वारा समन्वित।

घटनाक्रम / गतिविधियां

स्कूल ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया, जो उलझा हुआ है: मानव पारिस्थितिकी पर एक सम्मेलन। इस सम्मेलन में स्कूल के दस साल, और तीन कार्यशालाएँ, पाँच विषयगत पैनल सत्र, दो छात्र वार्ता सत्र, डॉ. सुधा वासन (समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा दिया गया एक मुख्य भाषण शामिल था। नेचर मेकिंग का काम 'और धीरपुर वेटलैंड पार्क, 14-17 फरवरी 2019 तक एक फील्ड-विजिट।

स्कूल ने एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता के सहयोग से लिबरल अध्ययन स्कूल के साथ टेन डे एथनोग्राफी वर्कशॉप फॉर रिसर्च स्कॉलर्स का आयोजन किया। कार्यशाला 11 से 22 मार्च 2019 तक आयोजित की गई और डॉ. ओनाम हेमलता देवी पाठ्यक्रम सह-निदेशक थीं।

स्कूल की सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट यूनिट ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जो कि अनौपचारिक भूमि के सामाजिक प्रभावों का आकलन करता है: शोधकर्ताओं के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम। एमएईडी कार्यक्रम के नौ स्नातकों ने भाग लिया और सभी आकलन सहित कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया, और उसी के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, 15-19 मई 2018 को।

अस्मिता काबरा और बुधादित्य दास ने 'एमीडस्ट प्रीकरिटी: द इम्प्रेशन्स ऑफ द रुरल इन द सेंट्रल इंडियन ड्राईलैंड्स' (2018) शीर्षक से एक मोनोग्राफ प्रकाशित किया, जो इन संकाय सदस्यों और एमएईडी कार्यक्रम के कुछ स्नातकों द्वारा सह-लेखक है।

यूएस फ़ॉरेस्ट सर्विस के स्वतंत्र शोधकर्ता और सलाहकार रूपेश भोमिया ने एक व्याख्यान दिया, अनिश्चितता की निश्चितता: हमने फ्लोरिडा एवरग्लेड्स की पारिस्थितिक बहाली से सीखा है, 29

अगस्त 2018 को।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में पीएचडी उम्मीदवार लुसी गुडमैन ने एक व्याख्यान दिया, बांध और वैश्विक दक्षिण में गरीबी और असमानता के बीच संबंध को समझते हुए, 3 अक्टूबर 2018 को।

सीमा अरोरा-जोंसन, स्वीडिश यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, ने एक व्याख्यान दिया, लचीलापन की सोच, ट्रांसडिसिप्लिनरी और ज्ञान उत्पादन की राजनीति, 23 अक्टूबर 2018 को।

मार्क रेयेस, अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टिकट के इतिहास विभाग में पीएचडी के एक उम्मीदवार ने द जॉनसन ट्रीटमेंट: कोल्ड वॉर फूड एड और आभार की राजनीति, 30 जनवरी 2019 को भाषण दिया।

एडी स्मिथ, अंतर्राष्ट्रीय पुनर्वास सलाहकार और कंसल्टेंसी फर्म इंटरस्कोसियल इंक के निदेशक, ने एक व्याख्यान दिया, द प्रोजेक्ट्स के लिए सामाजिक ढांचा, 31 जनवरी 2019 को।

फिल्ड के दौरे

मध्यप्रदेश के श्योपुर के कुनो वन्यजीव अभयारण्य और ग्राम अगारा में एक फील्ड-विजिट का आयोजन किया गया था, जिसमें विकास और सामाजिक परिवर्तन, पर्यावरण इतिहास और वैकल्पिक विषय पर मुख्य पाठ्यक्रमों के लिए विकास अध्ययन में एमएड और एमए प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के छात्र थे। संरक्षण और आजीविका पर पाठ्यक्रम, 13 से 17 अक्टूबर 2018 को।

उत्तराखंड के चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों के साथ लेम्बिधर माइंस एंड मसूरी फॉरेस्ट रेंज, एक फील्ड-विजिट का आयोजन किया गया था, जो 28 फरवरी से 4 मार्च 2019 तक बहाली के पारिस्थितिकी सिद्धांत, और पारिस्थितिक बहाली के बुनियादी सिद्धांतों पर वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के लिए एमएईडी है।

छात्रों की उपलब्धियां

प्रकाशन

काबरा, ए., और महलवाल, एस. (2018)। फैलाव और प्रतिरोध की सूक्ष्म राजनीति: मध्य भारत में प्रस्तावित बांध का मामला अध्ययन। परिवर्तन का विकास, 1-22 DOI: 10.1111 / dech.12447

फिशर, एच. डब्ल्यू. एंड अली, एस.एस. (2018)। सार्वजनिक डोमेन को फिर से आकार देना: विकेंद्रीकरण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA), और

ग्रामीण भारत में स्थानीय लोकतंत्र के लक्षण। विश्व विकास, 120,

https://doi.org/10.1016/j.worlddev.2018.09.013.

प्रस्तुतीकरण

फिशर एचडब्ल्यू और सैयद शोएब अली, एट अल ने अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ ज्योग्राफर्स की वार्षिक बैठक, वनों की कटाई और वन परिदृश्य में वन शोध पत्र और स्थानीय हस्तक्षेप में एक शोध पत्र, स्थानीय राजनीतिक एजेंसी और पर्यावरण-आजीविका के तालमेल को प्रस्तुत किया: शासन, भूमि कवर, और आजीविका प्रभाव (भाग 1), वाशिंगटन, डी. सी., अप्रैल 2019

महलवाल एस. ने भारत के सार्वजनिक नीति नेटवर्क (IPPN), नई दिल्ली, भारत, फरवरी 2019 के दूसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, मध्य भारत के शुष्क क्षेत्रों में एक आदिवासी गाँव में आजीविका परिवर्तन: एक शोध पत्र, विविधता और निर्भरता प्रस्तुत की।

शाइना सहगल ने एएएस-इन-एशिया सम्मेलन, एशिया इन मोशन: निकोबार द्वीप समूह में नारियल पाम (कोकोस न्यूसीफेरा) की उत्पादन प्रणाली, प्रस्ताव में एशिया: एशियन स्टडीज और अशोका यूनिवर्सिटी के लिए येल के सहयोग से आयोजित की। यूनिवर्सिटी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में, 7 जुलाई 2018 को।

शाइना सहगल ने एक संगोष्ठी, निकोबार द्वीप समूह (17-18 शताब्दी ईस्वी सन्) की एक्सचेंज इकोनॉमी, इतिहास विभाग द्वारा आयोजित अर्ली करियर रिसर्च स्कॉलर्स कोलॉक्विम में, शिव नादर विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में, 31 जनवरी 2019 को आयोजित की।

अस्मिता काबरा की देखरेख में एमए पर्यावरण और विकास के चार पूर्व छात्रों, सौरभ चौधरी, विनीशा सिंह बस्नेट, पूजा मोइत्रा और साहिबप्रीत कौर ने भारत पब्लिक पॉलिसी नेटवर्क (आईपीपीएन) के द्वितीय वार्षिक सम्मेलन में 6 फरवरी, 2019 को कागजात प्रस्तुत किए।

2.8. मानव अध्ययन स्कूल

मानव अध्ययन स्कूल इस विचार के लिए प्रतिबद्ध है कि ज्ञान तभी प्रासंगिक है जब यह समाज में फैलता है, सामाजिक पदानुक्रम और बाधाओं को पार करता है। ऐसा करने के लिए, स्कूल ज्ञान और जानने के तरीकों का गठन करने की विशेषाधिकार प्राप्त समझ की फिर से जांच करने की आवश्यकता को स्वीकार करता है।

स्कूल इस विचार के लिए प्रतिबद्ध है कि शिक्षक और छात्रों के विशिष्ट और अलग-अलग स्थान ज्ञान के सह-निर्माण में मदद करेंगे। विभिन्न विषय स्थानों को नए ज्ञान के निर्माण के वैध स्रोतों के रूप में सम्मानित किया जाना चाहिए. इस नए ज्ञान को जानने के नए तरीकों और जांच और अनुसंधान के नए तरीकों की आवश्यकता होगी। स्कूल इसलिए अंतःविषय के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए नहीं कि यह एक फैशनेबल शैक्षणिक रुख है, बल्कि स्कूल के दर्शन और दृष्टि के कारण है।

श्रेणी ,मानव', निश्चित रूप से, पारंपरिक सामाजिक विज्ञानों के लिए केंद्रीय है और फिर भी पारंपरिक सामाजिक विज्ञानों की कठोर अनुशासनहीनता के कारण उत्पन्न ज्ञान और इस सख्त अनुशासनात्मक ढांचे के भीतर अपनाए गए तरीकों दोनों में कई सीमाएं हैं। स्कूल पारंपरिक सामाजिक विज्ञान विषयों को सामाजिक निर्माणों के रूप में देखता है, इस प्रक्रिया में ज्ञान के अनुशासनात्मक विभाजन के आसपास प्रथागत प्रथाओं की वैधता पर सवाल उठाता है और अनुशासन की प्रणाली में निहित कमियों को इंगित करता है। इस प्रकार, स्कूल ज्ञान और शक्ति के बीच के गहन अंतर्संबंधों के प्रति सचेत है और यह प्रश्न करना चाहता है कि यह प्रदर्शित करने का प्रयास भी किया जाता है कि यह अलग तरीके से कैसे किया जा सकता है।

स्कूल इस बात को ध्यान में रखता है कि कथित रूप से सार्वभौमिक श्रेणी 'मानव' में इसके भीतर कई तरह के बहिष्करण शामिल हैं - महिला, क्वीर, पागल, ग्रामीण गरीब, और विकलांग व्यक्ति। स्कूल, अपने कार्यक्रमों के माध्यम से, इन स्थानों से मानव को समझने का प्रयास करता है। इस दृष्टिकोण को अक्सर एंगेज्ड सोशल स्कॉलरशिप के रूप में वर्णित किया जाता है। यह अध्ययन और शोधकर्ता के उद्देश्य के बीच पारंपरिक दूरी से दूर जाता है।

मनोविज्ञान में एम. ए.

मनोविज्ञान में एमए (मनोसामाजिक नैदानिक अध्ययन) स्कूल का प्रमुख कार्यक्रम है। इसमें अंतःविषय मूलभूत पाठ्यक्रम के साथ मनोविज्ञान पाठ्यक्रमों के संतुलन के साथ एक अनूठी संरचना है। यह कार्यक्रम हाशिए पर जाने वाले गरीबी, मनोचिकित्सा, सामान्य स्थिति के विघटन, फ्रायडियन और

पोस्ट-फ्रायडियन मनोविश्लेषणात्मक नैदानिक कार्य जैसे प्रमुख विषयों को छूता है।

जेंडर स्टडीज में एम.ए.

लिंग अध्ययन में एमए विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी से लिंग विश्लेषण पर एक गहन अंतःविषय कार्यक्रम ड्राइंग के रूप में परिकल्पित किया गया है। यह छात्रों को एक परिवार, समाज, संस्कृति, राष्ट्र-राज्य और वैश्विक राजनीति के भीतर एक व्यक्ति की ,शुद्धता' को समझने में सक्षम करेगा। यह पाठ्यक्रम व्यापक क्षेत्रों में लिंग के कामकाज के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के लिए सिद्धांत, विधि और समकालीन संदर्भ को जोड़ता है। यह छात्रों को कई स्तरों पर लिंग के संचालन के बारे में सोचने के लिए पढ़ता है और अनुभवों को उत्तेजित करता है। वैकल्पिक शैक्षणिक उपकरणों को सीखने के अनुभव को समृद्ध और सुखद बनाने के लिए नियोजित किया जाता है। जबकि दक्षिण एशिया और ग्लोबल फेमिनिज्म जैसे मुख्य पाठ्यक्रम लिंग और महिलाओं के चारों ओर आंदोलन के ऐतिहासिक और पद्धतिगत विश्लेषण की पेशकश करते हैं, लेकिन वैकल्पिक विकल्प छात्रों को उन विकल्पों को चुनने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में सक्षम हैं जो उन्हें रोजगार के अवसरों में मदद करेंगे।

मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा में एमफिल

यह तीन साल का कार्यक्रम है जो प्रशिक्षित मनोविश्लेषक मनोचिकित्सकों और नैदानिक शोधकर्ताओं के उत्पादन के लिए समर्पित है जो मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सकारात्मक योगदान देने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। इसका प्रमुख जोर एक मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर का निर्माण करना है जो संवेदनशील, सक्षम और खुले विचारों वाला है, और जो संस्कृति, इतिहास और राजनीति को समझता है, यहां तक कि वे परामर्श कक्ष में भी उभरते हैं। किसी व्यक्ति या परिवार के जीवन इतिहास से संबंधित लक्षणों के माध्यम से, जोर एक मानवीय स्थिति से संघर्षों और संघर्षों के बारे में समझने के लिए है। कठोर प्रशिक्षण के साथ, सिद्धांत रूप में, नैदानिक कार्य की देखरेख, आकांक्षी चिकित्सक की व्यक्तिगत चिकित्सा और नैदानिक अनुसंधान कार्य, यह नैदानिक रूप से सोचने की क्षमता को मजबूत करने की उम्मीद करता है, जिसमें मानसिक राज्यों की पहचान, अभिव्यक्ति और साझा अभिव्यक्ति शामिल है। इस लयबद्ध प्रक्रिया पर एक जुड़ाव और परावर्तन उपचार और बाद में अनुसंधान की ओर एक आंदोलन को सक्षम बनाता है। एमफिल कार्यक्रम ऊर्ध्वाधर में मनोविज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम के साथ एकीकृत है।

एमफिल इन डेवलपमेंट प्रैक्टिस

एमफिल कार्यक्रम एक कक्षा और क्षेत्र-आधारित सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने की उम्मीद करता है, जो मोटे तौर पर आदिवासी में एक साल के लंबे विसर्जन अनुभव के माध्यम से ,जानने' - ,जुड़ने' - ,करने' के तीन अलग-अलग बड़े घटकों को संवाद करने के लिए लाता है। मध्य भारत में दलित संदर्भ और एक ,एक्शन रिसर्च' आधारित शिक्षाशास्त्र।

जानने की प्रक्रिया में विकास के प्रमुख दर्शन के साथ विकास के प्रमुख प्रवचन के साथ महत्वपूर्ण-विश्लेषणात्मक-चिंतनशील संबंध शामिल करना शामिल है जैसे विकास के दर्शन और ग्रामीण को समझना, समानता भेदभाव सीमांकन, पर्यावरण प्राकृतिक संसाधन और विकास और लिंग और विकास, न्याय के दर्शन, प्रवचन भलाई और राजनीति प्रतिरोध परिवर्तन पर। ये पाठ्यक्रम छात्रों को मात्रात्मक, टॉप-डाउन और स्टेटिस्ट दृष्टिकोण से परे विकास की कल्पना करने और उन्हें अधिक मानवीय-केंद्रित, संबंधपरक या मनोवैज्ञानिक संदर्भ में ले जाने में सक्षम बनाते हैं।

पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम एक शिक्षण के आसपास बनाया गया है जो संकायों में प्रशिक्षित होने के साथ-साथ एक ही मंच में विकास क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को भी लाता है। प्रोफेशनल असिस्टेंस फॉर डेवलपमेंट एक्शन (PRADAN) एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसने छात्रों की देखरेख के लिए फील्ड फैकल्टी के रूप में 29 पेशेवरों को नियुक्त किया है। छात्रों को संयुक्त रूप से फील्ड फैकल्टी (इस मामले में, PRADAN के पेशेवरों) और CDP (विकास प्रैक्टिस केंद्र), SHS (स्कूल ऑफ ह्यूमन स्टडीज), SLS (लिबरल अध्ययन स्कूल) और SDS (स्कूल ऑफ डेवलपमेंट) से तैयार किया गया है।

महिला और लिंग अध्ययन में एमफिल और पीएचडी

महिला और लिंग अध्ययन में एमफिल और पीएचडी 27 अगस्त, 2012 को शुरू की गई थी। ये कार्यक्रम एयूडी और सेंटर फॉर वुमेन डेवलपमेंट स्टडीज (सीडब्ल्यूडीएस) के बीच सहयोग से उत्पन्न एक अनूठा प्रयास है। इस सहयोग का आधार एक रिसर्च स्पेस-सीडब्ल्यूडीएस, और मुख्य रूप से शिक्षण स्पेस-एयूडी के एक साथ आने पर होता है, नए प्रकार के पाठ्यक्रमों और शिक्षाविदों के साथ प्रयोग करना। कार्यक्रम पूरे देश में महिला अध्ययन कार्यक्रमों द्वारा निर्मित अग्रणी और समृद्ध कार्यों पर आधारित हैं। इन एमफिल और पीएचडी कार्यक्रमों की विशिष्टता को उनके इंट्रा-साइकिक और इंटर-सब्जेक्टिव आयाम में (जेंडर) विषय की जटिलता पर अपना ध्यान केंद्रित करने के साथ मानव अध्ययन स्कूल के भीतर रखे जाने के द्वारा भी चिह्नित किया गया है। यह कार्यक्रम महिलाओं के अधीनस्थता के कारणों, संदर्भों और परिणामों के अलावा लिंग (संबंधों) के महत्व की विश्लेषणात्मक समझ, जांच के उद्देश्य और शक्ति के संघनन और विन्यास की आवश्यकता को

आत्मसात करते हैं।

मनोविज्ञान में पीएचडी

कार्यक्रम मनोवैज्ञानिक जांच के एक आत्म-आलोचनात्मक संस्करण को मजबूत करने की उम्मीद करता है। एक अंतःविषय जोर और आत्म-परावर्तक दृष्टिकोण से प्रेरित, अनुसंधान का यह मनोसामाजिक ढांचा, ज्ञान और शक्ति दोनों पर लगातार सवाल करना चाहता है और इस तरह एक मनोवैज्ञानिक मानव विज्ञान को पुनः प्राप्त करने की इच्छा रखता है जो सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील, गैर-उपनैविशिक और सामाजिक-राजनीतिक रूप से जागरूक है। यह एक अंतर-विषयक अनुसंधान संवेदनशीलता को दूर करने का प्रयास करता है जिसके भीतर सचेत और बेहोश धाराओं, भावनाओं और जीवन के घटनात्मक प्रवाह को नम्रता दी जाती है। जीवन और उसके संघर्षों की सेवा करना और गुणात्मक कार्य पर ध्यान केंद्रित करना, जिसमें निरंतर जुड़ाव महत्वपूर्ण है और शोधकर्ता और शोधकर्ता के स्वयं में परिवर्तनकारी क्षमताएँ खोली जाती हैं, पाठ्यक्रम भविष्य के शोधकर्ता के लिए गतिशील, गतिशील, महत्वपूर्ण की नींव रखता है। भागीदारी और संवाद उन्मुख कार्य।

अनुसंधान की परियोजनाएं

बिंदू, के. सी., प्रधान अन्वेषक। हंसी का खतरा? नंबुदिरी चुटकुलों में आधुनिकता और हास्य, मालाबार, दक्षिण भारत। अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित-एसएमजीएफआर, (रु. 100,000; एक वर्ष; पूर्ण)।

ध्रुव पांडे, घटता बाल लिंग-अनुपात: ग्रामीण भारत में बालिका भेदभाव। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (CSDS) के सहयोग से। आईसीएसएसआर, (जारी) द्वारा वित्त पोषित।

कृष्णा मेनन, हमसा। पूरे भारत में विश्वविद्यालय और कॉलेज परिसरों में लिंग इक्विटी का अध्ययन करने के लिए WISCOMP और अमेरिकी दूतावास दिल्ली के साथ परियोजना।

राचाना जौहरी, सह-अन्वेषक, शाहीसुद्दीन प्रेमजी, (फैकल्टी ऑफ नर्सिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क), प्रिंसिपल कोऑर्डिनेटर। मानव संसाधन अंतर को पाटना: ग्रामीण राजस्थान, भारत में प्रसवकालीन मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने के लिए एक परामर्शदाता कार्यबल का विकास करना। शास्त्री इंस्टीट्यूशनल कोलैबोरेटिव रिसर्च ग्रांट (SICRG) द्वारा वित्त पोषित, (रु. 1,000,000; एक वर्ष; पूर्ण वर्ष)।

रचना चौधरी, प्रधान अन्वेषक प्रसंगवश दिल्ली में लिंगभेद और पुलिसिंग। अंबेडकर विश्वविद्यालय

दिल्ली द्वारा वित्त पोषित-एसएमजीएफआर, (रु. 100,000; एक वर्ष; पूर्ण)।

—— सह-संयोजक। भारतीय नारीवादी निर्णय परियोजना। जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के सहयोग से। फंड नहीं किया गया।

शेली पाण्डेय, प्रधान अन्वेषक सूचना संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शरणार्थियों के जीवन का पता लगाना: दिल्ली शहर में अफगान सिख शरणार्थियों का अध्ययन। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित - SMGFR, (रु. 100,000; एक वर्ष; पूर्ण)।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

शुभ्रा नगालिया को इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) द्वारा दो वर्षीय पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप से सम्मानित किया गया। अनुसंधान अध्ययन, रूसी नारीवाद: रूस के सोवियत-सोवियत अंतरिक्ष के महत्वपूर्ण नारीवादी मूल्यांकन, रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में किया जा रहा है।

प्रस्तुतीकरण

बीबिनाज थोकचोम ने उत्तर-पूर्व भारत के एक कागज़ की पहचान और समानांतर पहचान के बारे में एक पत्र प्रस्तुत किया: उत्तर-पूर्व भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, अंबेडकर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, दक्षिण-पूर्व एशियाई मूल की अपर्याप्त खोज और कम-प्रतिनिधित्व वाली दौड़। दिल्ली, कश्मीरी गेट, दिल्ली, भारत, 25-26 अक्टूबर 2018 को।

बिंदू के. सी. ने एक पत्र प्रस्तुत किया, एक असफल लेखक के रूप में पर्यवेक्षक का पोर्ट्रेट: राष्ट्रीय संगोष्ठी में कमजोरियों और मामूली सफलताओं पर कुछ प्रतिबिंब, लेखन पर चिंतन, अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत, भारत में, 27 अप्रैल 2018 को।

गंगमूमी कमेई ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सतत सांस्कृतिक उद्यमिता: मणिपुर की रोंग्मी नागा जनजाति की बुनाई परंपराओं की व्याख्या, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया: निरंतरता की खोज, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट, दिल्ली, भारत में, 25 अक्टूबर 2018।

हनी ओबेरॉय वैहली ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसे सुनने के लिए संयुक्त राष्ट्र (डेर) ने कहा: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्वास्थ्य और भलाई के सत्र में सामाजिक पीड़ा से जुड़ना, मनोविज्ञान विभाग द्वारा जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में , 12 मार्च 2019 को आयोजित

किया गया।

कृष्णा मेनन और रुक्मिणी सेन ने, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, गैर-पारंपरिक आजीविका (NTL) काम को हाशिए पर रखने के लिए, आज़ाद फाउंडेशन द्वारा, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, भारत में 16-18 जनवरी, 2019 को प्रस्तुत किया। ।

लोविटोली जिमो ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, थ्योरीइंग जेंडररशिप एंड वेडिंग: नॉर्थईस्ट इंडिया की सुमी नागा ट्राइब, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, कंटैस्टेड किंशिप: टुवर्ड्स इन ह्यूमन रिलेशनशिप ऑफ गोआटिंगेन, जर्मनी, 16 मार्च 2019 को।

एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सांस्कृतिक रूप से तुम्हारा !: हॉर्नबिल फेस्टिवल के माध्यम से राज्य, लोग और पहचान, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, पूर्वोत्तर भारत में भौतिकता और दृश्यता, सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्ट स्टडीज एंड पॉलिसी रिसर्च द्वारा जामिया मिलिया इस्लामिया में आयोजित किया गया, नई दिल्ली, भारत, 1 मार्च 2019 को।

एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, लेखन और पढ़ने की संस्कृति की राजनीति: ICHR के राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुछ प्रतिबिंब, उत्तर पूर्व भारत का इतिहास: उभरते रुझान, ICHR के उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम द्वारा 4 फरवरी 2019 को आयोजित किया गया।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया 'अन-चेंजिंग' प्रथागत कानून और महिलाओं के अधिकार: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में नागालैंड का मामला, लिंग मुख्यधारा की रणनीति के माध्यम से लिंग समानता, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, बैंगलोर, भारत में, 7 सितंबर 2018 को।

ममता क्रॉइल ने एक पत्र, द यक्षी को राक्षसी स्त्री के रूप में प्रस्तुत किया: कुछ मलयालम अभ्यावेदन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, ईविल महिला: महिला और बुराई, वियना, ऑस्ट्रिया, 1-3 दिसंबर 2018 को।

नीतू सरीन ने 15 जनवरी, 2019 को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ रिलेशनल साइकोएनालिसिस एंड साइकोथेरेपी द्वारा आयोजित इंटरपर्सनल फील्ड के इमर्जेंट गुण, इंटरनैशनल वेबिनार में क्लिनिकल वर्क में थ्री डायमेंशनल बातचीत प्रस्तुत की।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, स्टेट्स ऑफ अनइनग्रेजेशन एंड डिसोसिएशन: साइकोथैरेपिकल चैलेंज के रूप में प्रतीक और असर गवाह, अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में, बदलती दुनिया: साइकोएनालिटिक थेरेपी एंड रिसर्च सेंटर, मुंबई, भारत में, 5 जनवरी 2019 को।

—— राष्ट्रीय संगोष्ठी, आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 3 अक्टूबर, 2018 को एक

शोध पत्र, रिलेशनल सफलताओं और विफलताओं, सुनने और मानसिक स्वास्थ्य की कला का प्रतिनिधित्व किया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संज्ञानात्मक व्यवहार हस्तक्षेप (ICCBI), SGT विश्वविद्यालय, गुड़गांव, भारत में 29 सितंबर, 2018 को नीतू राणा ने एक पत्र प्रस्तुत किया, ऑब्सेसिव-कम्पल्सिव डिसऑर्डर (OCD) के लिए सौम्यता पर आधारित संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी.

राचना जौहरी, के. किलिंग्सवर्थ, जीके शेरगिल, ई. क्रिस्टेनसन, एस. प्रेमजी, और एएस बराड़ ने एक पत्र प्रस्तुत किया, मानसिक स्वास्थ्य और भलाई: एसडीजी को संस्कृति और संदर्भ से अवगत कराना: ग्रामीण राजस्थान में एक मातृ मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान सहयोगी का अनुभव अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, एंगेजिंग कनाडा और भारत: शास्त्री इंडो-कैनेडियन इंस्टीट्यूट, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 8-9 जून 2018 को आयोजित सतत विकास लक्ष्यों की चुनौतियाँ।

रचना चौधरी ने एक शोध पत्र, डेस्टेबलाइजिंग जेंडर नॉलेज प्रोडक्शन को सह-प्रस्तुत किया: (इन) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, इस्लेल डेस हाउट्स एन में सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज द्वारा आयोजित वैश्विक दक्षिण में लिंग ज्ञान का उत्पादन और संचलन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, विज्ञान (EHESS), पेरिस, फ्रांस, 28 मार्च 2019 को।

—— एक लंबा अमूर्त और अंतिम मसौदा प्रस्तुत करते हुए, चारु खुराना और अन्य वी. यूनियन ऑफ इंडिया और अन्य ने, एक लेखन कार्यशाला में, इंडियन फेमिनिस्ट जजमेंट प्रोजेक्ट, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा संयुक्त रूप से जिंदल ग्लोबल में संयुक्त रूप से आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। विश्वविद्यालय, सोनीपत, 16 मई 2018 को।

शेल्ली पांडे ने शोध पत्र प्रस्तुत किया, दिल्ली शहर में लोकेशन काबुली: अफगान सिखों के मौखिक इतिहास, ओरल हिस्ट्री एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित चौथे वार्षिक सम्मेलन में, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में, 1 फरवरी 2019 को।

शिफा हक ने सेंटर फॉर स्टडीज इन जेंडर एंड सेक्शुअलिटी, अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत, भारत द्वारा 1 दिसंबर, 2018 को आयोजित गोलमेज, कामुकता और उत्पीड़न में, क्लिनिक और कक्षा में इच्छा, एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, महिलाओं और उनके आंतरिक दुनिया के विषय, 31 अक्टूबर 2018 को, जीसस एंड मैरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक मनोविज्ञान उत्सव, कैथारिस में, महिलाओं के अनुभवों में आत्म-प्रेम का विमोचन।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो विनाश से बच रहा है: 16 वीं वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में गांधी को विन्नोट में पढ़ना, होप एंड ड्रेड: एक अनिश्चित दुनिया में चिकित्सक और रोगी, रूजवेल्ट होटल में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ रिलेशनल मनोविश्लेषण और मनोचिकित्सा द्वारा आयोजित किया गया, न्यूयॉर्क शहर, यूएसए, 14 जून 2018 को।

—— आर. पॉल, डी. मिहालिट्स, एल. टेटो, और एन. मार्सिको ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सपनों के शहर में छिपे हुए वर्तमान और दृश्यमान अनुपस्थित: सामूहिक कल्पना की खोज, गुणात्मक जांच के 14 वें कांग्रेस विश्वविद्यालय में, उरबाना-शैंपेन, यूएसए, 16 मई 2018 को।

शुभ्रा नागलिया ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, लिंग ज्ञान उत्पादन को नष्ट करने वाला: (इन) नाजायज अनुशासन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लिंगानुपात का ज्ञान और उत्पादन, दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र, इकोनॉमस हाउट्स एन द्वारा आयोजित। विज्ञान (EHESS), पेरिस, फ्रांस, 28 फरवरी 2019।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सोवियत सेफ्टी यूरेशिया और क्रांतिकारी विषय में जेंडर एपिस्टेमोलोजी, इंटरनेशनल सेमिनार में, सोवियत सोवियत यूरेशिया मैपिंग: राजनीतिक अर्थव्यवस्था, रणनीतिक पर्यावरण और सांस्कृतिक परिदृश्य, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 30 अक्टूबर 2018 को।

व्याख्यान / उपलब्धियां

30 मार्च 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में शी द पीपल वुमन राइटर्स फेस्ट में डॉ. के. सी. बिंदु के साथ बातचीत में बिंदू के सी. ने के. आर. मीरा, के.आर. मीरा का साक्षात्कार लिया।

—— व्याख्यान को पूरा किया, 'इतिहास में लिंग को देखकर: इतिहास विभाग, हंस राज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 26 मार्च 2019 को आयोजित किया गया।

—— भारत के दिल्ली विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर 2018 को जागृति महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित व्याख्यान को पढ़ना, लिंग पढ़ना, रोज़ पढ़ना।

—— लेडवर्ड, राष्ट्र की कल्पना में महिलाओं की नागरिकता, एडवांस्ड सेंटर फॉर वुमेन स्टडीज, विकास अध्ययन स्कूल, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (TISS), मुंबई, भारत, 27 जून 2018 को।

—— डॉलेवर्डेड लेक्चर, वर्जीनिया वूल्फ्स ए रूम ऑफ वन ओन, एडवांस्ड सेंटर फॉर वुमेन स्टडीज, विकास अध्ययन स्कूल, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), मुंबई, भारत, 22 जून 2018 को।

ध्रुव पांडे ने एक, काव्य के रूप में नृत्य पर प्रदर्शन: सूर्य मंदिर, कोणार्क, ओडिशा में जनवरी 2019 में चंद्रभागा काव्य समारोह में विभिन्न रूपों में कथक किया।

—— एक व्याख्यान-प्रदर्शन का प्रदर्शन, मर्दानगी में शरीर: भारतीय शास्त्रीय नृत्य में कथक, अंग्रेजी साहित्य सोसायटी, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, सितंबर 2018 द्वारा आयोजित।

हनी ओबेरॉय-वैहली ने एक मुख्य भाषण दिया, मानसिक भूख: सम्मेलन में घर के लिए दुबकना, वैश्विक भूख: साहित्य के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम में 25 जून 2018 को डिपार्टमेंट ऑफ लिक्विड साहित्य में गरीबी की समस्या।

कृष्णा मेनन ने 8 मार्च 2019 को लक्ष्मी बाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक व्याख्यान दिया।

—— राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र विभाग, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता, भारत, 28 जनवरी 2019, को दक्षिण एशिया में नारीवादी आंदोलनों को पढ़ाने की चुनौतियां और संभावनाएं।

—— एक व्याख्यान, वैश्विक नारीवाद: संदर्भ, और चुनौतियाँ, चुनौतियाँ और चुनौतियाँ, एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में, महिला अध्ययन और विकास संस्थान और भारतीय दलित अध्ययन संस्थान, महिला अध्ययन विभाग, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, यूओ क्लेयर, यूएसए में आयोजित, 7 जनवरी, 2019 को।

—— कार्यशाला के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में योग्य, लिंग इक्विटी और समावेशन: WISCOMP के साथ आयोजित उच्च शिक्षा में परिवर्तनशील रास्ते,

सेंट टेरेसा कॉलेज, कोच्चि, 5 जनवरी 2019।

—— ने एक पैनलिस्ट के रूप में, पैनल डिस्कशन में, जेंडर और स्मार्ट सिटी, कार्यशाला में, किंग्स कॉलेज, लंदन द्वारा आयोजित स्मार्ट सेफ सिटी, जेंडरिंग, और यूके आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज रिसर्च काउंसिल द्वारा प्रायोजित, 13 दिसंबर, 2018 को प्रायोजित किया गया।

—— ने एक संसाधन व्यक्ति के रूप में, एक व्याख्यान दिया, नारीवादी शिक्षाशास्त्र का प्रश्न: दिल्ली राज्य विश्वविद्यालय के हंस राज कॉलेज में 3 दिसंबर 2018 को आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में राष्ट्र-राज्य को पढ़ाना।

—— 27 नवंबर, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंस राज कॉलेज में आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में एक व्याख्यान, महिलाओं के लिंग और लिंग के अध्ययन का मिलान किया गया।

—— आईएसएसएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य संबोधन को संबोधित करते हुए, हाशिए के समुदायों की महिला: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी में 15 नवंबर, 2018 को निष्कर्ष।

—— एक व्याख्यान, अंडरस्टैंडिंग लिंग, पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, मुख्य अवधारणाओं और महत्वपूर्ण सोच, सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2 नवंबर 2018 को आयोजित किया गया।

—— एक वीडियो व्याख्यान, लिंग हिंसा और मानवाधिकार, शिक्षकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम के लिए, विषयों के लिए, मानव अधिकार, पर्यावरण और नैतिकता के लिए, एमएचओआरडी के SWAYAM मंच का उपयोग कर एक MOOC पाठ्यक्रम के लिए 26 अक्टूबर 2018 को प्रस्तुत किया।

—— अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में एक सत्र, पहचान, नस्ल और लिंग की खोज: नॉर्थ ईस्ट फोरम, सेंटर फॉर कम्युनिटी नॉलेज, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, 25 अक्टूबर 2018 को आयोजित निरंतरता, अन्वेषण।

—— एक परामर्शी बैठक, WISCOMP द्वारा आयोजित, परियोजना, हम्सा के लिए, परिसरों पर लैंगिक इक्विटी पर, 13 अक्टूबर 2018 को आयोजित की गई.

—— डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान, हैदराबाद, भारत में 11 अक्टूबर 2018 को तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित सिविल सेवा प्रोबेशनर्स के 93 वें फाउंडेशन कोर्स के भाग के रूप में दो व्याख्यान, लोकतंत्र का व्याकरण, और, महिला, लोकतंत्र और परिवर्तन। ।

—— एक बात पर चर्चा की, राजनीति क्या है और नारीवाद एक राजनीतिक मुद्दा कैसे है? नारीवाद छात्रों के लिए प्रासंगिक क्यों है ?, एक राष्ट्रीय सम्मेलन में, महिला, शक्ति और कनेक्ट और फ्रेडरिक-एबर्ट-स्टिफंग द्वारा आयोजित, 12 सितंबर 2018 को।

—— ने एक पैनलिस्ट के रूप में, पैनल चर्चा में, महिलाओं और लड़कियों के लिए समावेशी शहरों की कल्पना करना, नारीवादी शहरी वायदा, महिलाओं और लड़कियों के लिए राष्ट्रीय परामर्श पर शहरों की कल्पना करना, जगोरी और सेफ्टिपिन द्वारा संयुक्त राष्ट्र की महिलाओं के साथ साझेदारी में यूएनसीईएफ और ओक फाउंडेशन, इंडिया हैबिटेट सेंटर, 30 अगस्त 2018 को आयोजित की गई.

23 अगस्त 2018 को होटल क्लेरॉज, नई दिल्ली में, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित क्रिस डेनियल, सीईओ, व्हाट्सएप के साथ परामर्श के हिस्से के रूप में, सोशल मीडिया पर हानिकारक

संदेशों का प्रसार, एक गोलमेज चर्चा में साझा किया गया।

—— ने पैनल चर्चा में, पैनलिस्ट के रूप में, राष्ट्रवाद पर संवाद, सिद्धार्थ वर्दराजन, रुक्मिणी सेन, ज़क्का जैकब के साथ, शिव नादर स्कूल, नोएडा, यूपी, भारत में, 11 अगस्त 2018 को।

—— केरल पुलिस अकादमी, त्रिशूर, केरल में 5 जुलाई 2018 को राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से 600 महिलाओं की भर्ती के लिए एक कार्यशाला, जेंडर सेंसिटाइजेशन।

—— भारत के लोकतंत्र में खोज पर एक व्याख्यान, संकाय के एक समूह के लिए, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ डेनवर, कोलोराडो, संयुक्त राज्य अमेरिका, 19 जून 2018 को।

—— जिन्दल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 16 मई 2018 को भारतीय नारीवादी निर्णय लेखन परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण पाठक के रूप में देखा गया।

रचना चौधरी ने एक सत्र की अध्यक्षता की, जेंडर: परिप्रेक्ष्य और अलग-अलग आवाज़ें, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, ट्रांसफॉर्मिंग आईडीईएएस (अंतर-अनुशासनात्मक आदान-प्रदान, विश्लेषण और खोज) व्यवहार्य समाधान (IDEAS-2019), विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, दिल्ली, में 30 मार्च 2019 को।

—— भारत के मौखिक इतिहास एसोसिएशन के चौथे वार्षिक सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की, समुदाय, स्थान और पहचान: मौखिक इतिहास की संभावनाएं, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट परिसर, 2 फरवरी 2019।

—— कार्यस्थल अधिनियम, 2013 में महिलाओं के यौन उत्पीड़न की समीक्षा और राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय, दिल्ली में 18 जनवरी 2019 को महिलाओं के संपत्ति अधिकारों की क्षेत्रीय परामर्श के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में योग्य।

रचना जौहरी ने सत्र, मानसिक स्वास्थ्य, पहचान और विशेषाधिकार की सुविधा दी: क्या कनेक्शन है? क्या निहितार्थ हैं ?, संगत और इसके ओके टू टॉक, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 1 फरवरी 2019 को।

—— एक व्याख्यान, ध्यान से सुनना: मनोवैज्ञानिक नारीवादी अनुसंधान के माध्यम से, संकाय विकास कार्यशाला, लिंग, अनुसंधान विधियों और शिक्षाशास्त्र में, हंस राज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 27 नवंबर, 2018 को पुनर्प्राप्त करना।

15 फरवरी, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में क्रीएट्री द्वारा राउंडटेबल, प्रीनेटल टेस्टिंग,

डिसएबिलिटी एंड एबॉर्शन में लगाया गया।

शैली पांडे ने एक वक्तव्य पेश की, लिंग समानता: किसकी चिंता है ?, डनहंबी इंडिया, गुड़गांव द्वारा आयोजित, 8 मार्च 2019 को।

—— राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान द्वारा आयोजित एक वार्ता, महिला और शिक्षा, 8 मार्च 2019।

—— एक व्याख्यान, राजनीतिक के मेटामॉर्फोसेज़, कार्यशाला में, मौखिक इतिहास के तरीके और व्यावहारिक मुद्दे, 28 फरवरी 2019 को इंटरनेशनल सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज द्वारा आयोजित किए गए।

घटनाक्रम / गतिविधियां

स्कूल ने एक गोलमेज, फेमिनिज़्म इन प्रैक्टिस का आयोजन किया: फेमिनिस्ट लॉयरिंग और फेमिनिस्ट जज, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 6 अक्टूबर 2018 को।

स्कूल ने ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के साथ, NTH कॉम्प्लेक्स, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली में 6 -7 के साथ मिलकर राइटिंग, इंडियन फेमिनिस्ट जजमेंट प्रोजेक्ट का एक हिस्सा राइटिंग दूसरी कार्यशाला का आयोजन किया, अक्टूबर 2018 को।

स्कूल ने दो दिवसीय कार्यशाला, पढ़ना और लिखना, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में एमए लिंग अध्ययन (सेमेस्टर 3) के छात्रों के लिए 2 से 3 अगस्त 2018 तक आयोजित किया।

स्कूल ने एक पैनल चर्चा का आयोजन किया, ओडिशा के कंधमाल में ईसाई विरोधी हिंसा की पृष्ठभूमि में सांप्रदायिक हिंसा का प्रभाव, सौम्या उमा, जस्टिन गीतांजलि सेनापति और अजय कुमार सिंह को पैनलिस्ट के रूप में, 5 सितंबर 2018 को।

शावि ने शाह को एक कार्यशाला की सुविधा देने के लिए आमंत्रित किया, फ्रेमन अनुसंधान: अनुसंधान विद्वानों के लिए एक कार्यशाला, एसएचएस समिति हॉल में, 6 अगस्त 2018 को।

वाईपी फाउंडेशन ने कार्यशाला, मानसिक स्वास्थ्य, लिंग और कामुकता, 26 सितंबर - 3 अक्टूबर 2018 को सुविधा प्रदान की।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने 30 अक्टूबर 2018 को महिला छात्रों के लिए ऑनलाइन सुरक्षा कार्यक्रम पर एक कार्यशाला, डिजिटल शक्ति की सुविधा प्रदान की।

एक थिएटर प्रदर्शन, कथित तौर पर, मल्लिका, शना और ज़ुबान टीम के साथ किया गया, 6 फरवरी

2019 को।

स्कूल ने दो दिवसीय कार्यशाला, मनोचिकित्सा नैदानिक अनुसंधान के तरीके, पीएचडी विद्वानों के लिए, 8-9 फरवरी 2019 तक आयोजित की।

तमन्ना खोसला ने 22 जनवरी, 2019 को अपनी पुस्तक, बहुसंस्कृतिवाद, नारीवाद और व्यक्तिगत कानूनों पर चर्चा की।

एक फोटोजर्नलिस्ट और डॉक्यूमेंट्री फ़ोटोग्राफ़र / फ़िल्म निर्माता, अमुदिनी रामाकृष्णन ने 25 जनवरी, 2019 को कुछ फ़ोटोग्राफ़रों के नमूना कार्य के साथ कुछ मूलभूत तकनीकी विवरणों पर केंद्रित फ़ोटोग्राफ़ी कार्यशाला की सुविधा दी।

एडिया निगम, सीएसडीएस, ने एक बात की, ग्लोबल साउथ में डूइंग सिद्धांत: डीकोलाइज़ेशन का क्षण, 2 अगस्त 2018 को।

नीकोली कुओत्सु, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने मीडिया पर बात करते हुए एक शोध दिया: छवि, पाठ, संदर्भ, 2 अगस्त 2018 को।

शिवानी कपूर, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, ने 3 अगस्त 2018 को शोध के लिए एक भाषण दिया, पढ़ना और लिखना।

जॉय पचुआ, जेएनयू, ने एक बातचीत की, कैसे अभिलेखीय स्रोतों का उपयोग किया जाए, 3 अगस्त 2018 को।

मल्लिका सिन्हा रॉय, जेएनयू, ने एक बात की, नृवंशविज्ञान अनुसंधान कैसे करें, 3 अगस्त 2018 को।

प्रभजोत परमार ने एक बात बताई, दुःखी माताओं, अकेली प्रेमिकाओं, 'कमजोर महिलाओं': भारत और महान युद्ध, 18 सितंबर 2018 को।

ध्रुव पांडे ने एक बात, भारतीय शास्त्रीय नृत्य की कथानक: कथक को सामाजिक विज्ञान को समझने में शिक्षाशास्त्र के रूप में दिया, 9 अक्टूबर 2018 को।

सुचिस्मिता चट्टोपाध्याय ने एक बात की, फैशन को नया विषय दिया: 'व्यक्तित्व विकास' और समकालीन दिल्ली में तैयार, 23 अक्टूबर 2018 को।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के एविटोली जी. झिमो ने 14 मार्च, 2019 को एक वार्ता, प्रथागत कानून और लिंग के बारे में बताया।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय की एलिस क्लार्क ने 26 फरवरी, 2019 को अपनी पुस्तक मूल्यवान बेटियों के आधार पर घर पर और कॉलेज में एक बातचीत, महत्वाकांक्षी लड़कियों का उद्धार किया।

हुमा अहमद-घोष, ने 18 मार्च, 2019 को भारत में धर्म के लेंस के माध्यम से युवा मुस्लिम महिलाओं की वास्तविकता पर बात की।

स्कूल ने विशेष व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को आमंत्रित किया, स्कूल के नींव पाठ्यक्रमों का एक हिस्सा: विजय तन्खा, निवेदिता मेनन, अनूप धर, अनिता घई, अशोक नागपाल, रचना जौहरी, आकाश सिंह राठौर, नवतेज जोहर, किरणमयी भूषी, देवदत्त चौधरी।

फील्ड के दौरे

ध्रुव पांडे के नेतृत्व में एमए जेंडर स्टडीज के छात्रों ने 17 फरवरी, 2019 को एक विशेष मूर्तिकला प्रदर्शनी 'रूपान्तर' का अध्ययन करने के लिए नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट का दौरा किया।

छात्रों के समझौते

प्रकाशन

के. सी. अब्दुल रहमान (2019)। धमकी देने वाली पत्नियों, ईर्ष्यालु पति: म्पिला पत्र गीतों को पढ़ते हुए समुदाय के इतिहास के रूप में। अंग्रेजी भाषा का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, मानविकी में साहित्य (IJELIH)। 7 (3), 446–457.

गुप्ता, एस. (2019)। विन्सेंट वैन गॉग ने गहराई से महसूस किया; कोमलता से महसूस किया। भारतीय मनोविज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (1), 847-852.

प्रस्तुतीकरण

आकांक्षा डीक्रूज ने एक शोध पत्र, हेमलाइन और हेयरबैंड प्रस्तुत किया: 26 मार्च 2019 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल रिसर्च के ज़ाकिर हुसैन सेंटर में UGC-CAS स्नातक सेमिनार में, कॉन्वेंट स्कूल अनुशासन का प्रतिपादन।

आकांक्षा डीक्रूज ने GWS2018 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बैंकॉक, थाईलैंड में 28 जून 2018 को एक पत्र, ब्रा-बर्निंग, स्लटवॉक और नाइट मार्च: मोबिलिटी, विरोध और प्रतिरोध के नारीवादी साधनों का विश्लेषण प्रस्तुत किया।

अवाली खरे और नलिनी मेनन ने एक शोध पत्र, सह-हिंसा का सह-प्रस्तुतीकरण किया: सम्मेलन में

यूनिवर्सिटी स्पेस के भीतर क्वीर महिलाओं, ट्रांस-महिलाओं और गैर-पुरुषों के खिलाफ हिंसा का विश्लेषण, महिला शक्ति कनेक्ट: राजनीतिक नारीवाद पर कॉलेज के छात्रों के साथ जुड़ाव, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, 12 सितंबर 2018 को।

अवनी अग्रवाल ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, शहरी रात के परिदृश्य की राजनीति का मानचित्रण: दिल्ली में महिलाओं के स्थानिकरण और उनकी गतिशीलता, 16 वीं महिला अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्व संगोष्ठी में, समरविले कॉलेज, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके में, 1 अगस्त 2018 को।

भानु प्रिया गुप्ता ने एक पत्र प्रस्तुत किया, मार्गरिटा विद अ स्ट्रॉ: अंडरस्टैंडिंग वासना विद अ स्ट्रॉ: द नैराटिवाइजिंग वॉयस ऑफ फिजिकल डिसेबिलिटीज़ विद दिल्ली, इंडिया, इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस, जेंडर एंड सेक्शुअलिटी इन एशिया (कोफेन) मोनाश यूनिवर्सिटी, मलेशिया, 12 नवंबर 2018 को।

बिदिशा मुखर्जी ने 17 जनवरी, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में, आजाद फाउंडेशन द्वारा, हाशिए के लिए गैर-पारंपरिक आजीविका (NTL) कार्य करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा की राजनीति का एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डोना बिस्वास ने एक पत्र, बथुआवाद और बोडो आंदोलन प्रस्तुत किया: सार्वजनिक स्थान पर धर्म का संबंध और बढ़ती जनजातीय चेतना, राष्ट्रीय सम्मेलन में, सांस्कृतिक और तुलनात्मक दृष्टिकोण में धर्म, तुलनात्मक साहित्य केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय में, 26 फरवरी। 2019।

डोना बिस्वास ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, पिछले राजनीतिक विद्रोहों का 'लोकगीत': राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोडोलैंड के आसपास समकालीन कलाकृतियों में सांस्कृतिक स्मृति का महत्व, 21 वीं शताब्दी में आईसीएफएआई, अगरतला, 5 में मौखिकता, लोक और इतिहास के वार्ता मुद्दे, नवंबर 2018 को।

डोना बिस्वास ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडिजिनस एपिस्टेमोलॉजी: इंस्पेक्टिव्स इन द ट्राइबल इंटेलेक्चुअल कलेक्टिव इंडिया, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), मुंबई द्वारा 10 सितंबर 2018 को आयोजित, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, बोडोलैंड के निर्माण में एक पत्र, अस्पष्टता और बोडो आंदोलन प्रस्तुत किया।

ईशा मिश्रा ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, विमेन इन डिफेंस जोन: हिंसा की साइटें, एजेंसी और स्वायत्तता, एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, यूनेस्को चेयर फॉर पीस एंड इंटरकल्चरल अंडरस्टैंडिंग द्वारा, मालवीय सेंटर फॉर पीस एंड रिसर्च, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, नवंबर 2018 में आयोजित किया गया।

17 जनवरी, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में, आजाद फाउंडेशन द्वारा, हाशिए पर पड़े गैर-पारंपरिक आजीविका (एनटीएल) कार्यों को बनाते हुए, किरण ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिल्ली में एक घरेलू कामगार को प्रस्तुत किया।

ममता गंधम ने दस दिनों में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसने भारतीय श्रम आंदोलन में इतिहास बनाया, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, नारीवादी श्रम इतिहास में नए दृष्टिकोण, इतिहास और संस्कृति विभाग, 18 जनवरी 2019 को बोलोग्ना विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।

मायोवा विक्टोरिया शिट्टू ने एक पत्र प्रस्तुत किया, वैश्विक महिला प्रभावितों से साझा सीखने के माध्यम से नेतृत्व के लिए भारतीय महिलाओं को सुविधा प्रदान करना: सम्मेलन में एक समीक्षा, महिला शक्ति कनेक्ट: राजनीतिक अंतर्राष्ट्रीयता पर कॉलेज के छात्रों के साथ जुड़ाव, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, 12 सितंबर 2018 को।

मयूराक्षी दत्ता, निकिता तायिंग और वर्निका तेजवानी ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, आजाद फाउंडेशन, नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर, 17 जनवरी 2019 को हाशिए पर पड़े गैर-पारंपरिक आजीविका (एनटीएल) काम के लिए एक शोध पत्र, यौन उत्पीड़न, प्रस्तुत किया।

रिधि अनुप्रिया टिर्की ने पूर्वी मेडिटेरेनियन एकेडमिक रिसर्च सेंटर (DAKAM), इस्तांबुल, तुर्की में 14 दिसंबर 2018 को एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रुचिका शर्मा ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, बियॉन्ड लाइक, शेयर एंड सब्सक्राइब: लाइफ़ इनसाइड यूट्यूब, इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस, मेकिंग फॉर नॉन-ट्रेडिशनल लाइवलीहुड्स (NTL), सीमांत के लिए काम, इंडिया हैबिटेशन सेंटर, नई दिल्ली, 17 में जनवरी 2019 को।

संजना ने 21वीं सदी में भारत में सामाजिक प्रक्रियाओं की खोज, अन्वेषण और पूछताछ का एक शोध पत्र प्रस्तुत किया: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 21 वीं सदी के भारत में दलित लेखकों नजरिए से: दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय प्रक्रियाओं की पूछताछ, पर प्रस्तुति दी।

शेंनगंगुलु कामि ने एक पत्र प्रस्तुत किया, शिक्षाविदों में महिला नेताओं की कमी: दिल्ली के विश्वविद्यालयों में मणिपुर से आई महिलाओं का एक केस स्टडी, कॉन्फ्रेंस में, वूमेन पावर कनेक्ट, राजनीतिक नारीवाद पर कॉलेज के छात्रों के साथ जुड़ाव, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, 12 सितंबर 2018 को।

1 अगस्त, 2018 को समरविले कॉलेज, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी, में 16 वीं महिला अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्व

संगोष्ठी में श्रुतिका लक्ष्मी ने हिंदू धर्म में समय-उपयोग का एक पैटर्न, समकालीन समय में इसके प्रतिरूप और इसके निहितार्थ प्रस्तुत किए.

श्वेता आजाद ने 17 जनवरी, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में, आजाद फाउंडेशन द्वारा, हाशिए पर पड़े गैर-पारंपरिक आजीविका (एनटीएल) कार्य को बनाते हुए, दिल्ली के सेंट्रल मार्केट में सेल्सवुमेन, एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सोनम कुमारी, सलोनी गाबा और गरिमा ने दिल्ली में मेट्रो रेल स्टेशनों में सुलभ करमचरी, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, अजा फाउंडेशन द्वारा आयोजित हाशिए के लिए गैर-पारंपरिक आजीविका (एनटीएल) काम करते हुए इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई में एक पत्र प्रस्तुत किया। दिल्ली, 17 जनवरी 2019 को।

सुदेशना सेनगुप्ता ने इंडिया गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, मुंबई, 19 वीं 2018 द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स के 60 वें सम्मेलन में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के घर-आधारित श्रमिकों और स्व-नियोजित महिलाओं के अवैतनिक कार्य, एक पत्र प्रस्तुत किया। ।

17 जनवरी, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में, आजाद फाउंडेशन द्वारा आयोजित, गैर-पारंपरिक आजीविका (NTL) को हाशिए पर रखने के लिए, स्वेता डैश ने दिल्ली में एक सम्मेलन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों को प्रस्तुत किया।

तान्या राजवेदी और सुप्रिता दास ने एक पत्र प्रस्तुत किया, एक आदमी की दुनिया में: गैर-पारंपरिक आजीविका में सेक्सिज्म और महिलाएं, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, गैर-पारंपरिक आजीविका (NTL) बनाना, हाशिए के लिए काम करते हैं, इंडिया हैबिटेट में आयोजित केंद्र, नई दिल्ली, 17 जनवरी 2019।

तान्या राजवेदी ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न: सम्मेलन में ICCs के कामकाज पर छात्र परिप्रेक्ष्य, महिला शक्ति कनेक्ट, राजनीतिक नारीवाद पर कॉलेज के छात्रों के साथ जुड़ाव, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, 12 सितंबर 2018 को।

वर्निका तेजवानी ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, खंडित समावेशन की कहानी: अमेरिकन फोकलोर सोसाइटी, बफ़ेलो, न्यूयॉर्क, की वार्षिक बैठक में 1720-20 अक्टूबर, 2018 की हिंदी सिंधी समुदाय के प्रवास और भारत की दुल्हन संस्कृति के बीच एक समानांतर चित्रण।

2.9. कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल

कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल (एसएलजीसी) कानून, संस्कृति, राजनीति और सामाजिक संरचनाओं के उपजाऊ और जटिल इंटरैक्शन पर एक अंतःविषय परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है। कानून को केवल कानूनी व्यवहार के क्षेत्र के रूप में या वकीलों और कानूनी विद्वानों के लिए आरक्षित ज्ञान के एक निकाय के रूप में व्यवहार करने के बजाय, स्कूल कानून को अभ्यास और ज्ञान का एक विवादित इलाका समझता है जिसे रचनात्मक और सहयोगात्मक तरीके से सर्वोत्तम रूप से जांचा जाता है। अंतःविषय छात्रवृत्ति के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, स्कूल के कार्यक्रम शिक्षण कानून के नए तरीके बनाने का प्रयास न केवल एक कानूनी विषय के रूप में, बल्कि सामाजिक विज्ञान और मानविकी के एक भाग के रूप में भी करते हैं।

कानून और राजनीति में बीए

2018 में लॉन्च किया गया, **कानून और राजनीति में बीए** प्रोग्राम छात्रों को कानूनी और राजनीतिक क्षेत्र की गतिशीलता से परिचित कराता है, जो औपचारिक संस्थानों के अध्ययन से आगे निकलता है। भारत में अपनी तरह का पहला, यह स्नातक कार्यक्रम कानून और राजनीति के उत्पादक उलझाव और जिस तरह से वे एक-दूसरे का सह-निर्माण और उत्पादन करते हैं, उसका पता लगाता है। प्रोग्राम का झुकाव इस बात का परिसीमन करना है कि अदालत के ढांचे के बाहर जीवन पर कानून कैसे प्रभाव डालता है और हमारी राजनीतिक संवेदनाओं में भी, हम कानून की वाक्य रचना, नागरिकता, अधिकार, कर्तव्य, राज्य, लोकतंत्र, न्याय, आदेश को कैसे बनाते हैं? हर रोज समझ में आता है। कार्यक्रम का जोर सार्वजनिक कानून के मुख्य क्षेत्रों के साथ-साथ निजी कानून के एक वैचारिक परिचय पर है, जो अंतःविषय बातचीत करने के लिए आवश्यक नींव प्रदान करेगा। इस ढांचे के भीतर, कानून और राजनीति में बीए अपने आसन्न सिद्धांतों की जांच के लिए, कानून की औपचारिक संरचना को बड़ा करने की इच्छा रखता है, एक राजनीतिक समुदाय के संकल्प के रूप में इसकी अभिव्यक्ति, जिसे राज्य की संस्थाओं द्वारा और के रूप में ऊपर रखा जाना है। नागरिकों के अधिकारों का त्याग, जो तब एक राज्य और उसके नागरिकों के बीच संबंधों को आकार देता है। इस रूपरेखा को आगे बढ़ाने के लिए पारस्परिकता और अनाकर्षकता की भावना पर आधारित राजनीति की समझ है, जो फिर भी नवीन और लोकतांत्रिक संभावनाओं से भरा हो सकता है।

कानून, राजनीति और समाज में एमए

2018-19 कानून, राजनीति और समाज में एमए कार्यक्रम का दूसरा वर्ष था। इस कार्यक्रम को इस

आधार के साथ बनाया गया है कि आधुनिक भारत की बेहतर समझ को आकार देने के लिए कानून और राजनीति के प्रतिच्छेदन पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। अंतःविषय छात्रवृत्ति के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, एमए कार्यक्रम शिक्षण कानून के नए तरीके बनाने का प्रयास करता है न केवल एक कानूनी विषय के रूप में, बल्कि सामाजिक विज्ञान और मानविकी के एक हिस्से के रूप में।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

सौम्या उमा को 4थे वीनस इंटरनेशनल वीमेन अवार्ड्स, 2019 में प्रतिष्ठित महिला इन ह्यूमेनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज-लॉ अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रस्तुतीकरण

अनुज भुवानिया ने एक शोध पत्र, भारतीय संविधान और सामाजिक परिवर्तन के विचार, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, IIT कानपुर, 8 मार्च 2019 को प्रस्तुत किया।

—— ने एक कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय में 1-3 मार्च, 2019 को यंग रिसर्चर्स फोरम, इंटरनेशनल लॉ एंड थ्योरी में एक शोध पत्र, कानूनी तकनीकी और कानून के समाजशास्त्र का प्रतिनिधित्व किया।

—— ने एक पत्र प्रस्तुत किया, 19 फरवरी 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह कॉलेज, राजनीति विज्ञान विभाग में न्यायिक उथल-पुथल के युग में अधिकारों का प्रवचन।

—— ने एक पत्र, डेमोक्रेटिक संस्थानों और संघवाद, सम्मेलन, अदालतों और संविधान में प्रस्तुत किया: 2018 समीक्षा में, NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ़ लॉ और अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया, 26–27 जनवरी 2019 को।

—— ने 13 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सार्वजनिक नीति और प्रबंधन में, तेजी से विकास के लिए तेजी से विकास के लिए एक शोध पत्र, तेज़ अदालतों का आयोजन, आईआईएम बैंगलोर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 25 अगस्त 2018 को।

....................ने जिन्दाल ग्लोबल लॉ स्कूल में 30-31 जुलाई 2018 को फैकल्टी डेवलपमेंट वर्कशॉप के प्लेनरी सेशन में, एक विषय से परे और एकेडमी के बाहर में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, मानवाधिकार कानून में समकालीन मुद्दे, एक संगोष्ठी में, सार्वजनिक कानून में समकालीन मुद्दे, बोनावेरो इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन राइट्स, यूनिवर्सिटी ऑफ

ऑक्सफोर्ड, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, मेलबर्न लॉ स्कूल और एनयूएस फैकल्टी ऑफ लॉ द्वारा आयोजित किया गया। ऑस्ट्रेलिया के उच्चायोग, नई दिल्ली में, 8 अप्रैल 2018 को।

लॉरेंस लिआंग ने कॉन्फ्रेंस, द फ्यूचर ऑफ ओपन एक्सेस, द कॉन्फ्रेंस ऑफ द फ्यूचर, द फ्यूचर ऑफ कॉपीराइट, इंटर यूनिवर्सिटी यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज, कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, फरवरी 2019 में प्रस्तुत किया।

14 से 15 फरवरी 2019 तक, सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, तिरुवनंतपुरम, केरल द्वारा आयोजित सम्मेलन, इकोनॉमिक थ्योरी और पॉलिसी में, त्रुटियों की उपस्थिति में योगदान और तुलनात्मक लापरवाही की सापेक्ष दक्षता, मालाबिका पाल ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——— एक शोध पत्र, सम्मेलन, कानून और अर्थशास्त्र में योगदानकर्ता और तुलनात्मक लापरवाही की सापेक्ष दक्षता: NALSAR विश्वविद्यालय, हैदराबाद, भारत में 19-20 जनवरी 2019 को सैद्धांतिक और अनुभवजन्य अन्वेषण।

——— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स, पुणे, महाराष्ट्र, भारत द्वारा 15 वें वर्ष में आयोजित लॉ एंड इकोनॉमिक्स के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में त्रुटियों की उपस्थिति में लापरवाही के नियम के वेरिएंट की सापेक्ष दक्षता, 16 दिसंबर 2018 को।

——— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, कोएज़-सैंडर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो लॉ स्कूल, शिकागो, यूएसए, 18 जुलाई, 2018 को विद्वानों के संगोष्ठी में लापरवाही नियम के वेरिएंट की सापेक्ष दक्षता।

पूजा सतयोगी ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, उन्हें एक कहानी बताएं जिसे वे स्वयं कह सकते हैं: एमए शोध प्रबंध और महिलाओं, लिंग और कामुकता के अध्ययन के सवाल, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, इकोल डेस में ग्लोबल साउथ में लिंग पर ज्ञान का उत्पादन और संचलन। हाउट्स एन साइंसेज सोशेस, पेरिस, फ्रांस, 28-1 फरवरी / मार्च 2019 को।

——— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, साउंडिंग लॉ, सुनने के नियम और पुलिसिंग: अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण में स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट, दिल्ली पुलिस में 'घरेलू क्रूरता' का आरोप लगाते हुए, बर्न विश्वविद्यालय में, ट्रेसिंग एजेंसी ऑफ साउंड, 8-9 फरवरी 2019 को अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में।

——— ने एक शोध पत्र, 'घरेलू क्रूरता' और हिंसा के खिलाफ आपराधिक कानून: डिजिटल सम्मेलन में दिल्ली में विशेष पुलिस इकाइयों, दिल्ली में दहेज और महिलाओं की संपत्ति के अर्थ को नेविगेट करना, मिडिलसेक्स विश्वविद्यालय, मॉरीशस में महिलाओं के खिलाफ हिंसा का उन्मूलन, नवंबर

2018 को।

—— ने जवाबदेही, संदेह और घर में घूमने की तारीख का प्रतिनिधित्व: हेट क्राइम क्लिनिक, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, नई दिल्ली, 25 अक्टूबर 2018 को दिल्ली पुलिस में संबंधों की एक स्टैथर्नियन रीडिंग पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने एक शोध पत्र, फिक्सिंग नाम और दोष: एक मामला दिल्ली पुलिस में जिम्मेदारी के एक बड़े पैमाने पर व्यापकता के लिए, येल मॉडर्न साउथ एशिया वर्कशॉप, अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत में, 9-10 जुलाई 2018 को।

एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, 'मेरे काम के लिए, कल्पना कीजिए कि आपने मुझे दाल पकाने के लिए कहा है; मैंने इसके बजाय चावल पकाए हैं, लेकिन चावल स्वादिष्ट है ': लेखन, शिक्षा के मूल्यांकन और अर्थों की नैतिकता, सम्मेलन में, लेखन पर चिंतन, अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत में, 27-28 अप्रैल 2018 को।

—— ने एक पत्र प्रस्तुत किया, भारतीय राजनीति के अध्ययन से विकसित सिद्धांत: दिल्ली विश्वविद्यालय में च्वाइस-बेस्ड सेमेस्टर सिस्टम के तहत राजनीतिक शिक्षा देना, सम्मेलन में, लिबरल शिक्षा और मानविकी और सामाजिक विज्ञान का भविष्य, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर, 6-8 अप्रैल 2018 को।

अनुष्का सिंह ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, द इंटरप्ले ऑफ़ टेक्स्ट एंड कॉन्टेक्स्ट: लेसन्स फॉर मेथोडोलॉजी, इन द वर्कशॉप, रिसर्च मेथड्स, डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित, 27 मार्च 2019 को।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया , राज्य का अध्ययन: राजनीतिक विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित कार्यशाला, रिसर्च मेथड्स, मेथडोग्राफी और भाषा विज्ञान से पद्धति संबंधी प्रश्न, 27 मार्च 2019 को।

—— ने एक शोध पत्र, राजनीतिक भाषण, राजद्रोह कानून और आधुनिक लोकतंत्र, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 24 अक्टूबर 2018 को प्रस्तुत किया गया।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, अंडरस्टैंडिंग मार्क्सिज्म, स्पेशल लेक्चर सीरीज़ में, डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 11 अक्टूबर 2018 को।

—— ने एक शोध पत्र पढ़ा, कानून पढ़ना: यूजीसी-सीएएस राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषा, राजनीति और

लोग, सामाजिक अनुसंधान करना: पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भारत में 27 सितंबर 2018 को विविध कार्य पद्धति।

सौम्या उमा ने धार्मिक स्वतंत्रता और लैंगिक समानता के चौराहे पर, एक पत्र प्रस्तुत किया: दक्षिण एशिया के कुछ विचार, धार्मिक स्वतंत्रता लिबर्टी पार्टनरशिप टास्कफोर्स ग्रुप द्वारा, निक्सन लक्जरी होटल, अबूजा, नाइजीरिया, 29 मार्च 2019 को धार्मिक लिबर्टी पार्टनरशिप टास्कफोर्स ग्रुप द्वारा आयोजित।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, लक्ष्य 5 के साथ चलें: जब धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता को परीक्षण के लिए रखा जाता है, तो स्वीडिश मिशन काउंसिल द्वारा सिगुटा स्टिफ़ेल्सन, सिगुतना, स्वीडन में 30 जनवरी 2019 को आयोजित वार्षिक सम्मेलन में।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, लिंग आधारित हिंसा के मामलों में पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा: सम्मेलन में भारतीय कानूनी प्रतिक्रिया, महिलाओं के खिलाफ हिंसा का उन्मूलन, मॉरीशस विश्वविद्यालय, मॉरीशस द्वारा 23 नवंबर 2018 को आयोजित किया गया।

—— ने एक पत्र प्रस्तुत किया, व्यभिचार पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के एक नारीवादी न्यायशास्त्रीय विश्लेषण की प्रस्तुति: जोसेफ शाइन बनाम भारत संघ, निर्णय पर एक पैनल चर्चा में, अंबेडकर द्वारा दिल्ली, कश्मीरी गेट, दिल्ली में आयोजित किया गया, 2 नवंबर 2018 को।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, भारत में पीड़ित और गवाह संरक्षण पर एक कानून का पालन करना: कार्यशालाओं में मुद्दों और रणनीतियों, आकार देने वाला कानून, लिंग को आकार देना: भारत का अनुभव, हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी ऑफ़ बर्लिन और जिंदल ग्लोबल लॉ यूनिवर्सिटी, हम्बोल्ट में आयोजित यूनिवर्सिट ज़ू बर्लिन, बर्लिन, जर्मनी, 13 अक्टूबर 2018 को।

—— ने एक शोध पत्र, भारतीय नारीवादी निर्णय परियोजना में भागीदारी और सबरीमाला मामले में एक वैकल्पिक नारीवादी निर्णय की प्रस्तुति, 6 अक्टूबर 2018 को एनटीएच कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल द्वारा आयोजित।

—— ने आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) डॉन में गैर सरकारी संगठन परामर्शदात्री के साथ सेंट जोसेफ और अन्य संगठनों के संघों द्वारा आयोजित प्रवासी श्रमिकों पर एशियाई सम्मेलन में, हिंसा आधारित विस्थापन से संबंधित एक शोध पत्र, कानून और नीतियों को प्रस्तुत किया गया, बोस्को प्रांतीय हाउस, नई दिल्ली, 10 सितंबर 2018 को।

—— ने एक शोध पत्र, जन अपराधों के संदर्भों में लिंग आधारित हिंसा: कानूनी चर्चा, पैनल चर्चा में,

लिंग-आधारित हिंसा और धर्म: मानव अध्ययन स्कूल और स्कूल ऑफ लॉ द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य से कुछ प्रतिबिंब। , शासन और नागरिकता, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में, 7 सितंबर 2018 को।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, संगोष्ठी में, रोहिंग्या शरणार्थी संकट: अंतरराष्ट्रीय कानून और संस्थानों का जवाब: कारण और परिणाम; टिकाऊ समाधान की तलाश, दक्षिण एशियाई मंच द्वारा मानवाधिकार, विकास और न्याय पहल और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, 11 मई 2018 को आयोजित की गई.

जावेद इकबाल वानी ने एक पत्र, संप्रभु चिंताओं, 'अविश्वसनीय' नागरिकों और सार्वजनिक आदेश को प्रस्तुत किया: डकैतों के खिलाफ लड़ाई और भारत में संप्रभु हिंसा के उपमहाद्वीप के खिलाफ लड़ाई, बुधवार को सेमिनार में, स्कूल ऑफ ग्लोबल अफेयर्स, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, नई दिल्ली में। 13 मार्च 2019 को।

—— ने एक शोध पत्र, भारत के विश्वसनीय sub विश्वसनीय sub नागरिकों और उपमहाद्वीप की संप्रभु हिंसा का सामना करते हुए, गुरुवार को बोलचाल में, सेंटर फॉर सोशल सिस्टम्स, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 24 जनवरी, 2019 को आयोजित किया गया।

व्याख्यान / उपलब्धियां

नॉरगू निक्सन ने उत्तर पूर्व भारत में एक पहचान देते हुए एक बात की: उत्तर पूर्व भारत के अध्ययन के लिए विशेष केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, के लिए विशेष केंद्र में, 'ओल्ड कूकी' की औपनिवेशिक श्रेणी पर विचार, 16 नवंबर 2018 को।

पूजा सतयोगी ने 27 मार्च 2019 को पंजाब विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट छात्रों के लिए यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा प्रायोजित एक कार्यशाला, रिसर्च मेथड्स की सुविधा प्रदान की।

30-31 जुलाई 2018 को नई दिल्ली के जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल में फैकल्टी डेवलपमेंट वर्कशॉप के प्लेनरी सेशन में एक लेक्चर, बियॉन्ड डिसिप्लिन और एकेडमी के बाहर।

सौम्या उमा ने 1 फरवरी, 2019 को स्वीडन के चर्च, उप्साला, स्वीडन के कार्यालय में, चर्च ऑफ स्वीडन द्वारा आयोजित चौराहे पर एक व्याख्यान, लिंग और धर्म की स्वतंत्रता प्रदान की।

—— ने एक पैनलिस्ट, पैनल डिस्कशन में, क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में, जबरन विस्थापन और

महिलाओं पर कानूनी ढांचा, दक्षिण एशिया में जबरन विस्थापन: ले मेरिडियन में महिला क्षेत्रीय नेटवर्क के सहयोग से IWRAW- एशिया पैसिफिक द्वारा आयोजित लिंग संबंधी मामले क्यों, होटल, कुआलालंपुर में, 28 फरवरी 2019 को।

——— ने एक व्याख्यान, धर्म की स्वतंत्रता या एक मानव अधिकार के रूप में विश्वास, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए, स्टॉकहोम के यूनिवर्सिटी कॉलेज, ब्रोम्मा, 31 जनवरी 2019 को आयोजित किया जाता है।

——— ने एक व्याख्यान, लिंग के बीच अंतर, विश्वास और मानवाधिकारों के धर्म की स्वतंत्रता: कुछ प्रतिबिंब, 28 जनवरी 2019 को डेनिश इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन राइट्स, कोपेनहेगन द्वारा आयोजित।

——— ने और रुक्मिणी सेन ने सह-प्रस्तुत किया, एस. 377 आईपीसी निर्णय को पढ़ना: अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, करमपुरा परिसर, नई दिल्ली, 17 सितंबर 2018 को इसकी सामग्री और प्रभाव को समझने के लिए एक करीबी वाचन।

——— ने ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली, जुबान और Livelaw.in के सहयोग से सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स स्टडीज द्वारा आयोजित इंडियन फेमिनिस्ट जजमेंट प्रोजेक्ट में एक महत्वपूर्ण पाठक के रूप में देखा गया। सोनीपत, 14–16 मई 2018।

घटनाक्रम / गतिविधियां

टोरंटो विश्वविद्यालय के क्रिस्टिन पिल्स ने आपातकाल (1975-77), 7 अगस्त 2018 के दौरान एक बात, विपक्ष की राजनीति को जन्म दिया।

मेकगिल विश्वविद्यालय के मेघा शर्मा सहदेव ने 8 अगस्त, 2018 को भारतीय पारिवारिक न्यायालय के एक परिचारिका, न्यायशास्त्रीय क्षेत्राधिकार पर एक भाषण दिया।

बानी गिल, कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, ने एक बात की, डेड पेपर्स दिए: 29 अगस्त 2018 को भारत में अनियमित अफ्रीकी प्रवासियों का अपराधीकरण और वापसी प्रथा।

दिव्य वैद, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, ने एक बात की, भारत में सामाजिक गतिशीलता का अध्ययन: एक मात्रात्मक दृष्टिकोण, 5 सितंबर 2018 को।

विवेक दीवान ने एक बातचीत, सीमांतिकरण और कानून दिया: 31 अक्टूबर 2018 को अदालत कक्ष के बाहर कामुकता, स्वास्थ्य और मानव अधिकारों के साथ जुड़ाव।

आईआईटी-कानपुर की अनिंदिता चक्रवर्ती ने एक चर्चा, जनहित याचिका, धर्म और मुस्लिम पर्सनल लॉ के पक्षपात को दूर किया: समकालीन भारत में धर्मनिरपेक्षता के सवाल का समाजशास्त्रीय अन्वेषण, 14 नवंबर 2018 को।

उज्जवल कुमार सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने एक वार्ता, असाधारण कानूनी व्यवस्था, संसदीय प्रतिक्रिया और न्यायिक व्यवस्था, 23 जनवरी 2019 को दिया।

SLGC Colloquium Talk on Extraordinary Legal Regimes, Parliamentary Responses and Judicial Deference

2.10. लेटर्स स्कूल

लेटर्स स्कूल 5 मार्च 2017 को अस्तित्व में आया। स्कूल साहित्यिक मानविकी में कई अंतःविषय पाठ्यक्रम और कार्यक्रम प्रदान करता है जो ऐतिहासिक और समकालीन परिप्रेक्ष्य में साहित्य, संस्कृति, भाषा और मानवतावाद के अर्थों का समर्थन, प्रोत्साहित और पुनः परिभाषित करता है।

'पत्र' साहित्य को दर्शाता है, लेकिन इस उदाहरण में, मौखिकता, लेखन, पढ़ना, सुनना और संवाद स्थापित करना, अर्थात् जीवित गतिविधियों और न केवल ग्रंथों और उनकी व्याख्याओं के संग्रह को आमंत्रित करना है। शब्द 'लेटर्स' मौखिकता और लेखन, व्यक्ति और सामूहिक के बीच कई संबंधों को आमंत्रित करता है। यह मानविकी के विचार पर एक मौलिक वापसी की मांग करता है, जो एक तरह से दार्शनिक और ऐतिहासिक रूप से जागरूक है, ताकि मानवता के दिल में रहने वाले व्यक्तिवाद के प्रश्न को संबोधित किया जा सके.

स्कूल एक खुली जगह का प्रतिनिधित्व करता है जहां समाज और उसके असंतोष के साथ एक सतत संवाद संभव हो जाता है। यह अपने सामाजिक संदर्भों के भीतर साहित्य के पठन को आधार बनाता है और संशयवाद और मुक्त वातावरण को प्रोत्साहित करता है जिसमें चर्चा और बहस को जीवित रखा जा सकता है। मुख्यधारा के साहित्य के अध्ययन में भी नए दृष्टिकोण पर जोर देने के लिए दृष्टिकोण समावेशी और नवीन है। समग्र उद्देश्य जीवन के सभी रूपों के लिए सम्मान पर आधारित एक व्यापक, समावेशी दृष्टि को बढ़ावा देना है।

अनुशासनात्मक धाराओं के रूप में अंग्रेजी, हिंदी और तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन को मोटे तौर पर हमारे समय और हमारी आधुनिकता को समझने की दिशा में निर्देशित किया जा सकता है क्योंकि हम इसे विशेष रूप से सार्वजनिक सार्वजनिक क्षेत्र में अपने शैक्षणिक और ly सांसारिक कार्यों में संलग्न करते हैं। जबकि शेष अलग विषयों में निहित हैं, स्कूल एक ऐसे स्थान के रूप में कार्य करता है जहां सहयोगी और एकीकृत दृष्टिकोण अंतःविषयता को बढ़ावा देते हैं और सक्षम करते हैं।

अंग्रेजी में एम.ए.

अंग्रेजी में परास्नातक कार्यक्रम अनुवाद में साहित्य सहित अंग्रेजी साहित्य और अंग्रेजी में अन्य साहित्य के बीच पदानुक्रम को समाप्त करने का प्रस्ताव करता है। यह कम-ज्ञात भाषाओं और क्षेत्रों से संबंधित साहित्य के महत्व को ध्यान में लाना चाहता है। विश्वविद्यालय के समग्र दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए, यह कार्यक्रम छात्रों को संलग्न और चिंतनशील छात्रवृत्ति की ओर उन्मुख करने

की उम्मीद करता है।

तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन में एमफिल और पीएचडी

टैगोर ने तुलनात्मक साहित्य का बंगाली में 'विश्व साहित्य' के रूप में अनुवाद किया। साहित्य के लिए साहित्य की पसंद दुनिया के हमारे हिस्से में साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की संभावनाओं को प्रकट करती है। तुलना सिर्फ विषम वस्तुओं की तुलना नहीं है बल्कि एक वैचारिक स्थान का पोषण करना है जिसमें कल्पना को दूसरे के साथ सामना किया जा सकता है। इस शोध कार्यक्रम का उद्देश्य साहित्य को उस दूसरेपन के अनुभव में बदलना है, जो संस्कृति, राष्ट्र और पहचान के प्रश्न और प्रश्न दोनों को बदल देता है।

हालांकि मूल में क्लोज़-रीडिंग कौशल तुलनात्मक-अनुवादक के संक्षिप्त का एक महत्वपूर्ण पहलू है, हमारे शोधकर्ता मानविकी और सामाजिक विज्ञान से अन्य विषयों के साथ करीबी संवाद में साहित्यिक अध्ययन लाने का विकल्प भी चुन सकते हैं। कार्यक्रम अनुवाद के अभ्यास को प्रोत्साहित करता है और भारतीय और दक्षिण एशियाई साहित्यिक संस्कृतियों पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ कई भाषाओं में साहित्य के पढ़ने और प्रसार को बढ़ावा देने वाले तरीकों में इसके महत्व को पहचानता है।

एमफिल और हिंदी में पीएचडी

हिंदी में शोध कार्यक्रम हिंदी भाषा और साहित्य की महत्वपूर्ण प्रशंसा को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान पद्धति में कठोर प्रशिक्षण प्रदान करना चाहते हैं।

अंग्रेजी में पीएचडी

अंग्रेजी में पीएचडी कार्यक्रम अंतःविषय पद्धति और लगे हुए अनुसंधान में विद्वानों को प्रशिक्षित करना चाहता है। शोधकर्ता से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने शोध से संबंधित महत्वपूर्ण, सैद्धांतिक और दार्शनिक ब्रह्मांड / धारणाओं की गहन समझ हासिल करें। तीव्र महत्वपूर्ण सोच और पढ़ने के कौशल को विकसित करने के अलावा, कार्यक्रम अकादमिक लेखन की सुविधा प्रदान करता है और साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की एक विस्तृत श्रृंखला पर विभिन्न दृष्टिकोण विकसित करता है। चूंकि कार्यक्रम की दृष्टि 'पाठ 'और साहित्य की व्यापक और व्यापक समझ पर आधारित है, इसलिए इस कार्यक्रम से अंतिम लाभ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए पढ़ने, सवाल का विश्लेषण करने और किसी की प्रतिक्रियाओं को तैयार करने की क्षमता होगी।

अनुसंधान परियोजनायें

सत्यकेतु संचित, प्रधान अन्वेषक हिंदी अपन्यासों (20वीं शताब्दी के अंतिम दशक से लेकर 21वीं सदी के आरंभिक दशकों के विशेष संदर्भ) में परिसर जीवन का चरण। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित -एसएमजीएफआर (रु. 100,000; पूर्ण)।

शाद नावेद, प्रधान अन्वेषक भारत-इस्लामी सहस्राब्दी में कविता: पांडुलिपि से शिक्षण उपकरण तक। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (695,000 रुपये; जारी)।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

संदीप आर सिंह को 'इरास्मस प्लस फैकल्टी मोबिलिटी अवार्ड ' (यूरोपीय आयोग और केंद्रीय यूरोपीय विश्वविद्यालय), 2018-2019 से सम्मानित किया गया।

——— से सम्मानित किया गया, us इरास्मस प्लस विजिटिंग फैकल्टी एक्सचेंज फैलोशिप '(यूरोपीय आयोग और शिक्षा के लिए लुडविगबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी), 2018–2019 को।

सत्यकेतु संक्रांति, 2018 में अनुसंधान में विशेष योगदान के लिए जबलपुर के शोद्ध नर्मदा संस्थान द्वारा शत सारथी सम्मान से सम्मानित किया गया।

प्रस्तुतीकरण

बोध प्रकाश ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, पंजाब एंड बंगाल में विभाजन: एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, दक्षिण एशिया में स्टेक और समाज: जगन्नाथ विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, 16 मार्च 2019 को।

——— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, विभाजन के पार रोमांस: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत और आयरलैंड से सिनेमाई प्रतिनिधित्व, साहित्यिक कॉमन्स: तुलनात्मक फ्रेम, लेटर्स स्कूल द्वारा आयोजित, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, 20 फरवरी 2019 को।

——— एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, जो 'शरणार्थी' शरणार्थियों को दिया गया: अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक और तरह का विस्थापन, विभाजन पर दोबारा गौर किया: सेंट बेडेज़ कॉलेज, शिमला में महान विभाजन की राजनीतिक, ऐतिहासिक, सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए , 20 सितंबर 2018 को।

——— कराची और कलकत्ता में बेघर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया: 1947 के बाद, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, विभाजन की राजनीति: समाज, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और भारत-बंगला संबंधों

(1947-2018) पर प्रभाव, जन-इतिहस चरचा केंद्र द्वारा आयोजित। ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश में, 12 अगस्त 2018 को।

डायमंड ओबेरॉय-वाहली ने एक शोध पत्र, कुंती और द निषादिन: एक विध्वंसक अनुकूलन प्रस्तुत किया, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में साहित्यिक कॉमन्स: तुलनात्मक फ्रेम, लेटर्स स्कूल, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, फरवरी 2019 द्वारा आयोजित किया गया।

राधारानी चक्रवर्ती ने अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत और तुर्की में 3 अप्रैल, 2019 को रबींद्रनाथ टैगोर और तुर्की के लिए एक पत्र प्रस्तुत किया: परिवर्तन।

संदीप आर सिंह ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, द कॉमन ऑफ रीडिंग: 'लिटरल' और 'लिटरेरी' के बीच, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, साहित्यिक कॉमन्स: तुलनात्मक फ्रेम, लेटर्स स्कूल, अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली द्वारा आयोजित, फरवरी 2019 को।

संजू थॉमस ने एक शोध पत्र, रचनात्मक लेखन और अनुवाद प्रस्तुत किया: डू द ट्वाइन मीट ?, सेंटर फॉर कोरियन स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 8 अक्टूबर 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, अनुवाद, साहित्य और भारत में।

सत्यकेतु संक्रांति ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, साहित्यिक कॉमन्स: तुलनात्मक फ्रेम, लेटर्स स्कूल, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, फरवरी 2019 द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में, प्रवासी भारतीय साहित्य में एक पत्र प्रस्तुत किया।

शाद नावेद ने एक शोध पत्र, दो घंटे: ग़ज़ल यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट, गालिब इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में 22 दिसंबर 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, उर्दू साहित्य में कॉन्सेप्ट ऑफ द गज़ल पढ़ाया।

—— एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज (एएएस-इन) द्वारा आयोजित एशियन स्टडीज कॉन्फ्रेंस में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, हिंदी और उर्दू में साहित्य के इतिहास को कैसे नहीं लिखा जाए, पैनल, बिल्डिंग ब्रिज: दक्षिण एशियाई साहित्य की अंतर-विवेचनात्मक आलोचना। -एशिया) और अशोका यूनिवर्सिटी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में, 7 जुलाई, 2018 को।

शेल्मी साखिल ने एक पत्र प्रस्तुत किया, मौखिकता से साहित्यिक के लिए: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लामकांग में नए नियम के अनुवादों का तुलनात्मक मूल्यांकन, साहित्यिक कॉमन्स: तुलनात्मक फ्रेम, लेटर्स स्कूल, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा फरवरी 2019 में आयोजित किया गया।

—— वार्षिक सम्मेलन, समुदाय, स्थान और पहचान: मौखिक इतिहास की संभावनाएं, फरवरी 2019 में आयोजित एक सम्मेलन, मौखिक इतिहास और लमकांग पहचान बनाना, मौखिक इतिहास

प्रस्तुत किया।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, वे इतने कम क्यों हैं ?: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में लामकांग जनजाति की जनसंख्या पहेली पर कुछ प्रारंभिक विचार: पूर्वोत्तर फोरम, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, अक्टूबर 2018 द्वारा आयोजित निरंतरता की खोज।

विक्रम सिंह ठाकुर ने कश्मीर में शेक्सपियर, एक शोध पत्र: एमके रैना की बादशाह पथेर (किंग लीयर, 2010) का एक अध्ययन, सम्मेलन में, शेक्सपियर स्टडीज टुडे, ब्रिटिश शेक्सपियर एसोसिएशन द्वारा क्वीन यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट, यूनाइटेड किंगडम, 15 में आयोजित किया गया था, जून 2018 को।

व्याख्यान / उपलब्धियां

राधारानी चक्रवर्ती ने 26 मार्च, 2019 को कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, साहित्य और आघात में उद्घाटन व्याख्यान, ट्रामा, साहित्य और अनुवाद, सम्मानित अतिथि के रूप में दिया।

—— अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 21 वीं सदी की महिला: प्रतिनिधि और अभिव्यक्ति, पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 13 मार्च, 2019 को आयोजित साहित्यिक व्याख्यान, महिला, साहित्य और निकाय का प्रतिनिधित्व।

—— 8 मार्च 2019, दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में महिला विकास केंद्र द्वारा आयोजित महिलाओं के लेखन में राष्ट्रीय सम्मेलन, कांस्टीट्यूशनल और ऑटोबायोग्राफ़िकल मोड में मुख्य भाषण दिया।

—— चर्चा में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, एशिया में महिलाओं के बदलते मूल्यों, अंतर्राष्ट्रीय बोलचाल में, खुद के लिए बोलते हुए: एशियन वुमन राइटिंग की एक एंथोलॉजी, आईआईसी-एशिया प्रोजेक्ट और पेंगुइन इंडिया द्वारा आयोजित, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में, 2 मार्च 2019 को।

—— हिंदू साहित्य महोत्सव, हिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 13 जनवरी, 2019 को चर्चा में अनुवाद करने वाले क्लासिक्स में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

—— 21 अप्रैल, 2018 को DELNET, दिल्ली में, काव्य गोष्ठी में, भारत के लोकगीत और संस्कृति: बंगाल, पोएट्री सोसाइटी ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित किया गया।

सत्यकेतु संक्रांति ने, नालंदा विहार, बिहार, 2019 में एक भाषण दिया, कावड़ इवा किसी भी काव्य परिक्रमाएं।

—— दिसंबर 2018, दिल्ली विश्वविद्यालय के हंस राज कॉलेज में भाषा साहित्य मीडिया और साहित्य में व्याख्यान दिया।

—— दिल्ली पुलिस ट्रेनिंग स्कूल, वजीराबाद, 20 नवंबर 2018 को पूर्वोत्तर और उत्तर भारत / शेष भारत के बीच सांस्कृतिक अंतर, एक व्याख्यान दिया।

——शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश में *हिंदी कविता में राष्ट्रीय संचेतना नामक व्याख्यान दिया*, अक्टूबर 2018 को।

—— ने एक पैनल, राष्ट्रीय संगोष्ठी में, मध्य प्रदेश का हिंदी सिनेमा का योगदान, साहित्य अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृत परिषद, भोपाल में, 15 सितंबर 2018 को आयोजित किया।

पैनल की चर्चा से दूर रहना चाहिए, सीमाओं पर बात करनी चाहिए ?: उत्तर पूर्व भारत में गैरकानूनी अप्रवास की भावना, नॉर्थईस्ट सोसाइटी द्वारा आयोजित, सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में, 25 अप्रैल 2018 को।

शाद नावेद ने 26 नवंबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में संकाय विकास कार्यक्रम, लिंग और शिक्षाशास्त्र में, इसके बाहर नहीं, पाठ को कैसे (लिंग) पढ़ा जाए, इसका विवरण दिया।

—— ने बीजापुर के नुसरती, लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में, 11 अक्टूबर 2018 को लेक्चर दिया।

घटनाक्रम / गतिविधियां

स्कूल ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, साहित्यिक सम्मेलन: तुलनात्मक फ्रेम, CLTS संकाय और शोधकर्ताओं के सहयोग से, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, और अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट परिसर, 19-20 फरवरी 2019 को आयोजित किया।

महावीर जयशंकर प्रसाद फाउंडेशन के सहयोग से एक संगोष्ठी, हिंदी के नामवर, 11 मार्च 2019 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट परिसर में आयोजित की गई.

भारत, जर्मनी और यूके के 25 वक्ताओं (कलाकारों, चिकित्सकों, शिक्षाविदों और डॉक्टरेट विद्वानों सहित) के साथ भारत में एक संगोष्ठी, ग्राफिक कथात्मकता, किरण नादर संग्रहालय कला, साकेत, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई थी, 22-24 नवंबर 2018 को।

25 फरवरी 2019 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में मृत्यु के किनारे से लेखन, मनोरंजन बापरी

ने व्याख्यान दिया।

छात्रों की उपलब्धियां

प्रकाशन

ज्वाला, एस. (2019)। एन. वी. सिंह, टी. शुक्ला, ए. यादव और आर. चौबीसा (ईडीएस), इंटरडिसिप्लिनरीरिटी: विग्नेट्स इन कंटेम्परेरी नॉलेज, एजुकेशन एंड रिसर्च, 422-429: वी. सिंह, उत्तर भारत के कुम्हारों का अध्ययन।

वाग्मिता, वी. (2019)। सीता के मातृ दृष्टिकोण से रामायण को पुनःप्रकाशित करना। दि वायर से लिया गया: https://thewire.in/books/retelling-ramayana-from-sitas-maternal-pitpective.

—— (2019)। मातृत्व की विविध धारणाएं, दि वायर से लिया गया: https://thewire.in/women/the-varied-notions-of-motherhood।

प्रस्तुतीकरण

आशिमा राणा ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो कि मौखिक इतिहास एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली में 1 से 2 फरवरी, 2019 को आयोजित चौथे वार्षिक सम्मेलन में, कठपुतली के माध्यम से मौखिक परंपराओं और सांसारिक की खोज में है।

—— ने एक शोध पत्र, कम्युनिटी और पैतृक आवाज़ों को बीसवीं सदी की महिला लेखकों पर प्रस्तुत करना, अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में, (रि) अफ्रीका की सदस्य: महाद्वीप और उससे आगे की महिलाओं की कथा, ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, टेक्सास, मार्च 2019 द्वारा आयोजित।

अली अहसन ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, कन्नड़ आलोचनात्मक परंपरा के भीतर कुलई के कडंकल माने को पढ़ते हुए एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में तुलनात्मक साहित्य एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CLAI) द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई कथाओं का अध्ययन बहुलतावादी और संवाद फ्रेम के माध्यम से किया, मार्च 2019 को।

—— ने सम्मेलन में, कन्नड़ उपन्यास में एक पत्र, अल्पसंख्यक साहित्य प्रस्तुत किया, डिबेटिंग इंडियन एस्पिरेशनल लैंग्वेजेस - डीआईएएल 2018, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में, सितंबर 2018 को।

अर्चन भटनागर ने मिथिला के योद्धा के रूप में सीता, एक शोध पत्र प्रस्तुत किया: कैसे भारतीय व्यावसायिक कथा महाकाव्य की नायिका को फिर से कल्पना करता है, राष्ट्रीय सम्मेलन में, भारतीय लोकप्रिय कथा: दिल्ली के महाराजा अग्रसेन कॉलेज, जनवरी 2019 द्वारा आयोजित कैनन को फिर से परिभाषित करना।

—— एक पत्र, पटुआ रामायण: सीता का उल्लेख, संगोष्ठी में, भारत में ग्राफिक कहानी, लेटर्स स्कूल द्वारा किरण नादर संग्रहालय, दिल्ली के सहयोग से, 22–24 नवंबर, 2018 को आयोजित किया गया।

अर्नपोंगला जमीर ने स्व-लेखन में एक शोध पत्र, धर्म, समाज और पहचान प्रस्तुत की: टी सेनका एओ द्वारा किशी तेजुलेन, वार्षिक शोधकर्ता के कार्य सम्मेलन में, सांस्कृतिक और तुलनात्मक दृष्टिकोण में धर्म, केंद्र में तुलनात्मक साहित्य, हैदराबाद विश्वविद्यालय, फरवरी 2018 में।

दीपक सरोहा ने एक शोध पत्र पेश किया, म्यूजिकल मिर: इंटरनैशनल कॉन्फ्रेंस, ह्यूमेनिटीज एंड नेशन / ट्रांसनेशन में टेक्स्ट से विजुअल मीडियम तक के सफर की व्याख्या, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा, BITS-पिलानी, राजस्थान में जनवरी 2019 में आयोजित की गई.

मोहम्मद इरफान ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, आधुनिक उर्दू उपन्यास आगा का दरिया में क्रॉस-सांस्कृतिक साहित्यिक और कलात्मक लेन-देन का एक ऐतिहासिक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय लिटरेचर, भारत के तुलनात्मक साहित्य संघ (सीएलएएआई) द्वारा आयोजित बहुस्तरीय और संवाद फ्रेम के माध्यम से दक्षिण एशियाई कथाओं का अध्ययन), मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में, मार्च 2019 को।

निल्ज़ा एंगमो ने एक पत्र, द मनीपा-बुचेन परंपरा: तिब्बती बौद्ध धर्म में लिंग और प्रदर्शन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, साहित्यिक कॉमन्स: तुलनात्मक फ्रेम, फरवरी 2019 के कश्मीरी गेट परिसर में लेटर्स स्कूल, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के साथ आयोजित किया।

पूजा मान ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जाट महिला लोक गीतों (गीत) के माध्यम से आवाज की आवाज को समझते हुए एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, द 21 वें परसेंट भारतीय महिला: डेलिगेशन कॉलेज के दिल्ली विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित प्रतिनिधित्व और अभिव्यक्ति, मार्च 2019 को।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सांग में लिंग और भेस की राजनीति की भूमिका को समझते हुए, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 21वीं सदी की भाषाविज्ञान, साहित्य और भाषा शिक्षण में नई दिशाएं,

मानविकी और सामाजिक विज्ञान के स्कूल द्वारा साझा, शारदा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश में, मार्च 2019 को।

संगीता जौला ने एक पत्र प्रस्तुत किया, कौन पॉट है ?: अंतर्राष्ट्रीय कथा, साहित्य सिनेमा इंटरफेस, बिट्स-पिलानी, राजस्थान, फरवरी 2019 में, कई कथाओं का अध्ययन।

एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, मिट्टी के बर्तनों के आसपास के कथाएँ: उत्तर भारत के कुम्हारों का अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, ज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान के अंतःविषय, बिट्स - गोवा, फरवरी 2019 में।

——— ने एक शोध पत्र, कुम्हार और मिट्टी के बर्तनों को प्रस्तुत किया: कथाओं को संशोधित करते हुए, राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 21 वीं शताब्दी में, ICFAI विश्वविद्यालय, त्रिपुरा, नवंबर 2018 में मौखिक, लोक और इतिहास के मुद्दों पर बातचीत।

——— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, रागनी से बहिष्कृत: द फोक' में महिलाओं की स्थिति को संशोधित करते हुए, अमेरिकन फोकलोर सोसायटी, यूएसए, अक्टूबर 2018 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, कोई भ्रम नहीं, कोई बहिष्करण नहीं।

——— ने एक शोध पत्र, कुम्हार और मिट्टी के बर्तनों का प्रतिनिधित्व: कार्यशाला में, त्रुटियों, और पुनर्विचार: कथाओं में संशोधन, श्रम और गीतों में पलायन, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, सितंबर 2018 को।

एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जब महिलाएं 'द फोक' की जगह लेती हैं: अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में, रैगनी में महिलाओं की स्थिति को संशोधित करते हुए, 'द फोक' में महिलाओं का पता लगाना, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स, यूके, जून 2018 में।

श्रुति एम. डी ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में मार्च 2019 में, सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज द्वारा आयोजित, भारत में, दलित अध्ययन, सम्मेलन में, दूसरी पीढ़ी के दलित जीवन कथाओं के प्रति एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

——— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसे लिखना निषिद्ध है: सेंटर फॉर कल्चर, मीडिया एंड गवर्नेंस द्वारा जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली, मार्च 2019 में आयोजित सम्मेलन, जाति और संचार में तीन शैलियों और तीन समुदायों का एक अध्ययन।

अनुसंधान परियोजनायें

श्रुति एम. डी., रिसर्च असिस्टेंट, राइटिंग पेडागॉजी एंड हायर एजुकेशन इन इंडिया: ए केस स्टडी, नूपुर सैमुअल, प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर, सेंटर फॉर इंग्लिश लैंग्वेज एजुकेशन, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली।

वीक्षा वक्षिता, अनुसंधान सहायक, वेलेरियन रोड्रिग्स, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, मई-जुलाई 2018 के साथ अंबेडकर मेमोरियल लेक्चर पर संपादन मात्रा।

2.11. लिबरल अध्ययन स्कूल

लिबरल अध्ययन स्कूल(SLS) की शुरुआत 2011 में अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास और समाजशास्त्र और एमफिल और हिंदी और इतिहास में पीएचडी कार्यक्रमों में चार एमए कार्यक्रमों के साथ हुई थी। 2017 में, अंग्रेजी में एमए और हिंदी में एमफिल और पीएचडी को नए लॉन्च किए गए लेटर्स स्कूल में स्थानांतरित किया गया। उसी वर्ष, एमफिल और गणित में पीएचडी और समाजशास्त्र में पीएचडी शुरू की गई थी। स्कूल ने 2018 में अर्थशास्त्र में पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू किया।

स्कूल द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रम प्रकृति में अंतःविषय हैं। वे अभिनव अंतःविषय पाठ्यक्रमों, इंटरैक्टिव शिक्षाशास्त्र और सीखने के माध्यम से उदार कला शिक्षा का समर्थन, प्रोत्साहित और पुनर्परिभाषित करते हैं जो कक्षा के रिक्त स्थान से परे जाते हैं। कार्यक्रम संबंधित ज्ञान डोमेन में विशेषज्ञता के साथ सामाजिक रूप से संवेदनशील शोधकर्ताओं को विकसित करने और विषयों में संवाद में संलग्न होने की क्षमता के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। 2018 तक, लगभग सात सौ पचास छात्रों ने उपरोक्त एमए कार्यक्रमों से स्नातक किया है। इनमें से कई स्नातक आगे के अध्ययन में, रोजगार में और स्वैच्छिक और सामाजिक कार्य में चले गए हैं। स्कूल के लगभग चालीस विद्वानों को अब तक एमफिल और पीएचडी उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है।

अर्थशास्त्र में एम.ए.

अर्थशास्त्र कार्यक्रम में एमए के उद्देश्य छात्रों को भारत जैसे विकासशील देशों के समकालीन आर्थिक मुद्दों को समझने के लिए कौशल सेट के साथ उन्हें लैस करते हुए आर्थिक विश्लेषण में एक कठोर और गहन उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करना है।

इतिहास में एम.ए.

इतिहास के कार्यक्रम में एमए ऐतिहासिक विश्लेषण और अन्य विषयों के व्याख्यात्मक तकनीकों के कौशल और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देने के द्वारा ऐतिहासिक घटनाओं और प्रक्रियाओं की समझ प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

समाजशास्त्र में एम.ए.

समाजशास्त्र कार्यक्रम में एमए महत्वपूर्ण सोच के साथ-साथ सजगता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को ज्ञान और कौशल से लैस करने के लिए बनाया गया है। छात्रों को पाठ और संदर्भ, स्वयं और समाज के बीच के संबंध में उन्मुख करना, और अतीत और वर्तमान कार्यक्रम का एक

महत्वपूर्ण उद्देश्य है जो उन्हें सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के लिए सक्रिय शिक्षार्थियों में विकसित करने में सक्षम बनाता है।

इतिहास में एमफिल और पीएचडी

इतिहास के शोध कार्यक्रम ऐतिहासिक तरीकों और कार्यप्रणाली में कठोर और केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में सक्षम हैं, जबकि स्वतंत्र अनुसंधान करने की उनकी क्षमता को मजबूत करने के लिए अनुसंधान विद्वानों के शोध प्रबंध विशिष्ट आवश्यकताओं को ठीक करते हैं।

गणित में एमफिल और पीएचडी

इन शोध कार्यक्रमों का फोकस गणित में शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित करना है। कोर्टवर्क को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि छात्रों को अनुसंधान के एक क्षेत्र को चुनने के लिए ऐच्छिक के माध्यम से अच्छी तरह से तैयार किया जाए. एक अनूठी विशेषता शिक्षण अभ्यास है जो एमफिल और पीएचडी छात्रों द्वारा आयोजित अनिवार्य रूप से आवश्यक है कार्यशालाओं का आयोजन, प्रख्यात गणितज्ञों द्वारा व्याख्यान, जो छात्रों के साथ बातचीत करने में भी समय बिताते हैं, इन कार्यक्रमों के साथ एम्बेडेड विशेषताएं हैं।

समाजशास्त्र में पीएचडी

समाजशास्त्र में पीएचडी कार्यक्रम सामाजिक दुनिया के बारे में समझने, व्याख्या करने, लिखने में सक्षम होने के लिए कई समाजशास्त्रीय तरीकों से प्रशिक्षित शैक्षणिक रूप से कठोर विद्वानों को बनाने के उद्देश्य से है। समाजशास्त्रीय अवधारणाओं और अनुसंधान विधियों के विकास में व्यवस्थित शैक्षणिक प्रशिक्षण के माध्यम से, पीएचडी समाजशास्त्र कार्यक्रम का उद्देश्य शोधकर्ता की समझ और विश्लेषणात्मक कौशल को तेज करना है।

अर्थशास्त्र में पीएचडी

अर्थशास्त्र में पीएचडी कार्यक्रम का उद्देश्य अर्थशास्त्र में अच्छी तरह से गोल और कठोर प्रशिक्षण प्रदान करना है जो अनुसंधान विद्वानों को आर्थिक सिद्धांत और अनुभवजन्य तरीकों का उपयोग करके महत्वपूर्ण प्रश्नों को संबोधित करने में सक्षम करेगा। इसका उद्देश्य अर्थशास्त्र में अनुशासनात्मक परंपराओं की बहुलता और इन परंपराओं के संबंध को एक-दूसरे और मानव ज्ञान की अन्य शाखाओं से परिचित कराना है।

अनुसंधान परियोजनायें

बालचंद प्रजापति, प्रधान अन्वेषक समूह बीजगणित और इसके अनुप्रयोग पर व्युत्पत्ति। DST-SERB (रुपये 491198; तीन साल; जारी) द्वारा वित्त पोषित।

क्रांति कुमार, प्रधान अन्वेषक वाहनों के आवागमन प्रवाह की समस्याओं का मॉडलिंग और अनुकरण। UGC-BSR स्टार्टअप अनुदान (रु. 600,000; दो वर्ष; जारी) द्वारा वित्त पोषित।

प्रीति संपत, प्रधान अन्वेषक गोवा मोबाइल संग्रहालय में भूमि के रहने का स्थान, पूरे गोवा में पांच स्थानों पर आयोजित किया गया। एंथ्रोपोलॉजी, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए वेनर-ग्रेन फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित। ($ 5000; 21–25 मई 2018; पूर्ण)।

रुक्मिणी सेन, को-इंवेस्टिगेटर। फेमिनिस्ट तलेम: टीचिंग फेमिनिज्म, ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स। यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड के सहयोग से यूजीसी-यूकेईआरआई द्वारा वित्त पोषित (रु. 9,70,,651; तीन वर्ष; जारी)।

उर्फ़त अंजम मीर, प्रधान अन्वेषक शहरी नई दिल्ली में कम आय वाले समुदायों में बच्चों के लिए ऋषि पानी और व्यक्तिगत स्वच्छता पर एक सहभागी दृष्टिकोण और सूक्ष्मजीवविज्ञानी जोखिम लक्षण वर्णन का उपयोग करते हुए स्कूल-आधारित हस्तक्षेप। प्रोजेक्ट PIRA (IU-AUD-SEEDS-AUUP सहयोग) (USD 3500; दो महीने; जारी) द्वारा वित्त पोषित।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

गीता वेंकटरमन, लघु गणित कोषागार, रामानुजन गणितीय सोसायटी (2012 से) के संपादकीय बोर्ड की सदस्य हैं।

—— अमेरिकी गणितीय सोसायटी की गणितीय समीक्षा के लिए एक समीक्षक (अप्रैल 2014 से)।

—— भारतीय महिला और गणित परियोजना के लिए कार्यकारी समिति के सदस्य, भारत सरकार के राष्ट्रीय उच्चतर गणित, DAE, (2016-2019) बोर्ड द्वारा सम्मानित किया गया।

—— रामानुजन मैथमेटिकल सोसायटी की कार्यकारी समिति के सदस्य, 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2019 तक।

—— गणित शिक्षक संघ भारत (MTA (I)) का एक संस्थापक सदस्य, रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटीज, मुंबई के साथ पंजीकृत, 23 अप्रैल 2018 को।

—— 31 जुलाई 2018 को गणित में महिलाओं के लिए विश्व की बैठक में भाग लिया, और नेशनल

बोर्ड ऑफ हायर मैथमेटिक्स, गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया, रियो, ब्राज़ील, 1–9 के ट्रैवल ग्रांट के माध्यम से इंटरनेशनल कांग्रेस में गणितज्ञों (ICM 2019) में भाग लिया। अगस्त 2018 को।

—— ब्लैकबोर्ड के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, एमटीए (आई) (2018-2020) के बुलेटिन।

रुक्मिणी सेन दक्षिण एशियाई अध्ययन के आयरिश जर्नल के संपादकीय बोर्ड की सदस्य हैं (अप्रैल 2018 से)।

प्रस्तुतियां

अनिर्बान बिस्वास ने एक शोध पत्र, एक्सपोर्ट मार्केट और आरएंडडी निर्णय प्रस्तुत किए: इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली, भारत में 29 अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मेलन, आर्थिक सिद्धांत और नीति में उच्च प्रौद्योगिकी-गहन भारतीय निर्माण फर्मों का एक अध्ययन, 31 मार्च 2019 को।

—— ने एक शोध पत्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली, 13-14 दिसंबर 2018 को आयोजित, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुभवजन्य मुद्दों, सम्मेलन में, उच्च प्रौद्योगिकी-गहन भारतीय निर्माण फर्मों में आर एंड डी के निर्धारकों का प्रतिनिधित्व।

बालचंद प्रजापति ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश में 23 नवंबर 2018 को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, बीजगणित और सातत्य यांत्रिकी में एक शोध पत्र, उच्च व्युत्पन्न और पॉज़नर की दूसरी प्रमेय प्रस्तुत की।

डेनसी पी. लिंगटन ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, क्यों और कैसे हम अभी भी बर्लिन की। स्वतंत्रता की दो अवधारणाओं से सीख सकते हैं, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में, ओपी जिंदल विश्वविद्यालय के साथ इंडिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित, यशायाह बर्लिन, सेमिनार में, 1 मार्च 2019 को।

दीपा सिन्हा ने एक शोध पत्र, बयानबाजी या वास्तविकता प्रस्तुत की: भारत का अनुभव, परामर्शदाता संगोष्ठी में भोजन के अधिकार को नियंत्रित करने के साथ, भारत के अनुभव, कानूनी संसाधन केंद्र द्वारा आयोजित, सुन्नीसाइड पार्क होटल, पार्कटाउन, जोहानसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में, 25 मार्च 2019 को आयोजित किया गया।

निहारिका बनर्जी ने एक शोध पत्र, क्वीअर-फेमिनिस्ट भूगोल और 'असुरक्षित शहर' प्रस्तुत किया: दक्षिण एशियाई अध्ययन पर 25 वें यूरोपीय सम्मेलन में केंद्र d'Etudes de l'Inde/Asie du Sud, पेरिस, फ्रांस में स्वतन्त्रता और संबद्धता का एक स्वत: संग्रह संबंधी लेख, 26 जुलाई 2018 को।

—— एक शोध पत्र, क्वीअर-फेमिनिस्ट शिक्षाशास्त्र और कक्षा में व्यवधान की राजनीति का प्रतिनिधित्व किया, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में फेमिनिज्म + नॉलेज + पॉलिटिक्स, इंटरनेशनल फेमिनिस्ट जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स द्वारा आयोजित किया गया, सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, यूएसए में, अप्रैल 2018 को।

11 दिसंबर, 2018 को दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित विंटर स्कूल में पराग वैकनीस ने एक नए मुद्रावादी मॉडल में एक शोध पत्र, मुद्रा प्रतियोगिता और मुद्रास्फीति पेश की।

26 अक्टूबर, 2018 को भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित सातवीं दिल्ली मैक्रोइकॉनॉमिक्स कार्यशाला में माल और वित्तीय बाजार विभाजन के तहत भुगतान प्रणाली के झटके के रूप में एक शोध पत्र, डिमोनेटाइजेशन का प्रदर्शन किया गया।

एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सेमिनार सीरीज़, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में 23 अक्टूबर 2018 को माल और वित्तीय बाजार विभाजन के तहत भुगतान प्रणाली के झटके.

एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सेमिनार सीरीज़, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली में 5 अक्टूबर, 2018 को पेमेंट सिस्टम ने बाजार को प्रभावित किया।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सेमिनार सीरीज़, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, दिल्ली में 7 सितंबर 2018 को माल और वित्तीय बाजार विभाजन के तहत भुगतान प्रणाली के झटके.

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सेमिनार सीरीज, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, 30 अगस्त 2018 को माल और वित्तीय बाजार विभाजन के तहत भुगतान प्रणाली को झटका।

प्रीति संपत ने भारत में पैनल, अर्बन फ्यूचर्स और एक्सक्लूसिव नेचर: शोध पत्र, लैंड-ग्रैब्स और रेंटियर इकोनॉमी प्रस्तुत की, अमेरिकन एंथ्रोपोलॉजिकल एसोसिएशन, सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, यूएसए की वार्षिक बैठक में संघर्ष और पैमाने की प्रासंगिकता की पुन: व्याख्या की, 15 नवंबर 2018 को।

—— ने एक शोध पत्र, हिंदू राष्ट्रवाद का उदय: बुनियादी ढांचा, पूंजी और भारत में गतिरोध की राजनीति, एक संगोष्ठी में, उन्नत अनुसंधान सहयोग द्वारा, ग्रेजुएट सेंटर, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क सिटी, यूएसए में आयोजित किया गया, 1 नवंबर 2018 को।

रुक्मिणी सेन ने सम्मेलन, अंतरंगता और चोट: बातचीत, देखभाल, शिकायत, एक पत्र प्रस्तुत किया, अंतरंगता और चोट: भारत और दक्षिण अफ्रीका के मद्देनजर यूनिवर्सिटी ऑफ विटवाटरस्ट्रैंड, जोहानसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में 14 फरवरी, 2019 को ।

—— ने एक शोध पत्र का प्रतिनिधित्व किया, विश्वविद्यालय के रिक्त स्थान में उपस्थिति की पुष्टि करने के लिए सकारात्मक कार्रवाई से: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, भाषा और व्यवहार में महत्वपूर्ण अंतर, तमिलनाडु नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, तिरुचिरापल्ली, 23 सितंबर 2018 को आयोजित, लैंगिक कार्रवाई और लैंगिक समानता के सतत विकास लक्ष्य।

—— ने एक शोध पत्र, (कानूनी) अधिकारों का सृजन (और सामाजिक अस्तित्व) के सह-अस्तित्व: किंग्स ट्रांसिशनल लॉ समिट में नागरिकता पर दुविधा, नई मानव स्थिति: किंग्स कॉलेज लंदन में हमारे भविष्य के लिए न्याय का निर्माण करना। यूनाइटेड किंगडम, 12 अप्रैल 2018 को।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, बेचैनी और बातचीत के बीच: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में फेमिनिज्म + नॉलेज + पॉलिटिक्स, फेमिनिज्म + नॉलेज + पॉलिटिक्स, में फेमिनिज्म + नॉलेज, पॉलिटिक्स में एक 'परेशान' स्पेस के रूप में कानून, यूनिवर्सिटी ऑफ सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में राजनीति के जर्नलिस्ट द्वारा आयोजित किया गया। यूएसए, 3 अप्रैल 2018 को।

तनुजा कोठियाल ने दक्षिण एशिया, मेडिसन, विस्कॉन्सिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में 13 अक्टूबर 2018 को वार्षिक सम्मेलन में ग्रेट इंडियन डेजर्ट में चरनी देवी मंदिरों का एक शोध पत्र, छली देवी और कुटिल पीर: प्रस्तुत किया।

- एक शोध पत्र, संप्रभुता, अधिकार और सीमा में नियंत्रण का प्रतिनिधित्व किया: थार रेगिस्तान में धार्मिक तीर्थस्थल और नेटवर्क (सी 1400-1800), अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, महारत, स्वामित्व और देवत्व: स्वयं और शक्ति ट्रांसजेनिक और ट्रांसस्टेम्पोरल दृष्टिकोण में, म्यूनिख, जर्मनी के लुडविग मैक्सिमिलियन विश्वविद्यालय में, 18 सितंबर 2018 को।

तपोसिक बनर्जी ने सम्मेलन, आर्थिक सिद्धांत और नीति, विकास अध्ययन केंद्र, तिरुवनंतपुरम, केरल में 15 फरवरी 2019 को सम्मेलन में एक 2-पक्षीय बहुलता शासन में सरकार की वैधता की समस्या का एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने एक शोध पत्र, पानी का अधिकार, निजीकरण और दक्षता का मुद्दा, राष्ट्रीय सम्मेलन, कानून और अर्थशास्त्र में: सैद्धांतिक और अनुभवजन्य अन्वेषण, NALSAR, हैदराबाद में, 20 जनवरी 2019 को प्रस्तुत किया गया।

उर्फ़त अंजम मीर ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, 'संकट के मुहावरों' और मानसिक स्वास्थ्य में भलाई के संदर्भ में: कश्मीर में बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर एक अध्ययन, भारत नृविज्ञान कांग्रेस 2019 में, नृविज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय (SPPU) द्वारा

आयोजित) इंडियन नेशनल कन्फेडरेशन एंड एकेडमी ऑफ एंथ्रोपोलॉजिस्ट (INCAA) और महाराष्ट्र एसोसिएशन ऑफ एंथ्रोपोलॉजिकल साइंसेज (MAAS), पुणे के सहयोग से, 22 जनवरी 2019 को।

व्याख्यान / उपलब्धियां

बालचंद प्रजापति 23-24 जुलाई, 2018 को ओडिशा के गणित, भुवनेश्वर में स्नातकोत्तर शिक्षकों (पीजीटी) के लिए चयन समिति के सदस्य थे।

—— छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में मूल्यांकन और मॉडरेशन समिति के सदस्य, 5-7 अप्रैल 2018 को।

दीपा सिन्हा ने राष्ट्रीय कार्यशाला, लिंग, अवैतनिक कार्य और देखभाल में अवैतनिक कार्य और देखभाल को संबोधित करते हुए सत्र, अच्छे अभ्यास और अनुभवों (राष्ट्रीय और राज्य स्तर) की अध्यक्षता की: इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिसर्च द्वारा आयोजित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में वीवीजीएनएल, नोएडा, यूपी में महिला (ICRW), और वीवी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, 7 मार्च 2019 को।

—— स्पीकर, सेंटर ऑफ लॉ एंड ह्यूमैनिटीज, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत में 4 मार्च 2019 को गलत दिशा में एक क्वांटम छलांग की पुस्तक चर्चा में।

—— पैनल डिस्कशन में एक पैनलिस्ट के रूप में, किसी को भी पीछे न छोड़ें: नीति आयोग, यूएन भारत, सीआईआई, बिल और मिलिंडा गेट फाउंडेशन और संयुक्त रूप से संयुक्त रूप से आयोजित किए जाने वाले SGD पर संस्थागत रूप से सबसे अधिक हाशिए पर रहे समावेशी और सतत विकास के लिए एनएफआई, होटल पार्क, संसद मार्ग, दिल्ली में, 5 फरवरी 2019 को।

—— असमानताओं से बचना: भारत में भुखमरी और कुपोषण, सेंट जॉनस ऑडिटोरियम, सेंट जॉन्स नेशनल एकेडमी ऑफ हेल्थ साइंसेज, बैंगलोर में, 6 दिसंबर 2018 को वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ बायोएथिक्स में पूर्ण पता जारी करना।

गीता वेंकटरमन ने 29 मार्च, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित पैनल, जेंडर एंड साइंसेज, महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक बातचीत, जेंडर और साइंस के रूप में बात की।

—— उद्घाटन व्याख्यान, रामानुजन: एक गणित-ओ-जीवनी, संगोष्ठी 2019 के भाग के रूप में, सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 27 मार्च 2019 को संख्या सिद्धांत और क्रिप्टोग्राफी पर

एक राज्य स्तरीय कार्यशाला।

—— दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद महाविद्यालय में 12 मार्च 2019 को लेक्चर, फ़र्मेट और उनके अंतिम प्रमेय का एक विशेष मामला।

—— कर्नाटक सरकार द्वारा मार्च 2019 तक अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय को स्वीकृत भास्कराचार्य II अध्ययन की अध्यक्षता के तहत विभिन्न गतिविधियों के प्रदर्शन के लिए सुझाव देने के लिए समिति के सदस्य के रूप में योग्य।

—— काजी मेमोरियल लेक्चर की व्याख्या, अनंत वंश की विधि: दिल्ली के किरोड़ीमल कॉलेज, 11 फरवरी 2019 को फर्म के अंतिम प्रमेय का एक विशेष मामला।

—— एक बातचीत, पश्चिमी-सिडनी विश्वविद्यालय, परमात्ता परिसर, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया, 24 जनवरी 2019 को, एशिया-ऑस्ट्रेलिया बीजगणित सम्मेलन 2019 में, ए-समूहों की किस्मों में समूहों की गणना।

—— एमटीए (I) वार्षिक सम्मेलन के कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में, होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई में 3-5 जनवरी, 2019 को आयोजित किया गया।

—— दो व्याख्यान, रामानुजन: वह व्यक्ति जो एनआईटी सिलचर में 12 दिसंबर 2018 को हाई स्कूल के छात्रों के लिए डीएसटी से प्रेरित शिविर में अनंत और, संबंध, कार्य, समरूपता और समूहों को जानना।

—— सम्मेलन में प्रतिष्ठित वक्ता, विश्वविद्यालयों में उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए: रैंकिंग और बेंचमार्किंग की भूमिका, ओ पी जिंदल विश्वविद्यालय, सोनीपत में, 19 नवंबर 2018 को।

—— मुख्य पते पर लिखा, महिलाओं में विज्ञान और गणित: आगे का रास्ता, राजस्थान विज्ञान कांग्रेस 2018 में, केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, अजमेर, राजस्थान में, 13 अक्टूबर 2018 को।

—— शिव नादर विश्वविद्यालय में 21-23 जून 2019 को IWM वार्षिक सम्मेलन के लिए आयोजन समिति और वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में सेवा की।

—— दिल्ली विश्वविद्यालय में, रामानुजन मैथमेटिकल सोसायटी के 33 वें वार्षिक सम्मेलन के लिए, 1-3 जून 2018 को सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में सेवा की।

—— जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय में रामानुजन मैथमेटिकल सोसाइटी के 33 वें वार्षिक सम्मेलन

में 1-3 जून 2018 को संगोष्ठी, बीजगणित, संख्या सिद्धांत और क्रिप्टोग्राफी का संयुक्त आयोजक।

—— आईआईटी-मुंबई, 21 मई 2018 को डीएसटी, भारत सरकार की विज्ञान ज्योति योजना के तहत, हाई स्कूल की लड़कियों को, बेसिक साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के हिस्से के रूप में एक व्याख्यान, संबंध, कार्य और समरूपता का परिचय दिया।

रुक्मिणी सेन ने महिलाओं के साथ सुरक्षा, संघर्ष प्रबंधन और शांति (डब्ल्यूआईएससीओपीएम) पर समन्वय किया, सुरक्षित उच्च शैक्षणिक और कार्य स्थलों के माध्यम से महिलाओं की समानता, सशक्तीकरण और नेतृत्व, भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा का मुकाबला करने वाली एक परियोजना।

—— एयूडी और आजाद फाउंडेशन की टीम का एक हिस्सा, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मांगों के चार्टर का प्रस्ताव, गैर-पारंपरिक आजीविका बनाना, हाशिए के लिए काम करना, सतत विकास लक्ष्यों के लिए 2030 के एजेंडे के हिस्से के रूप में, 16–18 मार्च 2019 तक।

—— इंटिमेसी एंड इंजरी: इन द वेव्स ऑफ # मेटू इन इंडिया एंड साउथ अफ्रीका, एट यूनिवर्सिटी ऑफ विटवाटरस्ट्रैंड, जोहान्सबर्ग, साउथ अफ्रीका, 13 फरवरी 2019 में बातचीत की।

—— एक पैनलिस्ट, राउंडटेबल, सेक्सुएलिटी एंड हैरेसमेंट में, सेंटर फॉर स्टडीज द्वारा जेंडर एंड सेक्शुअलिटी (CSGS) में, अशोका यूनिवर्सिटी और पार्टनर्स फॉर लॉ इन डेवलपमेंट, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 1 दिसंबर 2018 को संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।।

—— डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद में 30 नवंबर, 2018 को ताराबाई शिंदे महिला अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, उत्तराधिकार अधिनियम और महिलाओं में मुख्य भाषण को संबोधित किया।

—— जैसा ग्लोबल कमेटी स्कूल, सोनीपत में 27 अक्टूबर 2018 को एक साथ राइटिंग फॉर इंडिया फेमिनिस्ट जजमेंट प्रोजेक्ट, कमेंट्री राइटर।

—— विवाद में एक पैनलिस्ट के रूप में परिभाषित, संवाद, विषय पर, आज की वैश्विक दुनिया में, भारत के संदर्भ में, शिव नादर स्कूल में 11 अगस्त 2018 को राष्ट्रवाद की क्या भूमिका है।

—— को-पैनल बुलाई, महिला और सार्वजनिक स्थान: दक्षिण एशियाई अध्ययन, पेरिस, 25 जुलाई 2018 के 25 वें यूरोपीय सम्मेलन में कामुकता, दृश्यता और स्वतंत्रता के प्रश्न।

—— एक व्याख्यान, निबंध की समकालीन भाषाएं: सामाजिक विश्वविद्यालयों और सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, ज़्यूरिख विश्वविद्यालय में, 18 अप्रैल, 2018 को दक्षिण एशिया फोरम द्वारा

आयोजित भारतीय विश्वविद्यालयों में नए राजनीतिक छात्र का मानचित्रण।

—— ने पार्टनर फॉर लॉ एंड डेवलपमेंट प्रकाशन, रेप कानून और कामुकता के निर्माण, 2018 में सलाहकार। विस्तृत शैक्षिक इनपुट वैचारिकता, कल्पना और लैंगिकता पर इस संसाधन पुस्तक के विभिन्न मसौदों में और यौन हिंसा के साथ अंतर-संबंध में प्रदान किया था। । संसाधन पुस्तक सामाजिक कार्यकर्ताओं और कार्यकर्ताओं के लिए चेतना बढ़ाने के एक उपकरण के रूप में अभिप्रेत है।

शैलजा मेनन ने 11 मार्च, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में आईसीएसएसआर उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र के सहयोग से आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, सर्वे रिसर्च में गुणात्मक शोध के रूप में एक व्याख्यान, नृवंशविज्ञान दिया।

—— 11-16 फरवरी 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन और विकास केंद्र (उन्नत अध्ययन) संस्थान में सामाजिक अध्ययन ट्रस्ट संस्थान के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला, लिंग और विकास में भागीदारी।

—— एक व्याख्यान, इतिहास के रूप में आत्मकथा पठन, साहित्यिक सत्र में, भारत में राजनीति पर लोकप्रिय कल्पनाएं और प्रवचन: भारतीय निर्माण संस्थान, शिमला में, ज्ञान निर्माण के वैकल्पिक स्थलों के रूप में सांस्कृतिक आख्यानों की खोज, 8-9 फरवरी 2019 को।

14 जनवरी, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में अनुसंधान विद्वानों के लिए गुणात्मक शोध पर एक व्याख्यान, फोकस समूह चर्चा पर आधारित।

—— समकालीन भारत में फिल्म, जाति, लिंग और हिंसा के बारे में चर्चा करते हुए, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 23 अक्टूबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिखाई गई.

—— आधारित एक व्याख्यान, समकालीन भारत में लिंग संबंधी मुद्दों को समझना, दिल्ली विश्वविद्यालय के भाषाविज्ञान विभाग में, 29 अक्टूबर 2018 को।

—— 6 अक्टूबर, 2018 को यूथ फॉर सोशल जस्टिस, दिल्ली विश्वविद्यालय में 8 वीं अभिविन्यास और प्रेरणा कार्यक्रम में एक व्याख्यान, अम्बेडकर और महिला सशक्तीकरण।

—— 15 सितंबर 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में समान अवसर प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित व्याख्यान, पेरियार और आत्मसम्मान आंदोलन का समर्थन किया।

—— एक व्याख्यान, दिल्ली में लिंग और जाति पर शोध, फुलब्राइट-हेज़ कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए, डेनवर, कोलोराडो, अमेरिका के मेट्रोपोलिटन स्टेट यूनिवर्सिटी में 7 जून 2018 को

आयोजित किया गया।

तनुजा कोठियाल ने एक बातचीत की, मध्ययुगीन संवेदनाओं की व्याख्या करते हुए: इतिहास के दूसरे संग्रह पर बातचीत, हरबंस मुखिया के साथ, सफारनामा, इतिहास महोत्सव, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, 29 मार्च 2019 को।

20 मार्च, 2019 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में मानवशास्त्रीय सर्वेक्षण, कोलकाता के सहयोग से शोध विद्वानों के लिए नृवंशविज्ञान कार्यशाला में थारी सांस्कृतिक प्रथाओं पर शोध में एक वार्ता, नृवंशविज्ञान पद्धति पर आधारित।

—— ने शाहजहां की अदालत में एक हत्या: वफादारी और सत्रहवीं शताब्दी में विद्रोह, रॉबर्ट पेन वॉरेन सेंटर, वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी, नैशविले, यूएसए में, 15 अक्टूबर 2018 को एक वक्तव्य दिया।

उर्फत अंजम मीर ने एक व्याख्यान दिया, त्वरित नृवंशविज्ञान: अनुसंधान विद्वानों के लिए नृवंशविज्ञान कार्यशाला में, लिबरल लिबरल अध्ययन स्कूलऔर स्कूल ऑफ ह्यूमन इकोलॉजी, दिल्ली के अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नृवंशविज्ञान कार्यशाला में, तेजी से नृवंशविज्ञान मूल्यांकन क्या और कैसे किया। सर्वे ऑफ इंडिया, 19 मार्च 2019.

—— वर्कशॉप, पब्लिक हेल्थ वर्कफोर्स डेवलपमेंट इन इंडिया, इंडिया पार्टनर ग्रुप से, ऑनलाइन शॉर्ट-कोर्स के माध्यम से, आईयू-एयूडी-एयूपी-सीड्स, 16-17 जुलाई 2018 को संयुक्त रूप से आयोजित।

घटनाक्रम / गतिविधियां

लिबरल अध्ययन स्कूल और मानव पारिस्थितिकी स्कूल ने 11 -22 मार्च 2019 को भारत सरकार के मानव विज्ञान सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से, अनुसंधान विद्वानों के लिए 10-दिवसीय नृवंशविज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया।

जेएनयू की पोस्ट डॉक्टोरल फेलो निवेदिता सरकार ने एक बातचीत की, भारत में उच्च शिक्षा के लिए कौन जाता है: एक अनुभवजन्य अन्वेषण, 6 अप्रैल 2018 को।

सलोनी खुराना, रिसर्च स्कॉलर, आईआईएफटी, नई दिल्ली ने एक चर्चा की, महिलाओं के लिए सार्वजनिक सुरक्षा: क्या सामाजिक पीने के स्थानों का विनियमन प्रभावी है ?, 2 नवंबर 2018 को।

मइदुल इस्लाम ने, उदारीकरण के बाद, भारतीय मुस्लिम (मुस्लिमों) को एक भाषण दिया, 12 मार्च 2019 को।

सच्चिदानंद मुखर्जी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी (NIFFP), नई दिल्ली, ने 29 मार्च, 2019 को अर्थशास्त्र में एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला के साथ भारत में कराधान एक वार्ता की।

इकतारा कलेक्टिव, तुरुप, फिल्म स्क्रीनिंग, 13 अप्रैल 2018 को।

संजय श्रीवास्तव, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी, ने 1 मई, 2018 को कामुकता अध्ययन पर एक भाषण दिया।

रवि कुमार, समाजशास्त्र विभाग, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, SIOS पाठ्यक्रम, अतिथि व्याख्यान, 3 अक्टूबर 2018 को।

लीना मेंघेनी, एक्सेस कैंपेन, मेडिसीन सैंस फ्रंटियर्स, ने एक वार्ता, पीएमटी एड्स सक्रियता और उपचार, अतिथि व्याख्यान, 2 नवंबर 2018 तक पहुंच पर इसका प्रभाव दिया।

धनिया एम. बी., वी. वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, ने 9 नवंबर, 2018 को युवा रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए एक चर्चा की।

सौरभ कृपाल, वरिष्ठ अधिवक्ता, भारत के सर्वोच्च न्यायालय और विवेक दीवान, सलाहकार (स्वास्थ्य, कामुकता, कानून, मानवाधिकार) ने एक बात कही, IPC 377: जजमेंट, मूवमेंट और कांस्टीट्यूशनल राइट्स, 16 नवंबर 2018 को।

पी. साईनाथ, एक पत्रकार, ने एक बात की, कृषि संकट: किसान प्रतिरोध को तेज करते हुए, 19 नवंबर 2018 को।

विजु कृष्णन ने एक चर्चा की, चौथा पाठ्यक्रम: आंदोलनों और परिवर्तनों का विरोध, 19 नवंबर 2018 को।

शालिनी भूटानी ने बात की, कानूनी शोध, 2 नवंबर 2018 को।

यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेस्टमिंस्टर की नताशा कौल ने एक बातचीत, मिसोगिनी या राजनीतिक रणनीति दी: यह कैसे काम करती है और हमें इसका विरोध क्यों करना चाहिए, 23 जनवरी 2019 को।

अभय कुमार, चेतन्य कश्यप फाउंडेशन ने 12 फरवरी, 2019 को एक भाषण, नागरिक समाज की भूमिका, अतिथि व्याख्यान दिया।

दीपांकर गुप्ता, नागरिकता की चुनौतियां, 22 फरवरी 2019 को।

अमरजीत कौर, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस, ने 26 फरवरी, 2019 को भारत में व्यापार

संघवाद और महिलाओं के नेतृत्व पर बात की।

सुभद्रा चन्ना, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने क्षेत्र-कार्य करने के लिए विशेष संदर्भ के साथ अनुसंधान में एक बात, नीतिशास्त्र दिया।

कपिल तमांग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, ने मार्गरेट की आशा के गीत, 1 मार्च 2019 को एक भाषण दिया।

ए. आर. सिंधु, ऑल इंडियन फेडरेशन ऑफ़ आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स, ने 12 मार्च, 2019 को एक भाषण दिया।

रीना रामदेव, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 15 मार्च 2019 को द आइडिया ऑफ़ द यूनिवर्सिटी पुस्तक पर पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट थे।

आर के शर्मा, आईआईटी - दिल्ली ने m=M पर वार्ता की, 28 सितंबर 2018 को।

पारस कुमार, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, ने एक भाषण दिया, वाहनों के आवागमन का परिचय, 11 अक्टूबर 2018 को।

अजीत कुंवर, इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई ने एक बात की, SAGE एक स्वतंत्र और ओपन-सोर्स कंप्यूटर बीजगणित प्रणाली है, जिसमें संभावित सॉफ्टवेयर झील, गणित, मेपल, मैटलैब और मैग्मा, 8-9 मार्च 2019 है।

सुदीप्तो बसु, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने एक बातचीत, अनबन के अनुभव को एक अंतर के साथ दिया: उन्नीसवीं सदी के बंगाल में विचार, 7 सितंबर 2018 को।

जेएनयू के नीलाद्रि भट्टाचार्य ने 19 सितंबर 2018 को एक महत्वपूर्ण भाषण और इतिहास लेखन पर चर्चा की।

मुकुल मांगलिक ने रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, में 28 सितंबर 2018 को पचास साल पूरे होने पर ’68 चेक छात्रों के नारे पर एक परिचर्चा की।

फिल्म औद्योगिक दुर्घटनाओं और श्रमिकों के सुरक्षा और स्वास्थ्य के अधिकार की जांच की गई और एम. के. दिवेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता, और अनुराग सक्सेना, (5 अक्टूबर 2018) द्वारा पैनल चर्चा के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गुरिंदर सिंह, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, ने एक बात की, बाबा नानक: उनका जीवन और विरासत, 5 नवंबर 2018 को।

रजाक खान, रिसर्च फेलो, गोटिंगेन यूनिवर्सिटी, ने एक वार्ता, प्रवासी जीवन और विचारों को दिया: औपनिवेशिक भारत में यहूदी और मुस्लिम बौद्धिक उलझाव, 15 नवंबर 2018 को।

देवदत्त चौधरी, सेंटर ऑफ स्टडीज इन सोशल साइंसेज, ने एक बात की, विभाजन के कार्टोग्राफिक

Seminar organized by School of Liberal Studies

2.12. स्नातक अध्ययन स्कूल

स्नातक अध्ययन स्कूल (SUS) अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, गणित, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में ऑनर्स कार्यक्रम प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों में, सभी कश्मीरी गेट परिसर में पेश किए जाते हैं, जबकि अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, मनोविज्ञान और, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में ऑनर्स कार्यक्रम भी करमपुरा परिसर में पेश किए जाते हैं। वर्ष 2018-19 में 1000 से अधिक छात्र स्कूल में विभिन्न कार्यक्रमों में पंजीकृत हुए.

अर्थशास्त्र में बीए (ऑनर्स)

यह कार्यक्रम भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का सामना करने वाले मुद्दों पर जोर देने के साथ छात्रों को अर्थव्यवस्था के विश्लेषण में बुनियादी लेकिन कठोर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को अनुशासन के भीतर विभिन्न दृष्टिकोणों को उजागर करना है और अर्थशास्त्र के सामाजिक और राजनीतिक आयामों से भी परिचित होना है।

अंग्रेजी में बीए (ऑनर्स)

यह कार्यक्रम छात्रों को साहित्य के अध्ययन के सभी पहलुओं से परिचित कराता है। अंग्रेजी में लिखे गए साहित्य के साथ, पाठ्यक्रम में भारतीय और अंग्रेजी के सभी महत्वपूर्ण साहित्य में अनुवाद का एक मजबूत घटक है, जिसे छात्रों द्वारा दुनिया की आलोचना करने के लिए प्रवेश बिंदु माना जाता है। कार्यक्रम छात्रों को एक सांस्कृतिक और भाषाई अभ्यास के रूप में साहित्य की व्यापक संभव समझ प्रदान करने की उम्मीद करता है और उन्हें साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रथाओं में स्वीकृत और मजबूर पदानुक्रम को खत्म करने के लिए उपकरणों से लैस करता है।

इतिहास में बीए (ऑनर्स)

यह कार्यक्रम व्यापक वैश्विक रुझानों के संबंध में भारत के विभिन्न अतीत में छात्रों की रुचि को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को अतीत तक पहुँचने के विभिन्न तरीकों से परिचित कराना है जो इतिहास के अध्ययन को रोमांचक और पुरस्कृत करते हैं। वे सिनेमा और दृश्य संस्कृति का पता लगाते हैं और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ाने और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने वाली परियोजनाएं शुरू करते हैं। वैकल्पिक पाठ्यक्रम आवेदन के अधिक विशिष्ट क्षेत्रों से संबंधित हैं। पाठ्यक्रम में ट्यूटोरियल, क्षेत्र-यात्राएं, कार्यशालाएं, सेमिनार आदि शामिल हैं।

गणित में बीए (ऑनर्स)

इस कार्यक्रम में अमूर्त बीजगणित, वास्तविक विश्लेषण, संख्यात्मक विश्लेषण, संभाव्यता और सांख्यिकी, अंतर समीकरण और रैखिक अनुकूलन शामिल हैं। गणित में वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत विविधता गणितीय गणित, बीमांकिक गणित, कंप्यूटर विज्ञान के लिए गणित, असतत गणित, संख्या सिद्धांत और क्रिप्टोग्राफी, उन्नत बीजगणित, उन्नत विश्लेषण, गणितीय मॉडलिंग और इतने पर जैसे विषयों में शामिल हैं। कम्प्यूटेशनल कौशल और प्रोग्रामिंग कौशल व्यापक व्यावहारिक सबक के माध्यम से सिखाया जाता है। पाठ्यक्रम में ट्यूटोरियल और लैब सत्र, कार्यशालाएं और सेमिनार आदि शामिल हैं।

मनोविज्ञान में बीए (ऑनर्स)

इस कार्यक्रम में मुख्य पाठ्यक्रम मनोविज्ञान के इतिहास और विधियों के साथ छात्रों को परिचित करते हैं। वे अनुभूति, बचपन, न्यूरोसाइकोलॉजी, सामाजिक और असामान्य मनोविज्ञान के बारे में सीखते हैं। एक कोर्स जो मनोविज्ञान को भारतीय संदर्भ के लिए प्रासंगिक बनाता है, उसे भी पढ़ाया जाता है। ऐच्छिक पाठ्यक्रम अधिक अंतःविषय हैं और परामर्श, संगठनात्मक व्यवहार, शिक्षा, कामुकता और कहानी कहने की परंपराओं के क्षेत्रों में मनोवैज्ञानिक समझ की प्रयोज्यता दिखाते हैं।

समाजशास्त्र में बीए (ऑनर्स)

यह कार्यक्रम छात्रों को स्वयं और समाज के बीच संबंधों की महत्वपूर्ण जागरूकता विकसित करने और उनकी रोजमर्रा की दुनिया के बारे में सामान्य ज्ञान की धारणाओं पर सवाल उठाने के लिए बनाया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य सैद्धांतिक, पद्धतिगत और सामयिक हैं नवीन पाठ्यक्रमों के संयोजन के माध्यम से रिफ्लेक्टिव ओरिएंटेशन को बढ़ावा देना है।

सामाजिक विज्ञान और मानविकी (एसएसएच) में बीए (ऑनर्स)

यह एक अनूठा कार्यक्रम है जो छात्रों को उदार कला शिक्षा के व्यापक लाभ प्राप्त करते हुए स्कूल के भीतर तीन डोमेन - मानविकी, सामाजिक विज्ञान और गणितीय विज्ञान - का गहराई से पता लगाने की अनुमति देता है।

अनुसंधान परियोजनाएं

कृष्ण राम, प्रधान अन्वेषक आउट-ऑफ-पॉकेट स्वास्थ्य व्यय का आकलन और भारत में गरीबी के अनुमानों पर इसका प्रभाव: 1990 के दशक के बाद से NSSO के आंकड़ों के आधार पर साक्ष्य। आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित (रु. 200,000; पूर्ण)।

प्रियंका झा, प्रधान अन्वेषक आधुनिक भारत के बौद्ध विचारक। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित - SFMGR (रु. 100,000; पूर्ण)।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

मैक्स वेबर सेंटर फॉर एडवांस्ड कल्चरल एंड सोशल स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ एरफर्ट, जर्मनी द्वारा प्रियंका झा को जूनियर फैलोशिप प्राप्त हुई.

प्रस्तुतियां

इशिता मेहरोत्रा ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, ग्रामीण श्रम की राजनीतिक अर्थव्यवस्था: सम्मेलन में एक समीक्षा, भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज: सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, तिरुवनंतपुरम, केरल, भारत में, 14 दिसंबर 2018 को।

—— ने एक शोध पत्र, जैविक खेती और सामाजिक असमानता का प्रतिनिधित्व किया: कौन बचता है और कौन नहीं ?, पैनल के हिस्से के रूप में, पुराना अभी तक नया: उदारीकरण भारत में कृषि संबंधों और संस्थानों को बदलना, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, दक्षिण में वार्षिक सम्मेलन 12 अक्टूबर 2018 को विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय - मेडिसन, अमेरिका में सेंटर फॉर साउथ एशिया द्वारा आयोजित किया।

——ने एक शोध पत्र, महिला, राजनीति और प्रतिनिधित्व, सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया, राजनीतिक प्रतिनिधित्व: भारत में दलित अध्ययन संस्थान और रोजा लक्जमबर्ग संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित भारत में सिद्धांत, अभ्यास और उभरती चुनौतियां। भारत, 24 अगस्त 2018 को।

कृष्णा राम ने अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मेलन, आर्थिक सिद्धांत और नीति, 1990 के दशक के बाद से, भारत में जाति, वर्ग और धर्म में गरीबी के अनुमानों और गरीबी के अनुमानों पर इसके प्रभाव का एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में, 30 मार्च 2019 को।

प्रियंका झा ने कॉन्फ्रेंस में एक शोध पत्र, रिलिजन एंड मेकिंग ऑफ़ द नेशनलिस्ट सेल्फ, द मल्टीपल धार्मिक आइडेंटिटीज़, ईएएसआर द्वारा बर्न विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड के साथ मिलकर जून 2018 को प्रस्तुत किया।

——एक शोध पत्र, बौद्ध धर्म और भारतीय मानदंड स्व, वार्षिक बोलचाल में, मैक्स वेबर सेंटर फॉर

एडवांस्ड कल्चरल एंड सोशल स्टडीज द्वारा, एरफर्ट, जर्मनी में जून 2018 को आयोजित किया गया।

शिरीन मिर्ज़ा ने एक पत्र प्रस्तुत किया, हलालखोर श्रम में निरंतरता: बंबई में जाति और अपशिष्ट प्रौद्योगिकी, कार्यशाला में, भारत में ग्रामीण-शहरी उलझाव, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया एजुकेशन फाउंडेशन और अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित, भारत इस्लामिक कल्चरल केंद्र, नई दिल्ली, 27 अप्रैल 2018 को।

सुमना दत्ता ने 19 अक्टूबर, 2018 को डेनमार्क के कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में 4 वीं फ्लेयर नेटवर्क की बैठक में एक शोध पत्र, राज्य-स्थानीय साझेदारी की नृवंशविज्ञान: भारत से एक केस स्टडी प्रस्तुत की।

वैभव ने 1617 मार्च 2019 को इलाहाबाद के संत जोसेफ कॉलेज में प्रगतिशील आलोचना का विचार पत्र प्रस्तुत किया।

——— एक पत्र प्रस्तुत किया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता: देश की परिषद, देशभक्ति परिषद, कोलकाता में, 16 फरवरी 2019 को।

——— एक शोध पत्र, हिंदी नवजागरण, अनहद कोलकाता व्याख्यान माला, कोलकाता में, 5 जनवरी 2019 को।

——— एक शोध पत्र, रामविलास शर्मा की संस्कृत चेतना, भारतीय भाषा केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 23 अक्टूबर 2018 को प्रस्तुत किया।

——— एक शोध पत्र, समकालीन हिंदी लघुकथा, आईसीएसएसआर ऑडिटोरियम, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में, 21–22 अक्टूबर 2018 को प्रस्तुत।

——— एक शोध पत्र, हिंदी और भारतीय ज्ञान परम्परा, संस्थान मेनेजेस ब्रागांजा, गोवा में, 28 सितंबर 2018 को प्रस्तुत।

——— वनमाली श्रीजनपेठ, भोपाल में 17-18 जुलाई 2018 को एक शोध पत्र, अथितार गद्य और कहानी, प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियां

प्रियंका झा ने विली ब्रांट स्कूल ऑफ पॉलिसी, यूनिवर्सिटी ऑफ एरफर्ट, जर्मनी में दिसंबर 2018 में व्याख्यान, परंपराओं से मुक्ति का संदेश दिया।

——— एक व्याख्यान, नॉर्मेटिसिटी और द इंडियन पॉलिटिकल सेल्फ: बौद्ध धर्म फाउंडेशन के रूप

में, एरफर्ट, जर्मनी, दिसंबर 2018 में।

——— एक व्याख्यान दिया, भारत को उसके कला रूपों के माध्यम से पुनः प्राप्त करना: कोमारस्वामी और उनके लेखन, श्रृंखला, वास्तुकला और समाज के भाग के रूप में, GREHA द्वारा, इंडिया हैबिटेशन सेंटर, अगस्त 2018 के सहयोग से आयोजित किया गया।

——— एक कार्यशाला का आयोजन किया और एक वार्ता दी, विचारों का इतिहास: कमला देवी चट्टोपाध्याय और आनंद के. कोमारस्वामी में स्थित कला और शिल्प, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, अहमदाबाद, गुजरात, अगस्त 2018 में।

——— एक सत्र, बौद्ध धर्म और हिंदू धर्म, अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, स्तनपान और धर्मों में: सामान्य ज्ञान के नुस्खे और व्यक्तिगत विनियोग: प्राचीन और वर्तमान में प्राचीनता से लेकर वर्तमान तक, जुलाई 2018 को मैक्स वेबर कोलीग द्वारा, यूनिवर्सिटी ऑफ एरफर्ट, जर्मनी में आयोजित किए गए.

——— एक सत्र, अतीत और वर्तमान द्वितीय में कई धार्मिक सामान, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, यूरोपीय संघ के अध्ययन के लिए यूरोपीय संघ का 16 वां वार्षिक सम्मेलन (EASR 2018), EASR और बर्न विश्वविद्यालय, स्विटजरलैंड द्वारा जून 2018 को आयोजित।

——— एक वार्ता, आधुनिक भारत के बौद्ध विचारकों, 6 अप्रैल 2018 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में ACRPM द्वारा आयोजित।

घटनाक्रम / गतिविधियां

वार्षिक इतिहास महोत्सव, सफारनामा, 28-29 मार्च 2019 को आयोजित किया गया था। इस उत्सव में विश्वविद्यालय के भीतर छात्रों और शिक्षकों से उत्साह और सहयोग प्राप्त हुआ। अपने सहकर्मियों और शिक्षकों के साथ रचनात्मक प्रयासों में संलग्न होने के अवसरों के साथ स्नातक छात्रों की सुविधा के लिए, छात्रों के बीच चर्चा और बहस की भावना पैदा करने के लिए त्योहार की एक व्यापक चिंता भी थी। उत्सव की घटनाओं में वार्ता, क्विज़, वृत्तचित्र और फिल्म स्क्रीनिंग, सड़क और मंच नाटक, और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे।

एक युवा विद्वानों का सम्मेलन, इतिहास में इच्छा और असंतोष को उजागर करते हुए, 29 मार्च 2019 को वार्षिक इतिहास उत्सव, सफ़रनामा के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया था।

हिस्ट्री की मिस्ट्री ग्रुप और सुरूची अग्रवाल द्वारा निर्देशित एक डॉक्यूमेंट्री, एग्जिट गेट की स्क्रीनिंग हुई और उसके बाद पैनल डिस्कशन, एमके द्विवेदी, सीनियर एडवोकेट, अनुराग सक्सेना, जनरल सेक्रेटरी के साथ एक पैनल डिस्कशन, इंडस्ट्रियल एक्सीडेंट्स और सेफ्टी और हेल्थ के लिए वर्कर्स

राइट्स। सीटू, दिल्ली, और सिद्धेश्वर शुक्ला, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5 अक्टूबर 2018 को आयोजित।

नेपाल की एक डॉक्यूमेंट्री, डॉटर की स्क्रीनिंग की गई और उसके बाद फिल्म निर्माता, सुरभि दीवान के साथ एक चर्चा के रूप में, दक्षिण एशिया में राजनीति, 8 अप्रैल 2018 को।

दिल्ली विश्वविद्यालय के सुदीप्तो बसु ने एक बात, एक शहरी अनुभव को एक अंतर के साथ दिया: उन्नीसवीं शताब्दी के बंगाल के मोफुसिल कस्बों में जीवन के बारे में विचार, 14 सितंबर 2018 को।

नीलाद्र भट्टाचार्य, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, ने 19 सितंबर, 2018 को इतिहास के महत्वपूर्ण मोड़ और इतिहास को बयां किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मुकुल मांगलिक ने बात की, पचास साल बाद, मुकुल मांगलिक 1968, 28 सितंबर 2018 को याद करते हैं।

उमा चक्रवर्ती, दिल्ली विश्वविद्यालय, और दिल्ली विश्वविद्यालय के मुकुल मांगलिक ने, 11 अक्टूबर, 2018 को हिंसा, तनाव और भय के समय दिल्ली में जीवन के बनावट पर एक वार्तालाप, वार्तालाप किया।

अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के सलिल मिश्रा ने 15 फरवरी 2019 को एक वार्ता की, मेरा राष्ट्रवाद, आपकी देशभक्ति: यह देश किसका है ?

जया मेनन, शिव नादर विश्वविद्यालय और सुप्रिया वर्मा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, ने एक भाषण दिया, पुरातत्व में रिक्त स्थान: कई कथाओं का निर्माण, 1 मार्च 2019 को।

पिप्पा वर्डी, डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी, यूके ने 1947 की राख से: पंजाब, 6 मार्च 2019 को फिर से बातचीत शुरू की।

जान लुकासेन, पूर्व निदेशक, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल हिस्ट्री, एम्स्टर्डम ने 20 मार्च 2019 को एक वार्ता की, भारतीय मजदूरी और महान विचलन, 1300-1870.

फील्ड का दौरा

28 मार्च, 2019 को कोटेश्वर बांध और टिहरी बांध के पुनर्वास गांव के रूप में चार छात्रों ने अपने शोध कार्य के तहत गांव का दौरा किया।

छात्रों ने ताजमहल, आगरा किला, सिकंदरा, इटिमद-उद-दौला का मकबरा, विश्राम घाट और मथुरा संग्रहालय का दौरा किया, पाठ्यक्रम के भारतीय कला और वास्तुकला के हिस्से के रूप में। इस यात्रा की देखरेख वेणुगोपाल मादिपति और स्वाति श्रीष्ट ने की, 29–31 मार्च 2019 तक।

2.13 वोकेशनल स्टडीज स्कूल

2016 के स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज (एसवीएस) की इस्टैब्लिशमेंट दिल्ली के बड़े समुदाय तक पहुंचने के लिए विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण के एक भाग के रूप में की गई थी। दिल्ली की बदलती जनसांख्यिकी और पहली पीढ़ी के हाई स्कूल स्नातकों की एक बड़ी संख्या के परिणामी उद्भव, जो गुणवत्ता पूर्ण आजीविका कौशल के अधिग्रहण के माध्यम से तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में प्रभावी रूप से भाग लेने की तैयारी के रूप में पूर्णकालिक या अंशकालिक तृतीयक शिक्षा का पीछा करने के इच्छुक हैं। स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज (SVS) की इस्टैब्लिशमेंट के लिए व्यापक तर्क है। 2017 में पहले शैक्षणिक कार्यक्रमों के तीन स्नातक कार्यक्रमों की पेशकश करके (1) बीवोक अर्ली चाइल्डहुड सेंटर मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, (2) बीवोक रिटेल मैनेजमेंट और (3) बीवोक टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी की शुरुआत की गई. सभी बीवोक कार्यक्रमों की पेशकश विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित की गई है।

सभी बीवोक कार्यक्रमों में कई प्रवेश और निकास विकल्प हैं जो सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांसमेंट डिप्लोमा और बैचलर ऑफ वोकेशन डिग्री का नेतृत्व करते हैं। वर्तमान तीन बीवोक. कार्यक्रमों के अलावा, यह परिकल्पना की गई है कि स्कूल कार्यबल की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए कौशल विकास पर विभिन्न अन्य बीवोक कार्यक्रम और लघु अवधि प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रदान करेगा।

स्कूल ने उन कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों का पता लगाया और विकसित किया है जो छात्रों को कार्यक्रम से स्नातक होने के बाद सार्थक रोजगार के लिए आवश्यक कौशल-सेट और शैक्षणिक पृष्ठभूमि प्रदान करेंगे। प्रत्येक बीवोक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को उद्योग के विशेषज्ञों, उद्योग संघों, सेक्टर कौशल परिषदों, विभिन्न स्कूलों और विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के केंद्रों के साथ-साथ पेशेवरों और शिक्षाविदों के साथ मिलकर बनाया गया है। कार्यक्रम में छात्रों को अपने व्यावहारिक कौशल को विकसित करने और बढ़ाने के लिए अवसर और नौकरी प्रशिक्षण (ओजेटी) पर इंटर्नशिप का एक अनिवार्य घटक है। निकास स्तरों में से प्रत्येक में राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF) के स्तर के अनुसार उद्योगों द्वारा पहचानी जाने वाली मिलान कार्य भूमिका होती है, जिसे पूरे देश में मान्यता प्राप्त है। यह आशा की जाती है कि ये कार्यक्रम उनमें से कई लोगों को स्वरोजगार, उद्यमी, निर्माता और खुद के लिए और समाज के कई शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में सक्षम बनाएंगे।

प्रारंभिक बचपन केंद्र प्रबंधन और उद्यमिता (ईसीसीएमई) में बीवोक.

ईसीसीएमई कार्यक्रम में बीवीओके को विश्वविद्यालय प्रणाली में डेकेयर पेशेवरों की तैयारी के साथ-साथ एक डिग्री कार्यक्रम के रूप में संस्थागत सेट-अप में खोजने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए संकल्पित किया गया है। यह ध्यान दिया जाना है कि कार्यक्रम पूर्वस्कूली शिक्षकों की तैयारी के लिए नहीं है। जबकि एक डेकेयर में छह महीने से 11 साल तक के बच्चे हो सकते हैं, इस डिग्री कार्यक्रम में दो सेवाओं - (i) छह महीने से 3 साल तक के बच्चों के लिए डेकेयर और (ii) बच्चों की स्कूल देखभाल के बाद होगा, पर ध्यान दिया गया। प्राथमिक तक। प्रशिक्षित पेशेवरों के साथ एक केंद्र-आधारित डेकेयर आमतौर पर न केवल स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दों को संबोधित करता है, बल्कि एक ऐसा वातावरण भी बनाता है जो संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक विकास को बढ़ावा देता है। कौशल पाठ्यक्रमों के साथ, कार्यक्रम विभिन्न संगठनों द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न क्रेच / डेकर के एक्सपोज़र को उनके औद्योगिक समकक्ष के हिस्से के रूप में देने की संभावना भी प्रदान करता है। ये एक्सपोज़र विज़िट छात्रों को देश में बचपन के क्षेत्र से परिचित कराते हैं और इसलिए दो चरणों में इसकी योजना बनाई गई है। प्रारंभिक चरण में, छात्रों को एक्सपोज़र विज़िट दी जाती हैं और बाद में उन्हें 30 दिनों की इंटर्नशिप गतिविधियों के लिए विभिन्न केंद्रों में रखा जाता है। ओजेटी के दूसरे चरण में, छात्र क्षेत्र के विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करते हैं।

खुदरा प्रबंधन में बीवोक.

भारत में खुदरा उद्योग जीवंत है और विशेष रूप से आधुनिक खुदरा, पारंपरिक खुदरा, ई-कॉमर्स, प्रत्यक्ष बिक्री, प्रत्यक्ष विपणन आदि जैसे क्षेत्रों में दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। बीवी इन रिटेल मैनेजमेंट एक विशेष स्नातक है। कार्यक्रम जो छात्रों को ऐसे कौशल प्राप्त करने के लिए तैयार करता है ताकि वे खुदरा क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित और कुशल जनशक्ति बन जाएं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए रिटेल स्टोर से वांछित माल की खरीद करके आज के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी वांछित कौशल से लैस करना है। यह कार्यक्रम ग्राहकों को स्टोर में लाने और उनकी खरीद की जरूरतों का जवाब देने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में छात्रों की मदद करता है।

प्रत्येक सेमेस्टर में प्रत्येक कौशल पाठ्यक्रम में अंतर्निहित सैद्धांतिक और व्यावहारिक घटक होते हैं। कौशल पाठ्यक्रमों के अलावा, इसमें प्रत्येक सेमेस्टर में औद्योगिक इंटर्नशिप का एक अच्छा घटक भी है जहां छात्रों को विभिन्न खुदरा प्रारूपों में काम करने का अवसर मिलता है। स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद, छात्रों को खुदरा क्षेत्र में विभिन्न क्षमताओं में एक खुदरा प्रबंधक, स्टोर मैनेजर, खुदरा खरीदार, व्यापारिक विश्लेषक, गोदाम प्रबंधक, ब्रांड प्रबंधक, ग्राहक सेवा कार्यकारी, व्यापारिक

प्रबंधक, आदि के रूप में रखा जा सकता है।

पर्यटन और आतिथ्य में बीवोक.

आज सेवा उद्योग कई देशों के लिए आय का एक प्रमुख स्रोत है, और स्रोत और मेजबान देशों की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करता है, कुछ मामलों में, महत्वपूर्ण रूप से। सेवा उद्योग के भीतर खेतों की व्यापक श्रेणी में आवास, आयोजन योजना, थीम पार्क, परिवहन, एयरलाइन, क्रूज लाइन और आतिथ्य और पर्यटन उद्योग के भीतर रोजगार के ऐसे अन्य अवसर शामिल हैं। टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी कार्यक्रम में बीवोक.ओ, सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों और परिसर शिक्षण पर आयोजित अभ्यास दोनों में उद्योग के नवीनतम रुझानों और विकास पर केंद्रित है।

सामान्य शिक्षा घटक

सभी तीन बीवोक. कार्यक्रमों में एक अनिवार्य सामान्य शिक्षा घटक (जीईसी) है, जिसे यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, स्कूल ने अपनी दृष्टि के आधार पर डिजाइन किया है और कुल बीवोक पाठ्यक्रम का 40% हिस्सा है। जबकि स्कूल बीवोक. कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल पाठ्यक्रमों की पेशकश के महत्व को पहचानता है, यह भी पहचानता है कि एक छात्र के लिए ज्ञान हासिल करना महत्वपूर्ण है, जो प्रासंगिक, सुलभ और व्यावहारिक कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से है। जबकि GEC में ऐसे पाठ्यक्रम और / या थीम शामिल हैं जो अन्य संस्थानों द्वारा प्रस्तुत किए गए समान हैं, दृष्टिकोण, वितरण और इसमें समग्रता सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक ध्यान दिया गया है। GEC प्रति सेमेस्टर 12 क्रेडिट के पाठ्यक्रमों का एक समूह है और मोटे तौर पर चार क्षेत्रों में विभाजित है: (i) भाषा दक्षता, (ii) जीवन कौशल (पारस्परिक और संगठन), (iii) ज्ञान-आधारित परिप्रेक्ष्य, (iv) योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम।

प्रत्येक फाउंडेशन कोर्स को विकसित किया गया है: (i) छात्रों को ज्ञान से लैस करने में मदद करता है जो उन्हें उस दुनिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है जिसमें वे रहते हैं, (ii) अपने संगठन में मदद करने वाले छात्रों के जीवन-कौशल का निर्माण करने के लिए, साथियों के साथ और स्वयं के लिए , (iii) छात्रों को व्यावहारिक कौशल से लैस करने के लिए, जिनकी उन्हें पेशेवरों के रूप में आवश्यकता होगी।

सहभागिता

स्कूल पर्यटन और आतिथ्य कार्यक्रम में अपने बीवोक. के लिए पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र कौशल

परिषद (THSSC), NSDC, भारत सरकार के साथ सहयोग कर रहा है। छात्र THSSC द्वारा आयोजित एसोसिएशन के दौरे और कार्यशालाओं में भाग लेते हैं और लगातार OJTs और औद्योगिक जोखिम के लिए प्रमुख उद्योगों और संगठनों के संपर्क में हैं।

अनुसंधान परियोजनाएं

अंकुश राठौर, उत्तर भारतीय व्यंजनों के लिए पाक पर्यटन स्थल के रूप में मुरथल के व्यावसायिक पहलुओं, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित - SMGFR (रु. 100,000; एक वर्ष; पूर्ण)।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

अंकुश राठौर की नियुक्ति, WCSC में हॉस्पिटैलिटी ऑपरेशंस सेक्टर के लिए व्यावहारिक परीक्षण करने के लिए, एक्जामिनर सह मूल्यांकनकर्ता नियुक्त किया गया था, जो कि सिंगापुर सरकार के सहयोग से, 20–28 मार्च 2019 तक होगा।

—— पर्यटन और आतिथ्य के लिए विषय विशेषज्ञ समूहों के एक सदस्य, UGC में MOOC प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए और सिफारिशें प्रस्तुत की, 17 दिसंबर 2018 को।

प्रस्तुतियां

अखा कैहरि माओ ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, राष्ट्रीय संगोष्ठी में कौशल-आधारित व्यवसाय और व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के विकास में शिक्षा के साथ उद्योग साझेदारी का महत्व, उत्तर-पूर्व भारत में उच्च शिक्षा के मुद्दे और चुनौतियां, इमामुएल कॉलेज, दीमापुर, नागालैंड, 15 मार्च 2019 को।

अंकुश राठौर ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र, सस्टेनेबल हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री (STHMCON - 2018) प्रस्तुत किया, उत्तर पूर्वी हिल विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय में, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी द्वारा 16 मार्च 2018 को आयोजित, स्मार्ट शहरों में आर्थिक विकास का एक संभावित स्रोत।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, राष्ट्रीय सम्मेलन में संगठनात्मक सफलता के लिए डिजिटल रणनीति, पाक अध्ययन और दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत: प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ग्वालियर में पर्यटक दृष्टिकोण, 5 जनवरी 2019 को।

फरिहा सिद्दीकी ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, बच्चों के साहित्य के माध्यम से विविधता की सराहना: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में किंडरगार्टन के साथ अनुभव, अंतर हो: शिक्षा में समानता और इक्विटी, एसएनडीटी विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित, 19 जनवरी 2019 को।

28 मार्च, 2019 को रुक्मिणी देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली में निखिल सिंह चरक ने नेशनल कॉन्फ्रेंस, सर्विस क्वालिटी और वेलनेस एंड स्पा टूरिज्म-ट्रेंड्स ऑफ इंडिया में एक शोध पत्र पेश किया।

—— मन्हास, पीएस, और शर्मा, पी., ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र, इनोवेशन एंड सस्टेनेबिलिटी, पीस फ़ॉर टूरिज्म: एक शांति और वैश्विक संबंधों को बनाए रखने का ड्राइवर प्रस्तुत किया, जो 16 वें A Pac CHRIE सम्मेलन, गुआंगझोउ, चीन द्वारा 2 जून 2018 आयोजित किया गया था।

व्याख्यान / उपलब्धियां

15 मार्च, 2019 को इम्मानुएल कॉलेज, दीमापुर, नागालैंड में आयोजित, पूर्वोत्तर भारत में उच्च शिक्षा के मुद्दों, NAAC प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, अख़बार काहिराई माओ ने एक सत्र की अध्यक्षता की, भारत में उच्च शिक्षा का अवलोकन।

सितांशु शेखर जेना ने मुख्य भाषण, कौशल विकास क्षेत्रों में उद्यम विकास: मुद्दों और चुनौतियों, एंटरप्राइज दूरदर्शी विकास कार्यक्रम (ईवीडीपी) में, यूनिवर्सल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, त्रिशूर, केरल द्वारा आयोजित किया, 2 दिसंबर 2018 को।

—— एक थिंक टैंक परामर्श में परिकल्पित, ओडिशा में शिक्षक शिक्षा को बढ़ाने के लिए DIETs को अपनाना, यूनिसेफ और शिक्षक शिक्षा निदेशालय और एससीईआरटी, ओडिशा, भुवनेश्वर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, 25-28 अक्टूबर 2018।

—— कार्यशाला में एक राष्ट्रीय-स्तर के संसाधन व्यक्ति के रूप में मान्यता प्राप्त, शिक्षक शिक्षा में आईसीटी एकीकरण, शिक्षक शिक्षा निदेशालय और एससीईआरटी, ओडिशा, भुवनेश्वर द्वारा 3–4 अक्टूबर 2018 को आयोजित।

—— प्रमुख चर्चा में, पैनल चर्चा में, आईसीटी: यूनिसेफ और शिक्षक शिक्षा निदेशालय और एससीईआरटी, ओडिशा, भुवनेश्वर, 18 जुलाई 2019 द्वारा आयोजित गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा के लिए संभाव्यता और संभावना।

घटनाक्रम / गतिविधियां

सौविक बोस, शॉपर्स स्टॉप, ने 14 अगस्त 2018 को खुदरा क्षेत्र में एक व्याख्यान, स्टोर प्रबंधन नीतियों को वितरित किया।

देबांगशु दत्ता, सलाहकार (खुदरा और मर्केंडाइज़्ड सर्विसेज), थर्ड आइज़, ने 5 सितंबर 2018 को एक व्याख्यान, रिटेल क्षेत्रों में कैरियर दिया।

सोनल सिंह, वी-मार्ट, ने एक व्याख्यान दिया, ग्राहक शिकायत प्रबंधन: ग्राहक सेवा की समस्याओं को समझना, 30 अक्टूबर 2018।

रामचंद्रम के., प्रोफेसर, एनआईईपीए, ने एक व्याख्यान, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण दिया: रोजगार कौशल (स्नातक विशेषताएं), 16 जनवरी 2019 को।

आयुष लोहनी, डेकाथलॉन, ने एक व्याख्यान दिया, डेकाथलॉन व्यवसाय मॉडल: डेकाथलॉन का खुदरा प्रबंधन और कार्य संस्कृति, 6 फरवरी 2019 को।

मानसी अग्रवाल, निदेशक, स्कॉटिश अर्ली इयर्स प्रीस्कूल, ने 6 मार्च 2019 को एक संवादात्मक सत्र, चाइल्डकैअर और उद्यमिता का संचालन किया।

स्वतंत्र कहानीकार चंपा साहा ने 27 मार्च 2019 को छोटे बच्चों के साथ एक कार्यशाला, स्टोरी-टेलिंग और माइम की सुविधा प्रदान की।

छात्रों की उपलब्धियां

बीवोक. टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी के छात्रों ने दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न पर्यटन और आतिथ्य कंपनियों के साथ MICE और टूर मैनेजर की भूमिका के लिए दिल्ली-एनसीआर में अपने ओजेटी को सफलतापूर्वक पूरा किया। पांच छात्रों को MICE की भूमिका के लिए इंटर्नशिप के लिए महिंद्रा क्लब रिसॉर्ट्स - गोवा में चुना गया था।

बीटोक टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी के छात्रों गेराल्ड साइमन और गौरव सैनी ने रिट्ज कार्लटन, मस्कट, ओमान के साथ काम करते हुए अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन प्राप्त किया।

बीवोक टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी के 15 छात्रों को डीआईडीएसी के साथ काम करने का अवसर मिला, जिसमें ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर एसवीएस का प्रतिनिधित्व करने के लिए वजीफा और प्रशंसा प्रमाण पत्र मिला।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर, बीवोक टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी के छात्रों ने, 27 सितंबर 2018

को करमपुरा परिसर में, प्रयातन पर्व का आयोजन किया।

बीवोक. रिटेल मैनेजमेंट के छात्रों ने एयूडी @ CITY - 2019 के दौरान विभिन्न स्टालों का आयोजन किया।

Students of B.Voc- Tourism and Hospitality, Participated in International Tourism Event SATTE,Held at India Expo Mart, Greater Noida

3. केंद्र

3.1. सामुदायिक ज्ञान केंद्र

सामुदायिक ज्ञान केंद्र (CCK) अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में एक अंतःविषय अनुसंधान केंद्र है जो जीवित समुदायों और उनके विविध मौखिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और अभ्यास-आधारित ज्ञान का अध्ययन करता है। केंद्र का उद्देश्य सामुदायिक ज्ञान के बारे में दस्तावेज़ों का अध्ययन, प्रसार और प्रसार करना है, ताकि हमारी जीवित विरासत की विभिन्न समझ में सुधार हो, और स्थायी वायदा के लिए उपलब्ध विकल्पों के लिए समुदाय-आधारित ज्ञान को एकीकृत किया जा सके. 'मार्जिन' पर समुदायों पर ध्यान देने के साथ, केंद्र सार्वजनिक और पारदर्शी तरीके से विश्लेषण और अनुसंधान के विद्वानों की कठोरता के साथ सांस्कृतिक विरासत के समुदाय के नेतृत्व वाले प्रलेखन को जोड़ता है।

केंद्र हाशिये और मुख्यधारा से ज्ञान के बीच एक संवाद बनाने की दिशा में काम करता है, जिसके अभाव में, स्थानीय समुदायों के लिए अद्वितीय ज्ञान और सांस्कृतिक पहचान की अनदेखी की जाएगी। एक मौखिक ज्ञान अनुसंधान, प्रलेखन और संग्रह केंद्र के रूप में, इसने शहरी और ग्रामीण कार्यक्रमों की शुरुआत की है, जो लोगों के केंद्रित अनुभव और अभ्यास-आधारित ज्ञान, इतिहास और सांस्कृतिक परिवर्तनों के कथानक का दस्तावेजीकरण करते हैं।

विद्वानों और सांस्कृतिक विरासत पेशेवरों के साथ सामुदायिक ज्ञान धारकों को एक साथ लाकर, केंद्र हमारे सांस्कृतिक अतीत के अंतःविषय आश्वासन को विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। सामुदायिक परिप्रेक्ष्य से दृश्य और भौतिक संस्कृतियों की पुन: परीक्षा सामुदायिक ज्ञान को ज्ञान की मुख्यधारा में लाकर ज्ञान के स्रोतों का विस्तार करती है। अपनी पहल के तहत, केंद्र रिकॉर्डिंग, दृश्य और पाठ के साथ सामुदायिक ज्ञान के डिजिटल अभिलेखागार बनाने में भी लगा हुआ है, जो व्यक्तियों और निजी संग्रह से प्राप्त किया गया है।

सहभागिता

केंद्र विभिन्न क्षमताओं में निम्नलिखित संगठनों के साथ सहयोग कर रहा है:

- एशियाई अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, लीडेन, नीदरलैंड
- दक्षिण एशिया संस्थान, टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन

- शिकागो विश्वविद्यालय
- केपटाउन विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका
- भारत नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH), नई दिल्ली
- रोजा मुथैया रिसर्च लाइब्रेरी, चेन्नई
- इंडिया फाउंडेशन ऑफ द आर्ट्स (IFA)
- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर)
- केरल पर्यटन, केरल सरकार
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA)
- भारत का मौखिक इतिहास एसोसिएशन (OHAI)

अनुसंधान परियोजनाएं

सुरजीत सरकार, प्रधान अन्वेषक अतीत का कैमरा। इंडिया फाउंडेशन ऑफ द आर्ट्स एंड अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली (16.19 लाख रुपये; जारी) द्वारा वित्त पोषित।

——मुख्य जांचकर्ता। नदी और शहर। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली और शिकागो विश्वविद्यालय द्वारा (9.73 लाख रुपये; जारी)।

—— मुख्य जाँचकर्ता। सीमाओं के पार मानविकी: चित्तरंजन पार्क नेबरहुड संग्रहालय उप-परियोजना। IIAS, लीडेन और अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (25.64 लाख रुपये; जारी) द्वारा वित्त पोषित।

—— मुख्य जाँचकर्ता। हिरलूम अभ्यास और स्मृति के शहर: एक कोन्याक परिवार की जीवनी, मोन नागालैंड। IIAS, लीडेन और अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (रु. 25. 64 लाख; जारी)।

—— मुख्य जाँचकर्ता। ग्रामीण जीवन और खेती विरासत: पिपरिया, मध्य प्रदेश। INTACH (2.5 लाख रुपये) द्वारा वित्त पोषित।

—— और सुमंगला दामोदरन, प्रधान जांचकर्ता। एशिया और अफ्रीका: पुरातनता (ई-प्रकाशन) से अंतर्संबंध। अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली और केपटाउन विश्वविद्यालय (8.95 लाख रुपये; जारी) द्वारा वित्त पोषित।

—— मुख्य जाँचकर्ता। सज्जाद ज़हीर संग्रह का डिजिटलीकरण: लेखन, तस्वीरों और रिकॉर्डिंग का संग्रह। टेक्सास विश्वविद्यालय और रोजा मुथैया रिसर्च लाइब्रेरी, चेन्नई द्वारा वित्त पोषित।

—— और लोविटोली जिमो, प्रधान जांचकर्ता। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: उत्तर पूर्व भारत और दक्षिण पूर्व एशिया: निरंतरता की खोज। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली और आईसीएसएसआर (रु. 7.5 लाख,) द्वारा वित्त पोषित।

विश्वविद्यालय की संस्थागत मेमोरी परियोजना। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (10 लाख रुपये; जारी)।

जारी परियोजनाएं

I. दिल्ली क्षेत्र

पड़ोसी डायरी - दक्षिणी दिल्ली के चित्तरंजन पार्क में पड़ोस संग्रहालय के लिए फील्डवर्क के हिस्से के रूप में, एक सामाजिक मीडिया प्लेटफ़ॉर्म जिसे नेबरहुड डायरीज़ कहा जाता है, तस्वीरों, वीडियो क्लिपिंग, राइट-अप और एक ब्लॉग के साथ बनाया गया था, जिसे रीसेट किए गए लोगों की पहचान के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने के लिए बनाया गया था। बंगाली या पोरबशी बंगाली समुदाय। 15 ऑडियो / वीडियो साक्षात्कार आयोजित किए गए और उसी के स्निपेट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए गए.

दिल्ली को अपने पड़ोसियों के माध्यम से जानना - इसे पड़ोस के संग्रहालयों के लिए एक हैंडबुक के रूप में कल्पना की जाती है, जिसे तारा बुक्स, चेन्नई द्वारा एक तीन-भाग पुस्तक श्रृंखला में प्रकाशित किया जाता है, नोइंग द सिटी: बॉम्बे, चेन्नई, दिल्ली।

दिल्ली की यादें - केंद्र ने 14 सितंबर, 2018 को एक ऑनलाइन डिजिटल रिपॉजिटरी, दिल्ली की यादें (delhimemories.in) लॉन्च की। 1880-1990 तक दिल्ली की लगभग 3000 तस्वीरों में से 1200 को इसके शुरुआती चरण में मेटाडेटा के साथ अपलोड किया गया। वेबसाइट का उद्देश्य दिल्ली दृश्य और पड़ोस संग्रहालय परियोजनाओं के हिस्से के रूप में आयोजित ऑडियो साक्षात्कार के संग्रह के साथ पूरे दृश्य संग्रह को अपलोड करना है।

एक शहर की इस्टैब्लिशमेंट - केंद्र पिलर गुरेरी और एरिन रिग्स के सहयोग से एक प्रकाशन पर काम कर रहा है, जिसका शीर्षक है, द सेटलिंग ऑफ ए सिटी। पुस्तक नक्शों, मौखिक आख्यानों और तस्वीरों के माध्यम से दिल्ली के निर्माण को एक मेगासिटी के रूप में दर्शाती है।

नदी और शहर: दिल्ली में यमुना - एक वृत्तचित्र फिल्म, नदी और शहर: दिल्ली में यमुना, एक शोध परिणाम के रूप में तैयार की गई है। फिल्म का निर्देशन कार्तिकेय जैन (अनुसंधान सहायक) और सत्य अम्बास्ता (सलाहकार-संपादक) ने सुरजीत सरकार (प्रधान अन्वेषक) के मार्गदर्शन में किया था। फिल्म शहर और नदी के बीच बढ़ते डिस्कनेक्ट पर ध्यान केंद्रित करती है और सामने लाती है, नदी की पुनरोद्धार की प्रक्रिया और उसके रिपोजिटरी इकोसिस्टम में मानवीय जुड़ाव का महत्व।

केंद्र, दिल्ली में नदी के किनारे रहने वाले समुदायों की संवेदी टिप्पणियों के साथ यमुना नदी पर वैज्ञानिक डेटा का सहसंबंध करने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर इंजीनियरिंग, शिकागो विश्वविद्यालय के साथ सहयोग कर रहा है। वजीराबाद बैराज से कालिंदी कुंज तक यमुना नदी के दिल्ली खंड में फील्डवर्क किया गया था। साक्षात्कार में नदी के साथ-साथ बड़े शहर के साथ जुड़े समुदायों के संबंधों (अनुभवों), अनुभवों और स्मृति के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया।

II. पूर्वोत्तर भारत

हिरलूम, अभ्यास और स्मृति की साइट: संक्रमण के समय कोनयाक परिवार की जीवनी - एक पुस्तक, हीरलूम, प्रथाओं और स्मृति की साइटों को संकलित करने के लिए अनुसंधान और प्रलेखन जारी: संक्रमण के समय कोनयाक परिवार की जीवनी। पुस्तक का उद्देश्य 20 वीं सदी में तीन पीढ़ियों के भीतर सांस्कृतिक परिवर्तन को समझना और उसे समझना है। सुरजीत सरकार, लोविटोली जिमो और खेकाली से मिलकर तीन सदस्यीय टीम ने इस सिलसिले में सोम, नागालैंड के कई फील्ड विजिट किए.

III. मध्य भारत

वन से शहर तक: पिपरिया, भारत में कॉमन्स का रूपांतरण - जून 2017 से, मध्य प्रदेश के जिला होशंगाबाद, पिपरिया के क्षेत्र में मौखिक कथाओं को एकत्र करने के लिए कुल 70 साक्षात्कार आयोजित किए गए हैं। आख्यान एक वन क्षेत्र और एक छोटे उप-जिला रेलवे स्टेशन से एक हलचल टाउनशिप के स्थान के परिवर्तन पर प्रकाश डालते हैं। सभी साक्षात्कारों के लिए ऑडियो / विज़ुअल डॉक्यूमेंटेशन किया गया।

सभी वार्तालापों / साक्षात्कारों को शब्दश: स्थानांतरित किया गया है, इसके बाद अंग्रेजी में हर ट्रांसक्रिप्ट का अनुवाद किया जाता है। संबंधित तस्वीरें पिपरिया के निवासियों के पारिवारिक एल्बम और व्यक्तिगत संग्रह के साथ-साथ भोपाल, पंचमढ़ी और मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों के पड़ोसी क्षेत्रों से एकत्र की गई हैं।

शहर के निवासियों से एकत्र मौखिक आख्यानों पर आकर्षित, 45,000 शब्दों की एक पांडुलिपि, जैसा कि हिंदी में तैयार किया गया है, अस्थायी शीर्षक *ऐसे बसी पिपरिया* के साथ।

IV. संस्थागत मेमोरी प्रोजेक्ट

संस्थागत स्मृति परियोजना (आईएमपी), हालांकि औपचारिक रूप से केवल 2018 में मान्यता प्राप्त है, विश्वविद्यालय में शैक्षणिक, अतिरिक्त पाठ्येतर और अनौपचारिक जीवन को दस्तावेज और रिकॉर्ड करने के लिए 2012 से लगातार जारी। परियोजना विश्वविद्यालय के सभी प्रमुख और छोटी घटनाओं और कार्यक्रमों के दस्तावेजीकरण में सक्रिय है। यह परिसर में मुद्दों के छात्र-नेतृत्व वाले प्रलेखन को भी शामिल करता है, जो परिसर के जीवन के चुनौतीपूर्ण पहलुओं पर ध्यान आकर्षित करता है, भाषा और सीखने से लेकर जाति और लिंग के मुद्दों पर आधारित सामाजिक संघर्ष तक।

छोटा सा भूत के रूप में, केंद्र परिसर में विभिन्न स्थानों और गतिविधियों के बारे में पहले वर्ष के छात्रों के लिए कैंपस कल्चर ओरिएंटेशन आयोजित करता है। इस वर्ष, 24 अगस्त 2018 को अभिविन्यास आयोजित किया गया था। विभिन्न समाजों और छात्र स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम के समन्वय में मदद की।

केंद्र भी छात्रों को छोटा सा भूत के रूप में दस्तावेजीकरण और संग्रह गतिविधियों में शामिल करता है। इस प्रयोजन के लिए, इच्छुक छात्रों को साक्षात्कार और दस्तावेज करने की तकनीकों के साथ-साथ ऑडियो / वीडियो उपकरणों के उपयोग पर उन्मुख और मूल प्रशिक्षण दिया जाता है। इस वर्ष 12 छात्रों ने परियोजना पर केंद्र के साथ काम किया है।

शैक्षणिक वर्ष	कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग (AV)	डिजिटल दस्तावेज	फोटोग्राफ्स	इंटरव्यू (AV)	छात्र के विचार (AV)
2018-19	144	95	7900	20	-
Total	**770**	**486**	**55356**	**123**	**54**

IMP: Archive Details

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

सुरजीत सरकार ने दक्षिण-पूर्व एशिया नेबरहुड नेटवर्क के सलाहकार के रूप में, वार्षिक नेटवर्क मीटिंग, थाईलैंड में 15–22 जुलाई 2018 तक सेवा की।

प्रस्तुतियां

बिनु ऐन जोसेफ ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, बीइंग ए हिजरा: चौथे वार्षिक OHAI सम्मेलन, समुदाय, स्थान और पहचान में सांस्कृतिक धारणाएं और पहचान गठन: मौखिक इतिहास की संभावनाएं, सेंटर फॉर कम्युनिटी नॉलेज एंड ओरल हिस्ट्री एसोसिएशन इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से, एयूडी पर आयोजित , 2 फरवरी 2019 को।

मेशा मुरली ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, लापता बारातियों का मामला: चौथे वार्षिक OHAI सम्मेलन, समुदाय, स्थान और पहचान में विरासत संरक्षण और संरक्षण के चक्रव्यूह को नेविगेट करना: सामुदायिक ज्ञान और मौखिक इतिहास के संयुक्त रूप से आयोजित मौखिक इतिहास की संभावनाएं। एयूडी में एसोसिएशन इंडिया, 1 फरवरी 2019 को।

विनीता जयप्रकासन ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, तस्वीरों के माध्यम से यादों को फिर से संगठित करना: चौथे वार्षिक ओएचएआई सम्मेलन, समुदाय, स्थान और पहचान में दिल्ली दृश्य संग्रह का एक अध्ययन: मौखिक इतिहास की संभावनाएं, सामुदायिक ज्ञान और मौखिक इतिहास एसोसिएशन इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारत, एयूडी पर, 1 फरवरी 2019 को।

व्याख्यान / उपलब्धियां

मेशा मुरली ने प्रस्तुति दी, लिव्स इन दिल्ली: वर्कशॉप में ट्रांसफ़ॉर्मेशन के भीतर सेल्फ का पता लगाना, इरेज़र एंड रिक्लेमेशन: लेबर एंड माइग्रेशन इन स्कूल, कल्चरल एंड क्रिएटिव एक्सप्रेशंस स्कूल द्वारा, अंबेडकर दिल्ली, 24-28 सितंबर को 2018 को।

कार्तिकेय जैन ने प्रस्तुति दी, यमुना और दिल्ली: विंडोज में नदी में, कार्यशाला में, क्षोभ और विस्मरण: श्रम और प्रवास गीत में, सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति स्कूल द्वारा आयोजित, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, 24-28 सितंबर 2018 को आयोजित किया।

——यमुना घाट, यमुना बाज़ार में, कार्यशाला, इरेज़र और रिक्लेमेशन के भाग के रूप में, सामुदायिक जुड़ाव चलना: गीत और श्रम और प्रवास, सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति स्कूल द्वारा आयोजित, 24–28 सितंबर 2018 को।

कुमार उन्नाव ने सर्टिफिकेट कोर्स, भारतीय लोक महाकाव्यों: एक दक्षिण भारतीय परिप्रेक्ष्य को पूरा किया, जिसमें ब्रेंडा बेक की सुविधा थी, व्याख्यान श्रृंखला, ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स के हिस्से के रूप में।

घटनाक्रम / गतिविधियां

नॉर्थ ईस्ट फोरम, एयूडी के सहयोग से केंद्र ने सम्मेलन का आयोजन किया, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया: अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट परिसर, 25-26 अक्टूबर 2018 को निरंतरता की खोज।

3.2. विकास प्रैक्टिस केंद्र

विकास प्रैक्टिस केंद्र (सीडीपी) की इस्टैब्लिशमेंट जुलाई 2013 में एक दो-केंद्रित फोकस के साथ की गई थी - परिवर्तनकारी सामाजिक कार्रवाई को बढ़ाने के लिए एक्शन शोधकर्ताओं के कैडर का निर्माण; और शिक्षाविदों और चिकित्सकों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए एक मंच तैयार करना। केंद्र का उद्देश्य गंभीर रूप से मौजूदा विकासात्मक प्रवचन और अभ्यास के साथ जुड़ना और प्रतिबिंबित करना है, समुदायों के साथ हमारे काम में मनोवैज्ञानिक-मनोविश्लेषणात्मक संवेदनशीलता की शुरूआत करना (समूह के संदर्भों में-संक्रमण-प्रतिरोध 'के सवालों की जागरूकता सहित) और इस तरह पुनर्विचार और ग्रामीण और वन समुदायों में स्व और सामाजिक परिवर्तन के संबंधित विकास संबंधी क्षेत्रीय प्रथाओं और प्रथाओं को फिर से तैयार करना।

केंद्र, स्कूल ऑफ ह्यूमन स्टडीज, विकास अध्ययन स्कूल और PRADAN के सहयोग से एमफिल प्रोग्राम इन डेवलपमेंट प्रैक्टिस प्रदान करता है।

सहभागिता

केंद्र विभिन्न क्षमताओं में निम्नलिखित संगठनों के साथ सहयोग कर रहा है :

- रोहिणी घडिओक फाउंडेशन
- एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
- टाटा ट्रस्ट्स
- फोर्ड फाउंडेशन

अनुसंधान परियोजनाएं

अनूप धर, प्रधान अन्वेषक ग्रामीण विकास अभ्यास के पेशेवरकरण की इस्टैब्लिशमेंट करने वाले विश्वविद्यालय में संस्थागत रूप देना; द्वितीय चरण: विकास अभ्यास केंद्र का संस्थागत रूप। टाटा ट्रस्ट्स द्वारा वित्तपोषित (रु. 2.9 करोड़; 5 वर्ष; जारी)।

——— मुख्य जांचकर्ता। वैश्विक वस्तु श्रृंखला में NTFPS के उपयोग और पुन: उपयोग को अधिकतम करना: लाख और तसर का केस अध्ययन। फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित (रु. 2.5 करोड़; 3 वर्ष; पूर्ण)।

प्रस्तुतियां

अरुणिमा मिश्रा ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (अन) कॉमन वर्ल्ड: कॉन्सर्ड ऑफ़ इंटरसेप्टीज़ के अंत में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें मानव-पशु समुदायों की सीमाएं शामिल हैं, जो फ़ारूक़ी द्वारा मानव-पशु अध्ययन के लिए फ़िनिश विश्वविद्यालय तुर्की, फ़िनलैंड में 7-9 अगस्त 2018 को आयोजित किया गया था।

अनुभा सिन्हा ने 4 वीं विश्व महिला अध्ययन सम्मेलन, महिला अध्ययन: हिंसा पर पुनर्विचार, पुनर्विचार, घरेलूता को समझने के लिए एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, एक स्थायी ग्रह के लिए छात्रवृत्ति, सक्रियता और कहानी सुनाना, द इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, कोलंबो, श्रीलंका में, 3-5 मई 2018 को।

अर्पित गेनड ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, ऑन द हो: इट्स न केवल एक फिल्म, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, द इमेज, हांगकांग बैपटिस्ट यूनिवर्सिटी, हांगकांग में, 3-4 नवंबर 2018 को।

अरुणोपोल सील ने एक शोध पत्र, कॉमन होस्ट, असामान्य मेहमानों को प्रस्तुत किया: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्तर बस्तर के जंगलों में आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण अंतर-प्रजातियों के संबंधों से परे, (संयुक्त राष्ट्र) आम दुनिया: मानव-पशु समुदायों की सीमाओं को देखते हुए, द्वारा आयोजित 7 से 9 अगस्त 2018 को फिनलैंड के तुर्कू विश्वविद्यालय में मानव-पशु अध्ययन के लिए फिनिश सोसायटी।

भाव चित्रांश ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, सांस्कृतिक परिवर्तन: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पुनर्मिलन का वायदा, भयावह वायदा: सांस्कृतिक अध्ययन और इक्कीसवीं सदी में एजेंसी का प्रश्न, IAFOR इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ग्लोबल स्टडीज, बार्सिलोना विश्वविद्यालय, बार्सिलोना, स्पेन में 13 जुलाई 2018 को आयोजित किया गया।

—— ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, लिंग निर्धारण को समाप्त करना: राष्ट्रीय संगोष्ठी, गरीबी और सामाजिक बहिष्कार में अभ्यास और गरीबी के बीच अभ्यास: एक जीवन पाठ्यक्रम परिप्रेक्ष्य, TERI स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन और लोकश्रया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित फाउंडेशन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली में, 12-13 अप्रैल को।

दीपिका पांडे ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, टूवार्ड्स अलॉयनेस: अदीवासी संदर्भ में कलेक्टिंग, एशियन इंटरनैशनल कॉन्फ्रेंस में 6 वें डेल्यूज़ और गुआट्री स्टडीज़ में, फिलॉसॉफ़िकल एसोसिएशन ऑफ़ फिलिपिन्स द्वारा 2–7 जुलाई 2018 को आयोजित किया गया।

गौतम बिष्ट ने 28 नवंबर, 2018 को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में समावेशी शिक्षा

पर 5 वीं अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में समावेशी शिक्षा के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हिमालय आहूजा ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो सड़क पर नहीं लिया गया: ग्रामीण भारत में बुनियादी ढांचा गरीबी की राजनीति, 2018 में साल्जबर्ग सम्मेलन में अंतःविषय गरीबी अनुसंधान, अंतरिक्ष और गरीबी, नैतिकता और गरीबी अनुसंधान केंद्र, ऑस्ट्रिया के यूनिवर्सिटी ऑफ साल्जबर्ग, ऑस्ट्रिया में 13 सितंबर 2018 को।

नेहा नारायणन ने स्काइपे के माध्यम से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, भाषा का पुनर्निर्माण पुनर्निर्माण: अंतरिक्ष में पार करने के लिए एक एक्शन रिसर्च, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वॉयसिंग और वैल्यूएशन: डारिंग और कर, एज हिल हिल यूनिवर्सिटी, मैनचेस्टर, यूके में 26 अक्टूबर 2018 को सहयोगात्मक एक्शन रिसर्च नेटवर्क द्वारा आयोजित।

प्रतीक ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, रिथिंकिंग पॉलिटिक्स: गारंटी से लेकर महत्वाकांक्षा तक, 6 वें डेल्यूज़ और गुआटारी स्टडीज़ इन एशिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, फिलॉसॉफ़िकल एसोसिएशन ऑफ़ फ़िलीपीन्स द्वारा 2-7 जुलाई 2018 को आयोजित किया गया।

रोशन राजू ने सम्मेलन में, स्काइप, इकोलॉजी, कॉटन एंड एग्रीकल्चर के माध्यम से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वॉयसिंग और वैल्यूएशन: डारिंग और कर, एज हिल हिल यूनिवर्सिटी, मैनचेस्टर, यूके, 26 अक्टूबर 2018 को सहयोगात्मक एक्शन रिसर्च नेटवर्क द्वारा आयोजित किया गया।

संजना कुमारी ने स्काइप के माध्यम से विकास के साथ (परित्यक्त) झुर्रियों वाली: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में गाली, बीमारी और मौत के साथ आना, आवाज उठाना और मूल्य निर्धारण: साहस दिखाना और करना, सहयोगात्मक एक्शन रिसर्च नेटवर्क द्वारा आयोजित एज हिल यूनिवर्सिटी, मैनचेस्टर, यूके, 26 अक्टूबर 2018 को एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, परित्याग, दुर्व्यवहार, बीमारी और मृत्यु में एक साथ आ रहा है: अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में, दक्षिण एशिया में चिट्टागोंग विश्वविद्यालय में पुनर्विचार विकास, झुर्रीदार के साथ 'विकास' से परे देखभाल-अभ्यास के दर्शन का निर्माण। बांग्लादेश, 7-8 अक्टूबर 2018 को।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, (विकास) से परे (मौन) (डी): युवा से लेकर झुर्रियों तक, विकास से लेकर देखभाल तक, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, मानविकी विश्वविद्यालय में मानविकी में यूरोकेन्द्रिक मॉडल को तोड़कर, ट्विन सिटीज़ कैंपस, मिनियापोलिस, यूएसए, 13-14 अप्रैल 2018 को।

स्वर्णिमा कृति ने एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, सिद्धांत का अभ्यास करते हुए: 4था विश्व महिला अध्ययन सम्मेलन, महिला अध्ययन में पुन: विचार पद्धति, एक स्थायी ग्रह के लिए छात्रवृत्ति, सक्रियता और कहानी सुनाना, द इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, कोलंबो, श्रीलंका में, 3-5 मई 2018 को।

विनीशा सिंह बैसनेट ने संरक्षण और आजीविका के लिए पोषण संबंधी प्रजाति सहभागिता: एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, 16 फरवरी, 2019 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में मानव पारिस्थितिकी स्कूलद्वा रा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, एनगैंग्ड एनकाउंटर में लिविंग ब्रूड लाख बैंक के साथ एक प्रयोग पर।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, पॉलिसी से प्रैक्सिस तक: 6 फरवरी 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय में इंडिया पब्लिक पॉलिसी नेटवर्क के दूसरे वार्षिक सम्मेलन में मध्यप्रदेश के ऊपर के क्षेत्रों में राज्य-समाज संबंधों को खोलना।

—— एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, इंटरसेपसीज एसोसिएशन, वन पारिस्थितिकी और प्रजाति संबंध, (संयुक्त राष्ट्र) आम दुनिया: मानव-पशु समुदायों की सीमाएं, फिनिश सोसाइटी फॉर ह्यूमन-एनिमल स्टडीज द्वारा, विश्वविद्यालय में आयोजित तुर्कू, तुर्कू, फ़िनलैंड, 7-9 अगस्त 2018 को।

3.3. प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (CECED) की इस्टैब्लिशमेंट अक्टूबर 2009 में की गई थी। सेंट्रे का मिशन जीवन के पहले आठ वर्षों में हर बच्चे के अधिकार की वकालत करके सामाजिक न्याय और इक्विटी के राष्ट्रीय लक्ष्यों में योगदान देना है। विकास और प्रासंगिक रूप से उपयुक्त प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (CECED) के माध्यम से सीखने और विकास के लिए नींव। केंद्र ECED को बढ़ावा देने और इसे प्रभावी और सार्वभौमिक कार्यक्रम कार्यान्वयन के सा-साथ नीति निर्माण में सबसे आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि आठ वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चे, विशेष रूप से विविध और वंचित सामाजिक और आर्थिक सेटिंग्स से, एक ध्वनि और समान नींव के लिए अवसर प्राप्त करते हैं जो जीवन में अपने अवसरों में सुधार करते हैं।

अपनी इस्टैब्लिशमेंट के बाद से, केंद्र ने बचपन की शिक्षा और विकास के क्षेत्र में अनुसंधान, मूल्यांकन, गुणवत्ता संवर्धन, क्षमता निर्माण, वकालत और नेटवर्किंग से संबंधित अपनी परियोजनाओं के लिए कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से सक्रिय रूप से धन की खरीद की है।

सहभागिता

केंद्र विभिन्न क्षमताओं में निम्नलिखित संगठनों के साथ सहयोग कर रहा है :

- यूनिसेफ - भारत, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल
- विश्व बैंक
- योजना भारत
- येल विश्वविद्यालय
- टीआईएसएस, हैदराबाद
- डीएचई, दिल्ली सरकार एनसीटी

परियोजनाएं

अनुसंधान और मूल्यांकन

मोनिमालिका डे, फैकल्टी मेंटर। ओडिशा, भारत में प्रारंभिक बाल विकास और पूर्व स्कूली कार्यक्रम, येल विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित (डेढ़ साल; पूर्ण)।

——— फैकल्टी मेंटर। एकीकृत बाल विकास (ECD) हस्तक्षेप पैकेज और मेघालय में MSRLS की भूमिका पर व्यवहार्यता अध्ययन। विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित (छह महीने; पूर्ण)।

सुनीता सिंह, फैकल्टी मेंटर। प्रारंभिक साक्षरता पहल (ईएलआई)। TISS, हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित (दो वर्ष; चालू) ।

वृंदा दत्ता, फैकल्टी मेंटर। मूल्यांकन उपकरण (SAT) का मानकीकरण। यूनिसेफ और विश्व बैंक (साढ़े तीन साल; पूर्ण) द्वारा वित्त पोषित।

तकनीकी सहायता

मोनिमालिका डे, फैकल्टी मेंटर। बिहार राज्य को तकनीकी सहायता। यूनिसेफ बिहार द्वारा वित्त पोषित (5,538,368 रुपये; चालू)।

——— फैकल्टी मेंटर। पश्चिम बंगाल में यूनिसेफ को प्रारंभिक बचपन (ईसीई) पर तकनीकी सहायता। यूनिसेफ पश्चिम बंगाल द्वारा वित्त पोषित (3,432,774 रुपये; चालू)।

वृंदा दत्ता, फैकल्टी मेंटर। बचपन की प्रारंभिक शिक्षा पर राजस्थान राज्य को तकनीकी सहायता। यूनिसेफ राजस्थान द्वारा वित्त पोषित (3,540,284 रुपये; चालू)।

——— फैकल्टी मेंटर। ईसीई पर महाराष्ट्र राज्य को तकनीकी सहायता। यूनिसेफ महाराष्ट्र द्वारा वित्त पोषित। (1,85,72,631 रुपये; चालू)।

——— फैकल्टी मेंटर। दिल्ली में प्रारंभिक बाल सुरक्षा शिक्षा केंद्रों का विकास। उच्च शिक्षा निदेशालय (डीएचई) जीएनसीटी द्वारा वित्त पोषित। (40,000,000 रूपये, चालू।

क्षमता निर्माण

शीतल नागपाल, फैकल्टी मेंटर। माता-पिता के विकास कार्यक्रम का विकास। योजना भारत द्वारा वित्त पोषित, (920,155 रुपये; चालू)। वृंदा दत्ता, फैकल्टी मेंटर। प्रारंभिक शिक्षा देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) में गुणवत्ता को मजबूत करना: सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के समर्थन में। यूनिसेफ इंडिया द्वारा वित्त पोषित (22,979,643.5 रुपये; चालू)।

वकालत और संचार

वृंदा दत्ता, फैकल्टी मेंटर। वकालत, संचार और प्रलेखन। विभिन्न परियोजनाओं द्वारा वित्त पोषित (चालू)।

Training on Tools in Jaipur

3.4. अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र

अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र (CELE) की स्थापना चार प्रकार के जनादेश के साथ की गई है: अंग्रेजी भाषा की दक्षता और अकादमिक अंग्रेजी के संदर्भ में विश्वविद्यालय के छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, स्थानीय समुदाय के लिए विभिन्न गतिविधियों को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय भाषा संसाधन केंद्र, अनुसंधान केंद्र और क्लियरिंग हाउस के रूप में विकसित करने के लिए, और विशेषीकृत मास्टर्स और ELE csx अनुसंधान कार्यक्रमों की पेशकश करने के लिए अंग्रेजी भाषा शिक्षा से संबंधित है।

केंद्र स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अंग्रेजी प्रवीणता और अकादमिक अंग्रेजी में नींव और वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाता है और उन्हें जारी भाषा समर्थन प्रदान करता है। यह सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों के साथ विभिन्न (अंग्रेजी) शिक्षक विकास और अंग्रेजी दक्षता बढ़ाने की गतिविधियों को करने के लिए भी सहयोग करता है। केंद्र ने युवा स्नातकों के साथ-साथ इन-सर्विस शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रमों के लिए अभिनव शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों को डिजाइन और पेश करना शुरू कर दिया है। CELE की इस्टैब्लिशमेंट एक तरफ विश्वविद्यालय की अपनी प्रतिबद्धता और एक ओर व्यापक समुदाय के प्रति उभरती हुई प्रतिक्रिया है, और दूसरी ओर ELE को मजबूत करने की चुनौतियों का समाधान करने के लिए संस्थागत प्रयासों की अपर्याप्तता को माना जाता है। इसलिए, अपने छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों और विभिन्न प्रकार के समर्थन की पेशकश करते हुए, CELE ने भारत में अंग्रेजी शिक्षकों की क्षमता और गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में काम करने का प्रस्ताव रखा है, जो कि ELE में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है और व्यापक ELE समुदाय तक पहुंच बना रहा है।

सहभागिता

केंद्र निम्नलिखित के साथ विभिन्न क्षमताओं में सहयोग कर रहा है:

शिक्षा निदेशालय, जीएनसीटीडी: दिल्ली सरकार के स्कूलों के छात्रों के लिए अंग्रेजी प्रवीणता पाठ्यक्रम चलाना, जिसका पायलट दौर सर्वोदय को-एड स्कूल, करमपुरा, दिल्ली में अक्टूबर-दिसंबर 2018 के दौरान आयोजित किया गया था।

ब्रिटिश काउंसिल: शिक्षकों के बीच कक्षा-आधारित शोध को बढ़ावा देना।

क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय, अमेरिकी दूतावास, दिल्ली: वर्ष 2018-19 के लिए विश्वविद्यालय में एक अंग्रेजी भाषा फैलो रखा गया। साथी ने अंग्रेजी दक्षता और अकादमिक अंग्रेजी पाठ्यक्रम

पढ़ाया, स्नातक छात्रों के लिए विशेष भाषा संवर्धन कक्षाएं संचालित कीं और CELE की भाषा समर्थन गतिविधियों में योगदान दिया।

आधारशिला (एनजीओ): मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले की औपचारिक और अनौपचारिक सेटिंग्स में काम करने वाले अपने शिक्षकों की क्षमता का विकास करना।

कैम्ब्रिज मलेशियाई शिक्षा और विकास ट्रस्ट, यूके: विभिन्न स्तरों पर छात्रों की दक्षता विकसित करने के लिए CATS अंग्रेजी भाषा के विकास पैकेज की प्रभावशीलता का आकलन करना।

स्टर्लिंग विश्वविद्यालय, यूके: ग्रामीण संदर्भों में काम करने वाले प्राथमिक शिक्षकों के मोबाइल-आधारित स्व-मूल्यांकन उपकरण और शिक्षण सहायक उपकरण विकसित करने के लिए एक संयुक्त परियोजना का संचालन करना; धन के लिए ईएसआरसी, यूके को प्रस्तुत परियोजना प्रस्ताव।

वारविक विश्वविद्यालय, ब्रिटेन: जेसन एंडरसन, अनुसंधान विद्वान, डब्ल्यूयू द्वारा किए जा रहे भारतीय शिक्षकों के बीच प्रभावी शिक्षण पर अनुसंधान का समर्थन करना।

अनुसंधान परियोजनाएं

इप्शिता एच. सोसमल, मोनिशिता एच. पांडे और जेनी सी. एलेक्स, सह-जांचकर्ता। एप्टिस एक्शन रिसर्च मेंटरशिप स्कीम (AARMS)। ब्रिटिश काउंसिल द्वारा वित्त पोषित (रु. 132,500; एक वर्ष; पूर्ण)।

कृष्णा के दीक्षित, प्रधान अन्वेषक एप्टिस एक्शन रिसर्च मेंटरशिप स्कीम (AARMS)। ब्रिटिश काउंसिल द्वारा वित्तपोषित (रु. 210,000; एक वर्ष; पूर्ण)।

व्याख्यान / उपलब्धियां

कृष्ण दीक्षित ने शिक्षकों के लिए अंग्रेजी की तीन दिवसीय कार्यशाला की सुविधा दी, मध्य प्रदेश के अगारा गाँव में आधारशिला के शिक्षकों के साथ 29-31 मार्च 2019 तक।

घटनाक्रम / गतिविधियां

सेंटर को औपचारिक रूप से 11 जुलाई 2018 को कुलपति प्रो. श्याम मेनन द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में शुरू किया गया, इसके बाद पैनल चर्चा, सामाजिक न्याय और इक्विटी के लिए अंग्रेजी तक पहुंच। रामा मैथ्यू ने पैनल चर्चा की अध्यक्षता की और इनाथी त्सम्प्ली, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, कोई लाइटफुट, ब्रिटिश काउंसिल, रुक्मिणी बनर्जी, प्रथम, और, दिल्ली विश्वविद्यालय की मायाश्री लाल

ने पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए विशेष अंग्रेजी बोलने वाली कक्षाओं की सुविधा के लिए केंद्र ने एलीन फिन, अंग्रेजी भाषा फैलो, आरईएलओ, अमेरिकी दूतावास की मेजबानी की।

केंद्र ने अक्टूबर-दिसंबर 2018 को सर्वोदय को-एड स्कूल, करमपुरा के छात्रों के लिए अल्पकालिक अंग्रेजी दक्षता पाठ्यक्रम आयोजित किया।

छात्रों को भाषा समर्थन प्रदान करने के लिए केंद्र ने भाषा मित्र पहल को लागू किया। इस पहल के तहत, वरिष्ठ छात्रों ने जूनियर छात्रों को केंद्र की सलाह और समर्थन के साथ स्वैच्छिक आधार पर मदद की।

वर्ष 2018-19 के दौरान केंद्र ने एमए ग्लोबल स्टडीज, एमए अर्बन स्टडीज, एमए जेंडर स्टडीज, पीएचडी सोशियोलॉजी और सेंटर फॉर रिसर्च मेथड्स के छात्रों के लिए अंग्रेजी में अकादमिक पढ़ने और लेखन कौशल पर कार्यशालाओं की सुविधा प्रदान की।

केंद्र ने दिल्ली सरकार के शिक्षकों के लिए स्कूल ऑफ एजुकेशन स्टडीज द्वारा संचालित इन-सर्विस शिक्षकों के लिए विशेष सीपीडी पाठ्यक्रमों के डिजाइन और वितरण में योगदान दिया।

केंद्र ने एक अनूठे CETSIL (सर्टिफिकेट इन टीचिंग इंग्लिश टू स्पीकर्स ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज) प्रोग्राम के तहत एक पायलट आयोजित किया, जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को अंग्रेजी दक्षता सिखाने के लिए अच्छी अंग्रेजी क्षमता वाले युवा वयस्कों को प्रशिक्षित करना है। यह सितंबर 2018 से जनवरी 2019 तक आयोजित किया गया था। इस पायलट के हिस्से के रूप में, केंद्र ने निम्नलिखित विशेष सेमिनार आयोजित किए :

- 5 अक्टूबर 2018 को अमोल पडवाड और कृष्णा दीक्षित, सेंटर फॉर इंग्लिश लैंग्वेज एजुकेशन, एयूडी द्वारा कार्रवाई के सिद्धांतों को लिखा और अभ्यास किया।
- 26 अक्टूबर 2018 को सुनीता सिंह, डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन स्टडीज, एयूडी द्वारा भाषा और साक्षरता।
- रमेश चंद्र शर्मा, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा 2 नवंबर 2018 को मिश्रित शिक्षा।
- 12 नवंबर 2018 को अमेरिका में एलीन फिन, ईएलएफ, आरएलओ, अमेरिकी दूतावास द्वारा अंग्रेजी भाषा की शिक्षा।

CTESIL practice teaching in Delhi Government School

3.5. एडीयू उद्भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र

एडीयू उद्भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र (ACIIE) को विश्वविद्यालय के बड़े दृष्टिकोण के भीतर एक गैर लाभकारी कंपनी के रूप में स्थापित किया गया जो सैद्धांतिक और वैचारिक प्रशिक्षण का सामाजिक रूप से उपयोगी अभ्यास में रूपांतरित करने और बाहर तक पहुँचने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ है। पिरामिड के तल पर समाज का कम विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग, जो अन्यथा नए ज्ञान और समकालीन प्रथाओं तक नहीं पहुंच सकता है।

केंद्र का तात्कालिक प्रयास नवाचार और उद्यमशीलता का एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है और विश्वविद्यालय के समुदाय के इच्छुक सदस्यों को हमारे देश के सामने आने वाली कई सामाजिक समस्याओं को दूर करते हुए, धन सृजन करने वाले, रोजगार पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। विश्वविद्यालय के अंतःविषय स्थान, विशेष रूप से व्यवसाय, डिजाइन, विकास अभ्यास, शिक्षा, पारिस्थितिकी, मानसिक स्वास्थ्य आदि जैसे क्षेत्रों में केंद्र की इस्टैब्लिशमेंट के लिए एक उपयुक्त स्थान के रूप में देखा जाता है।

केंद्र अपने मूल उद्देश्यों के तहत निम्नलिखित पहल करता है :

- अभिनव विचारों को आमंत्रित और उद्भवन करना और उन्हें निष्पादन योग्य व्यावसायिक उपक्रमों में विकसित करने में मदद करें, विशेष रूप से देश के सामाजिक क्षेत्र में कई समस्याओं के समाधान का पता लगाने के लिए।
- उद्यम विकास के पायलट और स्टार्ट-अप चरण (सामाजिक) का समर्थन करना।
- सलाह के माध्यम से तकनीकी और मनोवैज्ञानिक सहायता का विस्तार करें और स्वर्गदूतों, उद्यम पूंजीपतियों और अन्य संबंधित साधनों से वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था करने में सहायता करें।
- कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और अनुभव साझा करने का आयोजन करके उद्यमशीलता और संबंधित संदर्भ को बढ़ावा देना।

सहभागिता

उद्यमशीलता की संभावनाओं और कई विषयों में अवसरों का पता लगाने के लिए मुख्य उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, केंद्र लगातार विभिन्न एजेंसियों तक सहयोगात्मक पहलों को आगे बढ़ाने के लिए पहुंच रहा है। ऐसी कुछ एजेंसियां हैं :

i. प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग, एन.सी.टी. दिल्ली की सरकार

ii. दि इंडस एन्टरप्रेन्योर, दिल्ली

iii. वॉटर एड इंडिया, दिल्ली

iv. एक गाँव टेक्नोलॉजीज, दिल्ली

v. इको तसर सिल्क प्रा. लि., दिल्ली

vi. स्कूल ऑफ सोशल एंटरप्रेन्योर, भारत

vii. स्टार्ट-अप ओएसिस, जयपुर

viii. क्विक सैंड स्टूडियो, दिल्ली

ix. लुफ्थांसा ग्रुप, जर्मनी

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

सेंटर, सोशल इम्पैक्ट इनक्यूबेटर, को 11 जुलाई 2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर के रूप में मान्यता दी गई थी। इसने केंद्र में राष्ट्रीय से एक पैनल में किए गए कार्य को प्रस्तुत किया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (NSTEBS), DST, भारत सरकार 13 जुलाई 2018 को।

घटनाक्रम / गतिविधियां

I. केंद्र ने आठ स्टार्टअप शुरू किए हैं :

1. टॉक हेल्थ एनालिटिक्स (माइंड पाइपर) समाज के हाशिए के वर्गों के बीच मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जागरूकता प्रदान करने के उद्देश्य के साथ एक नींव रख रहा है। कंपनी स्कूल और कॉलेज के छात्रों को परामर्श और अन्य मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान करती है।

2. शहरी क्यारी एक एयूडी छात्र द्वारा स्थापित, दिल्ली में यमुना नदी के किनारे बसे गैर-मान्यता प्राप्त किसान समुदायों के लिए बेहतर आजीविका विकल्प तलाशने पर केंद्रित है। स्टार्ट-अप का प्राथमिक व्यवसाय मॉडल दिल्ली के शहरी क्षेत्रों में छत-आधारित कृषि स्थापित कर रहा है, जहां किसानों की पारंपरिक विशेषज्ञता को उपयोगी रूप से उपयोग में लाया जा सकता है।

3. स्लैम आउट लाउड बच्चों और युवाओं को नेतृत्व और संचार कौशल के साथ सशक्त बनाने के

लिए, थिएटर और कविता जैसे कला रूपों की शक्ति का उपयोग करता है। अपने अद्वितीय जिजीविषा फैलोशिप कार्यक्रम के माध्यम से, इस सामाजिक उद्यम ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों को एक साथ लाया है, जो बच्चों के साथ काम करते हैं ताकि उन्हें आवाज दी जा सके. 9 राज्यों में 3000 से अधिक बच्चों को प्रभावित करते हुए, उद्यम को कई कार्यशालाओं का आयोजन करना पड़ा। सरकारी स्कूली बच्चों के साथ शुरुआत करते हुए, उद्यम ने अब दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के साथ-साथ कॉर्पोरेट घरानों में उच्च आय वाले स्कूलों के साथ काम करना शुरू कर दिया है।

4. शहरी चूल्हा एक सामाजिक उद्यम है जो जैविक सब्जियों का स्रोत है और उन्हें अपने ग्राहकों के लिए पकाया स्वस्थ भोजन के रूप में कार्य करता है। स्वस्थ भोजन की तलाश कर रहे लोगों के लिए लेकिन इसे कहीं भी नहीं ढूंढना, यह सेवा बेहद उपयोगी है। इसने अपने कर्मचारियों को स्वस्थ भोजन प्रदान करने के लिए कई संगठनों के साथ अनुबंध भी किया है।

5. हरियाली के लिए शिक्षा एक सामाजिक उद्यम है जिसने खुद को ग्रामीण ग्रीन इनक्यूबेटर के रूप में तैनात किया है। यह ग्रामीण युवाओं के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, जिससे उन्हें सौर लैंप जैसे हरे उत्पादों के निर्माण का कौशल सिखाया जाता है। प्रशिक्षण के बाद, उद्यम युवाओं को वित्तीय संस्थानों से जोड़ रहा है और उन्हें माइक्रोइंटरप्राइसेस स्थापित करने में मदद कर रहा है।

6. ब्रीदिंग गार्डनिंग स्पेस प्रा. लिमिटेड हमारे घरों, कॉर्पोरेट कार्यालयों, निवासी कल्याण संघों (RWA) और सार्वजनिक स्थानों पर बागवानी की खुशियों को फिर से बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। यह सामाजिक उद्यम वह सब कुछ प्रदान करने में मदद करता है जो एक व्यक्ति को अपने वांछित स्थान पर एक अच्छा बगीचा प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। इसके काम में उद्यान, इस्टैब्लिशमेंट सेवाओं, रखरखाव, प्रशिक्षण आदि की योजना बनाना शामिल है। ग्राहक कई प्रकार की सेवाओं का चयन कर सकते हैं या जितने चाहें उतने। यह गृहिणियों, बागवानी और कुम्हार समुदाय, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से कार्य करता है।.

7. न्यूट्रास्युटिकल रिच ऑर्गेनिक इंडिया प्रा. लिमिटेड आदिवासी समुदाय से बाजरा सोर्सिंग पर ध्यान केंद्रित करता है और शहरी बाजार में बेचे जाने वाले प्राकृतिक स्वास्थ्य उत्पादों जैसे बिस्कुट, कुकीज और ब्रेकफास्ट सीरियलों की प्रोसेसिंग करता है। सामाजिक उद्यम एक दोतरफा प्रभाव पैदा कर रहा है, एक पारंपरिक बाजरा के उत्पादन को पुनर्जीवित करना ताकि किसान इससे लाभान्वित हो सकें और इसके साथ ही, बाजार में उपलब्ध मूल्यवर्धित उत्पादों को स्वस्थ उपभोग और जीवन शैली को बढ़ावा दे सकें।

8. द डस्ट एडू प्रा. लिमिटेड स्कूलों में पत्रकारिता करने की योजना है और स्कूली छात्रों और

कॉरपोरेट्स के बीच संचार कौशल को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

II. यंग चेंज मेकर अवार्ड्स 2019: छात्र समुदाय के भीतर एक उद्यमी मानसिकता को विकसित करने के लिए, केंद्र ने एक प्रभावशाली विचार के लिए 201 यंग चेंज मेकर-2019 'पुरस्कारों की पहचान करने के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की। यह कार्यक्रम एयूडी @ CITY 2019 के दौरान आयोजित किया गया था। पुरस्कार का उद्देश्य सामाजिक प्रभाव क्षेत्र में काम करने वाले विचारों-मंच / प्रारंभिक-चरण स्टार्टअप को पहचानना था। दिल्ली से पच्चीस प्रविष्टियों में से, दो छात्रों को यंग चेंजमेकर्स 2019' पुरस्कार से सम्मानित किया गया, साथ ही केंद्र से नकद पुरस्कार और सलाह का समर्थन भी किया गया। दो अन्य प्रभाव विचारों को समान रूप से सम्मानित किया गया।

III. सामाजिक स्टार्टअप नेतृत्व कार्यक्रम: केंद्र ने 15 अक्टूबर से 17 दिसंबर, 2018 तक अपने प्रमुख सोशल स्टार्टअप लीडरशिप प्रोग्राम (एसएसएलपी) को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम के छह प्रतिभागियों ने गहन कक्षा और क्षेत्र प्रशिक्षण और दो महीने की अवधि के लिए अपने विचारों को बिजनेस मॉडल में बदल दिया। इनमें से, केंद्र से ऊष्मायन और निवेश सहायता के लिए स्क्रीनिंग समिति द्वारा तीन उपक्रमों की सिफारिश की गई थी।

IV. सामाजिक त्वरक कार्यक्रम: केंद्र और स्टार्टअप ओएसिस ने संयुक्त रूप से 17 जून से 14 जुलाई, 2019 तक एक महीने के सामाजिक त्वरक कार्यक्रम का संचालन किया। पैंतीस में से कार्यक्रम के लिए आठ उपक्रमों को शॉर्टलिस्ट किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उनके व्यवसाय में और सुधार के लिए स्टार्टअप्स की मदद और पोषण करना था.

V. टीआईई दिल्ली द्वारा आयोजित वैश्विक आयोजनों से जुड़े: स्टार्टअप एक्सपो 3, टीआईई ग्लोबल समिट 2018 और हेल्थकेयर समिट 2019 जैसे सह-आयोजन कार्यक्रमों के लिए सहायक भागीदार के रूप में द इंडस एंटरप्रेन्योर - दिल्ली (टीआईई) से जुड़ा केंद्र।

VI. व्यवसाय योजना प्रतियोगिता और स्टार्टअप हंट: उद्यमशीलता और सामाजिक उद्यमों के निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए, केंद्र आंतरिक स्क्रीनिंग समिति को अपने विचारों में पिचों के लिए व्यक्तियों या स्टार्ट-अप्स से आवेदन आमंत्रित करता रहता है। इससे केंद्र को स्टार्ट-अप्स की सूची बनाने में भी मदद मिलती है, जिन्हें केंद्र में संभावित रूप से ऊष्मायन किया जा सकता है। उसी को प्राप्त करने के लिए, केंद्र ने व्यवसाय योजना प्रतियोगिता और स्टार्ट-अप हंट का आयोजन किया, जिससे एक स्टार्ट-अप या एक व्यक्ति को अपने विचारों को चुनिंदा पैनल में पेश करने का अवसर मिला।

VII. प्रभाव सप्ताह 2018: लुफ्थांसा समूह, जर्मनी अपने प्रभाव सप्ताह कार्यक्रम के माध्यम से नवाचार के लिए उपयोग की जाने वाली डिजाइन थिंकिंग पद्धति को बढ़ावा देता है। लुफ्थांसा ने पहली बार एशिया में यह कार्यक्रम किया और अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज (एसएससीबीएस) और दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल

Impact Week organized by the Centre

3.6. मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र

मनोचिकित्सा और नैदानिक अनुसंधान केंद्र (CPCR) की इस्टैब्लिशमेंट मनोविश्लेषणवादी नैदानिक अभिविन्यास पर की गई है, जो बेहोश पर विश्वास करता है, परिप्रेक्ष्य के निकट अनुभव में, मानसिक जटिलता के साथ संलग्न होने पर, रिश्तों की देखभाल करने और करुणा की खेती करने के लिए एक मूल्य है। यह उनकी सामाजिक-आर्थिक क्षमता के बावजूद, मनोवैज्ञानिक मदद की आवश्यकता के लिए देखभाल का विस्तार करता है। यह भारत और दक्षिण एशिया में नैदानिक अभ्यास और मनोचिकित्सा मनोचिकित्सा के प्रशिक्षण पर पुनर्विचार करने की इच्छा रखता है। केंद्र का लक्ष्य मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेशेवरों के साथ नेटवर्किंग का केंद्र बनना है और क्षेत्र में नीति को भी प्रभावित करता है। मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा, संस्कृति और मानस पर शोध, और उच्च शिक्षा में सहानुभूति और विषय की भूमिका इसकी गतिविधियों को सूचित करती है। मनोसामाजिक पीड़ा के साथ अपने जुड़ाव के माध्यम से,

केंद्र का उद्देश्य विश्वविद्यालय की दृष्टि को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देना है। केंद्र सामाजिक न्याय के लिए एक सक्रिय विचार है और मनोसामाजिक क्षेत्र में इसकी प्राप्ति के लिए समर्पित है।

केंद्र के उद्देश्य और उद्देश्य हैं :

- सभी के लिए गुणवत्ता मनोवैज्ञानिक सेवाएं प्रदान करने के लिए, एक मामूली शुल्क के साथ उनकी सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं के बावजूद।
- मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा में एक गहन एमफिल कार्यक्रम के माध्यम से मनोविश्लेषक मनोचिकित्सकों को एक स्थायी सामाजिक संवेदनशीलता के साथ प्रशिक्षित करना।
- अंतर-व्यक्तिपरक और पारस्परिक रूप से परिवर्तनकारी यात्रा के माध्यम से सामुदायिक संदर्भों में काम करना।
- मानसिक स्वास्थ्य और मनोचिकित्सा के क्षेत्र में ज्ञान का अनुसंधान, प्रकाशन और प्रसार करना।
- एक सतत सीखने और पेशेवर विकास मोड में मानसिक स्वास्थ्य और संबद्ध पेशेवरों के प्रशिक्षण के लिए एक केंद्र बनने के लिए.
- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में, विशेष रूप से मानविकी और सामाजिक विज्ञान में, विषय-वस्तु

की सराहना करने और प्राप्त करने के एक मॉडल को विकसित करना।

- भारत में मनोविश्लेषणवादी मनोचिकित्सकों का संघ बनाना।
- भारतीय संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पर नीति को सूचित करना।
- पेशेवर नेटवर्किंग के लिए मंच बनाना और भारतीय और वैश्विक संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण चिंताओं में भाग लेना।
- मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में मानवतावाद और करुणा की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए और पेशेवर अभ्यास के मॉडल विकसित करना जो स्वास्थ्य देखभाल, विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में बढ़ते उपभोक्तावाद का प्रतिकार करते हैं.।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2018-19 में, निम्नलिखित गतिविधियां की गईं:

सहभागिताएं

केंद्र को अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर द्वारा उनके परामर्श केंद्र की क्षमता और कौशल को बढ़ाने में मदद करने के लिए संपर्क किया गया था - माइंडस्पेस। माइंडस्पेस के दो सदस्यों ने एक इंटरैक्टिव सत्र के लिए केंद्र का दौरा किया, जिसने 20 फरवरी 2019 को इस क्षेत्र में सीपीसीआर के अनुभव और विशेषज्ञता से सीखने के इरादे से एक विश्वविद्यालय सेटिंग में मनोचिकित्सकीय सेवाओं से संबंधित विषयों की एक श्रृंखला को फैलाया।

एहसास- मनोचिकित्सा और परामर्श क्लिनिक

विश्वविद्यालय में एहसा क्लिनिक मनोविश्लेषण मनोचिकित्सा के लिए प्रशिक्षण, शिक्षण और अभ्यास स्थल के रूप में कार्य कर रहा है जो एक बार नैदानिक और चरित्र में गहराई से और सामाजिक रूप से अनुप्रमाणित है। विश्वविद्यालय की दृष्टि और सामाजिक न्याय और गुणवत्ता के दृष्टिकोण के लिए सही, एहसा सभी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को मनोवैज्ञानिक स्थितियों के विविध रूपों को प्रस्तुत करने के लिए मुफ्त और विसंगति-शुल्क पर परामर्श और मनोचिकित्सा प्रदान करता है।

सोचा और अभ्यास के इन सिद्धांतों के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता एमफिल छात्रों को उन क्षमताओं में प्रशिक्षित करने का प्रयास करती है जो नियमित पर्यवेक्षण और सलाह के माध्यम से चिंतनशील नैदानिक प्रथाओं को सक्षम करते हैं।

वर्ष 2018 में, मार्च 2019 तक, एहसे क्लिनिक को कश्मीरी गेट और करमपुरा परिसरों में विभिन्न

मुद्दों के बारे में मनोवैज्ञानिक सहायता के लिए 300 से अधिक व्यक्तियों द्वारा संपर्क किया गया था।

70% आवेदन महिलाओं से, और 30% पुरुषों से प्राप्त हुए थे। कुछ आवेदन लिंग-पंक्ति वाले व्यक्तियों से भी प्राप्त हुए थे।

उन मुद्दों की प्रकृति, जिनके साथ आवेदकों ने एहसा से संपर्क किया, मनोवैज्ञानिक कठिनाइयों की एक सीमा होती है। अवसाद के लक्षण और चिंता से संबंधित मुद्दों को सबसे अधिक अनुभव किया गया था। बहुत से लोगों ने घबराहट, बाध्यकारी सोच, असहमति की स्थिति, नींद के मुद्दों और आत्मघाती विचारों से भी राहत मांगी। अन्य आमतौर पर देखे जाने वाले मुद्दों को शिक्षाविदों और जीवन स्थितियों, रिश्ते की कठिनाइयों, शरीर की छवि के मुद्दों, मनोदशा में उतार-चढ़ाव, यौन अभिविन्यास के आसपास के मुद्दों और क्रोध के प्रकोप के साथ सामना करने में कठिनाई हुई. एहसा उन लोगों के साथ भी काम कर रहा है, जो बचपन की दुर्व्यवहार, यौन शोषण, बलात्कार, पुरानी बीमारी, हाल ही में महत्वपूर्ण लोगों की मृत्यु आदि जैसे दर्दनाक स्थितियों का सामना कर चुके हैं।

भावनात्मक गड़बड़ी और मनोवैज्ञानिक कठिनाइयों की सीमा को पूरा करने के लिए, एहसास क्लिनिक प्रत्येक आवेदक की अद्वितीय आवश्यकता के आधार पर संकट हस्तक्षेप चिकित्सा, अल्पकालिक चिकित्सा और दीर्घकालिक चिकित्सा प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। इसके अलावा, एहसा टीम कई रोगियों को लंबे समय से मनोवैज्ञानिक देखभाल प्रदान कर रही है जो पिछले वर्षों में महत्वपूर्ण मुद्दों के साथ एहसा में आए थे। सामाजिक परिवर्तन की क्षमता का दोहन करने के रचनात्मक प्रयास के माध्यम से भी जब हम किसी व्यक्ति में संकट को संबोधित करते हैं, तो एहसा सामूहिक भलाई की ओर सामाजिक ताने-बाने के परिवर्तन में एक स्थायी योगदान देता है।

निम्न तालिका प्राप्त आवेदनों और उनकी स्थिति का विवरण प्रदान करती है:

2018-19 में एहसास एप्लिकेशन पर जानकारी*	
पूछताछ की संख्या	300
प्राप्त आवेदनों की संख्या	210
इलाज कराने वालों की संख्या	125
वर्तमान में मनोचिकित्सा की मांग करने वाले व्यक्तियों की संख्या सक्रिय है	90
सफल समाप्ति की संख्या	20-25
विश्वविद्यालय के बाहर संदर्भित लोगों की संख्या	50-60
प्रतीक्षा सूची में लोगों की संख्या	30
आवेदकों की संख्या जो विश्वविद्यालय के छात्र / कर्मचारी / पूर्व छात्र हैं	110

* संख्या लगभग अनुमानित डेटा का संकेत है जो उपलब्ध जानकारी पर आधारित है

सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य

कुछ सीमांत समुदायों के मनो-सामाजिक और भावनात्मक जीवन के साथ जुड़ने के निरंतर प्रयास में, केंद्र ने 2018 - 2019 में दिल्ली के विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोग किया। संकाय सदस्यों की निगरानी के साथ-साथ एमफिल साइकोएनालिटिक मनोचिकित्सा कार्यक्रम के प्रशिक्षुओं ने कई समुदायों के साथ मिलकर काम किया है। अंतिम वर्ष में एक ऐसा मंच बनाने का प्रयास किया गया है जहाँ आंतरिक अनुभवों और भावनाओं तक पहुँचा जा सके और आवाज़ दी जा सके. इनमें से कुछ संस्थान हैं ख़ुशी होम फॉर गर्ल्स, किलकारी होम फॉर गर्ल्स, सलाम बालक ट्रस्ट- होम फॉर गर्ल्स, उम्मेद अमन घर- बॉयज़ फॉर डॉन, डॉन बॉस्को फाउंडेशन और माइंड-पाइपर। महत्वपूर्ण आख्यानों का दस्तावेजीकरण किया जा रहा है और अनुसंधान के उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण विषयों का पता लगाया जा रहा है।

भोगल, नई दिल्ली में डॉन बॉस्को फाउंडेशन आप्रवासियों के पुनर्वास के लिए एक साइट है। उनके पास शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और मानसिक स्वास्थ्य के लिए विभिन्न कार्यक्रम हैं। उनके पास मनोवैज्ञानिकों, कैसवर्कर्स और एक आने वाले मनोचिकित्सक की एक टीम भी है। हमारे एमफिल प्रशिक्षु अपने प्रयासों में मनोसामाजिक टीम की सहायता और समर्थन कर रहे हैं। वे बच्चों और वयस्कों सहित विभिन्न आयु समूहों के अफगानी और बर्मी शरणार्थियों जैसे आबादी के साथ काम कर रहे हैं।

ख़ुशी इंद्रधनुष गृह और किलकारी इंद्रधनुष गृह, वृद्ध बेघर लड़कियों के लिए आश्रय स्थल

5-18 साल, 2008 में स्थापित किए गए थे। ये घर कई लड़कियों को आश्रय प्रदान करते हैं और उन लड़कियों को शरण देते हैं, जिन्हें बाल संरक्षण एजेंसियों द्वारा अपमानजनक घरेलू श्रम में लिप्त होने, उनके घरों से खोए या छोड़ दिए जाने, अपहरण या सेक्स-वर्क के लिए बेच दिया जाता है, और वे बच्चे जो धमकी भरे और अपमानजनक वातावरण से भाग गए हैं। पिछले वर्ष में, काम अनिवार्य रूप से लड़कियों के साथ अपने जीवन की भावना को प्राप्त करने और मुख्यधारा के समाज के साथ पुन: एकीकरण के प्रयास में एक चिकित्सीय संबंध बनाने के बारे में है। इसके अतिरिक्त, मनोचिकित्सा प्रशिक्षु लड़कियों के लिए खुद को ट्यूटर के रूप में और अपने वार्षिक प्रकाशन के लिए संपादकीय कार्य में कर्मचारियों की मदद करने के लिए उपलब्ध कराते हैं - समुदाय के सभी सदस्यों द्वारा बनाई गई एक पत्रिका।

मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा में एमफिल

केंद्र ने मानव अध्ययन स्कूल(एसएचएस) के साथ मनोचिकित्सा में एमफिल में सक्रिय रूप से सहयोग किया है जो मनोचिकित्सा में कठोर प्रशिक्षण प्रदान करने वाला एक 100 क्रेडिट 3-वर्षीय कार्यक्रम है। कार्यक्रम का विवरण इस रिपोर्ट में SHS पर अनुभाग में प्रदान किया गया है।

मानसिक स्वास्थ्य की वकालत

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में, सरकार को आग्रह करने के लिए केंद्र ने पेशेवर क्षेत्र में महत्वपूर्ण हितधारकों के साथ संपर्क जारी रखा:

i. एक मनोवैज्ञानिक परिषद की इस्टैब्लिशमेंट करें जो मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों और परामर्शदाताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता को विनियमित करेगी और उन्हें पेशेवर मान्यता प्रदान करेगी।

ii. मनोविश्लेषक मनोचिकित्सकों के लिए पेशेवर दृश्यता बनाएं और उनकी निरंतर शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए अवसर प्रदान करें।

प्रस्तुतीकरण

एशिस रॉय ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, काउंटरड्रीमिंग: इंडिया-ऑस्ट्रेलिया-इजरायल बियानुअल कॉन्फ्रेंस, विवादास्पद विघटित सभाओं को इकट्ठा करते हुए, मनोचिकित्सा चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र, मुंबई में, 13 सितंबर 2018।

सीपीसीआर और एसएचएस दोनों का प्रतिनिधित्व करने वाले अन्य संकाय सदस्यों द्वारा सम्मेलन की प्रस्तुतियों को मानव अध्ययन स्कूल के तहत सूचीबद्ध किया गया है।

घटनाक्रम / गतिविधियां

मानसिक स्वास्थ्य दिवस- आवाज 2018: विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, केंद्र और मानव अध्ययन स्कूल ने संयुक्त रूप से एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जो 'डिजिटल हेल्थ एंड टेक्नोलॉजी: सेल्फ, आइडेंटिटी एंड हीलिंग ऑन अ डिजिटल 26 अक्टूबर 2018, कश्मीरी गेट कैंपस में।

है। मानसिक स्वास्थ्य दिवस को सहभागी गतिविधियों, चर्चा और प्रक्रियाओं जैसे पैनल चर्चा, फिल्म स्क्रीनिंग, फोटो प्रदर्शनी, ओपन माइक सत्र, रचनात्मक कला कोने, फोकस समूह चर्चा और नाटकीय

सड़क प्रदर्शन के माध्यम से मनाया गया। जागरूकता बनाने और मानव मानस के परिवर्तनशील आकृति पर असर के साथ महत्वपूर्ण चिंताओं को संबोधित करने के उद्देश्य से मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में डिजिटल परिवर्तनों के विषय पर केंद्रित सभी घटनाएं / गतिविधियां हमारे जीवन के विस्तार वाले डिजिटलीकरण के साथ जुड़ी हुई हैं।

एलन रोलैंड, मनोविश्लेषक, नेशनल साइकोलॉजिकल एसोसिएशन फॉर साइकोएनालिसिस, ने 8 अगस्त 2018 को क्लिनिक और संस्कृति पर बात की।

12 अक्टूबर, 2018 को कतार की आबादी के साथ काम करते हुए, उज्जैनी ने एक चर्चा की।

एशिस रॉय को टेलीविजन पर इंडिया टुडे टीवी ने एक डॉक्यूमेंट्री, ए थ्योरी ऑफ माइंड: कन्वर्सेशन इन दि मेंटल हेल्थ, 5 जनवरी 2019 को इंटरव्यू दिया था।

3.7. प्रकाशन केंद्र

प्रकाशन केंद्र (CfP) को 2013 में दो-गुना उद्देश्य के साथ लॉन्च किया गया था: प्रकाशन गतिविधियों में संलग्न करने और प्रकाशन में अकादमिक कार्यक्रमों की पेशकश करने के लिए. 2017 में केंद्र की इस्टैब्लिशमेंट के प्रस्ताव को अकादमिक परिषद द्वारा औपचारिक रूप से अनुमोदित किया गया था।

एयूडी प्रेस

अपनी प्रकाशन गतिविधियों (एयूडी प्रेस के नाम पर) के माध्यम से, प्रकाशन का केंद्र ज्ञान के प्रसार में संलग्न होने की उम्मीद करता है, काम का एक निकाय उत्पन्न करने के लिए जो न केवल विद्वानों और शोधकर्ताओं के लिए बल्कि बड़े पैमाने पर समाज के लिए और हमारे छात्रों के लिए महत्वपूर्ण करियर रास्ते की एक श्रृंखला खोलें।

इस वर्ष पुस्तक, कन्वर्सेशन विद अंबेडकर, अंबेडकर मेमोरियल लेक्चर्स की पहली श्रृंखला का एक संग्रह, जिसे वेलेरियन रोड्रिग्स द्वारा संपादित किया गया था, को फरवरी 2019 में सह-प्रकाशक के रूप में तूलिका प्रेस के साथ प्रकाशित किया गया था।

14 अप्रैल 2019 को अंबेडकर मेमोरियल लेक्चर में अंबेडकर के साथ बातचीत, पुस्तक लॉन्च की गई. साइमन फ्रेजर यूनिवर्सिटी, कनाडा में मार्च 2019 में एडिटर वेलेरियन रोड्रिग्स द्वारा लॉन्च किया गया।

व्याख्यान / उपलब्धियां

सजेश कुमार सी. ने इग्नू, दिल्ली, फरवरी 2019 से बौद्धिक संपदा अधिकार (PGDIPR) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूरा किया।

—— भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा अक्टूबर 2018 से दिसंबर 2018 तक संचालित पांडुलिपियों और पुस्तकों की देखभाल और संरक्षण में सर्टिफिकेट कोर्स।

—— रिसर्च एंड राइटिंग, एथिक्स इन पब्लिशिंग, साहित्यिक चोरी, कॉपीराइट, रेफरेंसिंग स्टाइल्स टू पीएचडी विद्वानों के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड पब्लिक पॉलिसी एंड एंटरप्रेन्योरशिप, अक्टूबर 2018 पर आठ सत्र आयोजित किए।

3.8. शोध प्रणाली केंद्र

शोध प्रणाली केंद्र (सीआरएम) की इस्टैब्लिशमेंट 2010 में विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र केंद्र के रूप में की गई थी जिसमें सामाजिक विज्ञान अनुसंधान विधियों में उभरते रुझानों पर प्रतिक्रिया देने और शोध में विभिन्न सामाजिक विज्ञान विषयों में संवाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ छात्रों को समर्थन देने के लिए एक स्वतंत्र केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था। यह क्षेत्र। केंद्र सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान, बुनियादी अनुसंधान कौशल और अनुसंधान डेटा के विश्लेषण के लिए अलग-अलग सॉफ़्टवेयर के उपयोग सहित कार्यशालाओं और वार्ता सहित शैक्षणिक गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित करता रहा है।

सहभागिताएं

केंद्र ने निम्नलिखित संस्थानों के साथ सहयोग किया है :

1. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
2. शिक्षा विभाग, दिल्ली के एनसीटी सरकार
3. अच्युत मेनन सेंटर फॉर हेल्थ साइंस स्टडीज, श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, त्रिवेंद्रम, केरल।
4. पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क, दिल्ली
5. केईएम अस्पताल अनुसंधान केंद्र, पुणे
6. जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, दिल्ली
7. विश्वविद्यालय में अन्य स्कूल और केंद्र।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

नक्कीरन, एन. 'एराइज-हब' के सलाहकार समूह का सदस्य हैं, इस परियोजना के लिए एक बहु-देश संघ है, शहरी कमजोरियों: अनौपचारिक शहरी इक्विटी (ARISE) के लिए जवाबदेही से प्रतिबिंब।

व्याख्यान / उपलब्धियां

22 मार्च 2019 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली और एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अनुसंधान विद्वानों के लिए दस

दिवसीय नृवंशविज्ञान कार्यशाला में नक्कीरन, एन. ने नृवंशविज्ञान क्षेत्र डेटा का विश्लेषण करने के लिए कंप्यूटर का उपयोग करते हुए एक व्याख्यान दिया।

—— सामाजिक चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 28 फरवरी 2019 को केंद्र में महिलाओं के स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए एक व्याख्यान, गुणात्मक तरीके.

—— प्रमुख संसाधन व्यक्ति, सुविधा, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोच्चि, 6-8 फरवरी 2019 को तीन दिवसीय कार्यशाला, गुणात्मक शोध पद्धति।

घटनाक्रम / गतिविधियां

केंद्र ने विश्वविद्यालय के अन्य संकायों, दो एक दिवसीय कार्यशालाओं, अकादमिक लेखन, विश्वविद्यालय के परास्नातक छात्रों और अनुसंधान विद्वानों के लिए 2 और 9 फरवरी 2019 को संयुक्त रूप से आयोजित किया।

3.9. शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीय केंद्र

शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीय केंद्र (सीयूईएस) की इस्टैब्लिशमेंट स्थायी शहरों के निर्माण की दिशा में काम करने और वर्तमान और भावी पीढ़ियों को लाभ पहुंचाने के लिए शहरी स्थानों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए की गई थी। केंद्र एक केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करता है जहां वैज्ञानिक, स्थानीय, सरकारी एजेंसियां और निजी सलाहकार शहरों में स्थायी पर्यावरणीय परियोजनाओं की योजना, कार्यान्वयन और मूल्यांकन में जुटते हैं और भाग लेते हैं। केंद्र कॉमन इंटरेस्ट के क्षेत्रों में विश्वविद्यालय के स्कूलों और अन्य केंद्रों के साथ सहयोग करता है और छात्रों को व्यस्त छात्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए अवसर प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के भीतर शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ संबंध बनाता है। केंद्र का प्रबंधन एक निदेशक द्वारा किया जाता है, जो कुलपति की अध्यक्षता में विधिवत गठित सलाहकार बोर्ड के मार्गदर्शन में होता है।

केंद्र तीन व्यापक कार्यक्रमों के तहत शहरी पारिस्थितिकी के क्षेत्र में अनुसंधान करता है: वेटलैंड्स कार्यक्रम, पार्क और वन कार्यक्रम, और शहरी स्थिरता कार्यक्रम। केंद्र के वेटलैंड्स कार्यक्रम शहरी पारिस्थितिक क्षेत्रों पर अपने पारिस्थितिक चरित्र को बढ़ाने और उनकी दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सक्रिय रूप से कार्रवाई करते हैं। केंद्र के पार्क और वन कार्यक्रम का उद्देश्य शहरी पार्कों / वनों के अनुसंधान को अपने भविष्य की चिंताओं को समझने के प्रयास में करना है। शहरी स्थिरता कार्यक्रम का मुख्य ध्यान स्थायी शहरों के बारे में जागरूकता फैलाना और शहरी समाजों में स्थायी मूल्यों को बढ़ावा देना है।

सहभागिताएं

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए): धीरपुर वेटलैंड्स की केंद्र की पहली और सबसे प्रतिष्ठित परियोजना- डीडीए और विश्वविद्यालय के बीच प्रबंधन समझौते के अनुसार धीरपुर वेटलैंड्स के एक हिस्से को पारिस्थितिक रूप से बहाल करने की परिकल्पना की गई है। जबकि भूमि का स्वामित्व डीडीए के पास है, विश्वविद्यालय आर्द्रभूमि की बहाली और रखरखाव के साथ लगा हुआ है। डीडीए ने परियोजना शुरू करने में मदद के लिए सीमित वित्तीय सहायता का भी वादा किया है।

अनुसंधान परियोजनाएं

धीरपुर वेटलैंड बहाली परियोजना: परियोजना की बहाली, पुनर्स्थापना विज्ञान की अच्छी तरह से स्थापित रूपरेखाओं का उपयोग करते हुए, डीडीए और विश्वविद्यालय के बीच समझौते के अनुसार, धीरपुर में आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए 25.38 हेक्टेयर भूमि की पांच साल की अवधि में पारिस्थितिक

रूप से बहाल करने की परिकल्पना है। स्थानीय समुदाय को जल विज्ञान, विनियामक, सांस्कृतिक और सौंदर्य लाभ प्रदान करने के अपने प्रयास में, केंद्र धीरपुर स्थल पर सक्रिय रूप से हस्तक्षेप कर रहा है। स्थानीय लोगों, छात्रों और संकाय से जुड़े बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण ड्राइव के अलावा, वेटलैंड एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में सेवा कर रहा है, जहां दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों के स्नातक और स्नातक छात्र व्यवहार में अपमानित आर्द्रभूमि की पारिस्थितिक बहाली को समझने और अनुभव करने के लिए जाते हैं। वैज्ञानिक और समय पर हस्तक्षेप से भी आर्द्रभूमि की जैव विविधता में धीरे-धीरे वृद्धि हुई है। वेटलैंड पक्षियों, उभयचर, सरीसृप, कीड़े और छोटे स्तनधारियों के लिए निवास स्थान प्रदान करता है।

प्रस्तुतियां

एस यादव ने एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, त्सो कार बेसिन में कार्बन और नाइट्रोजन पूल का वितरण: मानव बस्तियों और पर्यटक शिविरों के लिए निकटता का पता लगाना, सम्मेलन में, मानव-विज्ञान स्कूल द्वारा, अंबेडकर नगर, 14 फरवरी, 2019 को आयोजित एन्टैंगल्ड एनक्लोजर।

घटनाक्रम / गतिविधियां

1. नेचर वॉक एंड प्लांटेशन ड्राइव 2018: शिव नादर विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ-साथ विश्वविद्यालय के छात्रों और संकायों ने 8 सितंबर 2018 को केंद्र द्वारा धीरपुर वेटलैंड पार्क (DWP) में आयोजित नेचर वॉक एंड प्लांटेशन ड्राइव 2018 कार्यक्रम में भाग लिया।
2. रोहित नेगी के नेतृत्व में शहरी अध्ययन के छात्रों ने धीरपुर वेटलैंड परियोजना स्थल का दौरा किया और केंद्र के शोधकर्ताओं के साथ बातचीत की।
3. केंद्र ने अपने पाठ्यक्रम पारिस्थितिकी, पर्यावरण और विकास (मार्च 2019) के क्षेत्र-आधारित सीखने के एक हिस्से के रूप में दिल्ली रिज के संजय वन के पैच के स्कूल ऑफ डिज़ाइन के छात्रों की यात्रा का समन्वय किया।
4. केंद्र ने पर्यावरण संबंधी परियोजनाओं (2018-19) को शुरू करने के लिए धीरपुर बहाली स्थल पर स्नातक अध्ययन के छात्रों की यात्रा का समन्वय किया।
5. केंद्र ने अंतिम वर्ष जूलॉजी के 50 छात्रों और दयाल सिंह कॉलेज के पांच संकायों और अंतिम वर्ष के जूलॉजी (सम्मान) के 80 छात्रों और रामजस कॉलेज, दिल्ली से दस

संकायों और 15 सितंबर 2019 और 6 अक्टूबर 2018 को धीरपुर वेटलैंड प्रोजेक्ट साइट की यात्रा का समन्वय किया।

6. कैंपस बर्ड काउंट 2019: केंद्र ने यूनिवर्सिटी के परिसरों में कैम्पस बर्ड काउंट (CBC) 2019 का आयोजन किया - कश्मीरी गेट, करमपुरा, लोधी रोड, धीरपुर और रोहिणी में 15, 16 और 18 फरवरी 2019 को।

   अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के सभी पाँच परिसरों में 42 पक्षी प्रजातियों को दर्ज किया गया। पक्षियों के जैविक डेटा को e-Bird पर अपलोड किया गया था - पक्षियों के अवलोकन एकत्र करने के लिए एक वैश्विक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म, और बर्डर्स के लिए अपने व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए.

7. 'एनटैंगल्ड नैचर्स 2019 : सम्मेलन के आयोजन में मानव पारिस्थितिकी स्कूल के साथ केंद्र ने निम्नलिखित तरीके से 'एनटैंगल्ड नैचर्स 2019 में सहयोग किया :

   i. सुरेश बाबू ने 14-17 फरवरी 2019 के सम्मेलन को समन्वित और सुगम बनाया।

   ii. अजय इमैनुअल गोंजी, सोनाली चौहान और विजयलक्ष्मी सुमन ने 14-15 फरवरी 2019 को अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली में मानव पारिस्थितिकी स्कूल द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेंस एनगेंस्ड नवर्स 2019 में एक विषयगत पैनल, नेचर एंड द सिटी का आयोजन किया।

फील्ड का दौरा

फरवरी 2019 के महीने में मानव पारिस्थितिकी स्कूल द्वारा आयोजित 'एनटैंगल्ड नैचर्स 2019' अकादमिक सम्मेलन के प्रतिभागियों के लिए केंद्र ने एक फील्ड ट्रिप का आयोजन किया। प्रतिभागियों को धीरपुर वेटलैंड प्रोजेक्ट से डॉ. सुरेश बाबू, निदेशक CUES द्वारा अवगत कराया गया, जिसके बाद बर्ड वॉचिंग और नेचर वॉक के एक सेशन के बाद। क्षेत्र की यात्रा सम्मेलन में भाग लेने वालों और सीयूईएस परियोजना के कर्मचारियों के बीच चाय पर बातचीत के साथ समाप्त हुई.

Hon'ble Vice Chancellor Prof. Anu Singh Lather and Dr. Suresh Babu discussing Dheerpur Wetland Restoration project progress along the years at Dheerpur Wetland Restoration Project Site

4. प्रकाशन

व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता स्कूल

अनिल, के. (2019)। सामाजिक विज्ञानों में शिक्षण नवाचार और उभरती हुई प्रवृत्ति: उच्च शिक्षा में आगे बढ़ने का रास्ता। भलाई के लिए सीखने और प्रयोग की संस्कृति में। भारत: ब्लूम्सबरी।

—— (2019)। भारत में डिजिटल वित्तीय समावेशन: स्थिरता की राह। एस. गिरी, पी. कौल, पी. मित्रा और एस. चट्टोपाध्याय (ईडीएस) में, सतत विकास एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य (5-14)। नई दिल्ली: स्पीकिंग टाइगर पब्लिकेशन प्रा. लिमिटेड

—— (2018)। डि-ग्लोबलाइजेशन, और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ब्रेक्सिट का प्रभाव और सार्क देश। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में बिजनेस एथिक्स के इंटरनेशनल जर्नल, 7 (1), 32-40.

—— और बंसल, जे. (2018)। भारत में बैंक एश्योरेंस मॉडल में मुद्दों और रुझानों पर गुणात्मक शोध: एक साक्षात्कार रिपोर्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बैंकिंग रिस्क एंड इंश्योरेंस, 6 (2), 67-78.

—— (2018)। ईएसएएफ माइक्रोफाइनेंस: वित्तीय समावेशन के माध्यम से सतत विकास का मार्ग चलना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन इंजीनियरिंग, आईटी एंड सोशल साइंसेज, 8 (2), 131-147.

बहल, एस., और दवे, के. (2018)। लक्जरी वस्त्र और सामान के प्रति उपभोक्ताओं की मूल्य धारणा: दिल्ली / एनसीआर क्षेत्र में एक अध्ययन। आईएसओआर जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, 20 (5), 31-39।

—— और बहल, एस. (2018)। लक्जरी वस्त्र और सामान के प्रति दृष्टिकोण: दिल्ली / एनसीआर में युवा और मध्यम आयु वर्ग के उपभोक्ताओं का एक अध्ययन। द इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स, 71 (1), 38-51।

—— और अय्यर, वी.एम. (2018)। रोजगार की क्षमता को ताला खोलने: रोजगार के मूल्य में वृद्धि। एपीजे बिजनेस रिव्यू 17 (2), 16-25.

वेलेंटीना, के. (2018, 10 जून)। दक्षिणा पहूंचा सम्मान की हत्या का ज़ेहर। आउटलुक (हिंदी), पेज नंबर।

—— (2018, 30 जुलाई)। हमारा पाने की ख्वाहिश। आउटलुक (हिंदी), पेज नंबर।

सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति स्कूल

विश्वास, बी. (2018)। प्लैटफॉर्म: बैडंगडुप्पा के काम का ऐतिहासिककरण। एन. बरुहा (ईडी), सुकृतिराज राभा: जत्रा अरु माता (134-38) में। गोलपारा, असम: बदुंगडुप्पा प्रकाशन (असमिया में)।

—— (2018)। [अनुवाद] शिवप्रकाश, एच.एस. (2018)। मस्तकाभिषेक: एक रिहर्सल, 28 (ऑटम), 79-100, कोलकाता।

दुग्गल, वी. (2018)। फार्माकैश के माध्यम से ध्वनि की कल्पना: उत्तर भारत में रेडियो और अनुरोध-पोस्टकार्ड, सी. 1955-1975. बायस्कोप: साउथ एशियन स्क्रीन स्टडीज, 9 (1), 1-23.

—— (2019)। बॉलीवुड। जे. स्टर्मन (ईडी) में, द सेज इंटरनेशनल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ म्यूज़िक एंड कल्चर (378-381)। थाउज़ेंड ओक्स: सेज पब्लिकेशन।

—— (2019)। फिल्म संगीत। जे. स्टर्मन (एड।), द सेज इंटरनेशनल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ म्यूज़िक एंड कल्चर (925–927)। थाउज़ेंड ओक्स: सेज पब्लिकेशन।

कात्याल, ए. (2019)। सिंधु कितने देशों को पार करती है। नई दिल्ली और न्यूयॉर्क: द ग्रेट इंडियन पोएट्री कलेक्टिव।

—— (2018)। एक शहर प्रेम में होता है, रवीश कुमार के हिंदी इश्क में शाहर से अनुवाद, नई दिल्ली: स्पीकिंग टाइगर।

—— (2018, सितंबर)। [कविता]। लेकिन आपकी देखभाल कौन करेगा। एस रॉय (एड।) में, कविता संगम पर। से लिया गया: http://poetry.sangamhouse.org/2018/09/by-akhil-katyal/

—— (2019, 6 फरवरी)। [कविता]। कश्मीर (और उससे आगे) की इन कविताओं में राजनीति, इतिहास और स्मृति विलीन हो जाती है: अखिल कत्याल के कितने ही देशों की छह कविताएँ सिंधु पार करती हैं। Scroll.in। से लिया गया: https://scroll.in/article/911994/politics-history-and-memory-merge-in-these-poems-on-kashmir-and-beyond।

—— (2019, जनवरी)। अखिल कात्याल के साथ एक साक्षात्कार। व्यक्तिगत साक्षात्कार। लिहाफ: ए क्वीर साउथ एशियन जर्नल। से लिया गया: http://lihaafjournal.com/post/182105243958/akhil-katyal-is-a-poet-translator-and-creative

—— (2018)। [कविता]। चिकनकरी: बहोरन टोला, चौक, लखनऊ; मूसा बाग: उत्तर पश्चिम लखनऊ, शीतकालीन 2017; और, मेरे दादाजी. ए. एन. देव (एडा) में, लापीस लाजुली: एन इंटरनेशनल लिटरेरी जर्नल, 8 (1), 2-7।

—— (2018, 18 जुलाई)। [कविता]। जब शम्मी कपूर हिमपात और ज़ेनो के विरोधाभास पर ब्रेक-अप करने के लिए स्लाइड करते हैं। ए. राजेंद्रन (एडा), द बॉम्बे लिटरेरी मैगज़ीन, मुंबई में।

—— (2019, 6 जनवरी)। [कविता]। उसके घर के उत्तर में तीन नदियाँ। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 30 दिसंबर)। [कविता]। 2002 में। टाइम्स ऑफ इंडिया।

—— (2018, 28 दिसंबर)। [कविता]। केवल मेरी कविताओं में। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (29 दिसंबर 2018)। [कविता]। लोगों का वर्णन (Ek samuh ka vivran)। लाउंज मूल: अखिल कत्याल द्वारा ज्योति पांडे के लिए एक कविता। LiveMint से लिया गया: https://www.livemint.com/Leisure/6lScHUXn03Z5wolciUXlCN/Lounge-Original-A-Poem-for-Jyoti-Pandey-by-Akhil-Katyal.html

—— (2018, 9 दिसंबर)। [कविता]। रामलीला मैदान में। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 25 नवंबर)। [कविता]। उनका जन्म 1948 में हुआ था, इसलिए उन्होंने द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 18 नवंबर)। [कविता]। जब फरीदा खानम। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 11 नवंबर)। [कविता]। जब शम्मी कपूर बर्फ से फिसले। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2019, 15 मार्च)। [कविता]। दुख की बात है, जब शम्मी कपूर ने बर्फ को नीचे गिराया, एक कविता में एक बहुत ही शानदार चीज है, द हिंदू बिजनेस लाइन।

—— (2018, 4 नवंबर)। [कविता]। हमनाम। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 28 अक्टूबर)। [कविता]। अविश्वसनीय भारत जम्मू और कश्मीर पर्यटन वीडियो। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 21 अक्टूबर)। [कविता]। इलाहाबाद से पहले। द टाइम्स इंडिया।

—— (2018, 14 अक्टूबर)। [कविता]। इन जैसे दिनों पर। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 7 अक्टूबर)। [कविता]। दु: ख। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 23 सितंबर)। [कविता]। ब्रेक-अप के लिए ज़ेनो का विरोधाभास। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2019)। [कविता]। दु: ख। सी. जोन्स और एस. लेन (एड्स) में, कविता, स्प्रिंग क्वार्टरली एडिशन 2019। कैम्ब्रिज मैसाचुसेट्स: लेस्ली यूनिवर्सिटी, विटर बीनर फाउंडेशन फॉर पोएट्री और द मैसाचुसेट्स कल्चरल काउंसिल।

—— (2018, 16 सितंबर)। [कविता]। लेकिन आपकी देखभाल कौन करेगा। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 9 सितंबर)। [कविता]। बहोरन टोला, चौक, लखनऊ। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 2 सितंबर)। [कविता]। एक दिन, जब वह था। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 13 सितंबर)। [कविता]। दिलरुबा: एक ग़ज़ल, और, मैं आपसे फिर मिलूंगा [अमृता प्रीतम के पंजाबी मुख्य तेनु फिर मिलंगी से अनुवाद]। पहला पद।

—— (2018, 26 अगस्त)। [कविता]। लड़की, जब तुम। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 19 अगस्त)। [कविता]। [वरुण टाइप कर रहा है]। द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया।

—— (2018, 12 अगस्त)। [कविता]। देहरादून, 1990. टाइम्स ऑफ इंडिया।

—— (2019, जनवरी)। [कविता]। नए आदमियों से मिलना। लिहाफ: ए क्वीर साउथ एशियन जर्नल।

—— (2019, जनवरी)। [कविता]। एक दिन, जब वह था। लिहाफ: ए क्वीर साउथ एशियन जर्नल।

—— (2018, 15 अप्रैल)। दिल्ली मुक्ति के अपने क्षणों में सक्षम है: अखिल कात्याल एक क्वीर कवि होने के नाते और राजधानी के प्रति उनका अटूट प्रेम। इशिता सेनगुप्ता के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार द इंडियन एक्सप्रेस।

—— (2018, 18 जून)। एक दक्षिण एशियाई क्वीर कविता एंथोलॉजी समुदाय की रोजमर्रा की वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व करना चाहती है। नेहल कृपाल के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार पहिला पद।

—— (2018, 4 अगस्त)। सैनिक संघर्ष की इस किताब में कहा गया है कि किस तरह से सैन्य संघर्ष ने कश्मीर को नुकसान पहुंचाया है। [पुस्तक की समीक्षा F. Rather द्वारा टूटी ग्लास की पुस्तक की समीक्षा करें] Scroll.in।

—— (2018, 30 जून)। ब्लिस्टरिंग और अनपॉलगेटिक: इस शक्तिशाली संग्रह की कविताएं निश्चित रूप से क्रोध के साथ धड़कती हैं। [पुस्तक की समीक्षा 100 कविताएँ विभिन्न द्वारा, पर्याप्त नहीं हैं] स्क्रॉल.इन।

कृष्णन, आर. (2018, 18 नवंबर)। अभी और जारी। सिन्टॉक [ऑडियो पॉडकास्ट]। से लिया गया: https://syntalk.wordpress.com/episodes/turn-five/tsam/

—— (2019)। सिनेमा कलायवथु इप्पोथु? (सिनेमा कब कला बन जाता है?)। उमयमी प्रकाशन। चेन्नई.

—— (2018, 21 दिसंबर)। पटेल की प्रतिमा और इतिहास का स्तंभ। सीमावर्ती।

—— (2018)। प्रभुसत्ता की दोहरी मुखरता। द्रविड़वाद, राष्ट्रवाद, संघवाद पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही।

—— और रविंद्रन, एस. (2018)। द्रविड़ियन वायदा। प्रभुसत्ता की दोहरी मुखरता

शिवरामन, डी. (2018, सितंबर)। खुशी परियोजना। धन्या वर्मा, कप्पा टीवी के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार। से लिया गया: https://www.youtube.com/watch?v=kJ6f8_MrM0o

—— (2019, जनवरी)। दीपन शिवरामन का नया नाटक डार्क थिंग्स ऑफ़ इंटरनेशनल थिएटर फेस्टिवल ऑफ़ केरल। एशियानेट न्यू चैनल के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार। से लिया गया: https://www.youtube.com/watch?v=acz9jf-m_Xc

—— (2019, मार्च)। दीपन शिवरामन की कोच्चि में डॉ. कैलीगरी के मंत्रिमंडल का मंचन। एशियानेट न्यूज़ चैनल के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार से लिया गया: https://www.youtube.com/watch?v=qX7MrPgtioA

—— (2018, 6 अप्रैल)। त्रासदी और फरेब के बीच। द इंडियन एक्सप्रेस।

—— (2019)। दीपन शिवरामन के साथ साक्षात्कार। व्यक्तिगत साक्षात्कार। टी। ब्रैशॉव, ए. फेनेमोर, और एन. वाइट्स (ईडीएस) में, बीसवीं शताब्दी के प्रदर्शन पाठक। स्थान: रूटलेज।

—— (2019) रंगमंच की दृश्य भाषा को अपनाने के लिए शब्दों से परे जाने पर दीपन शिवरामन। सोहिला कपूर के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार द हिंदू पत्रिका। चेन्नई.

डिजाइन स्कूल

बालासुब्रमण्यन, एस. (2019)। भारत में डिजाइनिंग जीवन। एम. वॉन ओस्टेन और जी. वॉटसन (Eds।), बॉहॉस इमेजिनिस्टा (212–223) में। लंदन: थेम्स और हडसन।

—— (2019)। बॉहॉस और उल्म से दूर जाना: नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद में नींव कार्यक्रम में एक पर्यावरणीय फोकस का विकास। बॉहॉस इमेजिनिस्टा। Http://www.bauhaus-imaginista.org/articles/4197/moving-away-from-bauhaus-and-ulm?0bbf55ceffc3073699d40c9cadaada9faf=ab1585fb6d5539db94de349af8acceb3 से पुनर्प्राप्त

मद्दीपति, वी. (2018, 9 सितंबर)। निहितार्थ का संदर्भ। सिन्टॉक [ऑडियो पॉडकास्ट]। Https://soundcloud.com/syntalk/tcoti-the-context-of-the-implicit-syntalk से लिया गया

विकास अध्ययन स्कूल

भारती, एम. (2018, 27 अक्टूबर)। ग्रामीण बिहार में दलित संघर्ष का एक चलता-फिरता दस्तावेज़। [पुस्तक की समीक्षा क्या यह अजादी है? प्रतिदिन बिहार के एक गाँव में दलित खेतिहर मजदूरों का जीवन चक्रवार। दि हिन्दू।

—— (2018, जुलाई)। एक सहज प्रक्षेपवक्र। [पुस्तक की समीक्षा साम्राज्यवाद का बदलता चेहरा: एस. सेन और एम. सी. मार्जुज़ो (Eds।) द्वारा समकालीन पूंजीवाद के लिए उपनिवेशवाद। पुस्तक की समीक्षा, XLII (7)।

—— (2018, 4 अप्रैल)। राजनीति में दलित एजेंसी को बहाल करना। [सी. जंगम द्वारा दलितों की किताब और आधुनिक भारत के निर्माण की समीक्षा]। पुस्तक की समीक्षा, XLII (4)।

—— (2019, 28 मार्च)। स्वामी का ब्राह्मण अभिमान भाजपा की राजनीति के बारे में सच्चाई दर्शाता है। डेक्कन हेराल्ड। से लिया गया: https://www.deccanherald.com/opinion/swamys-brahmin-pride-shows-truth-about-bjps-politics-725628.html।

—— (2018, सितंबर)। हम नहीं चाहते हैं कि आप SC हों, लेकिन आपको दलित भी नहीं होना चाहिए. Raiot। से लिया गया: http://raiot.in/we-dont-want-you-to-be-sc-but-you-mustnt-be-a-dalit-either/।

—— (2018, सितंबर)। राजनीति की गरीबी और हिंदुत्व विरोधी मोर्चे की प्राथमिकताएं। Kafila। से लिया गया: https://kafila.online/2018/09/20/the-p गरीबी-of-politics-and-pre-requisites-of-an-ant-hindutva-front-moggallan-bharti और https://www.

sabrangindia.in/article/poverty-politics-and-pre-requisites-anti-hindutva-front।

चक्रवर्ती, डी. (2018)। पश्चिम बंगाल में आर्थिक अवसरों की कमी और बाल विवाह का हठ। इंडियन जर्नल ऑफ़ जेंडर स्टडीज़, 25 (2), 180–204।

दामोदरन, एस. (2018)। नियंत्रण, संघर्ष और प्रतिक्रिया। [पुस्तक की समीक्षा वैश्वीकरण स्थानीय रूप से रहता था: पी. नीथी द्वारा एक श्रम भूगोल परिप्रेक्ष्य,]। द बुक रिव्यू।

रमेश, बाबू। पी. (2018)। नई नौकरियां और पुराने मानदंड? लिंग लेंस के माध्यम से भारत के कॉल सेंटरों में महिलाओं के काम को देखना। जेएमसी रिव्यू, II, पेज नंबर।

—— (2019)। श्रम लेंस के साथ भारत में 'ऑटो-क्रांति' को फिर से पढ़ना: राज्य और उद्योग और श्रमिकों की भूमिका और स्थान बदलना। A. D'Costa और A. Chakraborty (Eds।), भारतीय राज्य की बदलती संदर्भों और स्थानांतरण भूमिकाओं: विकास की गतिशीलता पर नया दृष्टिकोण (175-189)। सिंगापुर: स्प्रिंगर।

—— (2018)। अवैतनिक कार्यकर्ता और पेड न्यूज: भारत में पत्रकारों की कामकाजी परिस्थितियां। ए. एथिक, वी. पार्थसारथी, एस. वी. श्रीनिवास (ईडीएस), द इंडियन मीडिया इकोनॉमी, II (मार्केट डायनामिक्स और सोशल ट्रांजेक्शन) में। नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— (2018)। क्या रोजगार गारंटी एक सामाजिक सुरक्षा मंजिल का समर्थन करती है? भारत में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS) का एक अध्ययन। टी। डीजॉफॉफ़ और जी. एल। मेपडी (एड्स) में, सामाजिक संरक्षण के फर्श पर सिफारिश: नवीन समाधानों के लिए बुनियादी सिद्धांत (219-236)। ऐल्फन ऐएन डेन रिजन, द नीदरलैंड: वोल्टर्स क्लूवर।

—— (2018)। [पुस्तक की समीक्षा 1-1800-संसारों: एम. कृष्णमूर्ति द्वारा भारतीय कॉल सेंटर अर्थव्यवस्था का निर्माण]। दक्षिण एशिया का इतिहास और समाजशास्त्र, 12 (2), 1.3

सेनगुप्ता, ए. (2019, 2 मई)। अगर स्कूली शिक्षा एक बाजार है, तो माता-पिता ग्राहक हैं! लेकिन कितने निजी स्कूल ग्राहक का पालन करते हैं? DailyO। से लिया गया: https://www.dailyo.in/variety/schools-education-nursery-children-government-schools/ कहानी / 1 / 28591.html

—— (2018, अप्रैल)। हमने एक हिंदी मीडियम किया: क्यों हम बेटी को दिल्ली सरकार द्वारा संचालित स्कूल भेज रहे हैं। DailyO। से लिया गया: https://www.dailyo.in/variety/nursery-admission-education-pucation-schools-hindi-medium-kindergarten/

story/1/23510.html

शैक्षिक अध्ययन स्कूलडार, ए. (2018)। प्रदर्शन की राजनीति: दक्षिण एशियाई बच्चों की पहचान और राजनीतिक एजेंसी. बचपन, 25 (4), 437–487।

जैन, एम., मुखोपाध्याय, आर., मेहंदले, ए., विंच, सी., और सारंगापानी, पी. (एड्स)। (2018)। भारत में स्कूली शिक्षा: बाजार, राज्य और गुणवत्ता। एबिंगडन / न्यूयॉर्क: रूटलेज।

—— (2018)। भारत में सार्वजनिक, निजी और शिक्षा: एक ऐतिहासिक अवलोकन। एम. जैन में, आर. मुखोपाध्याय, ए. मेहंदले, सी. विंच, और पी. सारंगापान (एड्स), भारत में स्कूली शिक्षा: बाजार, राज्य और गुणवत्ता (31-66)। एबिंगडन / न्यूयॉर्क: रूटलेज।

—— (2018)। शिक्षण के अभ्यास और पेशे को पुनः प्राप्त करना। एम. जैन में, आर. मुखोपाध्याय, ए. मेहंदले, सी. विंच, और पी. सारंगापान (एड्स), भारत में स्कूली शिक्षा: बाजार, राज्य और गुणवत्ता (123138)। एबिंगडन / न्यूयॉर्क: रूटलेज।

—— (2018)। दिल्ली में स्कूल, बाजार और नागरिकता। एम. जैन में, आर. मुखोपाध्याय, ए. मेहंदले, सी. विंच, और पी. सारंगापान (एड्स), भारत में स्कूली शिक्षा: बाजार, राज्य और गुणवत्ता (191–226)। एबिंगडन / न्यूयॉर्क: रूटलेज।

—— (2018)। इतिहास की पाठ्यपुस्तकें और भारत का विचार। आइडिया ऑफ़ इंडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (पीपी. 78-84)। कलकत्ता: द सीगल फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स।

नवानी, एम. टी. (2019)। भारत में लिंग और उच्च शिक्षा: पहुंच के साथ इक्विटी का समझौता। डी. न्यूबॉयर और एस. कौर (ईडीएस) में। जेंडर और एशिया पैसिफिक (73-88) में उच्च शिक्षा का बदलता चेहरा। चाम, स्विट्जरलैंड: पालग्रेव मैकमिलन।

नाग, एस. (2018)। कक्षाओं में बच्चों के भाषाई समावेश का महत्व। एस. गुरुनानी (सं.) में। द्रष्टि: प्राथमिक शिक्षा में चिंताएँ और चुनौतियाँ। बागेश्वर: जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट)।

—— (2018). कक्षा में सीकी . वी . टी . सी . जगह नहीं। पाठशाला बिहार और बहार, 1(1), 9–12. से लिया गया: https://azimpremjifoundation.org/foundation-publications/9530#main-content

—— (2018, 28 जून)। शिक्षा में झुकाव। द इंडियन एक्सप्रेस से लिया गया: https://indianexpress.com/article/opinion/columns/education-system-government-schools-in-indiahigher-education-hrd-ministry-5236231/ Check page numbers.

—— (2018, 22 अक्टूबर)। कक्षा में बच्चों की समझ में भाषाई समावेश की भूमिका। प्रारंभिक साक्षरता पहल (TISS)। http://eli.tiss.edu/role-of-linguistic-inclusion-in-childrenscomprehension-in-classrooms/ Check page numbers से लिया गया है।

राय, पी. सी. (2019)। शैक्षणिक कार्रवाई के लिए एक उपकरण के रूप में सामान्य ज्ञान का निर्माण और उपयोग करना। ए. एडवर्ड्स में, एम. फ्लेयर, और एल। बोर्टचेर (Eds.)। सीखने और विकास का अध्ययन करने के लिए सांस्कृतिक-ऐतिहासिक दृष्टिकोण: सामाजिक, संस्थागत और व्यक्तिगत दृष्टिकोण। सिंगापुर: स्प्रिंगर।

—— (2019)। सीखने और सामाजिक विज्ञान में मूल्यांकन के लिए इसके निहितार्थ पर परिप्रेक्ष्य। NCERT (एडा) में। सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तकों और पाठ्य सामग्री (1-16) का विकास। नई दिल्ली: एन.सी.ई.आर.टी.

शर्मा, जी. (2019)। भारत में शिक्षक शिक्षा में नीति और विनियामक परिवर्तन: चिंताएं, बहस और प्रतियोगिताएं। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक सगाई, 54 (2), 1-10. से लिया गया: https://www.epw.in/engage/article/policy-and-regulatory-changes-teacher-education-in-india

—— (2018, 21 अगस्त)। बच्चों को बिना किसी नजरबंदी के उलट देने का अधिकार। नई किरण। Http://thenewleam.com/2018/08/reversal-of-childrens-right-to-no-detention/ Check page numbers से लिया गया है।

ग्लोबल अफेयर्स स्कूल

अनिल, टी. (2019)। स्थानिक शासनों की राजनीति: प्रवासियों और शहर पर उनका अधिकार। डी. फर्नांडीस, और पी. ओ। मार्टिन (ईडीएस) में, उदारीकरण के बाद के युग में श्रम प्रवास (पृष्ठ संख्या)। बैंगलोर: क्रिश्चियन इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ रिलिजन एंड सोसाइटी (CISRS)।

चौधरी, एस., गुप्ता, आई., त्रिवेदी, एम., और प्रिन्जा, एस. (2018)। असमानता और बोझ या जेब से बाहर का स्वास्थ्य खर्च: भारत से जिला स्तर का प्रमाण। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 148, 180-189.

—— और कुंडू, पी. (2018)। भारत में चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणाली: कैसे व्यापक और क्यों? स्वास्थ्य प्रबंधन जर्नल, 20 (2), 178-189.

—— और गुप्ता, आई. (2018)। घरेलू माइक्रोएन्वायरमेंट और भारत में संक्रामक रोगों पर इसका

प्रभाव: राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण से साक्ष्य। वी. दयाल, ए. दुरैयप्पा, और एन.नॉन (ईडीएस) में। पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और समाज: सम्मान में निबंध या कंचन चोपड़ा (225–238)। दिल्ली: स्प्रिंगर।

—— प्रांजा, एस., बहुगुणा, पी., गुप्ता, आई., और त्रिवेदी, एम. (2019)। भारत में स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय जोखिम संरक्षण के उपयोग का निर्धारण करने में बीमा की भूमिका। पीएलओएस वन, 14 (2), 1-16। Https://doi.org/10.1371/journal.pone.0211793 से लिया गया।

—— (2018)। भारत, सदी के अंत तक सबसे अधिक आबादी वाला देश: जनसांख्यिकीय परिवर्तन की चुनौतियां [स्पेनिश में प्रकाशित लेख]। वनगार्डिया डोजियर, 69 (जुलाई / सितंबर), 133-137।

कुमार, एस. (2018, 11 मई)। [आमंत्रित अतिथि] क्या बलात्कार सिर्फ यौन संतुष्टि के बारे में है? स्कूपव्हूप - एसडब्ल्यू बताते हैं। से लिया गया: https://www.youtube.com/watch?v=iy06LrjwtEE

नकेरन, एन., और नकेरन, बी (2018)। विकलांगता, मानसिक स्वास्थ्य, यौन अभिविन्यास और लिंग पहचान: अनुभव और अंतर के माध्यम से स्वास्थ्य असमानता को समझना। बीएमसी कार्यवाही 16 (97) विशेष मुद्दा: स्वास्थ्य अनुसंधान नीति और प्रणाली), 9–19।

—— सोलंकी-परमार, एस., पटेल, आर., गांगुली, पी. एस., सोदगर, वी., और दोशी, एम. (2018)। स्ट्रोक के बाद की देखभाल में लिंग अंतर: गुजरात के गांधीनगर जिले में किए गए एक अध्ययन से निष्कर्ष। eSocial Sciences और Humanities (eSSH) विशेष अंक: भारत में स्वास्थ्य असमानताएं, 1 (2), 17–32।

नेगी, आर. (2018)। क्षेत्रीय हवा: सीमा पार से सहयोग की संभावनाओं पर। पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और समाज, 1 (2), 87-89।

मार्शल, एफ., डॉली, जे., बिष्ट, आर., प्रिया, आर., वाल्डमैन, एल।, एमरसिंघे, पी., और रंधावा, पी. (2018)। पेरी-शहरी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं और शहरीकरण संदर्भों में गरीबी उन्मूलन। के. श्रेकेंबर्ग, जी. मेस, और एम. पेदायाल (ईडीएस), पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और गरीबी उन्मूलन: ट्रेडऑफ़ और शासन (111-125) में। लंदन: राउटलेज से अर्थस्कैन।

—— और कुशवाहा, पी., मार्शल, एफ., और देसाई, पी. एन. (2018)। दिल्ली में अपशिष्ट ऊर्जा: स्थायी शहरी अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में विकल्प। काम करने वाला कागज़। नई दिल्ली: TRCSS, JNU।

रावल, वी., और साहा, पी. (2018)। भारत में महिलाओं का रोजगार: रोजगार और बेरोजगारी के हालिया एनएसएस सर्वेक्षण क्या दर्शाते हैं? ए. बनर्जी, और सी. पी. चंद्रशेखर (ईडीएस), निस्संकोच, अभाव और विकास: निबंध पटना के लिए. दिल्ली: तूलिका बुक्स।

—— (2018)। [जे. पैटनडेन द्वारा पुस्तक की समीक्षा, गरीबी कैसे उत्पन्न होती है] पुस्तक समीक्षा, XLII (10),

सिंह, ई. (2018)। [पुस्तक सीईओ चीन की समीक्षा: के. ब्राउन द्वारा शी जिनपिंग का उदय।] द कोपेनहेगन जर्नल ऑफ एशियन स्टडीज, 36 (2), 100-103.

सिंह, एस. के. (2018)। पंजाब में दलित राजनीति और उसके टुकड़े: क्या धर्म की कुंजी है? आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, LIII (35), 32-36।

—— और पाठक, डी. (Eds।) (2018)। द्रवित विश्वास, कठोर धर्म: दक्षिण एशिया के ढांचे में। मानवतावादी विचारधारा पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, VIII (1)।

—— (2018, 25 अगस्त)। भारत ने संत रविदास को कबीर या वाल्मीकि की उपासना करने के तरीके से अलग क्यों नहीं किया? Scroll.in। से लिया गया: https://scroll.in/magazine/878342/why-doesnt-india-eulogise-sant-ravidas-the-way-it-worships-kabir-or-valmiki

ज़िमर, ए., कॉर्निया, एन., और वेरोन, आर. (2018)। शहरी राजनीतिक अर्थव्यवस्था: सत्ता का परिदृश्य। डी. इओसिफोवा में, एट अल।, (ईडीएस), अकादमिक विषयों और पेशेवर क्षेत्रों (212-222) में शहरी को परिभाषित करना। न्यूयॉर्क: रूटलेज।

मानव पारिस्थितिकी स्कूल

बाबू, एस., और यादव, जी. (2019)। शासन के माध्यम से तीव्रता पारिस्थितिक नेटवर्क को ध्वस्त करने में फ़्लिप करता है। L. M. Aiello, C. Cherifi, H. Cherifi, R. Lambiotte, P. Lio, L. M. Rocha (Eds।), कॉम्प्लेक्स नेटवर्क और उनके अनुप्रयोगों में VIII। वॉल्यूम I जटिल नेटवर्क और उनके अनुप्रयोग, जटिल नेटवर्क 2018 (841-853) पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को आगे बढ़ाता है। चम: स्प्रिंगर।

दास, बी. (2018)। समकालीन भारत में आदिवासी पहचान और आजीविका। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 53 (30), 31-34।

दास, पी., और पुरकायस्थ, पी. (2018, 2 जून)। सिटी फ़ॉरेस्ट, गाजियाबाद के लिए एक

पारिस्थितिक यात्रा [वीडियो फ़ाइल]। से लिया गया: https://www.youtube.com/watch?v=AkpKZ9itTxo

—— और पुरकायस्थ, पी. (2018, 22 अक्टूबर)। SFTIG 2017-18 के तहत विजिटिंग फैकल्टी के रूप में कनाडा में ट्रिप, SICI [वीडियो फ़ाइल]। से लिया गया: https://www.youtube.com/watch?v=WncumWLPi1M

—— और पुरकायस्थ, पी. (2018, 29 अक्टूबर)। चटला: जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट [वीडियो फ़ाइल] में बाढ़ का मैदान। से लिया गया: https://www.youtube.com/watch?v=hJnz7LEynLA&pbjreload=10

देवी, ओ। एच. (2018)। उमंग लाईस की पवित्रता मणिपुर के पवित्र ग्रोव। वर्ल्ड फोकस (अगस्त), 464, 71-77।

—— निंगथौजम, एस., बंसल, वी. एम., सिंह, टी।, और ज़फर, एम. (2018)। मणिपुर के संघर्ष प्रभावित युवाओं में कैरियर की आकांक्षाओं और आत्मसम्मान पर एक खोजपूर्ण अध्ययन। व्यावसायिक प्रबंधन की समीक्षा, 16 (2), 1-13।

काबरा, ए. (2019)। बहिष्करणीय संरक्षण की पारिस्थितिक आलोचना। पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और समाज - INSEE जर्नल, 2, 9–26।

—— और महलवाल, एस. (2018)। फैलाव और प्रतिरोध की सूक्ष्म राजनीति: मध्य भारत में प्रस्तावित बांध का मामला अध्ययन। एक परिवर्तन का विकास, 0 (0), 1-22। DOI: 10.1111 / dech.12447

—— (2018)। संरक्षित क्षेत्रों से संरक्षण विस्थापन की दुविधाएं। एम. एम. कर्निया, और जे. माल्डोनैडो (एडीस) में, विस्थापन और पुनर्स्थापन के प्रचलित प्रतिमान को चुनौती देते हुए: जोखिम, दुर्बलता, विरासत, समाधान (117-140)। लंदन: रूटलेज।

—— और ड्रायडेक, जे. (2018)। विस्थापन। जे. ड्रायडेक, और एल। केल्हेर (ईडीएस) में, विकास नीतिशास्त्र (200-206) की हैंडबुक बुक की। लंदन: टेलर एंड फ्रांसिस।

मानव अध्ययन स्कूल

चौधरी, आर. (2019)। काउंटरिंग 'अलगाव': विवादास्पद प्रथाओं में तोड़फोड़ को फिर से पढ़ना। आर. कुमार (एड।) में, दक्षिण एशिया में वाम राजनीति: एजेंडा को फिर से शुरू करना (200222)।

दिल्ली: आखर बुक्स।

हक, एस. (2018)। समय की लपेट के माध्यम से सीता: भारतीय महिलाओं के जीवन में त्याग और नैतिक संकीर्णता के बीच गुदगुदी संबंधों को फिर से देखना। ए. धार, एम. कुमार, और ए. मिश्रा (ईडीएस), भारतीय टेरीओर से मनोविश्लेषण: संस्कृति, परिवार और बचपन में उभरते विषय (67-84)। लानहम: लेक्सिंगटन बुक्स।

—— पॉल, आर., मिहालिट्स, डी., टेटो, एल।, और मार्सिको, एन. (2018)। सपनों के शहर में छिपे हुए वर्तमान और दिखाई देने वाले अनुपस्थित: सामूहिक कल्पना की कल्पना। मानव एरेनास, 1 (2), 151-165।

—— और सिद्दीकी, एस. (2018)। तटस्थता और तिरस्कार के बीच: भारत में मुस्लिम चिकित्सक होना। I. पार्कर एंड एस. सिद्दीकी (Eds।), इस्लामिक मनोविश्लेषण और मनोविश्लेषक इस्लाम: सांस्कृतिक और नैदानिक संवाद (60–69)। लंदन: रूटलेज।

—— और चंद्रशेखर, के. (2018)। एक आरोपित वार्तालाप: क्लिनिक और कक्षा के बीच। के. चन्द्रशेखर, के. लेक्रोसिक्स, और एस. सिद्दीकी (ईडीएस), क्रिटिकल साइकोलॉजी की वार्षिक समीक्षा, 15 (विश्वविद्यालय में विशेषांक - सेक्स और पॉवर), 168–181।

जौहरी, आर. (2018)। मृत्युदंड का सामाजिक और मनोवैज्ञानिक निहितार्थ। संगोष्ठी, 711, 22–26।

—— (2019)। परिवार की चिंता करना। एस. सोनपर और एन. कंवर (ईडीएस) में, जो जीवित है: भारत में हिंसा और पूर्वाग्रह पर मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण। नई दिल्ली: योदा प्रेस एंड सेज।

—— (2018)। [मानसिक स्वास्थ्य का पता लगाने वाली पुस्तक की समीक्षा: बी.वी. डावर और टी। के. द्वारा ज्ञान, समालोचना और संस्थान। रविंद्रन (ईडीएस)]। इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज, 25 (1), 138-142।

मेनन, के., बनिवाल, एस., सिंगला, पी., देसाई, एन., कुमार, एम., मिश्रा, ओ.पी. (2018)। दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिला सुरक्षा: एक रिपोर्ट। नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस।

—— (2018)। देखभाल की स्थिति: कार्य, नैतिकता और लिंग। समकालीन सामाजिक वैज्ञानिक, १० (२), २३-३०

—— (2019)। दक्षिण भारत में 'सही' संगीत: जाति और 'शास्त्रीय' संगीत बी. नंदा और एन. रे (एड्स) में, भारत में अधिकारों पर चर्चा: बहस और दुविधा (338–345)। न्यूयॉर्क: रूटलेज।

—— (2018)। भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बी. बिस्वास और आर. कौल (ईडीएस) में, समकालीन भारत में महिला और सशक्तीकरण (66-82)। दिल्ली: विश्वदृष्टि।

—— (2018) लोकतंत्र को मजबूत करना: महिलाओं के अधिकार और लोकतंत्र। भारत में संघर्ष वाले क्षेत्रों (44-48) में यौन हिंसा पर ध्यान देने के साथ लोकतंत्र, विविधता, नस्लीय और लिंग आधारित हिंसा को संबोधित करते हुए बी.नेपराम (सं.)। दिल्ली: मार्ग और यूरोपीय संघ।

—— (2018)। महिलाओं के अधिकारों में राज्य का हस्तक्षेप। बी. बिस्वास और आर. कौल (ईडीएस) में, समकालीन भारत में महिला और सशक्तीकरण (156-168)। दिल्ली: विश्वदृष्टि।

—— (2018, 25 नवंबर)। 16 दिनों का ब्लॉगथॉन [वेब लॉग टिप्पणी]। से लिया गया: https://16daysblogathon.wordpress.com/

—— (2018)। ओडिसी की विकसित राजनीति। [एन. सिकंद की पुस्तक लिंगिड बॉडीज ग्राउंडेड स्टांस की समीक्षा]। बुक रिव्यू, XLII (8), 30–32।

—— (2018)। लिंग और कामुकता के लेंस के माध्यम से। [आर. वनीता द्वारा राष्ट्र के साथ नृत्य पुस्तक की समीक्षा]। पुस्तक की समीक्षा, XLIII (2), 36-38।

नागलिया, एस. (2019)। महिलाओं का उत्पीड़न और समाजवादी नारीवाद। अयन त्रैमासिक,1 (1), 3132-322.

—— (2019)। 21 वीं सदी के स्मार्ट आधुनिक वैश्विक शहर: स्मृति की राजनीतिक अर्थव्यवस्था। इंडियन जर्नल ऑफ जियोग्राफी, 22 (जनवरी) 159-167।

—— (2019)। भाषण के साथ चुप्पी को बदलना। [पुस्तक की समीक्षा न्याय के लिए खोज: के. जयवर्धन और के. पिंटो-जयवर्धना (Eds।) द्वारा श्रीलंका के कागजात। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 54 (11), 24–27।

पांडे, एस. (2019)। [पुस्तक की समीक्षा 1-800-दुनिया: एम. कृष्णमूर्ति द्वारा भारतीय कॉल सेंटर अर्थव्यवस्था का निर्माण]। भारतीय समाजशास्त्र में योगदान, 53 (1), 232-240 से लिया गया: https://doi.org/10.1177/0069966718804972

सचदेव, डी. (2019)। जाति से दूर: पुनर्गणना प्रभावित करती है और सामाजिक प्रजनन। एल। वशिष्ठ और डी. सचदेव (ईडीएस), सीयूएसपी द जर्नल (क्रिटिकल कल्चर एंड साइकोलॉजिकल क्रिटिक इन साइकोलॉजी), 2 (1)। से लिया गया: www.https: //cuspthejournal.com

सरीन, एन. (2018)। मानसिक स्वास्थ्य और सीखना: छात्र बोलते हैं! [चलचित्र]। भारत: न्यूज़क्लिक से लिया गया: https://www.newsclick.in/mental-health-and-learning-students-speak

वहाली, एच. ओ., और वहाली, डी. ओ. (2019)। असंभव आलिंगन: हिंसक उथल-पुथल के बाद अहिंसक संभावनाओं की खोज। मनोविज्ञान और विकासशील समाज, 31 (1), 139-161.

—— (2018)। गलियों और 'इनरनैप्स' के माध्यम से: शहर और मानस। THAAP जर्नल।

कानून, शासन और नागरिकता स्कूल

लियांग, एल। (2018)। शैक्षणिक स्वतंत्रता और ज्ञान का स्वामित्व। डी. भट्टाचार्य (सं.) में, विश्वविद्यालय ने विचार किया: भविष्य के लिए नोट्स। लंदन: रूटलेज।

निक्सन, एन. (2018)। रविंद्रनाथ टैगोर। डी. पाठक और एच. एम. एस. कुमार (ईडीएस) में। आधुनिक दक्षिण एशियाई विचारक (283-291)। नई दिल्ली: ऋषि प्रकाशन।

सतयोगी, पी. (2018)। [पुस्तक की समीक्षा स्वास्थ्य और अंतर: औपनिवेशिक व्यस्तताओं में मानवीय भिन्नता का प्रतिपादन, ए. विडमर, और वी. लिपिपर्ट द्वारा] सामाजिक नृविज्ञान, 26(2),297-299

—— (2019)। कानून, पुलिस और 'घरेलू क्रूरता': मौखिक कथाओं से लिखित शिकायतों को इकट्ठा करना। भारतीय समाजशास्त्र में योगदान, 52 (1), 46-71

सिंह, ए. (2018, 24 अक्टूबर)। अगर मलेशिया की राजशाही देशद्रोह कानून को खत्म करने का प्रयास कर सकती है, तो भारत को क्या रोकना है? तार। Https://thewire.in/law/colonial-sedition-law-india-malaysia से लिया गया

उमा, एस. (2019)। भारत में पीड़ित और गवाह संरक्षण पर एक कानून का पालन करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशियो-लीगल एनालिसिस एंड रूरल डेवलपमेंट, 4 (1), 5-18

—— (2019)। कानून की गतिशीलता और इसकी कार्यक्षमता। [पुस्तक की समीक्षा अंतरंगता पूर्ववत्: भारत में विवाह, तलाक और पारिवारिक कानून, एम. राजकोटिया द्वारा]। बुक रिव्यू, XLIII (2), 9-10.

—— (2018)। सच्चर हस्तक्षेप और भारत में मुसलमानों की स्थिति का मूल्यांकन। [पुस्तक संवैधानिक अधिकारों की समीक्षा संवैधानिक अधिकार: पोस्ट सच्चर समिति परिदृश्य, ए. शरीफ

द्वारा]। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 53 (47), 23-25।

—— (2018)। आशा की किरण: सांप्रदायिक हिंसा विधेयक के साथ संलग्न। पी. कथूरिया और ए. भैया (ईडीएस) में। भारतीय नारीवाद: व्यक्तिगत और सामूहिक यात्राएं (163-196)। नई दिल्ली: जुबान प्रकाशन।

—— और नरेन, ए. (2018)। मानव अधिकार और उसका भविष्य: कुछ प्रतिबिंब। उपेंद्र बक्सी आउट टाइम्स में: लॉ, लाइफ एंड ल्यूमिनैलिटी [स्पेशल इश्यू], जिंदल ग्लोबल लॉ रिव्यू, (पेज नंबर)। चेक।

—— और हिरेमथ, वी. (2018, 2 जून)। महाराष्ट्र का एसिड विक्टिम्स के लिए न्याय 'एक स्मारक क्यों है? तार। Https://thewire.in/gender/why-maharashtras-manodhairya-scheme-is-a-monumental-farce से लिया गया।

लिबरल अध्ययन स्कूल

बनर्जी, एन., दासगुप्ता, डी., दासगुप्ता, आर., और ग्रांट, जे. (एड्स)। (2018)। सामाजिक न्याय सक्रियता के रूप में मित्रता। लंदन, न्यूयॉर्क, कोलकाता: सीगल बुक्स।

—— दासगुप्ता, डी., दासगुप्ता, आर., दत्ता, ए., राय, ए.एस., और क्विंटाना, जे (2018)। डिजिटल संस्कृतियों की कतार: शिक्षाविदों और चिकित्सकों के साथ एक गोलमेज वार्तालाप। आर. दासगुप्ता और डी. दासगुप्ता (ईडीएस) में, क्यूरींग डिजिटल इंडिया: सक्रियता, पहचान और विषय-वस्तु (2953)। एडिनबर्ग: एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— और ब्राउन, के. (2018)। जीवंत जीवन: कामुकता, विकास और शासन में एक पारम्परिक कतार-नारीवादी प्रतिबिंब। सी. मेसन (एड।) में, क्वीर विकास अध्ययन: एक पाठक (169-180)। न्यूयॉर्क: रूटलेज।

बनर्जी, ए. और चंद्रशेखर, सी. पी. (Eds.) (2018) । निर्वासन, अभाव और विकास: उतसा पटनायक के लिए निबंध। नई दिल्ली: तूलिका बुक्स।

—— (2018)। नवउदारवाद के तहत भारत में कृषि संबंधी प्रश्न पर पूछताछ: एक किसान वर्ग दृष्टिकोण. ए. बनर्जी और सी. पी. चंद्रशेखर (ईडीएस), डिसपोजिशन, वंचितता और विकास: उत्सव पटनायक (37-62) के लिए निबंध। नई दिल्ली: तूलिका बुक्स।

—— और आनंद, आई. (2019)। एनडीए-II शासन और बिगड़ती कृषि संकट। आर. आज़ाद,

एस. चक्रवर्ती, एस. रमणी और डी. सिन्हा (ईडीएस) में, एक क्वांटम छलांग गलत दिशा में? (66-88)। दिल्ली: ओरिएंट ब्लैकस्वान।

—— (2018)। सैद्धांतिक पाखंडों को चुनौती देना। [ई. एस. रिनर्ट, जे. घोष, और आर. केनेल द्वारा] आर्थिक विकास के वैकल्पिक सिद्धांतों की पुस्तक हैंडबुक की समीक्षा। द बुक रिव्यू, 42 (10), 10-11। से लिया गया: http://thebookreviewindia.org/challenging-theoretical-hegemonies/

बनर्जी, टी. (2018)। आर्थिक संस्थानों का विश्लेषण। [एस. के. जैन, और ए. मुखर्जी द्वारा पुस्तक आर्थिक विकास, दक्षता और असमानता की समीक्षा]। द बुक रिव्यू, 42 (10), 7-8 से लिया गया: http://thebookreviewindia.org/analysing-economic-institutions/

—— (2018, 5 अगस्त)। मिट्टी का बेटा: राजनीति और असम में NRC का तमाशा। Vikalp। से लिया गया: https://www.vikalp.ind.in/2018/08/son-of-soil-politics-and-spectacle-of.html

विश्वास, ए. (2018)। [के. बी. नीलसन द्वारा लिखित पुस्तक भूमि प्रसार और ग्रामीण पूर्वी भारत में रोजमर्रा की राजनीति की समीक्षा]। समकालीन दक्षिण एशिया, 26 (4), 498।

चक्रवर्ती, पी. (2018)। आधिकारिक और वैकल्पिक अभिलेखागार से विभाजन की कहानी। सी. महन और ए. मर्फी (ईडीएस), विभाजन और स्मृति के अभ्यास (91-114) में। लंदन: पालग्रेव मैकमिलन।

डंगवाल, डी. डी. (2018)। आदिवासियों पर पारिस्थितिक परिवर्तन का प्रभाव। [पुस्तक की समीक्षा, प्रकृति विकास, ज्ञान: ए. बंदोपाध्याय (सं.) द्वारा भारत के पर्यावरण इतिहास पर महत्वपूर्ण निबंध।] द बुक रिव्यू, 42 (10), 11-13। से लिया गया: http://thebookreviewindia.org/impact-of-ecological-change-on-tribals/

धार, ए. के. (2018)। [पुस्तक की समीक्षा और हिंसा का बोझ: स्मृति और सिंहल चेतना में क्षरण, एस. परेरा द्वारा]। भारतीय समाजशास्त्र में योगदान, 52 (2), 245-247.

—— कुमार, एम., और मिश्रा, ए. (ईडीएस.)। (2018)। इंडियन टेरीओर में मनोविश्लेषण: संस्कृति, परिवार और बचपन में उभरते विषय। लैनहेन: लेक्सिंगटन बुक्स।

—— (2018)। गिरिंद्रशेखर बोस और भारत में मनोविश्लेषण का इतिहास। इंडियन जर्नल ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइंस, 53 (4), 198–204

गोस्वामी, पी., और दुबे, आर.एस. (2018)। अंसरेखीय प्रसार समीकरण का विश्लेषणात्मक समाधान। यूरोपीय भौतिकी जर्नल प्लस, 133 (5), 1-12

—— अग्रवाल, आर., और पालीवाल, जी.एस. (2019)। सामान्यीकृत रूसशेह व्युत्पन्न ऑपरेटर का उपयोग करके परिभाषित विश्लेषणात्मक कार्यों के एक एकीकृत उपवर्ग के लिए अंतर अधीनता के परिणाम। गणित का एशियाई-यूरोपीय जर्नल, 12 (3)।

—— और दुबे, आर.एस. (2019)। कतुगम्पोला अभिन्न ऑपरेटर के लिए कुछ आंशिक अभिन्न असमानताएं। ESCI अनुक्रमित जर्नल, 3 (4), 600-604

—— राणा, एस., और दुबे, आर.एस. (2018)। द्वि-असमान कार्यों के उपवर्गों पर पूर्व-श्वार्जियन व्युत्पन्न का मानदंड। ESCI अनुक्रमित जर्नल, 3 (4), 600-604

जस्सल, एस. टी। (2018)। तीर्थ पर गूंज: टो संदर्भों में याद करना और भूलना। एस. टी। जस्सल और एच. तुरन (ईडीएस) में, भारत और तुर्की पर नए दृष्टिकोण: संबंध और बहस (47-61)। लंदन: रूटलेज।

मेनन, एस. (2018)। स्वामीनारायण संप्रदाय: चुनावों में सुधार। जर्नल ऑफ़ एक्सक्लूज़न स्टडीज़, 8 (2), 90–102।

—— (2019)। भाजपा और ध्रुवीकरण की राजनीति: 2019 के चुनाव के लिए एजेंडा। द एशिया डायलॉग। से लिया गया: http://theasiadialogue.com/2019/03/20/bjp-and-the-politics-of-polarisation-agenda-for-the-2019-elections/

मीर, यू। ए., और कोकिला, के. (2018)। पेशेवर स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं के संदर्भ में सांस्कृतिक क्षमता की अवधारणा की खोज करना। व्यावसायिक प्रबंधन की समीक्षा, 16 (1), 50-56।

—— और निंगथौजम, एस. (2018)। एंथ्रोपोसीन युग की शुरुआत और स्थिरता के लिए चुनौतियां। वर्ल्ड फोकस, XXXIX (8), 78-81।

नाइट, डी. के. (2018)। एक भाग्य निर्माता: जीवन और जोसेफ स्टीफेंस, भारत और स्कैंडेनेविया के व्यापार अभ्यास 1869-69। एम. पीटरसन (एड।) में, फ्रैं ब्रिसका इंडियन हुसैबी ब्रुक (135-166) तक। लंड: अर्किव फोल्लो।

—— (2018)। श्रम, मजदूरी और कामकाजी लोगों के जीवन स्तर: प्रारंभिक आधुनिक और औपनिवेशिक भारत, 1600-1870। के. माग्रॉवोल्ड, और एस. बिलोर (ईडीएस), भारत: सांस्कृतिक मुठभेड़ों और प्रतिनिधित्व पर शोध (131-161)। स्टॉकहोम: मकदम फ़्लोग।

—— (2019)। खानों की बातचीत: भारतीय कोयला क्षेत्र में सुरक्षा की संस्कृति, 1895-1970। इतिहास में अध्ययन, 35 (1), 88118।

—— (2018)। कोलियरी शहर और श्रम प्रवास: 1895-1970 में एक भारतीय कोयला क्षेत्र में आधुनिक-औद्योगिक प्रजनन व्यवस्था की जांच। सार्वजनिक-व्याख्यान श्रृंखला, 10, 1. पटना: टीआईएसएस.

—— (2018)। कर्मचारी लाभ, प्रवास और सामाजिक आंदोलन: एक भारतीय कोयला क्षेत्र, 1895-1970। श्रम इतिहास, DOI: 10.1080 / 0023656X.2019.1537038

—— (2018)। अभिलेखागार, होने और प्रतिनिधित्व: जमीनी स्तर के अभिलेखागार के गठन और उपयोग में अध्ययन। जर्नल ऑफ़ रिसर्च इंस्टीट्यूट फ़ॉर लेटर्स, आर्ट्स एंड साइंस, 6, 575-577

प्रजापति, बी., और तिवारी, एस. के. (2019)। सामान्यकृत व्युत्पन्न बहुपत्नी बहुपद पर जॉर्डन होमोमोर्फिज्म के रूप में कार्य करते हैं। बीजगणित 47 (7), 2777-2797 में संचार।

संपत, पी. (2018)। भारत की भूमि का क्षरण: आधारभूत संरचना, प्रतिरोध और किराया वी. लॉसन एंड एस एलवुड (ईडीएस), संबंधपरक गरीबी की राजनीति में: रूप, संघर्ष और संभावनाएं (95-112)। एथेंस: जॉर्जिया प्रेस विश्वविद्यालय।

सेन, आर. (2018)। पूछताछ (गैर) - यौन अंतरंगता और उल्लंघन में असंगत: भारत में सामाजिक-कानूनी परिदृश्य का मानचित्रण। जी. चड्ढा और एम. टी। जोसेफ (ईडीएस) में, भारत में पुनः समाजशास्त्र की कल्पना: नारीवादी दृष्टिकोण (197-219)। लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज।

—— (2018)। विकलांगता विशिष्ट घरेलूता में रिश्तेदारी फिर से कल्पना: देखभाल और साहचर्य की कानूनी समझ। ए. घई (सं.) में, दक्षिण एशिया में विकलांगता अध्ययन का मानचित्रण (401-412)। नई दिल्ली: ऋषि प्रकाशन।

—— (2018)। नोट / परिचय: भारतीय नारीवाद, कानून सुधार और भारत का कानून आयोग [संपादकीय]। जर्नल ऑफ़ इंडियन लॉ एंड सोसाइटी, 6 (मानसून), XI-XXXVII। लोटिका सरकार के सम्मान में विशेष अंक।

शर्मा, एस.के. (2019)। औपनिवेशिक उत्तर भारत में गरीबों और गंभीर राहत। ए. मुखर्जी (सं.) में, अकाल का एक सांस्कृतिक इतिहास: भारत और ब्रिटेन में खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण (129-14)। लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज।

सिन्हा, डी., आज़ाद, आर., चक्रवर्ती, एस., और रमानी, एस (एड्स)। (2019)। गलत दिशा में एक

क्वांटम छलांग? दिल्ली: ओरिएंट ब्लैकस्वान।

—— (2018)। इक्विटी अध्ययन के लिए केंद्र में वित्तीय समावेशन। भारत बहिष्करण रिपोर्ट 2017-18। दिल्ली: योदा प्रेस।

—— हिमांशु, लंजौव, पी., और स्टर्न, एन. (2018)। पालनपुर: गाँव सात दशकों से। हिमांशु, पी. लंजौव, और एन. स्टर्न (ईडीएस) में, जीवन कैसे बदलता है: पालनपुर, भारत और विकास अर्थशास्त्र (48-76)। यूके: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— और भट्टाचार्य, आर. (2018)। मानव विकास: शिक्षा, स्वास्थ्य, सार्वजनिक सेवाएं। हिमांशु, पी. लंजौव, और एन. स्टर्न (ईडीएस) में, जीवन कैसे बदलता है: पालनपुर, भारत और विकास अर्थशास्त्र (349-378)। यूके: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— और हिमांशु (2018)। समाज और राजनीति: जड़ता और परिवर्तन। हिमांशु, पी. लंजौव, और एन. स्टर्न (ईडीएस) में, जीवन कैसे बदलता है: पालनपुर, भारत और विकास अर्थशास्त्र (404-424)। यूके: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— और आज़ाद, आर. (2018, 24 मई)। जन-धन योजना, चार साल बाद। हिन्दू।

—— (2018, 17 अगस्त)। आयुष्मान भारत हेल्थ शील्ड में कई छेद हैं। Moneycontrol।

—— और भट्टी, के. (2018, अक्टूबर)। क्या सार्वजनिक क्षेत्र के प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। तार। से लिया गया: https://thewire.in/government/public-sector-health-education-vacancies

—— (2019, 11 जनवरी)। सभी बच्चों के लिए ICDS में डिजाइन अंतराल को प्लग करना। डीएनए.

—— (2019, 25 जनवरी)। शिक्षा का अधिकार: जब पहुंच का मतलब गुणवत्ता भी हो सकता है। डीएनए.

—— और भट्टी, के. (2019, 24 जनवरी)। जिन्हें हम लेते हैं। इंडियन एक्सप्रेस।

—— (2019, 2 फरवरी)। क्या यह बजट वास्तव में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए है? तार। से लिया गया: https://thewire.in/labour/budget-2019-unorganised-sector-workers

—— और सेनगुप्ता, एस. (2019, 6 फरवरी)। अनौपचारिक महिला श्रमिकों को मातृत्व लाभ कैसे बढ़ाया जा सकता है। तार। से लिया गया: https://thewire.in/women/how-maternity-

benefits-can-be-extended-to-informal-women-workers

—— और भट्टी, के. (2019, 11 फरवरी)। डेटा में एक छेद है। इंडियन एक्सप्रेस

—— (2018)। पुनर्विचार अर्थशास्त्र। [अर्थशास्त्र और अन्य हंसमुख विषयों में पुस्तक निबंध की समीक्षा: एस सुब्रमण्यन द्वारा एक निराशाजनक वैज्ञानिक की उनके आसपास की दुनिया में सामयिक प्रतिबिंब। द बुक रिव्यू, 42 (10), 46-47.

स्नेही, वाई. (2019)। पंजाब में लोकप्रिय सूफी मंदिरों का स्थानान्तरण: सपने, यादें, प्रादेशिकता। शिमला: भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, लंदन: रूटलेज।

—— और बघेल, एल.एस. (Eds।) (2018)। पंजाब और हरियाणा की आधुनिकता और बदलते सामाजिक ताने-बाने। शिमला: भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, दिल्ली: PRIMUS Books

—— (2019)। भारतीय पंजाब में ऐतिहासिकता, फील्डवर्क और लोकप्रिय सूफी मंदिर। भारतीय आर्थिक और सामाजिक इतिहास की समीक्षा, 56 (2), 1-32.

—— (2018)। स्थानिकता, स्मृति और अमृतसर के सड़क मंदिर। दक्षिण एशिया बहुविषयक अकादमिक जर्नल, 18 (2018), 1-22 से लिया गया: http://journals.openedition.org/samaj/4559

—— (2018)। तरलता का विरोध, क्षेत्रीय अभ्यास। द्रवित विश्वास में, कठोर धर्म: दक्षिण एशिया (विशेष मुद्दे) के ढांचे में। मानवतावादी विचारधारा पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8 (1), 15–40

वेंकटरमन, जी. (2019, फरवरी)। विषयों को मिलाकर कई कौशल हासिल करें। उच्च शिक्षा में (अंग्रेजी) - 2019. नई दिल्ली: द टाइम्स ग्रुप।

—— (2018, जुलाई)। दक्षिणी ग्रे श्रीके [फोटोग्राफ]। शिरहाई और स्वेन्सन में, पश्चिमी पलेर्टिक पक्षियों की पुस्तिका। लंदन: ब्लूम्सबरी।

—— और कॉक, डब्ल्यू। (2019)। एक समूह में अधिकतम ऑर्डर के तत्वों की संख्या पर। अमेरिकी गणितीय मासिक, 126 (1), 66–69।

वाकनीस, पी. (2018)। मौद्रिक अर्थशास्त्र पर। [भारत में पुस्तक मौद्रिक नीति की समीक्षा: सी. घाटे और के. एम. केलेट (काल) द्वारा आर्थिक दृष्टिकोण, आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 53 (28), 26-27.

—— (2018)। नीति का झटका [सी. आर. रेड्डी की पुस्तक डिमोनेटाइजेशन एंड ब्लैक इकोनॉमी

की समीक्षा]। द बुक रिव्यू, 42 (10)। से लिया गया: http://thebookreviewindia.org/impact-of-policy-shock/

लेटर्स स्कूल

चक्रवर्ती, आर. (2018)। अनुवाद करने वाली महिलाएँ: विभिन्न आवाज़ें और नए क्षितिज। अनुवाद अध्ययन, 11 (3), 365367

—— (2019)। एक अलग मुहावरा: अनुवाद और विकलांगता। एस। सती, और जी. जे. प्रसाद में, अनुवाद में विकलांगता: भारतीय परिप्रेक्ष्य (25-36)। लंदन और नई दिल्ली: रूटलेज।

—— (2018, 7 अगस्त)। टैगोर की पुस्तकें अपने समय से आगे थीं। भारतीय लिंक के साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार। से लिया गया: http://www.indianlink.com.au/radha-chakravarty-translates-rabindranath-tagore-death-anniversary

चौधरी, एस। (2018)। स्थानिक कुरूपता के अविवेकी आकर्षण: एक (पोस्ट) -कोलोनिअल शहर में एक जांच। ई। प्रिज़ेबकी, और एस। रोड्रिग्स (ईडीएस) में, कुरूपता की राजनीति पर (171-192)। लंदन एट अल: पालग्रेव मैकमिलन।

—— (2019)। कलकत्ता के ऑक्टेरलोनी की वर्णक्रमीय औपनिवेशिकता। एच. बेकरिंग, ए। एस्पोसिटो, और सी। गोल्डब्लम (एड्स) में, एशियाई सेटिंग्स में शहर के विचार (45-80)। एम्स्टर्डम: एम्स्टर्डम यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— (2018)। स्वयं का एक दिव्य संस्करण। [पुस्तक की समीक्षा गॉड: ए ह्यूमन हिस्ट्री, आर. असलान द्वारा] बिब्लियो: ए रिव्यू ऑफ बुक्स, XXIII (10-12), 38

—— और बिस्वास, ए. (2019, 30 मार्च)। No saffron on the plate. *Indian* Express.

—— (2018, 19 दिसंबर)। Messenger as Mandate. *Indian* Express.

—— (2018, 24 जुलाई)। It ain’t no revolution. *Indian* Express.

—— (2018, 5 मई)। Mother tongue tied. *Business* Standard.

नावेद, एस., (2018)। हिंदी कैनन: बौद्धिक, प्रक्रियाएं, आलोचना। नई दिल्ली: तूलिका बुक्स। [एम. त्रिपाठी द्वारा हिंदी अलोचना पुरुषों के कैनन निर्मल की प्राकृत का अंग्रेजी अनुवाद]।

—— (2018)। ट्रांसजेंडर मुसलमान। एच. चिनग, और ए। एरोडेकर, एट अल, (ईडीएस) में,

समलैंगिक, समलैंगिक, उभयलिंगी, ट्रांसजेंडर और कतार के इतिहास का वैश्विक विश्वकोश (1627-1630)। न्यूयॉर्क: वैज्ञानिक।

प्रकाश, बी। (2018)। परिधि से लेखन: पगड़ी दिल्ली से विभाजन के कथन। जर्नल ऑफ़ पोस्टकोलोनियल राइटिंग, 54 (3), 307–319

—— (2018)। राष्ट्र, राष्ट्रवाद और भारत का विभाजन: हिंदी कथा साहित्य से दो पल। रेविस्टा कैनरिया डे एस्टुडिओस इंगल्स, 76, 77-89

साखिल, एस. (2018, 16 मई)। लंबे समय से एक पुस्तक: जिम डब्ल्यू। कसम की घर वापसी और अन्य कहानियाँ। [पुस्तक घर वापसी और अन्य कहानियों की समीक्षा, जे.डब्ल्यू। Kasom] पूर्वोत्तर आज।

संकेत, एस., और रॉय, जी. (2018)। उन्नीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य। दिल्ली: वाणी प्रकाशन।

सिंह, एस. आर. (2018)। ओलिवर डब्ल्यू। सैक्स के कार्यों में जीवन-लेखन और विकलांग स्व। ए। घई (सं.), दक्षिण एशिया में विकलांगता: ज्ञान और अनुभव (214–226)। नई दिल्ली: ऋषि प्रकाशन।

वैशाली, एच. ओ., और वैहली, डी. ओ. (2019)। संभव आलिंगन: हिंसक उथल-पुथल के बाद अहिंसक संभावनाओं की खोज। मनोविज्ञान और विकासशील समाज, 31 (1), 139-161।

—— (2018)। सबाल्टर्न और उनके मार्जिन: महाश्वेता देवी के 'बायन' का एक मनोविश्लेषणात्मक पाठ। पंजाब यूनिवर्सिटी रिसर्च जर्नल (आर्ट्स), XLV (2), 15–30

—— (2018)। विभाजन और भारत की स्वतंत्रता के साथ विश्वासघात: ऋत्विक घटक की सिनेमा का विश्लेषण। Revista Canaria de Estudios Ingleses, 76 (विशेष अंक: विभाजन और इसके पिछाड़ी), 91–101

स्नातक अध्ययन स्कूल

पी. झा (2018)। बाल गंगाधर तिलक। पी. जैन, आर. शर्मा, और एम. खन्ना (ईडीएस), हिंदू धर्म और आदिवासी धर्मों में: भारतीय धर्मों का विश्वकोश। डॉर्ड्रेक्ट: स्प्रिंगर।

—— (2018)। सावरकर, विनायक दामोदर ('वीर ')। पी. जैन, आर. शर्मा, और एम. खन्ना (ईडीएस), हिंदू धर्म और आदिवासी धर्मों में: भारतीय धर्मों का विश्वकोश। डॉर्ड्रेक्ट: स्प्रिंगर।

—— (2018)। महिलाओं और आपदा जोखिम में कमी के ढांचे में कमी। बी. जुत्शी, ए. अहमद,

और ए. बी. श्रीरंगपति (एड्स) में, आपदा जोखिम में कमी: सामुदायिक लचीलापन और प्रतिक्रियाएँ (231–239)।

—— और जी.वी.सी. नायडू (2018)। आपदाओं के दौरान लचीलापन निर्माण में विश्वास के संस्थान: लामका और चुराचंदपुर में चर्च और समुदाय। ए. सिंह, एन. पुनिया, एन. पी. हरन, और टी। बी. सिंह (एड्स) में, विकास और आपदा प्रबंधन: भारत के पूर्वोत्तर राज्यों का अध्ययन (383-391)। नई दिल्ली: पालग्रेव मैकमिलन।

—— (2018)। आनंद के कोमारस्वामी। डी. पाठक, और एच. एम. संजीव (ईडीएस), आधुनिक दक्षिण एशियाई विचारकों (2027) में। नई दिल्ली: ऋषि प्रकाशन।

—— (2018)। अंगारिका धर्मपाल। डी. पाठक, और एच. एम. संजीव (ईडीएस), आधुनिक दक्षिण एशियाई विचारकों (14-19) में। नई दिल्ली: ऋषि प्रकाशन।

मेहरोत्रा, आई. (2019)। असमानता और ग्रामीण रोजगार: कृषि संकट और दलित महिलाएं। द माइंड द गैप: भारत में रोजगार की स्थिति, 40–59। नई दिल्ली: ऑक्सफैम इंडिया।

—— (2019)। भारत में महिलाएं अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में 34 प्रतिशत कम कमाती हैं: ऑक्सफैम इंडिया ने रोजगार पर रिपोर्ट दी है। माइंड फ्रॉम द गैप: भारत में रोजगार की स्थिति। से लिया गया: https://caravanmagazine.in/policy/oxfam-india-report-employment-inequality।

—— (2019)। भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिनिधित्व: हाशिये से एक दृश्य। सामाजिक समावेश अध्ययन जर्नल, 5 (1), 59–71

मिर्जा, एस. (2018)। हलालखोर का चित्र: औपनिवेशिक बंबई में जाति और कलंकित श्रम। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 53 (3), 79-85

सिंह, वी. (2018)। तुलसीदास: सत्तंत्र और भक्ति। वी. निराला (सं.) में, तुलसीदास: एक पुण्यमूलयनक। नई दिल्ली: नई किताब।

—— (2018)। मुझे कहीं नहीं: आत्मानसंघर्ष निहितार्थ। अरविंदकशन (एड।), मुक्तिबोध (पृष्ठ संख्या) में। नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन।

—— (2018)। मुक्तिबोध: आशा, प्रतिरोध और सिद्धांत। समरहिल आईएएस समीक्षा, XXIII (2), 28–32

—— (2018)। माखन लाल चतुर्वेदी: एक भारतीय आत्मा के अनमुक स्वर। वगरथ, 273 (अप्रैल), 85-90

—— (2018)। हिंदी कहानियों में अकेलापन, नाया ज्ञानोदय, (188), 14-19

—— (2018)। मुक्तिबोध को याद करने की मजबूरी। वाक, (30–31), 23–29

—— (2018)। आखरी कलाम। पक्षधर, (24), 34-40

वोकेशनल स्टडीज स्कूल

चरक, एन., और शर्मा, पी. (2018)। स्थायी पर्यटन विकास के माध्यम से शांति निर्माण। पर्यटन नवाचार 8 (4), 37-47।

—— शर्मा, पी., और चरक, ए. (2018)। पर्यटन विकास और शांति निर्माण प्रक्रिया के प्रति सामुदायिक धारणा: सीमा क्षेत्र का अध्ययन। यूरोपीय अकादमिक अनुसंधान, 6 (6), 33163328।

राठौर, ए., और प्रकाश, जी. (2019)। दिल्ली का पाक अध्ययन और सांस्कृतिक विरासत: पर्यटक परिप्रेक्ष्य भारत। वाई. जी. थरकान, और जी. प्रकाश (ईडीएस), अनुसंधान, आतिथ्य, पर्यटन शिक्षा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन की प्रक्रिया (पीपी. 8) में। हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म पर 4 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, ले कॉर्डन ब्लू स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी, जी डी गोयनका विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, भारत द्वारा आयोजित किया गया।

सिद्दीकी, एफ. (2018)। स्कूली शिक्षा के अनुभव: मुस्लिम छात्रों के आवाज़। एस. कुमार, और वी. सक्सेना (ईडीएस) में, विविधता और समावेशन में मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टिकोण: शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के लिए एंथोलॉजी (273-282)। दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स।

सामुदायिक ज्ञान केंद्र

सरकार, एस., और झाओ, एक्स. (2018)। संस्कृतियों और क्षेत्रों के बीच सहयोगात्मक शिक्षण। न्यूज़लेटर (IIAS), 81 (शरद ऋतु)।

—— (2019)। हाशिये से आवाज़ें: आशा के गठबंधन के रूप में सामुदायिक ज्ञान: 20 वीं शताब्दी में भारत और जापान के बीच लोगों को जोड़ता है। मोम्बुशो स्कॉलर्स एसोसिएशन जापान जर्नल, 2019 (1)।

—— (2019)। पड़ोस संग्रहालय: स्थानीय पर ध्यान केंद्रित। वर्ता, 1 (2)।

विकास प्रैक्टिस केंद्र

चित्रांशी, बी. (2019)। विकास से परे: आदिवासी संदर्भों में पूंजीवादी और नारीवादी प्रशंसा। ई. क्लेन में, और सी. एम. बोआडा (ईडीएस), व्यवहार में पोस्ट विकास। न्यूयॉर्क और लंदन: रूटलेज।

—— और धर, ए. (2018)। पुनर्विकास विकास संचार। ऑक्सफोर्ड में संचार के अनुसंधान विश्वकोश। DOI: 10.1093 / एकड़ से / 9780190228613.013.6.618

कुमार, एम., धर, ए. और मिश्रा, ए. (ईडीएस)। (2018)। भारतीय क्षेत्र में मनोविश्लेषण: संस्कृति, परिवार और बचपन में उभरते विषय। लानहम: लेक्सिंगटन बुक्स।

—— (2019)। मार्क्स का द रियल: आदिवासी दुनिया में अवैध के मकबरे के रूप में। पी. चटर्जी के (सं.) में, क्रांति के बाद: अंजन घोष की स्मृति में निबंध। हैदराबाद: ओरिएंट ब्लैकस्वान।

—— (2019)। क्या होगा अगर एक हमेशा पहले से ही शामिल है: अम्बेडकर और कट्टरपंथी निकास की राजनीति। एम. रे (सं.) में, भारत में लोकतंत्र की स्थिति: समकालीन समय में जीवन और राजनीति पर निबंध नई दिल्ली: प्राइमस बुक्स।

—— और चक्रवर्ती, ए. (2019)। गरीब मनुष्य का समाजवाद: संवाद में मार्क्स और गांधी। ए. चक्रवर्ती, ए. चक्रवर्ती, बी. दासगुप्ता, और एस. सेन (ईडीएस), पूर्व में राजधानी: मार्क्स पर विचार (पृष्ठ संख्या)। नई दिल्ली: स्प्रिंगर।

—— और चक्रवर्ती, ए. (2019)। बंगाली मार्क्स [बंगाली में मार्क्स] एस. दत्तगुप्त (एड।), मार्क्स में। नई दिल्ली: OUP।

—— (2019)। द वरसोनॉल द विलीवाल [व्यक्तिगत राजनीतिक है?]। ए. चटर्जी (सं.), अलोचनाचक्र में: नारीवाद और दर्शनशास्त्र। कोलकाता।

—— चक्रबर्ती, ए., और मजूमदार, एस. (2019)। राज्य से निजी पूंजीवाद के लिए भारत का संक्रमण: पूंजीपति के अल्पसंख्यक और हिंदू राष्ट्रवादी के बहुमत का एक हिस्सा हो सकता है। आई. रॉसी (एड।), वैश्वीकरण अनुसंधान के नए मोर्चे: वैश्विक उत्तर और वैश्विक दक्षिण से सिद्धांत, प्रक्रियाएं और दृष्टिकोण। न्यूयॉर्क: स्प्रिंगर।

—— (2018)। मेलानचोली दर्शन: पोलिस-प्रैक्सिस-फ़रोनेस और दास का पता। एस बी दास (सं.), परित्याग और अपमान में: दर्शन और कला में मेलानचोली। नई दिल्ली: आकर बुक्स।

—— (2018)। क्या होगा यदि विश्वविद्यालय एक तोते का प्रशिक्षण है। सी. भट्टाचार्य, (सं.) में,

विश्वविद्यालय ने विचार किया: भविष्य के लिए नोट्स। न्यूयॉर्क और लंदन: रूटलेज।

—— (2018)। आदिवासीकरण की वंशावली: मनोविश्लेषण और सांस्कृतिक क्रूसिबल में यौन संबंध। एम. कुमार, ए. धर, और ए. मिश्रा, (ईडीएस), भारतीय क्षेत्र में मनोविश्लेषण: संस्कृति, परिवार और बचपन में उभरते विषय। लानहम: लेक्सिंगटन बुक्स।

—— (2018)। [पुस्तक की समीक्षा हिंसा और स्मृति का भार: एस. परेरा द्वारा सिंहल चेतना में स्मरण और उन्मूलन।] भारतीय समाजशास्त्र में योगदान, 52 (2), 245-247। डीओआई: 10.1177 / 0069966717751937

खन्ना, एन. (2018)। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था का विस्तार: दोहरी अनौपचारिकता का मामला। एस. टीकू (सं.) में, महिलाओं का सतत विकास (154-167)। दिल्ली: मार्क बुक्स।

रोज़, ए. (2018)। नृत्य के साथ नृत्य: बस्तर की कलम माड़िस। छत्तीसगढ़ की मड़ई. से लिया गया: https://www.sahapedia.org/dancing-the-deos-the-pen-madais-of-bastar

—— (2018, 19 मई)। दक्षिण गुजरात के गन्ना हार्वेस्टर। तार। से लिया गया: https://thewire.in/labour/south-gujarat-sugarcane-harvest-bonded-labour

—— (2018, 15 मई)। दक्षिण गुजरात में गन्ना हार्वेस्टर एक के बाद एक पीढ़ियों से बंधे हुए हैं। Newsclick। https://www.newsclick.in/sugarcane-harvesters-south-gujarat-are-trapped-bondage-one-generation-after-another

सील, ए. (2018)। ट्रक, वस्तु विनिमय और विनिमय: गोंडवाना के माडियों में संक्रमण के क्षण। छत्तीसगढ़ की मड़ई. से लिया गया: https://www.sahapedia.org/truck-barter-and-exchange-moments-of-transition-the-madais-of-gondwana

सील, ए., और रोज़, ए. (2018)। डोली, डांग और गंडम की दंतेश्वरी। छत्तीसगढ़ की मड़ई. से लिया गया: https://www.sahapedia.org/doli-dang-and-danteshwari-of-geedam

सिन्हा, ए. (2018)। नाचा: नाचती हुई मंडली की मड़ई. छत्तीसगढ़ की मड़ई. से लिया गया: https://www.sahapedia.org/nacha-dancing-troupes-of-madais

स्वर्णिमा, के. (2018)। क्या है पीछे: बस्तर में मडई. छत्तीसगढ़ की मड़ई. से लिया गया: https://www.sahapedia.org/what-lies-behind-madai-bastar-chhattisgarh

—— (2018)। बस्तरिया दशहरा: देवताओं का एक साथ आना। बस्तर दशहरा। से लिया गया:

https://www.sahapedia.org/bastaria-dussehra-coming-tately-of-deities

विजेता। (2018)। 'श्रम' का उत्सव: हरेली और पोला के कृषि त्यौहार। छत्तीसगढ़ के मानसून त्यौहार। से लिया गया: https://www.sahapedia.org/celebration-of-labouring-the-agricultural-festivals-of-hareli-and-pola

प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

कौल, वी., और भट्टाचार्य, एस (ईडीएस)। (2019)। भारत में बचपन की शिक्षा और स्कूल की तत्परता। सिंगापुर: स्प्रिंगर।

अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र

दीक्षित, के. के., और पडवाड, ए. (2018)। शिक्षण के इरादे और सीखने की विफलताएँ: भारत में शिक्षण-शिक्षण अंग्रेजी. एन. मैकलेलैंड, और आर. स्मिथ (एड्स) में, भाषा सीखने और सिखाने का इतिहास, 3 (एक तरफ संस्कृतियाँ), 246–262। ऑक्सफोर्ड: लेगेंडा।

दीक्षित, के. के. और पडवाड, ए. (2018)। पाठ्यक्रम में परिवर्तन के साथ नकल: एक भारतीय शिक्षक का दृष्टिकोण। एम. वेसेल, और एल। ग्रासिक (Eds) में। पाठ्यक्रम परिवर्तन के साथ रहने वाले शिक्षकों पर अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण (103–124)। बेसिंगस्टोक: पालग्रेव मैकमिलन।

पडवाड, ए., और दीक्षित, के. के. (2018)। शोधकर्ताओं के रूप में विकसित करना: अनुसंधान के साथ जुड़ाव के माध्यम से शिक्षकों के सीपीडी को बढ़ावा देना। ए. केडवेल (सं.), स्पष्टीकरण: भारत में अंग्रेजी पढ़ाना और सीखना, अंक 9, 6–12, नई दिल्ली: ब्रिटिश काउंसिल। से लिया गया: https://www.britishcatalog.in/sites/default/files/eltrep_issue_9.pdf

पडवाड, ए., और आर. बोलिथो (2018)। व्यावसायिक विकास जारी रखना। कप।

पडवाड, ए. (2018)। अंग्रेजी भाषा शिक्षण: महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ। आई. आयर्स, आर. मैककॉर्मिक और टी। पॉवर (ईडीएस) में, सतत अंग्रेजी भाषा शिक्षक विकास बड़े पैमाने पर: बांग्लादेश से सबक (145-152)। लंदन: ब्लूम्सबरी अकादमिक।

—— (2018)। सहायक शिक्षक शोधकर्ता: कुछ मुद्दे। ईटीएएस जर्नल, 35 (3), 42-45।

पांडे, एम. एच. (2018)। पाठ 11: बोलने में कार्य। एस. नंदा, ए. कुमार और ए. महानंद (ईडीएस) में, अंग्रेजी में कक्षा कार्य: बहुभाषी शिक्षण में एक संसाधन पुस्तक (48-51)। दिल्ली: चिरायु।

—— (2018)। पाठ 41: पढ़ने में कार्य। एस. नंदा, ए. कुमार और ए. महानंद (ईडीएस) में, अंग्रेजी में कक्षा कार्य: बहुभाषी शिक्षण के लिए एक संसाधन पुस्तक (173-176)। दिल्ली: चिरायु।

—— (2018)। पाठ 61: शब्दावली में कार्य। एस. नंदा, ए. कुमार और ए. महानंद (ईडीएस) में, अंग्रेजी में कक्षा कार्य: बहुभाषी शिक्षण के लिए एक संसाधन पुस्तक (261-265)। दिल्ली: चिरायु।

—— (2019)। सेवा शिक्षकों के साथ भारतीय ESL संदर्भ में शिक्षक वार्ता (SETT) के आत्म-मूल्यांकन की खोज करना। फोरटेल, 38, 47-60।

ससमल, आई. एच. (2018)। पढ़ने और लिखने के लिए बहुभाषी कार्य। एस. नंदा, ए. कुमार और ए. महानंद (ईडीएस) में, अंग्रेजी में कक्षा कार्य: बहुभाषी शिक्षण में एक संसाधन पुस्तक (171–172)। दिल्ली: चिरायु।

—— (2018)। ईएसएल कक्षा में जागरूक निर्णय लेने के माध्यम से एजेंसी का त्वरण: इन-सर्विस शिक्षकों का अध्ययन। फोरटेल, 37, 40-46.

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र

दीपक, वी. (2018)। सोच के लिए भोजन। [अतिथि स्तंभ]। बैंगनी छत के नीचे, 45, 11. देहरादून: हॉपेटाउन गर्ल्स स्कूल।

मासिह, एस., और माशिह, एस. (2018)। विस्तार के लिए आतंक: एक यात्रा विश्वास के माध्यम से मध्यस्थता। एम. कुमार, ए. धर, और ए. मिश्रा, (ईडीएस), भारतीय क्षेत्र में मनोविश्लेषण: संस्कृति, परिवार और बचपन में उभरते विषय। लानहम: लेक्सिंगटन बुक्स।

रॉय, ए. (2019)। इवोकेटिव टीचिंग: एक गीत में मनोविश्लेषणात्मक प्रतिबिंब जिसे शिक्षण कहा जाता है: अनुभवजन्य और अनुभवजन्य शिक्षाओं का प्रवाह और प्रवाह। दिल्ली: आखर बुक्स।

शोध प्रणाली केंद्र

खन्ना, आर., लियांग, जे., नंदी, एस., स्टेनली, ए., मूसन, एच., और नकेरन, एन. (2018)। भारत में जनजातीय समुदायों के स्वास्थ्य असमानताओं और स्वास्थ्य में 'पद्धति' संपादकों में, भारत में जनजातीय समुदायों के बीच ऐतिहासिक बहिष्करण, संघर्ष, स्वास्थ्य प्रणाली और अस्वास्थ्य: तीन अध्ययनों का एक संश्लेषण। त्रिवेंद्रम: अचूता मेनन सेंटर फॉर हेल्थ साइंस स्टडीज। चेक

प्रसाद, वी., नकेरन, एन., बारू, आर., और लियांग, जे. (2018)। निष्कर्ष: स्वास्थ्य प्रणाली की भूमिका। संपादकों में, ऐतिहासिक बहिष्करण, संघर्ष, स्वास्थ्य प्रणाली और भारत में जनजातीय

समुदायों के बीच स्वास्थ्य: तीन अध्ययनों का एक संश्लेषण। त्रिवेंद्रम: अचूता मेनन सेंटर फॉर हेल्थ साइंस स्टडीज।

5. विश्वविद्यालय के प्रभाग

5.1. इंटरनैशनल अफेयर्स

अंतर्राष्ट्रीय मामलों का प्रभाग (IAD) विश्वविद्यालय की अंतर्राष्ट्रीयकरण नीतियों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग / साझेदारी के प्रबंधन के लिए स्थापित किया गया है। प्रभाग को आधिकारिक तौर पर 13 फरवरी 2019 को प्रबंधन बोर्ड के एक निर्णय (26 दिसंबर 2018) के बाद एक अंतरराष्ट्रीय इकाई (कार्यालय) के लिए सलाहकार समिति को अंतरराष्ट्रीय भागीदारी (एसीआईपी) के स्थान पर बदलने के लिए अधिसूचित किया गया था, जो अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं को शुरू, प्रबंधन और निगरानी करेगा। और विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ। प्रशासनिक इकाई का नेतृत्व एक डीन (अंतर्राष्ट्रीय मामलों) के साथ-साथ एक डिप्टी डीन और एक जूनियर कार्यकारी या सहायक रजिस्ट्रार करते हैं। प्रभाग का संचालन एक संचालन समिति द्वारा किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय के सदस्यों और बाहरी विशेषज्ञों से मिलकर बनेगी, जो अंतर्राष्ट्रीयकरण नीतियों और रणनीति से संबंधित है।

पूर्व में ACIP के चेयरमैन डेनिस पी. लिटन को 13 फरवरी 2019 से डीन, IAD नियुक्त किया गया था।

इंटरनेशनल असोसिएशन

वर्ष 2018-19 के दौरान किसी भी नए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किए गए थे। हालांकि, ACIP ने विश्वविद्यालय और निम्नलिखित के बीच समझौतों के प्रस्तावों पर चर्चा की :

i. ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा (स्नातक छात्रों के आदान-प्रदान के लिए)

ii. हीडलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी (इरास्मस प्लस के तत्वावधान में कर्मियों के दौरे के लिए)

iii. गेटिंगटन विश्वविद्यालय, जर्मनी (जर्मन शैक्षणिक विनिमय सेवा के तत्वावधान में कर्मियों के लिए यात्रा: 'भारत के कार्यक्रमों के लिए एक नया मार्ग)

iv. मानविकी केन्द्रों और संस्थानों का संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका (संस्थागत सदस्यता के लिए)

v. वी. एशिया-प्रशांत उच्च शिक्षा नेटवर्क अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए (संघ की सदस्यता के लिए)

vi. वारविक विश्वविद्यालय, यूके (अनुसंधान परियोजना के लिए: शिक्षा के लिए एक उचित मौका: हरियाणा में शैक्षिक सफलता के लिए मार्ग प्रशस्त)

2019 में (ii) के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है - (चार) अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के लिए सलाहकार समिति की प्रारंभिक चिंताओं के बाद से उन चार प्रस्तावित साझेदारी के बारे में पता चला है और हल किया गया है।

घटनाक्रम/गतिविधियां

1. एयूडी-इंडियाना विश्वविद्यालय, ब्लूमिंगटन, संस्थागत साझेदारी, 2016-2021: इस साझेदारी के तहत, आनंदिनी डार, सहायक प्रोफेसर, एसईएस, ने अगस्त 2018 में दो सप्ताह के लिए इंडियाना विश्वविद्यालय का शैक्षणिक दौरा किया और तान्या चौधरी (SDS में डॉक्टरेट विद्वान)) ने मध्य सितंबर और मध्य दिसंबर 2018 के बीच IU के लिए एक अकादमिक यात्रा की।

2. एयूडी-लुडविग्स यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन (एलयूई) साझेदारी, 2017–2022 (इरास्मस प्लस और बाडेन वुर्टेमबर्ग स्टिफ्टंग के तहत)। एलयूई सेमेस्टर अप्रैल - जुलाई 2018 के दौरान स्कूल ऑफ एजुकेशन स्टडीज़ की दो छात्रों सृष्टि शर्मा और कविता तिवारी को एलयूई में दाखिला दिया गया और मुख्यतः बहुभाषी और बहु-सांस्कृतिक शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम पूरा किया गया; दोनों एलयूई में अपने अध्ययन की अवधि के समापन पर एयूडी में अपने एमए कार्यक्रम में फिर से पंजीकृत हुए और एलयूई में अपने शैक्षणिक कार्य के लिए क्रेडिट प्राप्त किया।

   प्रो. जोर्ज केसलर, डॉ. उलरिच थोबाल्ड, सुश्री मिन्के जैकोबी और सुश्री ताबे नोबलोच ने एलयूई से 4-9 मार्च 2019 तक विश्वविद्यालय का दौरा किया (ईएआरएसएमयूएस प्लस के तहत संकाय और स्टाफ एक्सचेंज)। प्रो. केसलर और डॉ. थोबाल्ड ने 50 से अधिक छात्रों को शामिल करने वाले कई एसईएस पाठ्यक्रमों की कक्षाएं सिखाईं; उन्होंने बीडब्ल्यूएस प्लस समर स्कूल (30 सितंबर - 11 अक्टूबर 2019) के लिए एसईएस के छात्रों के चयन के साथ-साथ जून 2019 में एलयूई में सगाई के लिए एयूडी संकाय के चयन (इरास्मस प्लस एक्सचेंज प्रोग्राम) में भी भाग लिया।

   डॉ. थॉमस विडेनहॉर्न ने 25 से 30 मार्च 2019 तक विश्वविद्यालय में (49 छात्रों का एक वर्ग) (इरास्मस प्लस एक्सचेंज) पढ़ाया।

3. एयूडी-Babes-Bolyai University, Cluj-Napoca, रोमानिया, इरास्मस प्लस एक्सचेंज प्रोग्राम, 2015–2021: 15–21 जुलाई 2018: बिधान सी. दास (SLS) और संदीप आर. सिंह (SoL) द्वारा BBU की अकादमिक यात्राएँ। 22-29 जुलाई 2018: ऑक्टेवियन जुला और एड्रियाना ट्यूडर टिरॉन (दोनों बीबीएयू के अर्थशास्त्र और व्यवसाय के संकाय) द्वारा एयूडी की अकादमिक यात्रा। 26 जनवरी -2 फरवरी 2019: सुश्री मोनिका ज़ैरी, मानव संसाधन प्रबंधन में एसोसिएट प्रोफेसर (अर्थशास्त्र प्रशासन के बीबीयू संकाय) के लिए एक शैक्षणिक यात्रा। रोमानिया जाने वाले एयूडी संकाय ने समाजशास्त्र और विकलांगता अध्ययन में संभावित सहकारी शिक्षण और अनुसंधान के बारे में BBU समकक्षों के साथ बातचीत की। विश्वविद्यालय की फैकल्टी को एक साझेदारी संचालन समिति द्वारा शैक्षणिक यात्रा के लिए विधिवत रूप से चुना गया था, जिसने 2017 और 2018 में बीबीएयू की पिछली यात्राओं के लिए संकाय का चयन किया था। बीबीयू संकाय सदस्यों ने व्यावसायिक अध्ययनों में शिक्षण और अनुसंधान से संबंधित मामलों के बारे में एयूडी संकाय सदस्यों के साथ मिलकर काम किया। / अर्थशास्त्र। दोनों दिशाओं में यात्राओं की अधिकांश लागत इरास्मस प्लस द्वारा कवर की गई थी।

4. डेनवर (कोलोराडो, अमेरिका) के मेट्रोपोलिटन स्टेट यूनिवर्सिटी। एयूडी (मई 2018) के सहयोग से प्रोजेक्ट फुलब्राइट-हेज़ कार्यक्रम (यू.एस. विभाग और राज्य और फ़ुलब्राइट आयोग, समूह परियोजना विदेश कार्यक्रम: and आधुनिक भारत में राज्य और समाज: कोलोराडो शिक्षकों के लिए एक संगोष्ठी, 2018) के माध्यम से। भारत में MSUD समूह के नेता प्रोफेसर थे। जेम्स ऑब्रे, एंड्रयू मुल्डून और अली थोबनी (निदेशक, एमएसयूडी इंटरनेशनल स्टडीज़ ऑफिस)। विश्वविद्यालय के पांच संकाय सदस्य 16 एमएसयूडी संकाय और छात्रों के साथ दिल्ली में चार विस्तारित कक्षाओं / व्यस्तताओं के लिए संसाधन व्यक्ति / व्याख्याता के रूप में लगे हुए थे: बिधान सी. दास, संतोष के. सिंह, उषा मुदिगंती, संजू थॉमस, और शैलेंद्र मेनन। आधुनिक भारतीय राज्य, जाति संबंधों और शहरीकरण के बारे में उनके शिक्षण के लिए विश्वविद्यालय के संकाय ने मानद प्राप्त किया।

5. शास्त्री इंडो-कैनेडियन इंस्टीट्यूट: विश्वविद्यालय SICI के भारतीय सदस्य परिषद से संबंधित है और इसकी अर्ध-वार्षिक बैठकों में भाग लेता है। कृष्णा मेनन (ACIP सदस्य और डीन एसएचएस) द्वारा 10-12 जून 2018 (इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली) की बैठक में इसका प्रतिनिधित्व किया गया।

6. अंतर्राष्ट्रीय विद्वान संबद्धता: स्कूलों के एसीआईपी और डीन की सिफारिश पर, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित विद्वानों / छात्रों को, अंतर्राष्ट्रीय संबद्धता 'के रूप में होस्ट किया है, जो एमओयू के तहत आने वाले व्यक्तियों के अलावा (ऊपर उल्लेख किया गया है)। विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियों ने भारत में अनुसंधान करते हुए अपने छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की। कुछ ने विश्वविद्यालय में खुले व्याख्यान दिए और कुछ ने मुख्य रूप से स्नातकोत्तर छात्रों और अनुसंधान विद्वानों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया।

   i. एलीन फिन, अंग्रेजी भाषा फैलो, क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा अधिकारी (RELO), अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है, सेंटर फॉर इंग्लिश लैंग्वेज एजुकेशन (मध्य अगस्त 2018 से मध्य मई 2019) तक।

   ii. लुसी गुडमैन, पीएचडी स्कॉलर, संरक्षण अनुसंधान संस्थान, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके (नवंबर 2018 से अप्रैल 2019 तक), सितंबर 2021 तक जारी रहेगा।

   iii. हीथर के. बिगले, बेसिस स्कूल, फ्लैगस्टाफ, एरिज़ोना, यू.एस. फुलब्राइट विद्वान ight वीडियो किड द सेज ऑन स्टेज: पर शोध करने के लिए भारत और अमेरिका में कक्षा में वीडियो के उपयोग का तुलनात्मक अध्ययन '(फरवरी-मई 2019)।

   iv. थॉमस कोवान, पोस्टडॉक्टोरल शोधकर्ता, सामाजिक नृविज्ञान विभाग, बर्गन विश्वविद्यालय, नॉर्वे। सहस्राब्दी शहर में tit शासी भूमि का शीर्षक: स्मार्ट शहरीकरण और भूमि शासन आधुनिकीकरण '(जनवरी-जून 2019)।

   v. फेबे डे गेस्ट, पीएचडी स्कॉलर, भूगोल विभाग, मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया। 'भारत में युवा लोगों के हर दिन का जीवन' शीर्षक परियोजना (जनवरी-मई 2019)

   vi. Karine Gagne, पोस्ट डॉक्टोरियल रिसर्चर, येल यूनिवर्सिटी: "Himalayan Pathways: Aspiration, Infrastructure and Mobility in Zanscar, India" (मई-अगस्त 2018) नामक प्रोजेक्ट।

   vii. प्रीति राममूर्ति, प्रोफेसर, वाशिंगटन विश्वविद्यालय (सिएटल (यूएस)) में फुलब्राइट वरिष्ठ विद्वान के रूप में: 'समकालीन भारत में अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के कवि' शीर्षक परियोजना (जनवरी-अगस्त 2018)।

   viii. श्रेया सिन्हा, एसओएएस, लंदन विश्वविद्यालय, यूके. आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान परिषद (यूके) पोस्टडॉक्टरल रिसर्च फेलो। परियोजना का शीर्षक: ए

लिबरलाइज्ड इंडिया में एग्रेरियन संचय: पंजाब में पूंजीवादी किसानों का अध्ययन' (2018-2018)।

ix. क्रिस्टीना रिले, डॉक्टरेट विद्वान, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, यूएस, फुलब्राइट फेलो। परियोजना का शीर्षक: घरेलू दुरुपयोग की पारियों की सांस्कृतिक परीक्षा' (27 मार्च 2018 से 26 अप्रैल 2019)।

7. **अन्य:** विश्वविद्यालय ने इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज़ और ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (छात्रों के लिए एक व्यावसायिक विकास संगठन और व्यावसायिक अध्ययन के संकाय) में अपनी सदस्यता जारी रखी।

पुलक दास, सहायक प्रोफेसर, एसएचई को शास्त्री इंडो-कैनेडियन इंस्टीट्यूट का शास्त्री संकाय प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीयकरण अनुदान (SFTIG) प्राप्त हुआ। परियोजना की अवधि 1 मार्च से 30 सितंबर 2018 थी।

5.2. अनुसंधान और परामर्श

26 दिसंबर 2018 को आयोजित अपनी 25 वीं बैठक में प्रबंधन बोर्ड ने अनुसंधान और परामर्श कार्यालय (आरएंडसी) के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी और 13 फरवरी 2019 को इसे अधिसूचित कर दिया। प्रभाग की अध्यक्षता डीन के अधीन 7 ए के तहत है। विश्वविद्यालय की। डीन आर एंड सी का कार्यालय, तीन व्यापक क्षेत्रों पर निगरानी प्रदान करने का लक्ष्य रखता है: (i) अनुसंधान - विश्वविद्यालय में अनुसंधान के सभी रूपों और प्रथाओं को शामिल करना, (ii) परामर्श - सभी परामर्शी लिंकेज को शामिल करना जो विश्वविद्यालय के पास है या होने की संभावना है विकसित करना और (ii) अनुसंधान में क्षमता निर्माण - विश्वविद्यालय समुदाय के बीच अनुसंधान में कौशल और पद्धतिगत अंतर्दृष्टि विकसित करना।

अनुसंधान और परामर्श विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि विश्वविद्यालय में किए गए अनुसंधान उचित विनियामक, कानूनी, पेशेवर और नैतिक मानकों का पालन करें, और शोधकर्ताओं के समुदाय से परिचित हों, और जानें कि उनकी परियोजनाओं में ऐसी आवश्यकताओं को कैसे पूरा किया जाए. प्रभाग शोधकर्ताओं की सुविधा के लिए कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करेगा और उनकी परियोजनाओं पर लागू होने वाली आवश्यकताओं के बारे में प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है।

2018-19 में कुल 22 संकाय सदस्यों ने नियत प्रक्रिया के माध्यम से अनुमोदित विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्रत्येक में 1 लाख रुपये का बीज धन अनुदान प्राप्त किया। परियोजनाओं को एक साल में पूरा किया जाना था। संकाय सदस्यों को दिए गए 22 बीज धन अनुदानों में से, 18 संकाय सदस्यों ने परियोजना को पूरा किया और अपनी अंतिम रिपोर्ट विश्वविद्यालय को सौंप दी।

विभाजन 2019-20 में प्रदान किए जाने वाले बीज मुद्रा अनुदान के लिए 21 नए आवेदनों की प्राप्ति में है।

इसके अलावा, 24 जुलाई 2018 को आयोजित 24 वीं बैठक में बीओएम द्वारा अनुमोदित परामर्श नीति के अनुसार अनुसंधान और परामर्श गतिविधियाँ राजस्व सृजन की सुविधा भी प्रदान करेंगी। कंसल्टेंसी पॉलिसी सभी स्कूलों और केंद्रों के संकाय को सुविधा प्रदान करने के लिए एक सक्षम तंत्र है। विभिन्न शैक्षणिक और पेशेवर विशेषज्ञता।

सीड मनी ग्रांट के तहत दी गई निम्नलिखित परियोजनाओं के संबंध में क्लोजर रिपोर्ट डिवीजन को प्रस्तुत की गई है:

1. सुमना दत्ता, प्रधान अन्वेषक। सामुदायिक वन प्रशासन बनाना और बनाना: भारत में REDD + का एक केस अध्ययन।
2. के. वेलेंटीना, प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर। आदिवासियों के मानवाधिकारों के संरक्षक और उल्लंघनकर्ता के रूप में राज्य की संघर्षपूर्ण भूमिका: तेलंगाना राज्य में सिंगरेनी कोलियरीज लिमिटेड (SCCL) का अनुभवजन्य अध्ययन।
3. अनिल कंवल, प्रधान अन्वेषक। भारत में डिजिटल वित्तीय समावेशन: जिम्मेदार वित्त की दिशा में एक पहल।
4. नूपुर सैमुअल, प्रधान अन्वेषक। भारत में शिक्षाशास्त्र और उच्च शिक्षा लिखना।
5. धीरज कुमार नीते, प्रधान अन्वेषक। निर्माण श्रमिक, मजदूरी और भलाई: एक भारतीय क्षेत्र (महाराष्ट्र), 1860–1869।
6. शेली पाण्डेय, प्रधान अन्वेषक। सूचना संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शरणार्थियों के जीवन का पता लगाना: दिल्ली शहर में अफगान सिख शरणार्थियों का अध्ययन।
7. इशिता डे, प्रधान अन्वेषक। स्थानीय स्वाद का मानकीकरण: भौगोलिक संकेत की राजनीति।
8. रचना चौधरी, प्रधान अन्वेषक। समकालीन दिल्ली में लिंग और लिंग का संदर्भ।
9. सत्यकेतु संकृति, मुख्य जांचकर्ता। हिंदी उपन्यासों (20वी शताब्दी के अंतिम दशक से लेकर 21वी सदी के आरंभिक दशकों के विषेश संदर्भ में) परिसर जीवन का चित्रण
10. बिंदू के सी., प्रधान अन्वेषक। हंसी का खतरा? दक्षिण भारत के मालाबार से नंबूदिरी चुटकुलों (नाम्बोरी फालितांगल) में आधुनिकता और हास्य।
11. रिंजू रासलीला, प्रधान अन्वेषक। इनकार और अभाव: दार्जिलिंग चाय बागान श्रम के बीच स्वास्थ्य असमानताएं।
12. दीपा सिन्हा, प्रधान अन्वेषक। दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ियों में पल रहे शिशु और छोटे बच्चे की स्थिति: एक खोजपूर्ण अध्ययन।
13. प्रियंका झा, प्रधान अन्वेषक। आधुनिक भारत के बौद्ध विचारक।
14. माइकल ल्यूमिंटांग हाओकिप, प्रधान अन्वेषक। भारत के पूर्वोत्तर में लोकतंत्र और संघर्ष: मणिपुर चरण।
15. शेफाली जैन, प्रधान अन्वेषक। लैंडस्केप और पतन।

16. क्रांति कुमार, प्रधान अन्वेषक। मानव स्वास्थ्य पर यातायात के शोर के प्रभावों पर अध्ययन।
17. पार्थ साहा, प्रधान अन्वेषक। ग्रामीण पंजाब में कृषि मशीनीकरण और उत्पादन संबंधों पर एक अध्ययन।
18. बिधान चंद्र दाश, प्रधान अन्वेषक। सामाजिक आंदोलनों के रूप में लोकप्रिय धर्म: ओडिशा में महिमा अलेख धामा का एक नृवंशविज्ञान अध्ययन और दलितों की मुक्ति।.

वर्ष 2018-19 के दौरान अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

1. वृंदा दत्ता, प्रधान अन्वेषक। बिहार में ईसीई पर तकनीकी सहायता। यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित (39.91 लाख रुपये)।
2. वृंदा दत्ता, प्रधान अन्वेषक। महाराष्ट्र में ईसीई पर तकनीकी सहायता। यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित (54.01 लाख रुपये)।
3. वृंदा दत्ता, प्रधान अन्वेषक। राजस्थान में ईसीई को मजबूत करने के लिए तकनीकी सहायता। यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित (14.92 लाख रुपये)।
4. वृंदा दत्ता, प्रधान अन्वेषक। पश्चिम बंगाल में ईसीई को मजबूत करने के लिए तकनीकी सहायता। यूनिसेफ (RS। 21.64 लाख) द्वारा वित्त पोषित।
5. वृंदा दत्ता, प्रधान अन्वेषक। सतत विकास प्राप्त करने के समर्थन में बचपन की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) में गुणवत्ता को मजबूत करना। यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित (231.32 लाख रुपये)।
6. वृंदा दत्ता, प्रधान अन्वेषक। एकीकृत ईसीडी हस्तक्षेप पैकेज और MSRLS की भूमिका पर व्यवहार्यता अध्ययन। विश्व बैंक द्वारा निधि (10.18 लाख रुपये)।
7. डेनिस पी. लिटन, प्रधान अन्वेषक। अतीत का कैमरा। इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स (3 लाख रुपये) द्वारा वित्त पोषित।
8. कृष्ण राम, प्रधान अन्वेषक। भारत में पॉकेट स्वास्थ्य व्यय और गरीबी अनुमानों पर इसके प्रभाव का आकलन: 1990 के दशक से एनएसएसओ डेटा सेटों पर आधारित अनुभवजन्य साक्ष्य। आईसीएसएसआर द्वारा निधि (1.60 लाख रु.)।
9. कार्तिक दवे, प्रधान अन्वेषक। खुदरा उद्योग के संबंध में स्नातक और स्नातकोत्तर की रोजगार: उत्तर पूर्व के चयनित राज्यों का अध्ययन। आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित (3.60 लाख

रु.)।

10. क्रांति कुमार, प्रधान अन्वेषक। बीएसआर अनुसंधान स्टार्टअप अनुदान। यूजीसी (6 लाख रुपये) द्वारा वित्त पोषित।

कार्यशाला और छात्रवृत्ति

1. उर्फ़ ए मीर ने नृवंशविज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया। संस्कृति मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित (75,000 रुपये)।
2. डेनिस पी. लिटन ने एक समुद्री सम्मेलन का आयोजन किया। केरल पर्यटन और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (552,957 रुपये) द्वारा वित्त पोषित।
3. पुलक दास को शास्त्री संकाय प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीयकरण अनुदान (रु. 302,400) से सम्मानित किया गया।
4. अनुज भुवानिया को अनिल दीवान फाउंडेशन छात्रवृत्ति (1,295,736 रुपये) से सम्मानित किया गया।

5.3. पुस्तकालय सेवाएं

विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों में आधुनिक और सुसज्जित पुस्तकालय हैं। पुस्तकालयों छात्रों, अनुसंधान विद्वानों, और संकाय की शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करते हैं। कश्मीरी गेट परिसर, करमपुरा परिसर और लोधी रोड परिसर में रीडिंग हॉल की बैठने की क्षमता क्रमशः 50, 90 और 30 है। बारह कंप्यूटर सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन संसाधनों तक पहुँचा जा सकता है। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (OPAC) का उपयोग करके लाइब्रेरी कैटलॉग को खोजने के लिए एक अतिरिक्त पांच कंप्यूटर समर्पित हैं। लाइब्रेरी में एक केंद्रीकृत स्वचालित लाइब्रेरी फंक्शन KOHA है, जो तीनों परिसरों में एक ओपन सोर्स लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर है और वीपीएन और इनफ़्लीड सुविधा के माध्यम से 100 एमबीपीएस स्पीड से जुड़ा है। पुस्तकालय संचालन को कम्प्यूटरीकृत किया गया है और नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। पुस्तकालयों को राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर पूरे दिन सुबह 8.00 बजे से रात 8:00 बजे तक खुला रखा जाता है।

पुस्तकालय सलाहकार समिति में विभिन्न स्कूलों के 28 सदस्य हैं और अध्यक्षता रुक्मिणी सेन के पास है।

पुस्तकालय संग्रह

लाइब्रेरी में 56,830 पुस्तकों, 155263 ई-पुस्तकों, 19,222 विशेष का संग्रह है

ई-जर्नल, और सामाजिक विज्ञान और मानविकी के क्षेत्र में 35 ऑनलाइन डेटाबेस। पुस्तकालय में इतिहास, भूगोल और साहित्य और भाषा, टाइम्स ऑफ इंडिया अभिलेखागार, उत्तर भारत में चर्च के अभिलेखागार, इस्लाम के विश्वकोश, ऑनलाइन हिंदू धर्म के विश्वकोश, भारत के ब्रिटिश राजपत्रकों, अभिलेखागार जैसे अभिलेखीय ई-संसाधन भी हैं। कामुकता और लिंग: इतिहास और संस्कृति, एडम मैथ्यू अभिलेखागार ई-संग्रह पर (ए) चर्च मिशनरी सोसायटी आवधिक संकुल, (बी) ग्लोबल कमोडिटीज, (सी) एम्पायर ऑनलाइन, (डी) ईस्ट इंडिया कंपनी ऑनलाइन संसाधन।

सभी पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के लिए ऑनलाइन संसाधनों की पहुँच 24x7 पर और ऑफ-कैंपस में उपलब्ध है। नामांकित छात्रों के लिए पुस्तकालय की पुस्तकों का अनुपात प्रति छात्र 56 पुस्तकें हैं। पुस्तकालय भारत के राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय के माध्यम से 1,400,000 ई-पुस्तक के संग्रह के साथ वर्ल्ड ईबुक लाइब्रेरी तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है और 155,000 ई-पुस्तक का संग्रह प्रोक्वेस्ट एब्ररी कम्प्लीट से और 1,000,000 से अधिक शोध प्रबंध और थीसिस है। पुस्तकालय ने हिंदी में पत्रिकाओं, पुस्तकों और अन्य पठन सामग्री को कवर करते हुए नॉटनॉल हिंदी संग्रह डेटाबेस

की सदस्यता ली है। पुस्तकालय भारत के डेज़ी फोरम का सदस्य भी है।

इस वर्ष, लाइब्रेरी ने रु की लागत से ६१ new३ नई पुस्तकें खरीदी हैं। 11,345,498; रुपये की लागत से 35 डेटाबेस सहित 19,222 ई-पत्रिकाओं के लिए नवीनीकृत और सदस्यता ली गई. 40,276,504 और रु. 5,400,000 (UGC XII प्लान ग्रांट)। इस वर्ष के लिए पुस्तकालय का कुल खर्च रु. 57,022,002।

पुस्तकालय विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क (DELNET) का एक सदस्य है जो अपने सदस्य पुस्तकालयों को दस्तावेज़ वितरण सेवाएँ और अंतर-पुस्तकालय ऋण प्रदान करता है। यह सूचना पुस्तकालय नेटवर्क (INFLIBNET) कार्यक्रम का भी सदस्य है जो E-ShodhSindhu के माध्यम से ई-संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है: इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के लिए एक संघ और भारतीय अनुसंधान का एक भंडार और उच्च शिक्षा में शोध प्रबंध।

सेवाएं

लगभग 3292 उपयोगकर्ताओं (2926 छात्रों और विद्वानों, 202 संकाय सदस्यों और 164 विश्वविद्यालय कर्मचारियों) ने तीन परिसरों में वर्ष के दौरान पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग किया। इस वर्ष, तीनों परिसरों में 44,863 पुस्तकें परिचालित की गईं, और उधार / परामर्श / संदर्भित के लिए पुस्तकालय में 46,880 दौरे किए गए. प्रदान की गई अन्य सेवाओं में शामिल हैं:

- उपयोगकर्ताओं को संदर्भ सेवा और व्यक्तिगत सूचना सेवा।
- DELNET के माध्यम से विश्वविद्यालय के परिसरों और अन्य पुस्तकालयों के बीच अंतर-पुस्तकालय ऋण।
- नए आवक के बारे में उपयोगकर्ताओं को सूचित करने के लिए ई-अलर्ट भेजना
- ई-संसाधनों तक ऑनलाइन पहुंच प्रदान करना।
- टरगिटिन सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए साहित्यिक चोरी जाँच सेवाएँ प्रदान करना
- नेत्रहीन विकलांग व्यक्ति (जबड़े सॉफ्टवेयर और डेज़ी पुस्तकों) के लिए स्क्रीन रीडर सेवाएं।
- विकलांगता अध्ययन के लिए अलग अनुभाग
- किताबों की चयन और सिफारिश करने के लिए पुस्तक प्रदर्शनी।

- नए सदस्यता प्राप्त डेटाबेस का प्रदर्शन।
- नए छात्रों और संकायों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम / कार्यशालाएं।
- ई-पत्रिकाओं और ई-पुस्तकों से संसाधनों की सुविधाएं डाउनलोड करें
- वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) और इनफ्लिबनेट एक्सेस मैनेजमेंट फेडरेशन (INFED) के माध्यम से रिमोट एक्सेस।
- ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) और वेब ओपीएसी तक पहुंच
- ओपीएसी के माध्यम से दस्तावेज़ सुविधा का आरक्षण।
- अनुरोध पर अन्य पुस्तकालयों के साथ-साथ प्रकाशकों से संसाधनों की सॉफ्टकॉपी प्राप्त करना।
- वाई-फाई इंटरनेट का उपयोग
- ईमेल के माध्यम से सेवाएं
- डेटाबेस, ई-संसाधनों और पुस्तकालय पुस्तकों की खोज में सहायता करना

संसाधन बंटवारा

पुस्तकालय को साझा करने वाले संसाधन के हिस्से के रूप में विश्वविद्यालय के उपयोगकर्ताओं के लिए 39 पुस्तकालयों से 375 पुस्तकों का आदेश दिया गया है, जबकि पुस्तकालय ने DELNET के माध्यम से पूरे भारत में अन्य संस्थानों को 202 पुस्तकें उधार दी हैं। पुस्तकालय ने विभिन्न पुस्तकालयों और प्रकाशकों से 41 से अधिक लेखों और पुस्तक अध्यायों की व्यवस्था की है।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

13 जून, 2018 को बाल्टीमोर, मैरीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका में स्पेशल लाइब्रेरीज़ एसोसिएशन (पीएएम डिवीजन) द्वारा डेबल सी. कार को एसएलए-पीएएम स्पेशल इंटरनेशनल लाइब्रेरियन अवार्ड मिला।

अलका राय को 5 अक्टूबर 2018 को बंगलौर, भारत में प्रूकेस्ट द्वारा सम्मानित किया गया, राइजिंग स्टार अवार्ड: बडिंग लाइब्रेरियन मिला।

प्रस्तुतियां

अलका राय ने स्काइप, डिजिटल डिवाइड के माध्यम से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया: भारत में महिलाएं कहां खड़ी होती हैं?, लिमेरिक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा 21-20 जून 2018 को आयोजित पश्चिमी बाल्कन सूचना साक्षरता सम्मेलन - WBILC2018 में।

अलका राय ने एक शोध पत्र, जेंडर और डिजिटल डिवाइड पेश किया: दक्षिण एशिया में महिलाएं कैसे प्रतिक्रिया देती हैं?, सामाजिक विज्ञान संगठन, बैंकॉक, थाईलैंड द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एलआईएस 2018 में, 8-10 अगस्त 2018 तक.

व्याख्यान / उपलब्धियां

देबल सी. कार ने एशियन स्पेशल लाइब्रेरीज़ (ICoASL 2019) के छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता और एक सत्र की अध्यक्षता की, विशेष विकास के सहयोग से आर्थिक विकास और अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित डिजिटल प्लस युग में पुस्तकालय और पुस्तकालय। लाइब्रेरी एसोसिएशन एशियन चैप्टर, सोसायटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स, अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली में, 14-15 फरवरी 2019 तक।

बाल्टीमोर कन्वेंशन सेंटर, बाल्टीमोर, मैरीलैंड में, विशेष पुस्तकालय संघ द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन और INFO-EXPO (SLA2018) में, एशियन चैप्टर की बिजनेस मीटिंग और पैनल डिस्कशन, एशियन लाइब्रेरीज़ और लाइब्रेरियनशिप में डेबल सी. कार ने एक सत्र की अध्यक्षता की। , यूएसए, 12 जून 2018 को।

अलका राय ने 4 अप्रैल 2018 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में अनुसंधान विद्वानों और संकायों के लिए अनुसंधान विधियों के केंद्र के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला, पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं का आयोजन किया।

अलका राय, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा, इंटरनेशनल गेस्ट हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 12-24 जून 2018 को आयोजित, डिजिटल लर्निंग इंटीग्रेटेड कोर्स डिज़ाइन (DLICD) फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए तीन दिनों की कार्यशाला में एक तकनीकी संसाधन व्यक्ति थीं।

अलका राय ने तीन दिवसीय कार्यशाला में योगदान दिया, योजना के लिए और पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए, डिजिटल लर्निंग इंटीग्रेटेड कोर्स डिज़ाइन (DLICD) संकाय विकास कार्यक्रम, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली द्वारा आयोजित, इंटरनेशनल गेस्ट हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में, 27-29 जुलाई 2018 को।

अलका राय ने निदेशक, आईटी सेवा, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, भारत से इनपुट के साथ,

अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के लिए खुली शिक्षा संसाधन (OER) के लिए नीति तैयार की।

Inauguaration of International Conference of Asian Special Libraries (ICoASL) 2019

5.4. सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

विश्वविद्यालय का दृढ़ता से मानना है कि सूचना प्रौद्योगिकी संबंध विकास और उच्च शिक्षा में सुधार करने के लिए एक मौलिक आयोजक है। विश्वविद्यालय की आईटी दृष्टि जानकारी प्रदान करने और इसे तुरंत और सुरक्षित रूप से छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को वितरित करने की आवश्यकता है। इसका उद्देश्य ऐसी आईटी सेवाएं प्रदान करना है जो एक सक्रिय प्रक्रिया के माध्यम से निरंतर सुधार और अनुसंधान के लिए विश्लेषण करने में सक्षम हैं, जिन्हें शिक्षाविदों के बीच संचार और सहयोग की आवश्यकता होती है। ऐसा करने में, आईटी सेवा प्रभाग विश्वविद्यालय के सभी आईटी से संबंधित गतिविधियों के लिए रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करता है। सेवाओं में इंटरनेट एक्सेस, वाईफाई कनेक्टिविटी, इंट्रानेट, वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क एक्सेस, ईमेल, ईआरपी प्रबंधन, ऑनलाइन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम और लाइब्रेरी सेवाएं शामिल हैं। यह प्रभाग आईटी सुरक्षा, केंद्रीकृत बैकअप भंडारण और विश्वविद्यालय वेबसाइट और नौकरी पोर्टल के रखरखाव का काम भी संभालता है।

आईटी सेवा प्रभाग विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रौद्योगिकी के रचनात्मक और अभिनव उपयोग को बढ़ावा देकर विश्वविद्यालय के विभिन्न हितधारकों को तकनीकी लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध है। डिवीजन सूचना परिसंपत्तियों के प्रभावी संचालन को बढ़ावा देता है और विश्वविद्यालय समुदाय की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए एक सुरक्षित, विश्वसनीय बुनियादी ढाँचा और आवेदन सहायता प्रदान करता है। ये सेवाएं शिक्षण कौशल और सीखने की क्षमता में सुधार करने में मदद करती हैं।

आईटी सुविधाएं

एयूडी एनकेएन (नेशनल नॉलेज नेटवर्क) प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जो एक एकीकृत हाई-स्पीड नेटवर्क बैकबोन प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक मल्टी-गीगाबिट पैन-इंडिया नेटवर्क है। यह देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीच छात्रों, अनुसंधान विद्वानों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोग के उद्देश्य से उपयोगी है। वर्तमान में, एयूडी के तीन परिसरों को 100 एमबीपीएस एमपीएलएस कनेक्टिविटी के माध्यम से जोड़ा जाता है, सहयोग के लिए, संसाधनों के उपयोग और सभी परिसरों में समान आईटी सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए.

विभिन्न जिम्मेदारियों के बीच जो विभाजन का काम करता है, उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी छात्रों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की आम आईटी से संबंधित जरूरतों को पूरा करना है। ये निम्नलिखित हैं:

वीपीएन: वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान की गई है ताकि डिजिटल जानकारी को अधिकृत उपयोगकर्ताओं द्वारा दूरस्थ रूप से एक्सेस किया जा सके. छात्रों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों और कर्मचारियों को ई-पत्रिकाओं की सर्वव्यापी पहुंच प्रदान की गई है।

कंप्यूटर संसाधन: वर्चुअलाइजेशन वाले सर्वर विभिन्न अनुप्रयोगों, डेटाबेस, ई-लर्निंग मॉड्यूल और अन्य सहायक आईटी सेवाओं के लिए तैनात किए जाते हैं। संकाय और कर्मचारियों को उनके दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए डेस्कटॉप / लैपटॉप जैसे अंतिम उपयोगकर्ता गणना संसाधन प्रदान किए गए हैं।

भंडारण: केंद्रीय भंडारण प्रणाली को महत्वपूर्ण डेटा और फ़ाइलों को संग्रहीत करने के लिए संकाय और कर्मचारियों द्वारा पहुँचा जा सकता है। ओपन सोर्स सॉल्यूशंस जैसे DSpace, कलेक्टिव एक्सेस आदि को दस्तावेज़ रिपॉजिटरी के रूप में तैनात किया गया है।

ईआरपी: एक आम एकीकृत ईआरपी प्रणाली को सफलतापूर्वक छात्र जीवन-चक्र प्रबंधन की क्षमताओं की प्राप्ति के लिए लागू किया गया है।

विश्वविद्यालय वेबसाइट पोर्टल: विश्वविद्यालय की वेबसाइट प्रवेश और भर्ती पोर्टल के साथ-साथ मौजूदा और नए छात्रों और अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों को जानकारी प्रदान करने में कामयाब होती है।

इंट्रानेट: इंट्रानेट आंतरिक विश्वविद्यालय समुदाय के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक नोटिस बोर्ड के रूप में कार्य करता है। यह सभी परिसरों में सूचनाओं के निर्बाध प्रवाह के माध्यम से तालमेल को अनलॉक करने और प्रक्रियाओं को सामंजस्य बनाने की बड़ी पहल का हिस्सा है।

ईमेल: छात्रों, शोधकर्ताओं, संकाय और कर्मचारियों को ऑडी.एसी.इन डोमेन के भीतर एक आधिकारिक ईमेल आईडी जारी किया जाता है।

आईटी लैब्स: विश्वविद्यालय के पास तीनों परिसरों में आईटी प्रयोगशालाएं हैं जो छात्रों और शिक्षकों द्वारा उनके सीखने की वृद्धि, पाठ्यक्रम मॉड्यूल के साथ-साथ अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए उपयोग की जाती हैं।

ई-लर्निंग: संकाय और विद्वान पढ़ाए गए पाठों और चर्चाओं का समर्थन करने के लिए सामग्रियों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करते हैं, जिसमें नोट्स, हैंडआउट, ऑडियो-विज़ुअल और मल्टीमीडिया सामग्री आदि शामिल हैं, अधिकांश कक्षाओं को ज़रूरतों को पूरा करने के लिए ऑडियो-विज़ुअल एड्स से लैस किया जाता है। शिक्षण का। ई-लर्निंग टूल जैसे कि मूडल और गूगल

क्लासरूम का उपयोग मुख्य रूप से विश्वविद्यालय में शिक्षकों और छात्रों द्वारा किया जाता है।

आईटी हेल्पडेस्क: सभी तीन परिसरों के लिए एक ऑनलाइन केंद्रीकृत हेल्पडेस्क सिस्टम एक बहुआयामी संसाधन की पेशकश करने के लिए तैनात किया गया है, जो आईटी सेवाओं और कार्यों में डाउनटाइम को कम करने और उन्हें अधिकतम समय के लिए उपलब्ध कराने में मदद करने के लिए नामित है। अंतिम-उपयोगकर्ता अपने आईटी सेवा अनुरोध ऑनलाइन बना सकते हैं और यदि आवश्यक हो तो उसी को ट्रैक कर सकते हैं। एक डैशबोर्ड वरिष्ठ सेवाओं को आईटी सेवाओं की वास्तविक समय स्थिति प्रदान करता है।

शैक्षणिक उपकरण: पहले से ही बताए गए संसाधनों के अलावा, SPSS, STATA, E-View, Mathematica, Arc-view GIS, Adobe Master Collection, Symantec समापन बिंदु सुरक्षा और Atlas TI इत्यादि जैसे सॉफ्टवेयर सभी IT Labs में स्थापित हैं। अनुसंधान और शैक्षणिक उद्देश्य।

शासन और भविष्य का रोडमैप

एक आईटी शासन मॉडल निर्णय लेने वाले प्राधिकरण के असाइनमेंट और विश्वविद्यालय की आईटी क्षमताओं के प्रति जवाबदेही के माध्यम से रणनीतिक, सामरिक और परिचालन स्तरों पर कार्य करने के लिए है। एक आईटी सलाहकार समिति जिसमें बाहरी विषय वस्तु से संबंधित प्रख्यात संगठनों / विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों को सलाह दी गई है कि वे नए आईटी अवसंरचना और अनुप्रयोग पहलों की सलाह दें। प्रक्रिया स्वचालन आवश्यकताओं का मूल्यांकन करने और विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं से जुड़ी पहलों को कार्यान्वित करने के लिए चार्टर की सिफारिश करने के लिए एक ईआरपी समिति भी गठित की गई है। सभी स्कूलों और केंद्रों सहित विश्वविद्यालय के वेबसाइट पोर्टलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक वेब टास्क फोर्स समिति का गठन किया गया है। ईआरपी और वेब टास्क फोर्स समितियां अपने संबंधित क्षेत्रों के लिए परिवर्तन प्रबंधन बोर्ड के रूप में कार्य करती हैं।

भविष्य के लिए विश्वविद्यालय के आईटी रोडमैप में ईआरपी, वेबसाइट का उन्नयन और बढ़ाया स्वचालन के लिए शिक्षाविदों और कर्मचारियों की सहायता के लिए गतिशीलता शुरू करना शामिल है। विश्वविद्यालय को अपनी तेजी से विकसित हो रही जरूरतों का जवाब देने में सक्षम बनाने के लिए, कोर आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर जिसमें सर्वर, नेटवर्क, वाईफाई कनेक्टिविटी, व्यापार निरंतरता योजना और आपदा वसूली प्रबंधन शामिल हैं, को फिर से डिजाइन किया जा रहा है। यह संस्थागत विकास के लिए एक स्थिर, स्केलेबल और सुरक्षित मंच प्रदान करेगा। प्रभाग ने वर्चुअलाइजेशन तकनीक

को लागू करके हरित डेटा-केंद्रों को बनाए रखने की दिशा में पहल की है। यह मांग-आधारित परिचालन आवश्यकताओं के पैमाने पर क्षमता को बढ़ाएगा और इसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण लागत प्रभावकारिता होगी। डिवीजन समाधानों को लागू करने में विश्वास करता है open ओपन सोर्स तरीका 'जो सहयोगात्मक भागीदारी, तेजी से प्रोटोटाइप, पारदर्शिता, योग्यता, और समुदाय-उन्मुख विकास को बढ़ावा देता है। विभिन्न डिवीजनों में प्रक्रियाओं को कवर करने के लिए एक व्यापक प्रक्रिया डिजाइन अभ्यास शुरू किया जा रहा है और प्रक्रिया स्वचालन उपकरण के कार्यान्वयन के लिए लीवरेज किया जाएगा। यह पहल दृश्यता को बढ़ाएगी और साझा सेवाओं को लागू करेगी जिसके परिणामस्वरूप आगे की सहक्रियाओं की प्राप्ति होगी।

5.5. छात्र सेवाएं

डीन, छात्र सेवा, छात्र सेवा प्रभाग के प्रमुख हैं। विभाजन छात्र सेल के साथ समन्वय करता है, विश्वविद्यालय विकास निधि प्रबंध समिति (UDFMC) के साथ संपर्क करता है, समितियों के रिकॉर्ड को बनाए रखता है और निम्नलिखित की देखरेख करता है:

- प्रवेश-संबंधित मामले, विज्ञापन और प्रचार, प्रवेश प्रक्रियाओं का समन्वय, आवेदन / प्रवेश प्रपत्रों का स्टॉक रिकॉर्ड और शुल्क का संग्रह बनाए रखना।
- फीस-छूट, छात्रवृत्ति, छात्र यात्रा अनुदान, छात्र कल्याण निधि का वितरण, शिक्षण संवर्धन निधि, अनुसंधान विद्वानों का वजीफा, सावधानी जमा की वापसी.
- बोनाफाइड प्रमाणपत्र, छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र और अन्य प्रासंगिक दस्तावेज जारी करना।
- छात्रों के लिए ऑनलाइन समस्या निवारण प्रणाली (OPRSS) को संभालना।
- उच्च शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार के एनसीटी के साथ संपर्क और शैक्षिक मेलों में भाग लेना।
- विश्वविद्यालय विकास निधि प्रबंध समिति (यूडीएफएमसी) की बैठकें आयोजित करना और विश्वविद्यालय विकास कोष के रिकॉर्ड को बनाए रखना।

नामांकन प्रक्रिया

स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया मई-जून 2018 में और जून-अगस्त 2018 में एमफिल और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए शुरू हुई.

आरक्षण

उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए लागू विभिन्न सामाजिक समूहों और अन्य श्रेणियों के संबंध में GNCTD की आरक्षण नीतियों के अनुसार प्रवेश आयोजित किए जाते हैं। आरक्षण की वर्तमान योजना है: एनसीटी, दिल्ली के छात्र-from५% और बाहरी छात्र एनसीटी, दिल्ली -१५%।

चयन करने का मापदंड

स्नातक कार्यक्रमों के लिए प्रवेश योग्यता पर आधारित होते हैं (सभी बीए कार्यक्रमों के लिए बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं में प्राप्त अंक, और सभी बीवोक. कार्यक्रमों के लिए, चयन योग्यता और साक्षात्कार पर आधारित होता है) और स्नातकोत्तर और अनुसंधान कार्यक्रमों

(एमफिल और पीएचडी) पर आधारित होते हैं लिखित परीक्षा और साक्षात्कार पर।

विदेशी छात्र

हर कार्यक्रम में एक सीट विदेशी छात्रों के लिए आरक्षित है। विदेशी नागरिकों की डिग्री को एसोसिएशन ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटीज द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए. विदेशी नागरिक जो भारत में नहीं हैं, उन्हें अपने दूतावास या वाणिज्य दूतावास के माध्यम से आवेदन करना होगा। सभी विदेशी नागरिकों को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित अध्ययन की पूरी अवधि के लिए एक छात्र वीजा मान्य होना चाहिए. विदेशी छात्रों के लिए शुल्क रुपये के साथ प्रत्येक सेमेस्टर के लिए भारतीय छात्रों के लिए लागू शुल्क का दोगुना है। स्टूडेंट वेलफेयर फंड के प्रति 500 रुपये प्रति सेमेस्टर और रुपये की वापसी योग्य जमा राशि 10,000 रुपये।

पार्श्व प्रवेश समिति

पार्श्व प्रवेश समिति अध्ययन के किसी विशेष कार्यक्रम में पार्श्व प्रविष्टियों की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाती है। इस श्रेणी के माध्यम से प्रवेश सभी प्रासंगिक दस्तावेजों (पिछले सेमेस्टर / वर्ष के परिणाम आदि) को जमा करने और पात्रता (अतिरिक्त, यदि कोई हो) को पूरा करने के लिए अध्ययन के उस कार्यक्रम में प्रवेश के लिए निर्धारित के अधीन है।

शुल्क संरचना

विश्वविद्यालय शुल्क संरचना रुपये से लेकर। 800 से रु. कार्यक्रम का 2640 प्रति क्रेडिट। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय रु. 500 प्रति सेमेस्टर, स्टूडेंट वेलफेयर फंड की ओर और रिफंडेबल, एकमुश्त सावधानी के लिए रु. प्रवेश के समय 5000 रु. शुल्क संरचना एक प्रोग्राम से दूसरे प्रोग्राम में भिन्न हो सकती है।

फीस का रिफंड

भर्ती होने के बाद, यदि कोई छात्र कार्यक्रम से छूट जाता है, तो छूट के समय के अनुसार शुल्क वापस कर दिया जाता है। अभिविन्यास से पहले, रु. 1000 की कटौती की जाती है और अभिविन्यास के बाद, केवल सावधानी से जमा राशि वापस की जाती है।

शुल्क छूट

विश्वविद्यालय प्रासंगिक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के अधीन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति

और PwD श्रेणियों से संबंधित सभी छात्रों को ट्यूशन फीस की पूर्ण छूट प्रदान करता है। एससी / एसटी / पीडब्ल्यूडी श्रेणियों के अलावा अन्य आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों ने संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए ट्यूशन फीस रियायत का लाभ उठाया। सकल वार्षिक पारिवारिक आय पर आधारित स्लैब-वार रियायत इस प्रकार है:

श्रेणी	% ट्यूशन शुल्क की छूट	सकल वार्षिक पारिवारिक आय
स्लैब -1	100%	₹ 3 लाख या कम
स्लैब -2	75%	₹ 4 लाख या कम लेकिन ₹ 3 लाख से अधिक
स्लैब -3	50%	₹ 5 लाख या कम लेकिन ₹ 4 लाख से अधिक
स्लैब -4	25%	₹ 6 लाख या कम लेकिन ₹ 5 लाख से अधिक

इस वर्ष 1004 छात्रों ने फीस-माफी का लाभ उठाया और उन छात्रों (स्कूल-वार) की संख्या जिन्होंने फीस माफी का लाभ उठाया है, उन्हें नीचे दिया गया है :

स्कूल	छात्रों की संख्या
एसबीपीपीएसई	33
एससीसीई	39
एसडीईएस	04
एसडीएस	39
एसईएस	49
एसजीए	86
एसएचई	26
एसएचएस	110
एसएलजीसी	40
एसएलएस	132
सोल	45
एसयूएस	351
एसवीएस	50
कुल	**1004**

छात्रवृत्ति

संग्रहित शिक्षण शुल्क का दस प्रतिशत छात्रवृत्ति के रूप में वितरित किया जाता है। विश्वविद्यालय

में प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति दो प्रकार की होती है: योग्यता आधारित और शैक्षणिक प्रगति। योग्यता आधारित छात्रवृत्ति सीजीपीए के अनुसार प्रदान की जाती है और शैक्षणिक प्रगति छात्रवृत्ति उन छात्रों को दी जाती है, जिनके सीजीपीए में पिछले सेमेस्टर में सुधार हुआ है। यह छात्रवृत्ति छात्रों के लिए उनके समग्र ग्रेड में सुधार के लिए एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करती है।

इस वर्ष, 307 छात्रों ने योग्यता-आधारित छात्रवृत्ति प्राप्त की और एक छात्र ने शैक्षणिक प्रगति छात्रवृत्ति प्राप्त की। छात्रवृत्ति का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या नीचे दी गई है।

स्कूल	मेरिट-आधारित छात्रवृत्ति	शैक्षणिक प्रगति छात्रवृत्ति
एसबीपीपीएसई	21	-
एससीसीई	21	-
एसडीईएस	05	-
एसडीएस	17	-
एसईएस	32	-
एसजीए	32	-
एसएचई	12	-
एसएचएस	38	-
एसएलजीसी	23	1
एसएलएस	54	-
सोल	19	-
एसयूएस	-	-
एसवीएस	33	-
कुल	307	1

छात्र कल्याण कोष

विश्वविद्यालय ने एक छात्र कल्याण कोष बनाया है, जिसका उद्देश्य छात्रों की कल्याण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जैसे कि आकस्मिक चिकित्सा सहायता, पुस्तकों की खरीद और अध्ययन सामग्री, बोर्डिंग और ठहरने के खर्चों को पूरा करना। एयूडी छात्रावास सुविधाओं, और छात्रों की किसी भी अन्य तुलनीय आवश्यकताओं का लाभ उठाने के लिए आवश्यक है।

की राशि रु. 500 प्रति सेमेस्टर छात्र कल्याण कोष की ओर सभी छात्रों से एकत्र किया जाता है और विश्वविद्यालय द्वारा एक समान राशि का योगदान किया जाता है। फंड का प्रबंधन और निगरानी एक

समिति द्वारा की जाती है जिसमें छात्र समुदाय के नामांकित व्यक्ति शामिल होते हैं।

लर्निंग एनहांसमेंट फंड

लर्निंग एनहांसमेंट फंड (एकत्र शुल्क का 25%) विभिन्न क्षेत्र-यात्राओं / विसर्जन के तहत किए गए खर्चों को पूरा करने के लिए वितरित किया जाता है। इस वर्ष विद्यालयों द्वारा आयोजित विभिन्न क्षेत्र-यात्राओं, कार्यशालाओं, इंटर्नशिप आदि के लिए धन का उपयोग किया गया था।

छात्र यात्रा अनुदान

यह फंड भारत के भीतर या बाहर शोध पत्र प्रस्तुतियों या सम्मेलनों से संबंधित छात्रों की यात्रा और अन्य खर्चों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। इस वर्ष कुल रु. विभिन्न संगोष्ठियों में भाग लेने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए यात्रा-अनुदान के रूप में 62 छात्रों के बीच 1,691,309 का वितरण किया गया था।

छात्र नामांकन

वर्षों में छात्रों

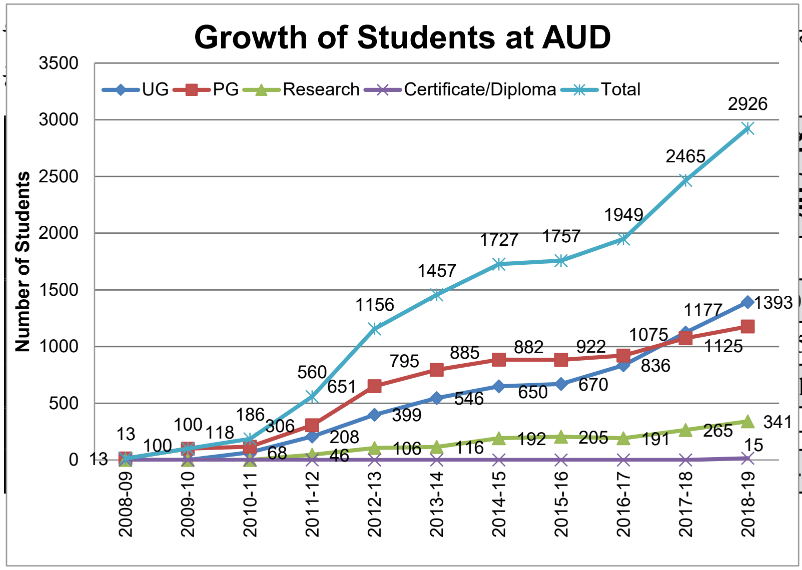

2017-18	2018-19
25	1393
75	1177
50	180
15	161
-	15
65	2926

इस वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को शामिल किया गया है, जो निम्न तालिका में दिए गए हैं:

प्रोग्राम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	स्त्री	एस	एसटी	ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	डिफेंस/सीडब्ल्यूएपी	विदेशी छात्र	सामान्य
स्नातक अध्ययन स्कूल										
अर्थशास्त्र में बी.ए.	36	20	16	05	0	09	0	-	-	22
मनोविज्ञान में बी.ए.	37	09	28	06	02	11	01	-	-	18
सामाजिक विज्ञान और मानविकी में बीए	36	20	16	07	04	08	0	-	-	17
अंग्रेजी में बी.ए.	46	14	32	08	05	15	0	-	-	18
गणित में बी.ए.	35	24	11	03	0	11	0	-	-	21
इतिहास में बी.ए.	36	25	11	4	03	09	01	-	-	20
समाजशास्त्र में बी.ए.	34	12	22	07	02	10	01	-	-	15
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल (स्नातक कार्यक्रम)										
कानून और राजनीति में बीए	54	36	18	8	1	9	1	-	-	36
ग्लोबल अफेयर्स स्कूल (स्नातक कार्यक्रम)										
ग्लोबल स्टडीज में बी.ए.	47	33	14	8	2	4	0	-	-	33
सतत शहरीवाद में बी.ए.	38	26	12	5	0	3	0	-	-	30
सामाजिक विज्ञान और मानविकी (केपी) में बीए	49	29	20	10	1	8	0	-	-	30
कुल बीए	448	248	200	71	20	97	04	-	-	260
विकास अध्ययन स्कूल										
विकास अध्ययन में एम.ए.	44	18	26	09	05	04	0	-	-	26
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
पर्यावरण और विकास में एमए	39	13	26	09	03	01	0	-	-	26
लिबरल अध्ययन स्कूल										
अर्थशास्त्र में एमए	41	14	27	06	01	08	0	-	-	26
इतिहिस में एमए	35	15	20	11	04	03	0	-	-	17

प्रोग्राम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	स्त्री	एस	एसटी	ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	डिफेंस/सीडब्ल्यूएपी	विदेशी छात्र	सामान्य
समाजशास्त्र में एम.ए.	43	14	29	08	05	04	01	-	-	26
मानव अध्ययन स्कूल										
मनोविज्ञान में एम.ए.	45	7	38	05	03	12	01	-	-	25
जेंडर स्टडीज में एम.ए.	39	04	35	05	03	05	0	-	-	26
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल										
फिल्म स्टडीज में एम.ए.	17	11	06	03	01	03	0	-	-	10
साहित्य कला में एम.ए.	09	03	06	0	01	01	0	-	-	07
विजुअल आर्ट में एम.ए.	13	06	07	03	01	01	0	-	-	09
प्रदर्शन अध्ययन में एमए	16	08	08	02	0	01	0	-	-	13
प्रदर्शन अभ्यास (नृत्य) में एमए	19	04	15	04	01	0	0	-	-	14
शैक्षिक अध्ययन स्कूल										
शिक्षा में एम.ए.	39	06	33	04	07	10	0	-	-	18
बचपन की देखभाल और शिक्षा में एम.ए.	31	04	27	01	05	04	0	-	-	21
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता स्कूल										
व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर	43	24	19	06	04	12	0	-	-	21
डिजाइन स्कूल										
एमडीएस (सामाजिक डिजाइन)	16	07	09	0	0	02	0	-	-	14
लेटर्स स्कूल										
अंग्रेजी में एम.ए.	48	11	37	06	04	12	0	-	-	26
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल										
कानून, राजनीति और समाज में एमए	29	12	17	04	01	0	0	-	-	23
ग्लोबल अफेयर्स स्कूल										

प्रोग्राम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	स्त्री	एससी	एसटी	ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	डिफेंस/सीडब्ल्यूएपी	विदेशी छात्र	सामान्य
ग्लोबल स्टडीज में एम.ए.	32	09	23	05	03	0	0	-	-	24
शहरी अध्ययन में एम.ए.	30	08	22	04	05	0	0	-	-	21
वोकेशनल स्टडीज स्कूल										
पर्यटन और आतिथ्य में बीवोक	40	24	16	06	02	10	0	-	-	22
खुदरा प्रबंधन में बी वोक	33	23	10	08	0	04	0	-	-	21
प्रारंभिक बचपन केंद्र प्रबंधन और उद्यमिता में बीवीओके	18	07	11	03	0	01	0	-	-	14
अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र										
भारतीय भाषाओं के वक्ताओं को अंग्रेजी सिखाने का प्रमाणपत्र (CETSIL)	15	05	10	03	0	01	01	-	-	11

स्नातक और स्नातकोत्तर अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

प्रोग्राम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	स्त्री	एससी	एसटी	ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	डिफेंस/सीडब्ल्यूएफ	विदेशी छात्र	सामान्य
स्नातक अध्ययन स्कूल										
अर्थशास्त्र में बी.ए.	181	111	70	32	06	42	0	-	-	101
मनोविज्ञान में बी.ए.	205	40	165	26	12	49	01	-	-	118
सामाजिक विज्ञान और मानविकी में बीए	172	85	87	33	11	44	0	-	-	84
अंग्रेजी में बी.ए.	187	55	132	26	12	51	0	-	-	98
गणित में बी.ए.	69	48	21	6	0	18	0	-	-	45
इतिहास में बी.ए.	95	61	34	15	09	25	01	-	-	46
समाजशास्त्र में बी.ए.	97	41	56	18	08	26	01	-	-	44
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल (स्नातक कार्यक्रम)										
कानून और राजनीति में बीए	54	36	18	8	1	9	1	-	-	36
ग्लोबल अफेयर्स स्कूल (स्नातक कार्यक्रम)										
ग्लोबल स्टडीज में बीए	47	33	14	8	2	4	0	-	-	33
सतत शहरीवाद में बी.ए.	38	26	12	5	0	3	0	-	-	30
सामाजिक विज्ञान और मानविकी (केपी) में बीए	49	29	20	10	1	8	0	-	-	30
कुल बीए	1194	565	629	187	62	279	04	-	-	665
विकास अध्ययन स्कूल										
विकास अध्ययन में एम.ए.	80	34	46	14	10	06	01	-	-	50
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
पर्यावरण और विकास में एमए	66	24	42	13	06	03	0	-	-	44
लिबरल स्टडीज स्कूल										
अर्थशास्त्र में एम.ए.	77	25	52	10	01	14	0	-	-	52
इतिहास में एम.ए.	78	35	43	21	11	12	0	-	-	34
समाजशास्त्र में एम.ए.	95	28	67	17	17	09	01	-	-	52

प्रोग्राम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	स्त्री	एससी	एसटी	ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	डिफेंस/सीडब्ल्यूएपी	विदेशी छात्र	सामान्य
मानव अध्ययन स्कूल										
मनोविज्ञान में एम.ए.	91	16	75	12	08	21	01	-	-	50
जेंडर स्टडीज में एम.ए.	78	06	72	08	10	11	01	-	-	49
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल										
फिल्म स्टडीज में एम.ए.	28	16	12	03	02	04	0	-	-	19
साहित्य कला में एम.ए.	20	04	16	01	03	01	0	-	-	15
विजुअल आर्ट में एम.ए.	22	11	11	04	02	01	0	-	-	15
प्रदर्शन अध्ययन में एमए	27	12	15	02	0	02	0	-	-	23
प्रदर्शन अभ्यास (नृत्य) में एमए	19	04	15	04	01	0	0	-	-	14
शैक्षिक अध्ययन स्कूल										
शिक्षा में एम.ए.	70	10	60	07	10	16	0	-	-	37
बचपन की देखभाल और शिक्षा में एम.ए.	62	09	53	06	08	06	0	-	-	42
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता स्कूल										
व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर	83	45	38	11	07	23	0	-	-	42
डिजाइन स्कूल										
एमडीएस (सामाजिक डिजाइन)	28	09	19	0	0	03	0	-	-	25
लेटर्स स्कूल										
अंग्रेजी में एम.ए.	84	17	67	10	8	23	02	-	-	43
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल										
कानून, राजनीति और समाज में एमए	56	27	29	07	05	0	0	-	-	41
ग्लोबल अफेयर्स स्कूल										
ग्लोबल स्टडीज में एम.ए.	32	09	23	05	03	0	0	-	-	24

प्रोग्राम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	स्त्री	एससी	एसटी	ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	डिफेंस/सीडब्ल्यूएपी	विदेशी छात्र	सामान्य
शहरी अध्ययन में एम.ए.	30	08	22	04	05	0	0	-	-	21
वोकेशनल स्टडीज स्कूल										
पर्यटन और आतिथ्य में बीवोक	77	52	25	11	02	20	0	-	-	44
खुदरा प्रबंधन में बीवोक	60	42	18	13	01	09	0	-	-	37
प्रारंभिक बचपन केंद्र प्रबंधन और उद्यमिता में बीवोक	33	11	22	07	0	02	0	-	-	24
अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र										
भारतीय भाषाओं के वक्ताओं को अंग्रेजी सिखाने का प्रमाणपत्र (CETSIL)	15	05	10	03	0	01	01	-	-	11

इस वर्ष भर्ती किए गए अनुसंधान विद्वानों की संख्या निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

प्रोग्राम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	स्त्री	एससी	एसटी	ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	डिफेंस/सीडब्ल्यूएए	विदेशी छात्र	सामान्य
विकास अध्ययन स्कूल										
विकास अध्ययन में पीएचडी	5	1	4	1	0	1	0	-	-	3
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
PhD in Human Ecology	2	0	2	0	0	1	0	-	-	1
लिबरल अध्ययन स्कूल										
इतिहास में एमफिल	2	0	2	1	0	1	0	-	-	0
गणित में एमफिल	3	0	3	0	0	1	0	-	-	2
इतिहास में पीएचडी	2	0	2	0	0	0	0	-	-	2
गणित में पीएचडी	4	2	2	2	0	1	0	-	-	1
समाजशास्त्र में पीएचडी	5	2	3	1	1	0	0	-	-	3
अर्थशास्त्र में पीएचडी	6	0	6	0	0	1	0	-	-	5
मानव अध्ययन स्कूल										
मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा में एमफिल	0	0	0	0	0	0	0	-	-	0
एमफिल इन डेवलपमेंट प्रैक्टिस	18	7	11	2	3	5	0	-	-	8
महिला और लिंग अध्ययन में एमफिल	8	0	8	2	0	3	0	-	-	3
मनोविज्ञान में पीएचडी	0	0	0	0	0	0	0	-	-	0
महिला और लिंग अध्ययन में पीएचडी	10	0	10	2	1	2	0	-	-	5
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति स्कूल										
फिल्म अध्ययन में पीएचडी	2	1	1	0	0	0	0	-	-	2
साहित्य कला में पीएचडी	2	1	1	1	0	0	0	-	-	1

प्रोग्राम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	स्त्री	एससी	एसटी	ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	डिफेंस/सीडब्ल्यूए	विदेशी छात्र	सामान्य
दृश्य कला में पीएचडी	3	2	1	0	0	1	0	-	-	2
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता स्कूल										
प्रबंधन में पीएचडी	6	2	4	1	0	0	0	-	-	5
लेटर्स स्कूल										
हिंदी में एमफिल	3	0	3	0	0	2	0	-	-	1
तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन में एमफिल	4	2	2	0	0	1	0	-	-	3
तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन में पीएचडी	4	3	1	0	0	1	0	-	-	3
अंग्रेजी में पीएचडी	8	1	7	1	0	3	0	-	-	4
हिंदी में पीएचडी	0	0	0	0	0	0	0	-	-	0

नामांकित कुल शोध विद्वानों की संख्या निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

प्रोग्राम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	स्त्री	एससी	एसटी	ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	डिफेंस/सीडब्ल्यूएपी	विदेशी छात्र	सामान्य
विकास अध्ययन स्कूल										
विकास अध्ययन में पीएचडी	17	6	11	4	1	2	0	-	-	10
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
मानव पारिस्थितिकी में पीएचडी	17	7	10	1	0	3	0	-	-	13
लिबरल अध्ययन स्कूल										
इतिहास में एमफिल	16	6	10	3	1	3	1	-	-	9
गणित में एमफिल	6	0	6	0	0	1	0	-	-	5
इतिहास में पीएचडी	5	3	2	0	1	0	0	-	-	4
गणित में पीएचडी	5	2	3	2	0	1	0	-	-	2
समाजशास्त्र में पीएचडी	9	5	4	2	1	0	0	-	-	6
अर्थशास्त्र में पीएचडी	6	0	6	0	0	1	0	-	-	5
मानव अध्ययन स्कूल										
मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा में एमफिल	28	5	3	3	2	2	0	-	-	21
एमफिल इन डेवलपमेंट प्रैक्टिस	43	19	24	7	7	7	0	-	-	22
महिला और लिंग अध्ययन में एमफिल	26	2	24	6	1	6	0	-	-	13
मनोविज्ञान में पीएचडी	20	5	15	3	1	2	0	-	-	14
महिला और लिंग अध्ययन में पीएचडी	23	1	22	3	2	4	0	-	-	14
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति स्कूल										
फिल्म अध्ययन में पीएचडी	2	1	1	0	0	0	0	-	-	2
साहित्य कला में पीएचडी	2	1	1	1	0	0	0	-	-	1

प्रोग्राम	छात्रों की कुल संख्या	पुरुष	स्त्री	एससी	एसटी	ओबीसी	पीडब्ल्यूडी	डिफेंस/सीडब्ल्यूएपी	विदेशी छात्र	सामान्य
दृश्य कला में पीएचडी	3	2	1	0	0	1	0	-	-	2
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता स्कूल										
प्रबंधन में पीएचडी	6	2	4	1	0	0	0	-	-	5
लेटर्स स्कूल										
हिंदी में एमफिल	6	0	6	1	0	3	0	-	-	2
तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन में एमफिल	8	5	3	0	1	2	0	-	-	5
तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन में पीएचडी	7	3	4	0	2	2	0	-	-	3
अंग्रेजी में पीएचडी	16	3	13	2	2	4	0	-	-	8
हिंदी में पीएचडी	9	4	5	2	1	2	0	-	-	4

छात्रावास की सुविधाएं

विश्वविद्यालय में इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वूमेन (IGDTUW) के कावेरी हॉस्टल की शीर्ष मंजिल पर 2013-14 के बाद से महिला छात्रों के लिए 45 छात्रों की क्षमता है। इस बात पर सहमति बनी कि हॉस्टल को IGDTUW के मेसेंजर सुविधाओं सहित प्रबंधित किया जाएगा। विश्वविद्यालय छात्रों की आवश्यकता को पूरा करने और जब भी जरूरत होती है, आवश्यकतानुसार उन्हें सहायता प्रदान करने की जिम्मेदारी लेगा। नीचे दिए गए अनुसार सीटें आवंटित की गई थीं। सभी पात्र अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / पीडब्ल्यूडी छात्र जिन्होंने होटल आवास के लिए आवेदन किया था उन्हें प्रवेश की पेशकश की गई थी। वर्ष 2018-19 के दौरान, कुल 48 छात्रों (पिछले चक्र से 45 से अधिक रिक्त स्थान) को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई थी। मार्च 2019 तक, 44 छात्र इन सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। सीट आवंटन आरक्षण नीति पर आधारित थे और प्रवेशित छात्रों के श्रेणी-वार ब्रेक अप:

एस	छात्रों की संख्या
सामान्य	29
एससी	06
एसटी	09
ओबीसी	00
पीडब्ल्यूडी	00

छात्र कल्याण के उपाय

विश्वविद्यालय ने छात्रों की आवश्यकता के समर्थन और सहायता के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। इनमें से कुछ में शामिल हैं:

भाषा प्रकोष्ठ: चूंकि विश्वविद्यालय में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है, इसलिए भाषा प्रकोष्ठ विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि के छात्रों को अंग्रेजी में उनके पढ़ने, लिखने और समझने के कौशल में सुधार करने में मदद करता है।

छात्र सेल: विश्वविद्यालय ने एक छात्र सेल बनाया है, जो एक सहकर्मी सहायता समूह है, जो साथी छात्रों, विशेष रूप से उन लोगों की सहायता और सहायता करेगा जो आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक या भावनात्मक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। यह एक अर्ध-आधिकारिक निकाय है जिसमें अधिकतर छात्र खुद शामिल होते हैं, जिसका अर्थ है कि छात्र सेवा और छात्रों के बीच संपर्क का कार्य करना। सेल मुख्य रूप से छात्रों और प्रशासन के बीच एक बफर के रूप में कार्य करता है।

छात्र संकाय समिति (एसएफसी): एसएफसी छात्रों और शिक्षकों के लिए कक्षा शिक्षण, मूल्यांकन, उपस्थिति, परीक्षा के संचालन, प्रतिक्रिया, आदि सहित सभी शैक्षणिक संबंधित मुद्दों / चिंताओं को साझा करने और हल करने के लिए एक मंच है, जिसमें एक दो स्तरीय संरचना शामिल है। छात्रों और संकायों के लिए क्रमशः एसएफसी कार्यकारी और एसएफसी जनरल बॉडी के कार्यक्रम स्तर पर जो एक वर्ष के लिए चुने गए / नामित प्रतिनिधि हैं।

परामर्श और परामर्श: विश्वविद्यालय का प्रयास है कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और सामाजिक स्थान में मौरंग खोजने के लिए उसके संघर्ष में हर छात्र का समर्थन किया जाए. इसे सुविधाजनक बनाने के लिए विश्वविद्यालय में परामर्श और परामर्श की एक प्रणाली स्थापित की गई है।

एहसा- द मनोचिकित्सा और परामर्श क्लिनिक: विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों, शिक्षकों और शहर के बड़े सामाजिक दायरे की भावनात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक मनोचिकित्सा और

परामर्श क्लिनिक, एहसा की इस्टैब्लिशमेंट की है। क्लिनिक मुफ्त परामर्श और मनोचिकित्सा प्रदान करता है।

शिकायत निवारण तंत्र: छात्रों के लिए समस्याओं या कठिनाइयों का कम्प्यूटरीकृत रिकॉर्ड बनाए रखने और उसी के समाधान के लिए प्रगति की निगरानी करने के लिए छात्रों के लिए एक ऑनलाइन समस्या निवारण प्रणाली (ओपीआरएसएस) की इस्टैब्लिशमेंट की गई है। इस प्रकार दर्ज आंकड़ों का विश्लेषण प्रबंधन निर्णयों के लिए किया जाता है।

विद्यार्थी परिषद: 10 अक्टूबर 2018 को चुनाव के बाद अक्टूबर 2018 में दूसरी छात्र परिषद का गठन किया गया। 31 छात्रों को कक्षा प्रतिनिधि, 39 को पार्षद, 6 को समन्वय समिति के सदस्य और 1 छात्र को विद्यार्थी परिषद के कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया।

एंटी-रैगिंग कमेटी: उच्च शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग के खतरे पर अंकुश लगाने के लिए 2009 के अनुसार, यूजीसी विनियमों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने एक एंटी-रैगिंग समिति और साथ ही एक एंटी-रैगिंग स्क्वाड का गठन किया है। समिति विश्वविद्यालय में रैगिंग मुक्त वातावरण की योजना बनाने और उसे बढ़ावा देने के लिए है। एंटी-रैगिंग स्क्वायड का गठन एंटी-रैगिंग कमेटी की देखरेख में काम करने के लिए किया गया है और यह हॉस्टल, कैंटीन, क्लासरूम और अन्य जगहों पर छात्रों को इकट्ठा करने की घटनाओं की जाँच करने और उन्हें रोकने में लगा हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय में छात्रों को रैगिंग और सजा के संबंधित प्रावधानों के बारे में शिक्षित और संवेदनशील बनाना अनिवार्य है।

प्रॉक्टोरियल कमेटी: छात्रों के बीच अनुशासन से संबंधित शिकायतों / शिकायतों को देखने के लिए प्रॉक्टोरियल कमेटी का गठन किया जाता है।

सलाहकार समिति: विश्वविद्यालय में प्रवेश और नियुक्तियों से संबंधित आरक्षण नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक सलाहकार समिति का गठन किया जाता है। समिति की अध्यक्षता या तो डीन, अकादमिक सेवा या डीन, छात्र सेवा द्वारा की जाती है।

छात्र कल्याण कोष प्रबंध समिति: छात्र कल्याण निधि प्रबंध समिति (SWFMC) को प्रत्येक सेमेस्टर में विभिन्न स्कूलों द्वारा छात्र कल्याण निधि की सिफारिशों पर विचार करने के लिए पुनर्गठित किया गया था। छात्र प्रतिनिधियों के अलावा अन्य समिति सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष की अवधि के लिए होता है। छात्र प्रतिनिधियों का कार्यकाल एक वर्ष की अवधि के लिए होता है।

स्थायी समिति के छात्र मामले: स्थायी समिति के छात्र मामले (SCSA) छात्र सेवाओं से संबंधित

सभी मामलों के लिए जिम्मेदार हैं और समय-समय पर अकादमिक परिषद को अपनी रिपोर्ट / सिफारिशों को प्रस्तुत करते हैं। एससीएसए के उपरोक्त सदस्यों का पद, पदेन अध्यक्ष के अलावा, दो वर्ष की अवधि के लिए या जब तक उनका कार्यकाल जो भी पहले हो, तक होगा।

सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ (CCA)

विश्वविद्यालय ने परिसर में छात्रों के सांस्कृतिक और असाधारण जीवन को प्रोत्साहित करने के लिए कई छात्र समाज / क्लबों की इस्टैब्लिशमेंट की है। छात्र सक्रिय रूप से थिएटर सोसायटी, स्पोर्ट्स कमेटी, डिबेटिंग सोसाइटी और लिटरेरी सोसाइटी में लगे हुए हैं। इकोनॉमिक्स सोसायटी और सोसायटी फॉर विजुअल कल्चर को भी सक्रिय किया गया है। परिसरों में नियमित वार्ता, व्याख्यान, स्क्रीनिंग और प्रदर्शन होते हैं और छात्रों को कार्यक्रम आयोजित करने और उनमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कैरियर और पूर्व छात्र संबंध सेल

कैरियर सेल वर्तमान में अपने नवजात चरण में है और छात्रों के बीच आत्म-जागरूकता को बढ़ावा देने, कैरियर की खोज पर छात्रों के साथ काम करने, एक अच्छी तरह से तेल वाले प्लेसमेंट तंत्र की इस्टैब्लिशमेंट और विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ संबंध बनाए रखने पर केंद्रित है। सेल निम्नलिखित की अनदेखी करता है:

- गर्मियों और सर्दियों के ब्रेक के दौरान पहले और दूसरे वर्ष के छात्रों के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना।
- छात्रों के लिए औद्योगिक / व्यावसायिक प्रदर्शन यात्राओं का आयोजन।
- उन छात्रों के लिए मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करना जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं।
- छात्रों को स्नातक करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के अवसरों की व्यवस्था करना।
- छात्रों के लिए कैरियर संबंधी कार्यशालाओं, सेमिनारों और पैनल चर्चाओं का आयोजन करना।

कैरियर और शिक्षा की बैठक: सेल ने 8 मार्च 2019 को कैरियर एंड एजुकेशन मीट का आयोजन किया। बैठक का उद्देश्य छात्रों और पूर्व छात्रों को भावी नियोक्ताओं से जोड़ना था। बैठक की संरचना को चार श्रेणियों में बांटा गया था: (i) नौकरी और इंटर्नशिप, (ii) उच्च शिक्षा के अवसर, (iii)

स्टार्टअप और उद्यमिता, और (iv) कैरियर परामर्श। इस बैठक में 30 से अधिक संगठनों ने प्रदर्शन किया और लगभग 200 छात्रों और पूर्व छात्रों के साथ बातचीत की।

मिलने के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित 12 छात्रों को प्लेसमेंट / इंटर्नशिप अस्थायी रूप से प्रदान की गई थी :

छात्र	कंपनी	बैच	पैकेज (लाख प्रति वर्ष)
मेघा थापा	ईकोवेशन	2017–19	3.6
उत्कर्ष अरविंद	ईकोवेशन	2017–19	3.6
अनुराग कश्यप	एसएडीआरएजी	2017–19	3.6
सिद्धार्थ रॉय चौधरी	एक्सिअम कंसल्टिंग	2017–19	6
आस्था जैन	केओर्स	2017–19	5
भव्या गोयल	केओर्स	2017–19	5
तान्या आहूजा	केओर्स	2017–19	5
वाणी बजाज	केओर्स	2017–19	5
प्रतीक दास	केओर्स	2017–19	5
आर्यमन बंगा	रेडकारपेटअप	2017–19	3.6
अमोघ शांडिल्य	बायआउंस	2017–19	3.6
अंकिता कुमारी	बायआउंस	2017–19	3.6

छात्र संघ

हालांकि कुछ स्कूलों / कार्यक्रमों ने पहले ही स्नातकों के कार्यक्रम-स्तर के पूर्व छात्र नेटवर्क शुरू कर दिए हैं, एक औपचारिक विश्वविद्यालय स्तर के पूर्व छात्र संघ पंजीकृत होने की प्रक्रिया में है। पूर्व छात्रों की प्रगति को कार्यक्रम / स्कूल स्तर पर ट्रैक किया जाता है, और उन्हें स्कूलों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों या कार्यक्रमों में भी आमंत्रित किया जाता है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य एक पंजीकृत संस्था के रूप में एक औपचारिक पूर्व छात्र संघ की इस्टैब्लिशमेंट करना है और इस प्रयास में इसने पूर्व छात्रों के प्रतिनिधियों और अन्य स्केटहोल्डर्स के साथ सलाहकार बैठकें की हैं।

घटनाक्रम / गतिविधियां

एयूडी @ शहर 2018-19: विश्वविद्यालय के कश्मीरी गेट परिसर ने फरवरी 2019 में ऑडिशन @ शहर के 7 वें संस्करण की मेजबानी की, विश्वविद्यालय का वार्षिक उत्सव। सह-पाठयक्रम समितियों

ने विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जैसे कमोडिटी (अंग्रेजी टर्नओवर डिबेट), वाद -समवाद (हिंदी टर्नकोट डिबेट), कलीडोसस्क्रिप्ट 3.0, सिम्फनी और पर्क्यूशन, फेस पेंटिंग, AD-MAD (फोटोग्राफी प्रतियोगिता), HallaBol (स्ट्रीट थिएटर प्रतियोगिता) और फूड एंड ड्रिंक्स क्विज़ और दो दिनों की अवधि में कई और। एयूडी क्वेर कलेक्टिव और नॉर्थ-ईस्टर्न फ़ोरम ने इस त्यौहार के साथ विश्वविद्यालय के स्थानों में कतार की सक्रियता और नॉर्थ-ईस्ट के व्यंजनों को दिखाने वाले फूड स्टॉल पर पैनल चर्चा जैसे आयोजनों को जोड़ा।

उत्सव के मुख्य आकर्षण में बैंड i व्हेन चाई मेट टोस्ट 'द्वारा संगीतमय प्रदर्शन और छात्रों और सिनर्जी द्वारा आयोजित और प्रदर्शन की एक सरणी- डांस सोसाइटी द्वारा आयोजित अंतर-कॉलेजिएट नृत्य प्रतियोगिता थी। देश के विभिन्न हिस्सों से और खाने के स्टालों का विविध चयन घटनाओं के अनुभव में जोड़ा गया है।

स्पोर्ट्स @ एयूडी: स्पोर्ट्स कमेटी उन छात्रों के साथ मिलकर काम करती है, जो खेल आयोजनों की योजना बनाने और उन्हें सक्रिय बनाने में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। विभिन्न स्कूलों से चुने गए छात्र सदस्यों का प्रतिनिधित्व स्पोर्ट्स बोर्ड, खेल समिति के सामान्य निकाय में किया जाता है। विश्वविद्यालय ने खेल गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने, छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने, और राज्य और राष्ट्रीय आयोजनों में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए छात्रों को प्रशिक्षण देने और / या चयन करने के लिए पेशेवर कोचों की एक सरणी को भी समान बनाया है। समिति एक मल्टीफ़ंक्शन जिम की इस्टैब्लिशमेंट में भी लगी हुई है।

इस वर्ष, खेल गतिविधियों में शिक्षकों और छात्रों के बीच समान रूप से जुड़ाव देखा गया। वार्षिक एथलीटों की बैठक के अलावा, टूर्नामेंट की एक श्रृंखला आयोजित की गई जिसमें संकाय, कर्मचारी और छात्रों ने भाग लिया। संकाय-कर्मचारियों और छात्रों के बीच मिश्रित क्रिकेट मैच का आयोजन पहली बार करमपुरा कैंपस में किया गया। दो क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किए गए, जिनमें से प्रत्येक क्रमशः मानसून सेमेस्टर और शीतकालीन सेमेस्टर में था। एक फुटबॉल टूर्नामेंट और वॉलीबॉल टूर्नामेंट भी आयोजित किया गया।

विंटर सेमेस्टर में मिश्रित टीमों के साथ एक अंतर-परिसर बास्केटबॉल टूर्नामेंट भी देखा गया। इन गतिविधियों के अलावा, खेल समिति ने परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके राष्ट्रीय खेल दिवस भी मनाया।

कश्मीरी गेट और करमपुरा दोनों परिसरों से एयूडी खेल समिति के सदस्य संयुक्त रूप से करमपुरा में अपने नए परिसर में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने में लगे हुए थे। समिति अपने छात्रों को

अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में खेलों के पोषण के लिए एक आवश्यक मंच का विस्तार करने और प्रदान करने की उम्मीद करती है।

5.6. आकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति

मूल्यांकन, मूल्यांकन और छात्र प्रगति (एईएस) प्रभाग को 27 मई 2016 को अधिसूचित किया गया था। प्रभाग मूल्यांकन, मूल्यांकन और छात्र प्रगति से संबंधित मुद्दों को देखता है। यह विश्वविद्यालय के क़ानून के क़ानून 7 ए के तहत एक डीन के नेतृत्व में है। वर्तमान में विभाग में एक सहायक रजिस्ट्रार पर्यवेक्षण प्रशासन, एक कार्यालय सहायक और एक डेटा एंट्री ऑपरेटर है। ईआरपी से संबंधित मामलों की देखभाल पर विशेष ध्यान देते हुए मार्च 2018 में एक डिप्टी डीन भी नियुक्त किया गया।

प्रभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी छात्रों को प्रवेश से स्नातक स्तर तक ट्रैक करना है। विभाजन इसके लिए प्रक्रियाएँ और नियम बनाकर करता है:

1. छात्रों का पाठ्यक्रम पंजीकरण
2. उपस्थिति की रिकॉर्डिंग
3. आकलन और ग्रेड प्रस्तुत करना
4. डिग्री / प्रमाण पत्र का प्रचार और पुरस्कार।

प्रभाग छात्र सेवा प्रभाग के साथ निकट सहयोग और समन्वय में काम करता है। विभाजन विश्वविद्यालय के सभी छात्रों के मूल्यांकन रिकॉर्ड के लिए भंडार विभाग है। यह ईआरपी के माध्यम से ऑनलाइन किया जाता है। विश्वविद्यालय में छात्र प्रतिक्रिया तंत्र की देखरेख के लिए प्रभाग भी जिम्मेदार है।

डिवीजन के प्रमुख वार्षिक कार्यों में से एक है दीक्षांत समारोह के आयोजन की देखरेख करना। प्रभाग को अंतिम प्रतिलेखों, अनंतिम, प्रवासन और स्थानांतरण प्रमाणपत्रों के साथ-साथ डिग्री प्रमाणपत्रों के मुद्दे भी सौंपे जाते हैं। यह संभाग विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों के साथ मिलकर काम करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाठ्यक्रम की मंजूरी अग्रिम में हो, मूल्यांकन नियमों का पालन किया जाता है, उपस्थिति जमा करने और ग्रेड जमा करने की समय सीमा पूरी की जाती है, और निर्धारित समय के भीतर पदोन्नत और स्नातक छात्रों की सूची प्रदान की जाती है।

जिम्मेदारियां

प्रभाग ने एक एईएस कैलेंडर बनाया है जो स्कूलों द्वारा उपस्थिति, मूल्यांकन, ग्रेड जमा, पाठ्यक्रम अनुमोदन, समय सारिणी, और शिक्षण आवश्यकताओं के संबंध में की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए समयसीमा निर्धारित करता है। स्नातक, स्नातकोत्तर और अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए अलग कैलेंडर बनाए गए हैं।

डिवीजन स्कूल के स्नातक अध्ययन के लिए विश्वविद्यालय कंप्यूटर लैब में ऑनलाइन पाठ्यक्रम पंजीकरण का पर्यवेक्षण करता है।

ईआरपी प्रणाली के अकादमिक मॉड्यूल में परिवर्तन को 2 साल से 3 साल तक स्वचालित पदोन्नति जैसे विभाजन द्वारा शामिल किया गया है, एसयूएस उपस्थिति नीति के अनुसार स्वचालित ग्रेड में कटौती, क्यूआर कोड के साथ डिग्री की पीढ़ी, क्यूआर कोड के साथ अंतिम प्रतिलेख की पीढ़ी।

समय सारणी के साथ-साथ आगामी सेमेस्टर के लिए शिक्षण आवश्यकताओं को एईएस डिवीजन के तत्वावधान में योजनाबद्ध किया गया है।

आगामी सेमेस्टर के लिए सभी पाठ्यक्रम विवरण (पाठ्यक्रम की रूपरेखा) वेबसाइट के माध्यम से छात्रों को प्रसारित करने के लिए एईएस डिवीजन द्वारा इकट्ठा किए जाते हैं।

ईआरपी पर नए बदलावों के साथ-साथ ईआरपी पर मौजूदा प्रोटोकॉल से परिचित कराने के लिए संकाय सदस्यों की मदद करने के लिए ईआरपी ओरिएंटेशन कार्यक्रम हर सेमेस्टर का आयोजन किया जाता है।

ERP प्रणाली प्रशिक्षण सत्र प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए प्रभाग द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

डिवीजन भी ऐसा करने के लिए स्कूलों द्वारा आमंत्रित किए जाने पर अपनी भूमिका के बारे में छात्रों को बताता है।

ईआरपी के लिए शैक्षणिक मॉड्यूल के संबंध में आए दिन होने वाली समस्याओं को ईमेल के माध्यम से रिपोर्ट करने के लिए संकाय और स्कूल के कर्मचारियों के लिए सिस्टम लगाए गए हैं। किसी भी ईआरपी समस्याओं का सामना करने के लिए आईटी डिवीजन के साथ नियमित साप्ताहिक बैठकें आयोजित की जाती हैं।

प्रभाग ने राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी से संबंधित कार्य भी किया है। सरकारी मानदंडों के अनुसार सीडीएसएल वेंचर लिमिटेड के साथ पहले ही समझौते पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। वर्तमान के साथ-साथ पिछले बैच यानी डिग्री और ट्रांसक्रिप्ट के सभी डेटा को एनएडी पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

परीक्षा सुधार

डिवीजन ने ईआरपी में ग्रेड के आकलन और प्रवेश के संचालन के लिए रूपरेखा प्रदान की है। डिवीजन ने डीन, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर और कोर्स कोऑर्डिनेटर के सहयोग से कुछ निगरानी तंत्र भी

विकसित किए हैं।

ईआरपी में घटक-वार ग्रेड को समय पर दर्ज करने के लिए सभी पाठ्यक्रम समन्वयकों के लिए इसे अनिवार्य कर दिया गया है। ईआरपी सिस्टम फिर अंतिम ग्रेड की गणना करता है। इस तरीके से विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले किसी भी पाठ्यक्रम के सभी मूल्यांकन विवरण ईआरपी पर दर्ज किए जाते हैं, जिससे यह छात्रों के सभी मूल्यांकन रिकॉर्ड का भंडार बन जाता है।

दीक्षांत समारोह 2018

विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह 7 दिसंबर 2018 को मुख्य अतिथि के रूप में मिहिर शाह के साथ आयोजित किया गया था। दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 606 छात्रों ने स्नातक किया। 606 छात्रों में से, लगभग 65.3% महिला छात्र थे। 2018 में स्नातक करने वाले छात्रों के बारे में विवरण नीचे प्रस्तुत किया गया है:

प्रोग्राम	पुरुष	स्त्री	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	कुल
यूजी	81	107	31	2	39	115+1^	188
पीजी	110	256	43	30	55	235+3*#^	366
पीजी डिप्लोमा	1	2	1	-	1	1	3
एमफिल	14	31	8	3	4	30	45
पीएचडी	4	-	-	-	1	3	4
कुल	210	396	83	35	100	388	606

* विशेष आवश्यकता वाले छात्र, ^ कश्मीरी प्रवासी, # छात्र

5.7. शैक्षणिक सेवाएं

शैक्षणिक सेवा (एएस) प्रभाग मानव संसाधन सेवाएं प्रदान करके विश्वविद्यालय के स्कूलों, केंद्रों और परिसरों का समर्थन करता है। यह विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के कल्याण के लिए सभी सेवा-संबंधित मामलों, भर्ती, और स्टाफिंग, विकास और पहलों का ख्याल रखता है इसके अलावा सांविधिक कर्तव्यों को पूरा करने में डीन / वीसी की सहायता करता है। इनमें उपयुक्त कर्मियों की नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करना और लागू करना, संबंधित हितधारकों को उचित समर्थन और जानकारी प्रदान करना और शिक्षण स्टाफ और स्टाफ-आधारित आँकड़ों के रिकॉर्ड को बनाए रखना शामिल है।

कार्य

फैकल्टी के सभी सेवा मामले जिनमें भर्तियां, नियुक्तियां, वेतन-निर्धारण, वार्षिक वेतन वृद्धि प्रदान करना, विभागीय पदोन्नति समिति का आयोजन और समन्वय करना, परिवीक्षाधीन अवधि प्रक्रियाओं को पूरा करना, संविदात्मक कर्मचारियों के प्रदर्शन की समीक्षा करना, आकस्मिक, दीर्घकालिक और कम समय की व्यस्तता शामिल है। संविदा कर्मचारियों और उनके विस्तार / समाप्ति के बाद, सेवा रिकॉर्ड और व्यक्तिगत फाइलों के रखरखाव, अवकाश रिकॉर्ड के रखरखाव और कर्मचारियों के प्रसंस्करण LTC / HTC, आरक्षण रोस्टरों का रखरखाव, प्राधिकरण निकायों की बैठकों के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, प्रसंस्करण समूह बीमा योजना संकाय (संविदात्मक कर्मचारियों सहित), नो ड्यूज सर्टिफिकेट और अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करना, छुट्टियों की सूची को अंतिम रूप देना, डाक और रसीद जारी करना (आर एंड आई) और अदालती मामलों से निपटना प्रभाग द्वारा निष्पादित किया जाता है।

भर्ती

शिक्षण पदों पर भर्तियां विभिन्न विषयों में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने वाले प्रमुख समाचार पत्रों में पदों के लिए सूचनाओं का विज्ञापन करके की जाती हैं। सक्षम प्राधिकारी द्वारा गठित एक स्क्रीनिंग कमेटी प्राप्त आवेदनों की स्क्रीनिंग करती है। इसके अलावा, शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों में से योग्य और योग्य उम्मीदवारों का चयन करने के लिए, सक्षम प्राधिकारी में तीन बाहरी विशेषज्ञों वाली चयन समिति का गठन होता है। तदनुसार, सक्षम प्राधिकारी चयन समिति की सिफारिशों को मंजूरी देता है और चयनित उम्मीदवार को नियुक्ति पत्र जारी किया जाता है। चयन समिति की सिफारिशों को अगली बैठक में अनुसमर्थन के लिए प्रबंधन बोर्ड के समक्ष रखा जाता है।

अप्रैल 2018 और मार्च 2019 की अवधि के बीच विश्वविद्यालय में विभिन्न श्रेणियों में भर्ती किए गए संकाय (असिस्टेंट प्रोफेसर / एसोसिएट प्रोफेसर / प्रोफेसर) का विवरण नीचे दिया गया है :

फैकल्टी (रेगुलर / टेनुरियल / विजिटिंग / एडजंक)	नंबर
सहेयक प्रोफेसर	10
सह - आचार्य	8
प्रोफ़ेसर	2
टेन्यूरियल	0
विजिटिंग	21
सहायक	46
कुल	**87**

कैरियर उन्नति योजना

विश्वविद्यालय चरण 1 से स्टेज 4 तक फैकल्टी को बढ़ावा देने के लिए कैरियर एडवांसमेंट स्कीम का अनुसरण करता है (अर्थात असिस्टेंट प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर के स्तर तक।) स्टेज 1 से स्टेज 2 और स्टेज 2 के लिए पदोन्नति के प्रस्ताव। 3 को स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा देखा जाता है जिसमें एक बाहरी विशेषज्ञ होता है जो संबंधित संकाय के सीएएस दस्तावेज को स्क्रीन करता है और उसका मूल्यांकन करता है। स्क्रीनिंग कमेटी की सिफारिशों पर, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बाद संकाय को अगले चरण में पदोन्नत किया जाता है। मामले को अनुसमर्थन के लिए प्रबंधन बोर्ड को सूचित किया जाता है। स्टेज 3 से स्टेज 4 और स्टेज 4 से स्टेज 5 तक के प्रमोशन के मामलों में, स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा प्रस्तावों की जांच की जाती है, इसके बाद संकाय सदस्य द्वारा एक प्रेजेंटेशन और एक चयन समिति द्वारा एक साक्षात्कार तीन बाहरी विशेषज्ञों को शामिल किया जाता है। स्क्रीनिंग / चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर, संकाय का प्रचार किया जाता है।

इस वर्ष के दौरान उच्च चरणों में पदोन्नत किए गए संकाय की संख्या नीचे दी गई है:

स्टेज	संख्या
स्टेज 1 से स्टेज 2 (असिस्टेंट प्रोफेसर)	6
स्टेज 2 से स्टेज 3 (असिस्टेंट प्रोफेसर)	0
स्टेज 3 से स्टेज 4 (असिस्टेंट प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर तक)	0

स्टेज 5 (एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर)	3

यात्रा और व्यावसायिक अनुदान

डिवीजन यात्रा और पेशेवर विकास अनुदान के लिए अपने प्रस्तावों को संसाधित करने के माध्यम से संकाय के पेशेवर विकास की सुविधा देता है। इस वर्ष 52 संकायों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों / सम्मेलनों / संगोष्ठियों में भाग लेने और / या अपने शोध / शोध कार्य प्रस्तुत करने के लिए इस अनुदान का उपयोग किया।

5.8. मानव संसाधन

मानव संसाधन (HR) प्रभाग मानव संसाधन सेवाएं प्रदान करके विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों, दिव्यांगों, केंद्रों और परिसरों का समर्थन करता है। यह सभी सेवा-संबंधित मामलों, भर्ती और स्टाफ, प्रशिक्षण और विकास और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कर्मचारियों के कल्याण के लिए पहल करने के अलावा सांविधिक कर्तव्यों को पूरा करने में रजिस्ट्रार की सहायता करता है। इनमें उपयुक्त कर्मियों की नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करना और लागू करना, संबंधित हितधारकों को उचित सहायता और जानकारी प्रदान करना और स्टाफ रिकॉर्ड और स्टाफ-आधारित आँकड़े बनाए रखना शामिल है।

कार्य

डिवीजन द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों में भर्तियां, नियुक्तियां, वेतन निर्धारण, वार्षिक वेतन वृद्धि प्रदान करना, विभागीय पदोन्नति समिति का गठन, परिवीक्षा पूरा करना, संविदात्मक कर्मचारियों की प्रदर्शन समीक्षा, आकस्मिक, लंबी अवधि और अल्पकालिक कर्मचारियों की सगाई शामिल हैं और विस्तार / समाप्ति, आउटसोर्सिंग एजेंसियों आईसीएसआईएल और बीईसीआईएल के माध्यम से कर्मचारियों की सगाई, सेवा रिकॉर्ड और व्यक्तिगत फाइलों का रखरखाव, नियमित कर्मचारियों के एलटीसी / एचटीसी / प्रतिनियुक्ति पर, आरक्षण रोस्टरों का रखरखाव, इस्टैब्लिशमेंट समिति से संबंधित मामले, अवकाश रिकॉर्ड के रखरखाव, जैव -मेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम (बीएएस), अनुपस्थित बयान, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए समूह बीमा योजना (संविदात्मक कर्मचारियों सहित), कोई बकाया प्रमाण पत्र जारी नहीं करना, छुट्टियों की सूची का संकलन, एपीएआर का रखरखाव और गैर-शिक्षण रिटर्न का अचल लाभ अधिकारी और कर्मचारी (प्रतिनियुक्ति पर / प्रतिनियुक्ति पर), अदालती मामलों से निपटने, प्रस्तावों और फालो को प्रस्तुत करना पदों के निर्माण के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग के साथ डब्ल्यू-अप, नए कर्मचारियों का उन्मुखीकरण, चरित्र का सत्यापन, पूर्ववृत्त और जाति प्रमाण पत्र, आदि।

भर्ती

2018-19 में, ग्रुप ए में 5 खाली पदों को भरने के लिए डिवीजन प्रभावी रूप से शामिल हो गया है

(4 डिप्टी रजिस्ट्रार और 1 डायरेक्टर-आईटी), और ग्रुप बी और सी में 39 खाली पदों पर। डिवीजन ने ग्रुप ए और बी के रिक्त पदों के खिलाफ अनुबंध के आधार पर 3 जूनियर कंसल्टेंट्स भी लगाए हैं। इसमें 21 रिक्त पद भी भरे गए हैं। आउटसोर्सिंग के माध्यम से ग्रुप बी और सी.

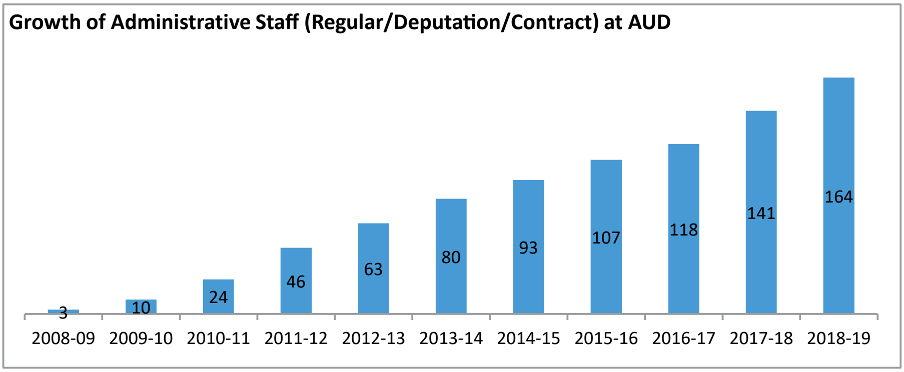

प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास

गैर-शिक्षण कर्मचारियों का प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास प्रभाग द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है जो विश्वविद्यालय प्रणाली को कुशलतापूर्वक काम करने और विकसित करने में सक्षम बनाता है। इस वर्ष के दौरान, प्रभाग ने अपने पेशेवर विकास को बढ़ाने के लिए विभिन्न संगठनों में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए कई कर्मचारियों को भेजा। डिवीजन ने आईसीएफएआई, त्रिपुरा में विश्वविद्यालय प्रबंधन में सूचना और प्रौद्योगिकी के उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने में आईटी कर्मचारियों की सुविधा प्रदान की। अन्य गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने UTCS, नई दिल्ली में खातों और सुशासन के प्रशिक्षण सत्रों में भाग लिया। अधिकारियों में से एक ने IIM अहमदाबाद में साइन्स ऑफ़ ऑर्गनाइज़ेशनल टॉक्सिसिटी, हेल्थ एंड एनलाइटमेंट (SOOTHE) पर एक कार्यशाला में भाग लिया।

उपलब्धियां

इस वर्ष में डिवीजन की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं:

- कार्यक्रमों का विकास और प्रशासन, कर्मचारियों की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया।
- नियोक्ता-कर्मचारी संबंध का निर्माण, प्रबंधन और खेती।
- एक उप रजिस्ट्रार, निदेशक (आईटी) और सिस्टम प्रशासक (आईटी) की भर्ती।
- स्थायी और संविदा कर्मचारियों के लिए बीमा योजना का कार्यान्वयन।

- ISTM, UTCS, IIM और अन्य सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों में कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संगठन।
- वेतन निर्धारण के माध्यम से सभी कर्मचारियों को 7 वें सीपीसी का कार्यान्वयन।
- आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए एक प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली का परिचय।
- विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन करना।
- संशोधित नियमों और विनियमों के अनुसार प्रपत्रों का अद्यतन।

भविष्य की योजनाएं

निकट भविष्य में, डिवीजन निम्नलिखित को पूरा करने की योजना बना रहा है :

- एक उच्च-स्तरीय सलाहकार समिति की देखरेख में एक कर्मचारी विकास प्रकोष्ठ (SDC) / HRDC की इस्टैब्लिशमेंट करें।
- गैर-शिक्षण कर्मचारियों के भर्ती नियमों को संशोधित करें।
- कर्मचारियों के लिए इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करना।
- डिवीजन के भीतर एक डेटा प्रबंधन सेल की इस्टैब्लिशमेंट।
- नॉन-टीचिंग एम्प्लॉइज रूल्स एंड रेगुलेशन को फ्रेम करें
- नए पोस्ट और मौजूदा पोस्ट के पूर्व पोस्ट अनुमोदन बनाएँ।
- अन्य विश्वविद्यालयों के बराबर कुछ गैर-शिक्षण कर्मचारियों के नामकरण को सिंक्रनाइज़ करें।
- विभिन्न गैर-शिक्षण पदों के लिए पदोन्नति और विभागीय परीक्षा के फ्रेम मॉडल।

31–3–2019 को प्रशासनिक कर्मचारियों की स्वीकृत और रिक्त पदों की स्थिति

क्रम सं.	पद का नाम	ग्रुप	7वें सीपीसी का लेवल	स्वीकृत	भरा गया	रिक्त
1	रजिस्ट्रार (प्रशासन)	A	लेवल - 14	1	0	1
2	रजिस्ट्रार (कैम्पस डेवलपमेंट)	A	लेवल - 14	1	0	1
3	वित्त नियंत्रक	A	लेवल - 14	1	0	1
4	निदेशक (आईटी सेवा)	A	लेवल - 14	1	1	0

क्रम सं.	पद का नाम	ग्रुप	7वें सीपीसी का लेवल	स्वीकृत	भरा गया	रिक्त
5	उप पंजीयक	A	लेवल - 12	7	7	0
6	कार्यकारी अभियंता (सिविल)	A	लेवल - 11	1	1	0
7	चिकित्सा अधिकारी	A	लेवल - 10	1	1	0
8	सहायक रजिस्ट्रार	A	लेवल - 10	20	18	2
9	सहायक रजिस्ट्रार (योजना)	A	लेवल - 10	1	1	0
10	सहायक रजिस्ट्रार (जनसंपर्क)	A	लेवल - 10	1	0	1
11	सहायक रजिस्ट्रार (प्रकाशन)	A	लेवल - 10	1	0	1
12	सिस्टम प्रशासक (IT)	A	लेवल - 10	4	3	1
13	सहायक अभियंता (सिविल / इलेक्ट्रिकल)	A	लेवल - 10	1	0	1
14	बाग़बान	A	लेवल - 10	1	0	1
15	सहायक लेखा अधिकारी	B	लेवल - 8	1	0	1
16	जूनियर सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर (आईटी)	B	लेवल - 7	3	0	3
17	कार्यपालक	B	लेवल - 7	25	0	25
18	सुरक्षा अधिकारी	B	लेवल - 7	2	0	2
19	स्टाफ नर्स (महिला)	B	लेवल - 6	1	0	1
20	कनिष्ठ कार्यकारी	B	लेवल - 6	39	14	25
21	जूनियर कार्यकारी (सचिवीय सेवा)	B	लेवल - 6	2	0	2
22	जूनियर कार्यकारी (आईटी)	B	लेवल - 6	2	0	2
23	जूनियर कार्यकारी (पुस्तकालय)	B	लेवल - 6	3	2	1
24	जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)	B	लेवल - 6	1	1	0
25	जूनियर इंजीनियर (सिविल)	B	लेवल - 6	1	1	0
26	सुरक्षा पर्यवेक्षक	B	लेवल - 6	2	2	0
27	तकनीकी सहायक (आईटी)	C	लेवल - 5	5	5	0
28	पुस्तकालय सहायक / पुस्तकालय-सह-प्रलेखन सहायक	C	लेवल - 5	4	4	0
29	उद्यान पर्यवेक्षक	C	लेवल - 5	1	0	1
30	स्टूडियो सहायक	C	लेवल - 5	1	1	0

क्रम सं.	पद का नाम	ग्रुप	7वें सीपीसी का लेवल	स्वीकृत	भरा गया	रिक्त
31	स्पोर्ट कोच (पुरुष -1 और महिला -1)	C	लेवल - 5	2	2	0
32	सहायक	C	लेवल - 4	46	42	4
33	सहायक व कार्यवाहक	C	लेवल - 4	3	3	0
34	सहायक (सचिवीय सेवा)	C	लेवल - 4	3	1	2
35	सहायक (वित्त और लेखा)	C	लेवल - 4	2	2	0
36	सहायक कार्यवाहक	C	लेवल - 2	2	0	2
37	जूनियर लाइब्रेरी असिस्टेंट	C	लेवल - 3	2	1	1
38	कनिष्ठ सहायक	C	लेवल - 2	14	4	10
39	चालक	C	लेवल - 2	2	0	2
40	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)	C	लेवल - 1	38	33	5
41	एमटीएस (लाइब्रेरी अटेंडेंट)	C	लेवल - 1	1	1	0
42	एमटीएस (आईटी अटेंडेंट)	C	लेवल - 1	1	0	1
43	एमटीएस (माली)	C	लेवल - 1	8	5	3
44	एमटीएस (इलेक्ट्रीशियन)	C	लेवल - 1	2	1	1
45	एमटीएस (प्लम्बर)	C	लेवल - 1	1	1	0
46	लैब तकनीशियन - मैकेनिकल और सामग्री कार्यशाला	C	लेवल - 1	1	0	1
47	लैब तकनीशियन - चमड़ा और शीतल सामग्री कार्यशाला	C	लेवल - 1	1	0	1
कुल				**264**	**158**	**106**

कैम्पस डेवलपमेंट (अस्थायी पद)

क्रम सं.	पद का नाम	ग्रुप	7वें पीसीसी का लेवल	स्वीकृत	भरा गया	रिक्त
1	सह-निदेशक (टेक)	A	लेवल – 14	1	1	0
2	उप निदेशक	A	लेवल – 12	1	0	1
3	लेखा अधिकारी	A	लेवल – 12	1	0	1
4	वास्तुकार	A	लेवल – 12	1	1	0

5	सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर (सिविल)	A	लेवल – 12	1	1	0
6	सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)	A	लेवल – 12	1	0	1
7	प्रोजेक्ट इंजीनियर (सिविल)	A	लेवल – 10	1	1	0
8	प्रोजेक्ट इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)	A	लेवल – 10	1	1	0
9	जूनियर एक्जीक्यूटिव (टेक)	B	लेवल – 6	1	0	1
10	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)	C	लेवल – 1	1	0	1
कुल				10	5	5

5.9. योजना विभाग

योजना प्रभाग विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए कई प्रकार के कार्य करता है। प्रभाग द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों और कार्यों में अपने स्कूलों और केंद्रों के परामर्श से विश्वविद्यालय के विकास कार्यक्रम तैयार करना, बजटीय आवंटन के साथ योजना तैयार करना, विश्वविद्यालय से संबंधित सूचनाओं पर प्रकाशनों का आयोजन और नियोजन करना, ढांचागत विकास की योजना और पर्यवेक्षण करना शामिल है। विश्वविद्यालय, सभी प्रमुख फंडिंग पहलों के लिए योजनाओं को तैयार करना और प्रस्तुत करना और इन प्रस्तावों का पालन फंडिंग बॉडीज जैसे GNCTD और UGC इत्यादि के साथ करता है। इसके अलावा, यह समय-समय पर विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट और अन्य सूचना बुलेटिनों की तैयारी और छपाई की निगरानी करता है। । डिवीजन कोर्ट और विश्वविद्यालय के अन्य वैधानिक निकाय बैठकों में प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज भी तैयार कर रहा है। इसके साथ ही, प्रभाग विश्वविद्यालय के विभिन्न पहलुओं पर सर्वेक्षण, कार्यक्रम मूल्यांकन और अन्य अध्ययन प्रदान करता है।

प्रमुख गतिविधियाँ

वित्तीय योजना, संसाधन आवंटन और प्रबंधन: प्रभाग विश्वविद्यालय की वित्तीय योजना में मदद करता है, प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करता है और परिणाम बजट तैयार करता है। यह विश्वविद्यालय की कार्य योजना और रणनीतिक योजना भी तैयार करता है, और तदनुसार संसाधनों और उनके प्रबंधन के आवंटन में मदद करता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) 12 वीं योजना अनुदान के आवंटन, उपयोग और उपयोग को योजना प्रभाग द्वारा समन्वित / पर्यवेक्षण किया गया था।

नए स्कूल, केंद्र और कार्यक्रम: प्रभाग स्कूलों, केंद्रों और कार्यक्रमों जैसी नई पहलों के निर्माण की सुविधा प्रदान करता है। इसने कश्मीरी गेट और करमपुरा परिसरों में स्नातक कार्यक्रम के पुनर्गठन के साथ-साथ विस्तार के लिए परामर्शी बैठकों का आयोजन किया। डिवीजन ने शहरी अध्ययन और वैश्विक अध्ययन और चार नए अंतःविषय स्नातक कार्यक्रमों में कार्यक्रमों की अवधारणा से संबंधित प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया। डिवीजन ने 2018 में लॉन्च किए गए नए ग्लोबल अफेयर्स स्कूल (SGA) के संकल्पना को भी आसान बनाया। इसके अलावा, डिवीजन तीन केंद्रों की अवधारणा और निर्माण में शामिल था - सेंटर फॉर स्टडीज इन सिस्टम्स, इंजीनियरिंग के लिए केंद्र व्यावसायिक और सतत शिक्षा केंद्र।

विश्वविद्यालय की दशकीय समीक्षा और स्नातक अध्ययन की समीक्षा: अस्तित्व के दसवें वर्ष में प्रवेश करने वाले विश्वविद्यालय के लिए एक प्रस्तावना के रूप में, डिवीजन ने एक व्यापक संस्थागत समीक्षा (डेक्निअल रिव्यू) की सुविधा प्रदान की। विश्वविद्यालय ने स्नातक अध्ययन की व्यापक समीक्षा भी की। डिवीजन ने संदर्भ की शर्तों (ToR) को अंतिम रूप देने में मदद की, पृष्ठभूमि का अध्ययन किया, डेटा के संग्रह में सहायता प्रदान की, विश्वविद्यालय के घटकों और हितधारकों के साथ बैठकों की व्यवस्था की और समीक्षा प्रक्रिया में सहायता की। 24 जुलाई 2018 को प्रबंधकीय समीक्षा समिति की रिपोर्ट और साथ ही स्नातक अध्ययन समीक्षा समिति को प्रबंधन बोर्ड को प्रस्तुत किया गया था।

डेटा रिपॉजिटरी बनाए रखना: डिवीजन छात्रों, शिक्षण स्टाफ, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और विश्वविद्यालय के वित्तीय वक्तव्यों से संबंधित जानकारी के साथ एक केंद्रीय डेटा भंडार रखता है। इसका उपयोग वैधानिक निकाय की बैठकों, सरकारी अधिकारियों के साथ बैठकों, विश्वविद्यालय के अन्य प्रकाशनों और विभिन्न मान्यता और मूल्यांकन अभ्यासों के लिए जानकारी प्रदान करने के लिए रिपोर्ट और प्रस्तुतियों के लिए डेटा आवश्यकताओं की सेवा के लिए किया जाता है।

व्यक्तियों और बाहरी संस्थानों से जानकारी के लिए सर्विसिंग अनुरोधों का आयोजन करना: संसद के सवालों के साथ-साथ विधानसभा के सवालों के जवाब अन्य संबंधित प्रभागों की मदद से प्रभाग द्वारा संकलित और अंतिम रूप दिए जाते हैं।

प्रभाग विभिन्न मुद्दों पर उच्च शिक्षा निदेशालय को जानकारी प्रदान करता है जैसे: (i) विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं, (ii) परिणाम बजट, (iii) छात्र शक्ति, (iv) शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी शक्ति, (v)) प्लेसमेंट सूचना, (vi) गैर-शिक्षण और शिक्षण स्टाफ, आदि का प्रशिक्षण।

राष्ट्रीय अभियान शिक्षा अभियान (RUSA): राष्ट्रीय अभियान संस्थान (RUSA 2.0) के माध्यम से धन की तलाश करने के लिए - मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राज्य स्तर के संस्थानों के वित्तपोषण के लिए एक केंद्र प्रायोजित योजना, प्रभाग ने सरकार को एक संशोधित संस्थागत विकास योजना प्रस्तुत की है। दिल्ली के एन.सी.टी.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा शुरू किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण पर उच्चतर शिक्षा (एआईएसएचई) के पोर्टल पर डेटा को कई मानकों के साथ संकलित और अपलोड किया गया है।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF): विश्वविद्यालय ने 2018-19 में MHRD के राष्ट्रीय

संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग में भाग लिया। विश्वविद्यालय को 151-200 के रैंक-बैंड में रखा गया था। डिवीजन NIRF के लिए डेटा संकलन और अपलोड करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था।

इनोवेशन अचीवमेंट्स (ARIIA) पर संस्थानों की अटल रैंकिंग: विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD), भारत सरकार द्वारा आयोजित नवाचार उपलब्धियों (ARIIA) 2018-19 पर संस्थानों की अटल रैंकिंग में भाग लिया। ARIIA छात्रों और संकायों के बीच "नवाचार और उद्यमिता विकास" से संबंधित संकेतकों पर भारत के सभी प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों को रैंक करता है। विश्वविद्यालय ने एमएचआरडी से भागीदारी प्रमाण पत्र प्राप्त किया है। रैंकिंग अभ्यास के लिए डेटा के समय पर संकलन और अपलोड करने के लिए डिवीजन जिम्मेदार था।

जीआईएएन: विश्वविद्यालय को अकादमिक नेटवर्क (जीआईएएन) कार्यक्रम के लिए ग्लोबल इनिशिएटिव का हिस्सा बनने के लिए चुना गया था। डिवीजन परियोजना को चलाने के लिए संस्थागत सहायता प्रदान करता रहा है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC): प्रभाग IQAC के लिए सचिवालय है। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल ने इस वर्ष एनएएसी को अपनी चौथी वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (AQAR) सौंपी. IQAC ने विश्वविद्यालय के संकाय के लिए विभिन्न संकाय विकास कार्यशालाओं का आयोजन किया है। इसके एक भाग के रूप में, डिजिटल लर्निंग इंटीग्रेटेड कोर्स डिज़ाइन (DLICD) पर एक कार्यशाला, 10-क्रेडिट कार्यक्रम, विश्वविद्यालय के संकाय के लिए आयोजित किया गया था।

प्रोटो-प्लानिंग बोर्ड: डिवीजन ने 12 अप्रैल 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (IIC), नई दिल्ली में यूनिवर्सिटी के प्रोटो-प्लानिंग बोर्ड की दूसरी बैठक आयोजित की। डिवीजन ने बैठक के लिए एजेंडा पत्र और रिपोर्ट तैयार की, और बैठक के मिनटों को अंतिम रूप देने में भी मदद की।

प्लानिंग बोर्ड: 24 जुलाई 2018 को आयोजित बैठक में प्रबंधन बोर्ड (BoM) ने प्रोटो द्वारा अनुशंसित के अनुसार प्लानिंग बोर्ड के क़ानून (डॉ. बीआर अम्बेडकर विश्वविद्यालय अधिनियम 2007 की धारा 25 (1) के अनुसार) को मंजूरी देने का संकल्प लिया -प्लानिंग बोर्ड और यह विश्वविद्यालय के विकास की निगरानी के लिए जिम्मेदार होगा। यह प्रभाग योजना बोर्ड के सचिवालय के रूप में कार्य करेगा।

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC): चूंकि विश्वविद्यालय के प्रत्यायन का प्रमाण पत्र

10 दिसंबर 2019 को नवीकरण के लिए है, इसलिए विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय के पुन: मान्यता के लिए प्रक्रिया शुरू की है। यह प्रभाग विभिन्न कार्यों में आईक्यूएसी को सहायता प्रदान कर रहा है जैसे कि अलग-अलग स्कूलों, केंद्रों और प्रभागों के लिए प्रश्नावली तैयार करना, हितधारकों के साथ बैठकें करना, छात्रों से संबंधित मात्रात्मक मैट्रिक्स पर इनपुट प्रदान करने के लिए ईआरपी से डेटा का विश्लेषण करना, एक पूर्व छात्र डेटाबेस का निर्माण करना। और एयूडी से स्नातक होने के बाद छात्र की प्रगति को समझने के लिए एक सर्वेक्षण आयोजित करना।

सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005: सहायक रजिस्ट्रार, योजना, को आरटीआई अधिनियम 2005 के तहत राज्य लोक सूचना अधिकारी (एसपीआईओ) के रूप में नामित किया गया है। 2018-19 के दौरान, 85 आरटीआई आवेदन प्राप्त और संसाधित किए गए थे। RIO अनुप्रयोगों को संसाधित करने के लिए SPIO को जूनियर कार्यकारी, योजना द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

5.10. अभिशासन

गवर्नेंस डिवीजन विश्वविद्यालय के अधिकृत निकायों से संबंधित मामलों से संबंधित है। न्यायालय, न्यायालय, प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, योजना बोर्ड (अब प्रोटो-प्लानिंग बोर्ड लागू है), स्कूलों ऑफ स्टडीज और वित्त समिति। डिवीजन से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह ऐसे अन्य प्राधिकरणों के मामलों से निपटे, जैसा कि विधियों द्वारा विश्वविद्यालय के अधिकारी घोषित किए जा सकते हैं। इन प्राधिकरण निकायों की सांविधिक बैठकें बुलाना, उनकी बैठकों के लिए एजेंडा तैयार करना, बैठकों के कार्यवृत्त तैयार करना और उन्हें सदस्यों के बीच प्रसारित करना, अधिकारियों द्वारा लिए गए निर्णयों के लिए अधिसूचना जारी करना, और निर्णयों के कार्यान्वयन की निगरानी करना अनिवार्य है। समय-समय पर अधिकारी। प्रभाग इस्टैब्लिशमेंट समिति, प्रबंधन बोर्ड की स्थायी समिति, प्राधिकरण निकायों की बहाली आदि के मामलों से भी संबंधित है।

योजना बोर्ड की इस्टैब्लिशमेंट

24 जुलाई 2018 को आयोजित प्रबंधन बोर्ड की 24 वीं बैठक में, बोर्ड ने प्रोटो-प्लानिंग बोर्ड द्वारा अनुशंसित के रूप में निम्नलिखित योजना बोर्ड के क़ानून को मंजूरी देने का संकल्प लिया:

योजना बोर्ड विश्वविद्यालय का प्रमुख नियोजन निकाय होगा और इसमें निम्नलिखित शक्तियाँ और कार्य होंगे:

a. विश्वविद्यालय की अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को तैयार करना और उनकी सिफारिश करना;

b. विश्वविद्यालय द्वारा की पेशकश की शैक्षिक कार्यक्रमों के आवधिक प्रभाव आकलन का संचालन;

c. विश्वविद्यालय में बनाए जाने वाले नए ढांचे जैसे कि स्कूल / डिवीजन / केंद्र;

d. फ्रेम संरचना, नियम, मानदंड और प्रक्रियाएं सुचारू संचालन और गुणवत्ता बढ़ाने की सुविधा के लिए;

e. विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण और मिशन को ध्यान में रखते हुए अध्ययन के नए क्षेत्रों पर अकादमिक परिषद / प्रबंधन बोर्ड की पहचान करना और सिफारिश करना;

f. दिल्ली के शहर के लिए एक संस्थान के रूप में और प्रत्येक परिसर की भौगोलिक और सामाजिक-आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के प्रत्येक परिसर के

लिए प्रासंगिक कार्यक्रमों और फोकस क्षेत्रों की पहचान करें;

g. वित्तीय मॉडल विकसित करना और संसाधन जुटाने, वित्त पोषण की पहल और फंड प्रबंधन के लिए विचारों की सिफारिश करना;

h. विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के लिए आवंटन के लिए वित्तीय और मानव संसाधन योजना और मानदंडों के लिए सिद्धांतों और नीति ढांचे की सिफारिश करना;

i. मोड, डिजाइन और निर्देश की रणनीतियों, और इन के लिए आवश्यक संरचनाओं का विकास और सिफारिश करना;

j. विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास की योजना और समीक्षा;

k. विश्वविद्यालय के कामकाज के सभी पहलुओं को कवर करने वाली एक व्यापक सूचना प्रणाली के डिजाइन ढांचे की योजना और सिफारिश करना;

l. कोई अन्य कार्य जो नियोजन बोर्ड अपने लिए ले सकता है, या जो अन्य वैधानिक निकाय नियोजन बोर्ड को सौंपते हैं।

योजना बोर्ड की वर्तमान संरचना इस प्रकार है:

अनु सिंह लाठर, वाइस चांसलर	चेयरपर्सन
सलिल मिश्रा, प्रो कुलपति I	पदेन सदस्य
जतिन भट्ट, प्रो वाइस चांसलर II	पदेन सदस्य
प्रवीण सिंह, डीन प्लानिंग	पदेन सदस्य
कृष्णा मेनन, डीन, मानव अध्ययन स्कूल	सदस्य
अरिंदम बनर्जी, डीन (ऑफिसिनेटिंग), अकादमिक सेवा	सदस्य
रोहित नेगी, एसोसिएट प्रोफेसर, ग्लोबल अफेयर्स स्कूल	सदस्य
एस. आर. हाशिम (विश्वविद्यालय न्यायालय के सदस्य)	सदस्य
एस परशुरामन (बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य)	सदस्य
ए. के. शर्मा (अकादमिक परिषद के सदस्य)	सदस्य
पंकज चंद्र, कुलपति, अहमदाबाद विश्वविद्यालय	सदस्य

ए आर खान, पूर्व प्रोफेसर, इग्नू	सदस्य
रजिस्ट्रार	सचिव

इस वर्ष प्राधिकरण निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की सूची नीचे दी गई है:

प्राधिकरण निकाय	बैठकें
विश्वविद्यालय न्यायालय	20.02.2019 को 8वीं बैठक
प्रबंधक मंडल	24.07.2018 को 24वीं बैठक 26.12.2018 को 25वीं बैठक
अकादमिक परिषद	10.07.2018 को 16 वीं बैठक और 13.07.2018 को स्थगित बैठक हुई
वित्त समिति	16.07.2018 को 20वीं बैठक 19.11.2018 को 21वीं बैठक
इस्टैब्लिशमेंट समिति	30.05.2018 को 19वीं बैठक 16.07.2018 को 20वीं बैठक 07.08.2018 को 21वीं बैठक 19.11.2018 को 22 वीं बैठक

5.11. परिसर विकास

वर्ष 2012 में, दिल्ली सरकार के एनसीटी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विश्वविद्यालय के परिसरों को विकसित करने का निर्णय लिया। इस तरह की बड़ी परियोजनाओं की देखरेख के लिए एयूडी में कुछ तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि नए परिसरों के विकास की निगरानी और निगरानी के लिए विश्वविद्यालय में एक पूर्ण इंजीनियरिंग इकाई का होना आवश्यक है। तदनुसार, कैम्पस डेवलपमेंट डिवीजन का गठन वर्ष 2014 में किया गया था।

एक संचालन समिति और एक सलाहकार समिति के मार्गदर्शन के साथ, डिवीजन धीरपुर और रोहिणी में विश्वविद्यालय के नए परिसरों के गर्भाधान, डिजाइन और विकास में शामिल है। हरे और पर्यावरण के अनुकूल नए परि[...] प्राकृतिक संसाधनों जैसे प्रकाश, पानी और ऊर्जा के इष्टतम उपयोग का पालन करने के साथ-साथ उन क्षेत्रों में जहां इन संसाधनों को संरक्षित और पुनर्जीवित किया जाता है, संरक्ष[...] के साथ प्रयोग करने का अवसर प्रदान करेगा। , विकास, और स्थिरता। नया परिसर परिसर के रिक्त स्थान को भी फिर से डिज़ाइन करेगा ताकि वे वि[...] अ[...]दस्य[...] के [...] औ[...] हों।

डिविजन का नेतृत्व वरिष्ठ स्तर के पेशेवर और इंजीनियरों द्वारा किया जाता है, जिनके निर्माण क्षेत्र में 25 से अधिक वर्ष[...] होत[...] इंजीनियर्स अ[...] क[...] साथ एक सहायता टीम कैम्पस डेवलपमेंट डिवीजन की सहायता करती है।

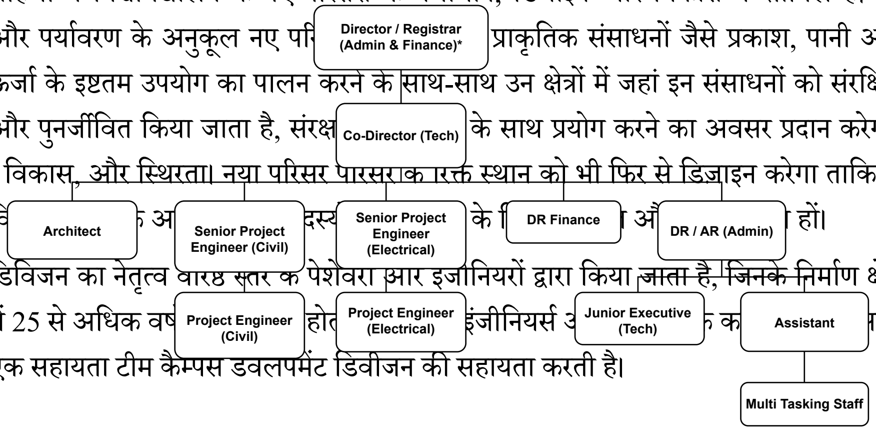

** (कैम्पस डेवलपमेंट डिवीजन के लिए रजिस्ट्रार (एडमिन एंड फाइनेंस) की एक नई स्थिति विज्ञापित की गई है।)*

प्रमुख कार्य निष्पादित किए गए

प्रभाग को धीरपुर, रोहिणी, करमपुरा, लोधी रोड और मदरसा रोड में विश्वविद्यालय परिसरों के सभी नए निर्माण / प्रमुख नवीकरण आदि को करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी कार्य प्रस्तावों को संसाधित करते समय डिवीजन CPWD मैनुअल और GFRs का अनुसरण करता है।

प्रभाग द्वारा किए गए कुछ प्रमुख कार्य और गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

1. धीरपुर और रोहिणी परिसर

    i. स्कूलों और केंद्रों के सभी डीन और निदेशकों के साथ गहन बातचीत के बाद

आवश्यकताओं और सुविधाओं को अंतिम रूप देना।

ii. धीरपुर परिसर (750 करोड़ रुपये) और रोहिणी मंदिर (600 करोड़ रुपये) के लिए अस्थायी निर्मित क्षेत्रों और अनुमानित लागत का अनुमान।

iii. धीरपुर और रोहिणी के लिए सलाहकार की नियुक्ति के लिए आरएफपी दस्तावेजों को अंतिम रूप देना।

iv. मेसर्स टीपीडीडीएल (रु. 2.74 करोड़) के माध्यम से एयू के धीरपुर भूखंड से 33 / 11KV HT / LT लाइनों का स्थानांतरण।

v. धीरपुर कैंपस (1.9 करोड़ रुपये) और रोहिणी परिसर (35 लाख रुपये) में बाउंड्री वॉल का निर्माण और हाई मास्ट लाइटों की इस्टैब्लिशमेंट।

2. करमपुरा परिसर

i. न्यू एक्सटेंशन ब्लॉक की मरम्मत और नवीकरण (1.2 करोड़ रुपये)।

ii. कैंपस में दो बैरकों की मरम्मत और नवीनीकरण (39 लाख रुपये)।

iii. अकादमिक ब्लॉक और लेडीज हॉस्टल की मरम्मत और नवीकरण (6.60 करोड़ रुपये)।

iv. अकादमिक ब्लॉक के एचवीएसी (7 करोड़ रुपये) सहित बहुउद्देश्यीय ब्लॉक की मरम्मत और नवीनीकरण।Lodhi Road Campus

3. मदरसा रोड कैंपस

i. मद्रास रोड पर भूखंड पर एक नई बहुमंजिला इमारत बनाने का प्रस्ताव शुरू किया, जो कि कश्मीरी गेट कैंपस से सटे, रु. 38 करोड़।

परिसरों की स्थिति

धीरपुर और रोहिणी परिसर: शहरी विकास मंत्रालय (दिल्ली विभाग, भारत सरकार) ने दिल्ली -110009 के धीरपुर चरण -1 में विश्वविद्यालय के लिए एक परिसर स्थापित करने के लिए 20 हेक्टेयर की एक भूखंड आवंटित किया था। क्षेत्र के चारों ओर की चारदीवारी का निर्माण किया गया है। रोहिणी में 7.03 हेक्टेयर का एक प्लॉट 2010 में डीडीए द्वारा विश्वविद्यालय को आवंटित किया गया था। भूखंड के चारों ओर की पक्की दीवार की मरम्मत लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा

की गई है और कंसर्टिना कॉइल को अतिचार को रोकने के लिए दीवार पर लपेटा गया है।

सुरक्षा को मजबूत करने और अतिक्रमण को रोकने के लिए, धीरपुर और रोहिणी में भूमि के दोनों भूखंडों के अंदर उच्च मस्तूल प्रकाश टॉवर लगाए गए हैं। चौबीसों घंटे सुरक्षा गार्ड तैनात करके दोनों भूखंडों पर सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

जीएनसीटीडी द्वारा तय किए गए अनुसार, पीडब्ल्यूडी को दोनों साइटों पर निर्माण के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। इस आशय का एक समझौता ज्ञापन विश्वविद्यालय और पीडब्ल्यूडी के बीच 2 मार्च 2017 को हस्ताक्षरित किया गया था। पीडब्ल्यूडी ने परामर्शदाताओं के चयन के लिए व्यापक रूप से योजना तैयार करने और खुली निविदा के माध्यम से एक डिजाइन प्रतियोगिता के आधार पर परियोजनाओं को डिजाइन करने के लिए कार्रवाई शुरू की थी और सलाहकारों (आर्किटेक्ट्स) की नियुक्ति की समयसीमा 15 जुलाई 2017 को तय की गई थी। कंसल्टेंट्स की नियुक्ति में देरी के बाद दोनों साइटों, इस प्रक्रिया को आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) बोलियों को पुष्ट किया गया है। उसी के लिए प्री-बिड मीटिंग 12 मार्च 2019 को आयोजित की गई थी। दोनों साइटों के लिए सलाहकारों की नियुक्ति के लिए तकनीकी बिड 25 मार्च 2019 को खोली गई थी। पीडब्ल्यूडी ने 24 मई 2019 को बोली लगाने वालों की शॉर्टलिस्टिंग के लिए अपनी सिफारिशें भेजी थीं। एक प्रस्तुति होगी विश्वविद्यालय और कंसल्टेंट्स (आर्किटेक्ट्स) द्वारा गठित जूरी के समक्ष शॉर्टलिस्ट किए गए बोलीदाताओं द्वारा 31 जुलाई 2019 तक नियुक्त किए जाने की संभावना है। GNCTD और नगर निगम द्वारा व्यय वित्त समिति (EFC) की मंजूरी 31 अप्रैल 2020 तक उपलब्ध होगी और यह दोनों परिसरों के विकास में 3 साल लगेंगे।

करमपुरा परिसर: मुख्य शैक्षणिक ब्लॉक और गर्ल्स हॉस्टल का नवीनीकरण जुलाई 2018 में रुपये की लागत से पूरा हुआ। 6.6 करोड़ रु. इस वर्ष मुख्य शैक्षणिक ब्लॉक में कक्षा कक्ष, प्रयोगशाला, समिति कक्ष, पुस्तकालय आदि सहित स्टाफ और छात्रों के लिए 50 कमरे हैं, ताकि परिसर की क्षमता को बढ़ाया जा सके. इस वर्ष 40 छात्रों के लिए एक कन्या छात्रावास को भी कार्यात्मक बनाया गया है। 250 व्यक्तियों की क्षमता वाला एक सभागार नवीकरण के अधीन है और 31 जुलाई 2019 तक पूरा होने की संभावना है।

करमपुरा कैंपस में डेकेयर और आवासीय सुविधाओं में सुधार के लिए, 5 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से एक इलेक्ट्रिक सबस्टेशन के साथ एक मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग का निर्माण जारी। यह भवन अक्टूबर 2019 तक पूरा होने की संभावना है।

लोधी रोड कैंपस: कैंपस बिल्डिंग की पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल का नवीनीकरण इस साल

के दौरान हुआ है और जुलाई 2019 तक पूरा होने की संभावना है।

लोधी रोड कैंपस में प्रशिक्षण सुविधाओं में सुधार के लिए, एक मल्टी स्टोरी बिल्डिंग का निर्माण भी प्रस्तावित है। रुपये की लागत का अनुमान। इस परियोजना के लिए 20 करोड़ पीडब्ल्यूडी से प्राप्त हुए हैं और प्रस्ताव को डीएचई, जीएनसीटीडी को मंजूरी के लिए भेज दिया गया है।

मदरसा रोड बिल्डिंग: एक बहुमंजिला इमारत का निर्माण प्रस्तावित है। इस परियोजना के लिए Rs.38 करोड़ की लागत का अनुमान पीडब्लूडी से प्राप्त किया गया है और प्रस्ताव को अनुमोदन के लिए डीएचई, जीएनसीटीडी को भेज दिया गया है।

5.12. प्रशासन प्रभाग

प्रभाग की जिम्मेदारियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :

प्रशासन प्रभाग विश्वविद्यालय के सभी प्रशासनिक मामलों से संबंधित है, जैसे माल और सेवाओं की खरीद, निविदा, अनुबंध प्रबंधन, उत्पादों की गारंटी / वारंटी की वारंटी, वार्षिक रखरखाव अनुबंध और इन अनुबंधों से संबंधित सभी प्रशासनिक कार्यों सहित नियमों और शर्तों को लागू करने के लिए अनुबंध अनुबंध और बिलों का प्रसंस्करण। डिवीजन इन्वेंट्री प्रबंधन, स्टॉक सत्यापन, अप्रचलित वस्तुओं के निपटान, जारी परिसंपत्तियों और उपभोग्य वस्तुओं की प्राप्ति और प्राप्ति से संबंधित है।

प्रभाग की जिम्मेदारियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

1. अधिप्राप्ति प्रक्रिया: स्कूलों / केंद्रों / प्रभागों से संबंधित मांग की रसीद, संबंधित विशिष्टताओं की पुष्टि, निविदा दस्तावेज / स्थानीय खरीद दस्तावेज तैयार करना, निविदा जारी करना, तकनीकी और वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन, कार्य का पुरस्कार, कार्य निष्पादन सुरक्षा और अनुबंध संबंधी मामलों से संबंधित कार्य, भुगतान के लिए बिलों को संसाधित करना आदि।
2. प्रचार, विज्ञापन और मुद्रण: प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से विज्ञापन / प्रचार; पुस्तक, पत्रिकाओं, दस्तावेजों आदि की छपाई, मुद्रित प्रिंटर के माध्यम से।
3. घटना प्रबंधन: बैठकों, सेमिनारों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों आदि के लिए स्थानों की बुकिंग और उसी के सामान और सेवाओं की खरीद।
4. अस्पतालों का पैनल: अस्पतालों, नैदानिक केंद्रों, प्रयोगशालाओं का विश्वविद्यालय के मेट नियमों में निहित प्रावधानों के तहत।
5. दावे: नियमित और साथ ही विश्वविद्यालय के संविदा कर्मचारियों के विभिन्न दावों का सत्यापन और प्रसंस्करण। इनमें चिकित्सा दावे, बच्चों की शिक्षा भत्ता, टेलीफोन और समाचार पत्र प्रतिपूर्ति और अन्य विविध दावे आदि शामिल हैं।
6. स्टोर और इन्वेंट्री प्रबंधन: रसीद, निरीक्षण, और रिकॉर्डकीपिंग; संपत्ति और उपभोग्य सामग्रियों का मुद्दा; फर्नीचर की मरम्मत, आदि।
7. अन्य प्रशासनिक कार्य: पहचान पत्र, मेडिकल कार्ड, प्रतीक चिन्ह, स्टैम्प, विजिटिंग कार्ड इत्यादि का प्रसंस्करण और निर्माण।

उपलब्धियां

खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता, प्रतिस्पर्धा, अर्थव्यवस्था, दक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निविदाओं का ई-टेंडरिंग और ई-प्रकाशन शुरू किया गया है और खरीद की पूरी प्रक्रिया सरकार के ई-प्रकाशन पोर्टल के माध्यम से की जा रही है दिल्ली।

लगभग रु. की खरीद 2018-19 के दौरान ऑनलाइन खरीद, ई-बिडिंग आदि जैसे ऑनलाइन टूल का उपयोग करके सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) पोर्टल पर 3 करोड़ का प्रावधान किया गया था। खरीदे गए आइटम्स में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर, फर्नीचर आइटम आदि शामिल थे।

विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र को जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के साथ पंजीकृत किया गया था जो किसी भी स्वास्थ्य देखभाल प्रतिष्ठान के लिए अनिवार्य है।

डाक के प्रभावी और कुशल आंदोलन के लिए, भारत सरकार के डाक विभाग के साथ 'बुक नाउ पे लेटर' (बीएनपीएल) समझौते के साथ एक केंद्रीकृत डाक प्रबंधन प्रणाली स्थापित की गई थी।

विश्वविद्यालय के लगभग 400 कर्मचारियों को जारी किए जाने वाले मेडिकल कार्ड के साथ लगभग सभी कर्मियों के रिकॉर्ड को मानव संसाधन और शैक्षणिक सेवा प्रभागों से सत्यापित किया गया है। अप्रैल 2018 और मार्च 2019 के बीच कुल 576 को संसाधित किया गया।

डिवीजन, एस्टेट डिवीजन के सहयोग से, लगभग 1500 प्रतिभागियों को समायोजित करने और पूरा करने के लिए पूर्ण लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करके 7 वें एयूडी कन्वोकेशन का आयोजन किया।

डिवीजन ने 7 सितंबर 2018 को कश्मीरी गेट परिसर में वेंकटेश्वर अस्पताल, दिल्ली के सहयोग से एक नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।

डिवीजन ने 12 फरवरी, 2019 को कश्मीरी गेट परिसर में सेंटर फॉर साइट, दिल्ली के सहयोग से एक निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया।

कार्य अनुबंध और रखरखाव

वर्ष 2018-19 के दौरान दिए गए कार्य अनुबंध और वार्षिक रखरखाव अनुबंधों की सूची निम्नलिखित है :

क्रम सं.	अनुबंध	तिथि
1	iMAC कंप्यूटर *	15.09.2018
2	आईटी उपकरण (डेस्कटॉप, लैपटॉप, सर्वर, प्रिंटर, स्कैनर, यूपीएस) *	27.12.2018
3	ईआरपी *	01.12.2018
4	सर्वर (HP सर्वर) *	30.05.2019
5	सर्वर NAS उपकरण *	05.09.2018
6	फोटोकॉपियर *	01.01.2019
7	नौकरी पोर्टल *	30.05.2018
8	सीसीटीवी कैमरे*	11.05.2017
9	नया प्रवेश पोर्टल और प्रवेश प्रबंधन *	25.11.2018
10	विश्वविद्यालय की वेबसाइट *	01.05.2017
11	ऑडियो-विजुअल उपकरण *	15.03.2019
12	स्टेशनरी की आपूर्ति	23.01.2019
13	टोनर / कारतूस की आपूर्ति	06.09.2018
14	पुस्तकालय में पुस्तकों की आपूर्ति के लिए प्रकाशक / वितरकों का पैनल	31.01.2019
15	कैंटीन, कश्मीरी गेट कैंपस	05.10.2018
16	सुरक्षा सुविधाएँ	01.06.2018
* वार्षिक रखरखाव अनुबंध (AMC)		

कार्य आदेश

निम्नलिखित वर्ष 2018-19 के दौरान जारी किए गए कार्य आदेशों की एक सूची है:

क्रम सं.	विषय	राशि (रुपये में)
1	विश्वविद्यालय के वसंत महोत्सव का आयोजन	102,117/-
2	एचपीएलजे प्रो एमएफपी एस226डीडब्ल्यू प्रिंटर के 10 नंबर	288,451/-
3	वार्षिक लेखा परीक्षा रिपोर्टों की स्कैनिंग, डिजाइनिंग और मुद्रण	252,000/-
4	वार्षिक लेखा परीक्षा रिपोर्टों की स्कैनिंग, डिजाइनिंग और मुद्रण	250,425/-
5	मौजूदा ईपीएबीएक्स एक्सचेंज का विस्तार और उन्नयन	216,152/-
6	आरओ वाटर कूलर फिल्टर, एक्वा गार्ड्स के सीएएमसी और आवधिक सर्विसिंग	244,968/-
7	सुरक्षा सेवा अनुबंध	2,546,532/- प्रतिमाह
8	फर्नीचर वस्तुओं की खरीद और इस्टैब्लिशमेंट	585,116/-
9	ओएमआर शीट्स का मूल्यांकन	119,280/-
10	केपी और एलआर परिसरों में सेनेटरी नैपकिन और सेनेटरी वेंडिंग मशीन की खरीद और इस्टैब्लिशमेंट	178,475/-
11	स्टेशनरी आइटम की खरीद	157,105/-
12	फर्नीचर की वस्तुओं की खरीद	144,606/-
13	एप्पल iMAC कंप्यूटर के रखरखाव अनुबंध का नवीनीकरण	263,022/-
14	उत्तर पुस्तिकाओं की छपाई	133,104/-
15	विज्ञापन का प्रकाशन	168,410/- + जीएसटी
16	टोनर कारतूस खरीद	226,775/-
17	मेमेंटोस की खरीद	178,080/-
18	दीक्षांत समारोह के दौरान लंच	168,000/-
19	डिग्री धारकों की छपाई और निर्माण	103,936/-
20	एयूडी प्लानर्स और डायरी की छपाई	123,458/-

21	एयूडी फाउंडेशन डे इवेंट के दौरान प्रदर्शित होने वाली 10 मिनट की डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाना	295,000/-
22	वेब सामग्री प्रबंधन प्रणाली का डिजाइन, विकास और रखरखाव	961,700/-
23	एयूडी में चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म की सगाई	206,500/-
24	एसबीपीपीएसई प्रवेश के लिए शिक्षा पोर्टल का विकास और प्रबंधन	525,100/-
25	प्रवेश पोर्टल के लिए रखरखाव, होस्टिंग और नई सुविधा के लिए एएमसी का नवीकरण	370,000/-
26	एसएचई में प्रयोगशाला उपकरणों की आपूर्ति	221,120/-
27	आईटी उपकरणों का व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी)	1,042,126/-
28	एमबीए प्रवेश विज्ञापन	112,383/-
29	पोर्टेबल श्रेडर मशीन 50 किलोग्राम की इस्टैब्लिशमेंट। एकल इलाज प्रणाली के साथ क्षमता	208,480/-
30	पूरे परिसर में 100 एमबीपीएस एमपीएलएस वीपीएन कनेक्टिविटी प्रदान करना	3,469,517/-
31	उत्तर पुस्तिकाओं की छपाई	164,192/-
32	कैमरा लगाव के साथ स्टीरियो माइक्रोस्कोप की खरीद और इस्टैब्लिशमेंट	270,000/-
33	वर्कस्टेशन की खरीद	154,800/-
34	आईटी एसेट्स मैनेजमेंट के लिए आरएफआईडी सिस्टम	246,292/-
35	एएमसी एचपी ईएनटी सर्वर	125,061/-
36	टोनर कारतूस खरीदें	142,320/-
37	वेबसाइट होस्टिंग के एएमसी का विस्तार	360,000/- + जीएसटी
38	टोनर कारतूस की आपूर्ति के लिए कार्य आदेश	144,995/-
39	Exmor R CMOS सेंसर के साथ Sony AX40 4K हैंडीकैम	157,618
40	HP 280 G4 MT i7 Win10Pro 813 के साथ 21.5 इंच का मोनिटर (डेस्कटॉप)	5,873,450/-
41	महत्वपूर्ण इन्फ्रा के लिए 60 मिनट बैकअप के साथ 10 केवीए ऑनलाइन यूपीएस	306,000/-
42	Microsoft Office 2019 मानक शैक्षणिक लाइसेंस	1,397,900/-

43	विंडोज सर्वर डाटा सेंटर 2 कोर 2019 शैक्षणिक लाइसेंस + सॉफ्टवेयर आश्वासन	398,900/-
44	एचपी लेजरजेट प्रो एम 226 डीडब्ल्यू	125,500/-
45	मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर	1,192,485/-
46	एसेसरीज के साथ क्लासरूम स्पीकर सिस्टम (4 का सेट) (18W, 200Hz-15kHz, 100V लाइन)	289,000/-
47	4 माइक इनपुट, लाइन इनपुट दीवार के साथ 60W मिक्सिंग एम्पलीफायर	340,000/-
48	HP 280 G4 MT i7 Win10P 813 with V190(18.5 Inches) (Desktop)	877,200/-
49	Cisco SFP-10G-SR-S, Cisco WS-C3850-24T-E, CiscoWS-C3850-24T-E# HSWAN# Update1, Cisco C2960X-24TS-IN, Cisco AIR-CT3504-K9# AU, CiscoAIR-AP2802I-D-K9I Indoor AccessPoint	3,933,450/-
50	नोटबुक कंप्यूटर-लैपटॉप	1,932,000/-
51	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम के साथ कैमरा	232,200/-
52	XG 550+ 2 port 10 GbE SFP+ + FG with Three Years with CR500ia Buy Back (Firewall)	2,856,000/-

5.13. संपदा विभाग

एस्टेट डिवीजन रजिस्ट्रार की देखरेख और निर्देशों के तहत काम करता है। एस्टेट डिवीजन द्वारा जल आपूर्ति, टेलीफोन, ईपीएबीएक्स एक्सचेंज, परिवहन, अंतरिक्ष समन्वय, नागरिक एजेंसियों के साथ संपर्क, संपत्ति कर सहित सभी भौतिक सुविधाओं का रखरखाव किया जाता है। डिवीजन बाहरी एजेंसियों के माध्यम से सुरक्षा, सफाई, स्वच्छता, बंदर हैंडलर सेवाओं, परिवहन, कीट नियंत्रण आदि का प्रबंधन भी करता है। समय-समय पर प्रभाग राज्य / राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी अधिकारियों द्वारा निर्देशित विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित करता है। डिवीजन सभी कैंपसों के साथ-साथ भारत के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, इंडिया हैबिटेट सेंटर, आदि जैसे इंजीनियरिंग और रखरखाव इकाई के निर्माण पर विद्यालयों, केंद्रों, और विवि के प्रभागों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के लिए बुनियादी सुविधाएं और रसद प्रदान करता है। (ईएमयू), सिविल और इलेक्ट्रिकल रखरखाव से संबंधित अधिकांश कार्यों को एस्टेट से ईएमयू में स्थानांतरित किया गया था।

इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान, डिवीजन ने सुरक्षा सेवाओं मेसर्स टाइगर 4 सुरक्षा और जासूसी सेवाओं के लिए एक नया टेंडर प्रदान किया है। पेयजल सुविधाओं की निगरानी को मजबूत किया गया है। शिकायत पंजीकरण और निवारण प्रणाली को उन्नत किया गया है और अधिक जागरूकता के लिए साइन-बोर्ड लगाए गए हैं। सरकार और यूजीसी के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के लिए, विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में धूम्रपान विरोधी बोर्ड लगाए गए हैं। प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से स्वच्छता कर्मचारियों की कार्य स्थितियों में सुधार किया गया।

डिवीजन द्वारा बनाए गए परिसरों का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

क्रम सं.	परिसर	क्षेत्रफल (वर्ग मी.)
	अकादमिक	
1	कश्मीरी गेट परिसर: अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, लोथियन रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110006	34,368
2	धीरपुर परिसर: अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, धीरपुर, दिल्ली - 110009	200,000
3	रोहिणी परिसर: अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, सेक्टर - 9, रोहिणी इंस्टीट्यूशनल एरिया, रोहिणी, नई दिल्ली – 110085	68,950
4	करमपुरा परिसर, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, शिवाजी मार्ग, करमपुरा, नई दिल्ली - 110015	25,626

5	लोधी रोड कैंपस: अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली, अलीगंज, बी.के.दत्त कॉलोनी, लोधी रोड, नई दिल्ली - 11-113	7789
6	मदरसा रोड परिसर: अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, केला घाट मार्ग, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110006	4198
7	एनसीसी ब्लॉक, कश्मीरी गेट, दिल्ली – 110006	
आवासीय		
10	पीवीसी-द्वितीय, करमपुरा के लिए आवास	-
11	एयूडी ट्रांजिट हॉस्टल, करमपुरा	-
12	गर्ल्स हॉस्टल, कश्मीरी गेट	-
13	पीवीसी- I, पंचशील पार्क के लिए आवास	-

परिसरों के बुनियादी ढांचे का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

क्रम सं.	इन्फ्रास्ट्रक्चर	कश्मीरी गेट कैंपस	करमपुरा कैंपस	लोधी रोड कैंपस
1	कमरे (प्रशासन)	29	07	02
2	कमरे (संकाय)	50	05	02
3	क्लास रूम	36	08	02
4	बड़े वर्ग के कमरे	04	03	-
5	पुस्तकालय	01 (पढ़ने की सुविधा के साथ)	01	01 (पढ़ने की सुविधा के साथ)
6	वचनालय	01	02	01
7	समिति के कमरे	04	02	-
8	ट्यूटोरियल	01	-	-
9	संगोष्ठी कक्ष	01	-	01
10	कोठार	03	01	-
11	लैब्स	04	02 + 01 सर्वर रूम	01 + 01 IT सर्विस/ सर्वर रूम

12	कार्यशालाएं		04	-	01 (पावर सप्लाई रूम)
13	स्टूडियो		02	-	-
14	छात्र मनोरंजन कक्ष		01	01	-
15	जिम		01	01 (स्पोर्ट्स रूम)	-
16	काफ़ीहाउस		02 (01 कियोस्क)	02 (01 कियोस्क)	01 (01 कियोस्क)
17	फोटोकॉपी की दुकान / सुविधाएं		01	01	01
18	स्वास्थ्य केंद्र		01	01	-
19	एहसा क्लीनिक		05	02	-
20	गर्ल्स हॉस्टल		01 (45 की क्षमता वाले 22 कमरे)	-	-
21	स्टोर		03	02	03
22	ड्राइवर रूम		01	02	-
23	सुरक्षा कक्ष		03	01	01
24	स्वच्छता कर्मचारी कक्ष		03	02	-
25	टॉयलेट	पुरुष	21	04	01
		महिला	29	03	01
		तटस्थ लिंग	05	-	-
		सुलभ	03	02	01
26	पीने के पानी के बिंदु		10	01	02
27	रेस्तरां (एसवीएस द्वारा संचालित)		-	01	01

शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए अवसंरचना सुविधाएं

विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में सभी प्रमुख स्थानों पर साइनेज बोर्ड लगाए गए हैं। सड़कें और

रास्ते चौड़े और बाधा रहित हैं। विकलांग लोगों के आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए, कई स्थानों पर रैंप का निर्माण किया गया है और जहां आवश्यक हो, हड़पने की रेल उपलब्ध कराई गई है। कश्मीरी गेट परिसर में विकलांग व्यक्तियों के उपयोग के लिए विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार पर एक व्हीलचेयर रखी गई है, जल्द ही इसे अन्य परिसरों में भी लागू किया जाएगा। सभी सीढ़ियों पर एंटी-स्लिप फ्लोर मैटेरियल चिपकाया गया है। ध्यान रखा जाता है कि मार्ग के किनारे कोई उभरी हुई वस्तु न हो और सुरक्षित चलने के लिए पर्याप्त चलने की जगह उपलब्ध हो। तीनों परिसरों में शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए दो कार पार्किंग स्थल आरक्षित हैं। सभी तीन परिसरों में शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए सुलभ शौचालय हैं।

घटनाक्रम / गतिविधियां

यह प्रभाग वर्ष 2018-19 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों में शामिल था :

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून 2018 को मनाया गया।
- 15 अगस्त 2018 को 72 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।
- 7 सितंबर 2018 को वेंकटेश्वर अस्पताल के सहयोग से एक नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।
- कीट नियंत्रण प्रबंधन सभी परिसरों में किया जाता है।
- 26 जनवरी 2019 को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है।
- विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट परिसर, 8 फरवरी 2019 को सभी परिसरों पर सुरक्षा कड़ी करने और मजबूत करने पर व्याख्यान।
- 13 फरवरी 2019 और 27 मार्च 2019 को अग्निशमन ड्रिल का प्रदर्शन किया गया।

5.14. वित्त विभाग

वित्त प्रभाग, कुलपति की अध्यक्षता में वित्त समिति के निर्देशों के तहत कार्य करता है और अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली अधिनियम, 2007 के तहत दिए गए जनादेश का पालन करता है। वर्तमान में इस प्रभाग की अध्यक्षता वित्त नियंत्रक करते हैं और इसमें उप पंजीयक, सहायक रजिस्ट्रार शामिल होते हैं। और अन्य स्टाफ।

प्रभाग के मुख्य कार्य और जिम्मेदारियां हैं :

- विश्वविद्यालय की प्राप्तियों और भुगतानों की निगरानी और नियंत्रण।
- विभिन्न फंडिंग एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं के खातों का पर्यवेक्षण।
- विश्वविद्यालय के धन के वार्षिक बजट और प्रबंधन की तैयारी।
- वित्त समिति द्वारा विचार और अनुशंसा के लिए विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों की तैयारी और बाद में प्रबंधन और विश्वविद्यालय के न्यायालय द्वारा गोद लेने की मंजूरी।
- विश्वविद्यालय के दिव्यांगों, स्कूलों और केंद्रों और उच्च शिक्षा निदेशालय और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार के अन्य विभागों के साथ वित्तीय मामलों के संबंध में समन्वय।
- लेखापरीक्षा, वित्त विभाग, निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) के कार्यालय द्वारा आयोजित ऑडिट के संबंध में समन्वय।

AMBEDKAR UNIVERSITY DELHI

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 2019

(Amount in Rs.)

SOURCES OF FUNDS	Schedule	2018-19	2017-18
CORPUS/CAPITAL FUND	1	1,58,98,31,090	1,72,65,68,718
DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	2	38,32,78,237	30,48,69,828
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	1,11,92,80,980	69,38,00,598
Total		3,09,23,90,307	2,72,52,39,144

APPLICATION OF FUNDS	Schedule	2018-19	2017-18
FIXED ASSETS	4		
- Tangible Assets		1,65,03,41,274	1,58,58,85,257
- Intangible Assets		2,75,00,066	1,12,47,805
- Capital Work- In Progress		2,43,33,920	10,38,94,508
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	5		
- Long term		-	-
- Short term		18,76,34,195	18,76,34,195
INVESTMENTS-OTHERS	6		
- Corpus Fund		-	-
- Others		-	-
CURRENT ASSETS	7	85,72,33,891	49,94,30,526
LOANS, ADVANCES AND DEPOSITS	8	34,53,46,961	33,71,46,853
Total		3,09,23,90,307	2,72,52,39,144
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	23		
CONTIGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS	24		

CONTROLLER OF FINANCE   PRO-VICE CHANCELLOR   VICE-CHANCELLOR

I.P. PASRICHA & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

Page 1

Annual Accounts F.Y. 2018-19

AMBEDKAR UNIVERSITY DELHI

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

(Amount in Rs.)

Particulars	Schedule	2018-19	2017-18
INCOME			
Academic Receipts	9	7,40,62,874	5,22,08,236
Grants/Subsidies	10	55,66,72,940	46,18,27,863
Income from Investments	11	-	10,09,136
Interest Earned	12	32,30,403	18,82,993
Other Income	13	35,72,148	8,82,292
Prior Period Incomes	14	12,000	-
TOTAL (A)		**63,75,50,365**	**51,78,10,520**
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment Expenses)	15	41,61,26,706	31,53,92,454
Academic Expenses	16	5,32,70,161	4,37,77,373
Administrative & General Expenses	17	12,08,01,261	7,06,39,033
Transportation Expenses	18	73,20,573	77,26,868
Repair & Maintainence	19	2,22,88,089	3,13,11,448
Finance Cost	20	61,833	87,888.00
Depreciation	4	5,57,94,114	3,82,57,625
Other Expenses	21	-	-
Prior Period Expenses	22	7,69,00,881	82,56,676
Total (B)		**75,25,63,618**	**51,54,49,365**
Balance Being Excess Of Income Over Expenditure (A- B)		**(11,50,13,253)**	**23,61,155**
Transfer to/from Designated Funds		-	-
Balance Being Surplus /(Deficit) Carried To Corpus / Capital Fund		**(11,50,13,253)**	**23,61,155**

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES 23

CONTIGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS 24

CONTROLLER OF FINANCE PRO-VICE CHANCELLOR VICE-CHANCELLOR

Page 2 Annual Accounts F.Y. 2018-19

I.P. PASRICHA & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

5.15. अभियांत्रिकी एवं रखरखाव इकाई

इंजीनियरिंग और रखरखाव (ई एंड एम) इकाई अपने भवन के बुनियादी ढांचे और अन्य सेवाओं (विद्युत, एयर कंडीशनिंग, नलसाजी, आदि) को बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय को तकनीकी सहायता प्रदान करती है। यूनिट की भूमिका कार्यों की योजना, आकलन, निविदा और क्रियान्वयन है। यूनिट उन कामों को भी शुरू करता है जो कि पीडब्ल्यूडी के माध्यम से आवश्यक होने पर किए जाते हैं।

निष्पादित कार्य

1. एनएल -1, एन 4, एन 5, एन 6 और डब्ल्यूएस -5 का नवीनीकरण।
2. 7 वें दीक्षांत समारोह के लिए विद्युत कार्यों सहित सड़क का नवीनीकरण।
3. क्रेच का निर्माण।
4. करमपुरा परिसर (एल-ब्लॉक) में दीमक रोधी उपचार कार्य।
5. करमपुरा परिसर (एल-ब्लॉक) में विद्युत कार्य।
6. कश्मीरी गेट और करमपुरा परिसरों में श्रेडिंग मशीन के लिए शेड का निर्माण.

निविदाएं प्रस्तावित और स्वीकृत

1. कश्मीरी गेट परिसर में शौचालय का नवीनीकरण और उन्नयन।
2. प्रशासनिक ब्लॉक, कश्मीरी गेट परिसर में कमरा 402 का नवीनीकरण।
3. एनसीसी ब्लॉक की पहली मंजिल की मरम्मत और नवीनीकरण।

आगामी वर्ष के लिए प्रस्तावित कार्य

1. कमरों का नवीनीकरण WS-4 और CR-12.
2. कश्मीरी गेट और लोधी रोड परिसरों में किराए पर एसी के लिए निविदा।.

6. यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए समिति

14 नवंबर 2018 को यौन उत्पीड़न की रोकथाम (सीपीएसएच) के लिए दूसरी विधिवत समिति का गठन किया गया। यह विश्वविद्यालय के सभी परिसरों से संकाय, छात्रों और कर्मचारियों की सदस्यता का गठन करता है।

समिति ने लिंग संवेदीकरण पर मौजूदा नेटवर्क में शामिल होने और ब्रेकथ्रू, और कानून और विकास में साझेदारों के साथ-साथ विश्वविद्यालय केंद्रों जैसे उन्नत केंद्रों के लिए महिला अध्ययन, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई को आकर्षित करने के लिए एनजीओ के साथ संपर्क स्थापित करने की कोशिश की है। उनके अनुभव और परिसर में जागरूकता बढ़ाने में विशेषज्ञता पर।

समिति के छात्र सदस्य समिति के मुद्दों को चर्चा में लाने के लिए सक्रिय हो गए हैं, चर्चा के लिए साइबर गुंडई, शरीर-त्याग और अन्य लिंग-संबंधी मुद्दों पर। इन मामलों में, छात्रों और संकायों के साथ विभिन्न परिसरों पर चर्चा करने के लिए नेतृत्व होता है कि कैसे मामलों के रूप में ऐसे मामलों से निपटा जा सकता है।

मामले: नवंबर 2018 और मार्च 2019 के बीच समिति द्वारा कुल पांच शिकायतें प्राप्त की गई हैं। यौन उत्पीड़न और भेदभाव के रोकथाम, निषेध और निवारण पर विश्वविद्यालय की नीति पर निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार जांच की गई थी। पहचान और यौन अभिविन्यास। तीन मामलों के लिए तीन जांच रिपोर्ट को अक्षम कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों को सिफारिशें दी गई हैं। अन्य मामलों की जांच चल रही है। अपील के एक मामले के बाद नवंबर 2018 में एक अपील समिति का गठन किया गया था, जिसे पिछली सीपीएसएच द्वारा पूरी की गई एक जांच समिति के रूप में दर्ज किया गया था। तब से अपील समिति ने इस जांच को पूरा कर लिया है।

सीपीएसएच की घटनाएं / गतिविधियां

समिति ने अगस्त 2018 में उन्मुखीकरण सप्ताह के दौरान एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

समिति ने ऑनलाइन ऑनलाइन आपत्तिजनक संदेशों के प्रसार को रोकने के लिए एसएस डिवीजन और अधिकारियों के माध्यम से एक सलाह प्रसारित की।

समिति ने नीति, इसके इतिहास और सदस्यों के रूप में उनकी भूमिका के बारे में सीपीएसएच के

सदस्यों को उन्मुख करने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यशाला की सुविधा के लिए शोमोना खन्ना, एडवोकेट को आमंत्रित किया, जनवरी 2019।

30 जनवरी 2019 को करमपुरा परिसर में सुखमंच थिएटर ग्रुप द्वारा नुक्कड़ नाटक, नाटक का प्रदर्शन किया गया।

20 फरवरी 2019 को कश्मीरी गेट परिसर में सहेली फाउंडेशन के सहयोग से कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला सत्र आयोजित किया गया था।

लिंगरी और कामुकता के लेंस के माध्यम से रोजमर्रा की जिंदगी की खोज करने वाला एक संवेदीकरण कार्यक्रम, लोधी रोड परिसर में, एक नारीवादी संसाधन समूह, 1-2 मार्च 2019 को नाज़िया के समर्थन में आयोजित किया गया था।

8 मार्च 2019 को कश्मीरी गेट परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक मार्च का आयोजन किया गया।

यौन उत्पीड़न, सीपीएसएच और महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने पर ध्यान देने वाला एक पोस्टर-मेकिंग सत्र, कश्मीरी गेट परिसर में, 2-8 मार्च 2019 को आयोजित किया गया था।

7. परिशिष्ट

परिशिष्ट I: संकाय

क्रम सं.	प्रोफेसर	विषय	स्कूल
1	अमोल पडवाड	अंग्रेजी भाषा	सीएलई
2	अनीता घई	विकलांगता अध्ययन	एसएचएस
3	अनूप कुमार धर	दर्शन	एसएचएस
4	अस्मिता काबरा	अर्थशास्त्र (ई एंड डी *)	एसएचई
5	बाबू पी. रिमेश	विकास अध्ययन	एसडीएस
6	बोध प्रकाश	अंग्रेज़ी	एसओएल
7	चंदन मुखर्जी	अर्थशास्त्र	सीएसएसआरएम
8	देबल सी. कर	पुस्तकालय	पुस्तकालय
9	दीपिता चक्रवर्ती	विकास अध्ययन	एसडीएस
10	डेनिस पी. लिटन	इतिहास	एसएलएस
11	धीरेंद्र दत्त डंगवाल	इतिहास	एसएलएस
12	गीता वेंकटरमन	गणित	एसयूएस
13	गोपालजी प्रधान	हिंदी	एसओएल
14	हनी ओबेरॉय वैशाली	मनोविज्ञान	एसएचएस
15	जतिन भट्ट	डिज़ाइन	एसडीईएस
16	कार्तिक दवे	प्रबंध	एसबीपीपीएसई
17	कृष्ण मेनन	लैंगिक अध्ययन	एसएचएस
18	लॉरेंस लिआंग	कानून	एसएलजीसी
19	मोहम्मद. शरीक फ़ारूक़ी	डिज़ाइन	एसडीईएस
20	नकेरन नंजनप्पन	सार्वजनिक स्वास्थ्य	एसजीए
21	प्रवीण सिंह	वैश्विक पढ़ाई	एसएचई
22	रचाना जोहरी	लैंगिक अध्ययन	एसएचएस
23	राधारानी चक्रवर्ती	सीएलटीएस **	एसओएल
24	रुक्मिणी सेन	समाज शास्त्र	एसएलएस
25	सत्यकेतु संक्रांति	हिंदी	एसओएल
26	सलिल मिश्रा	इतिहास	एसएलएस

27	संजय कुमार शर्मा	इतिहास	एसएलएस
28	शिवाजी के. पणिकर	दृश्य कला	एससीसीई
29	सीतांशु एस. जेना	व्यावसायिक शिक्षा	एसवीएस
30	सुमंगला दामोदरन	विकास अध्ययन	एसडीएस
31	सुचित्रा बालसुब्रह्मण्यन	डिज़ाइन	एसडीईएस
32	स्मिता तिवारी जस्सल	समाज शास्त्र	एसएलएस
33	तनुजा कोठियाल	इतिहास	एसएलएस

क्रम सं.	असोसिएट प्रोफेसर	विषय	स्कूल
1	आका कैहरि माओ	शिक्षा	एसवीएस
2	अमित कुमार मिश्रा	वैश्विक पढ़ाई	एसजीए
3	अनिल पारसौद	वैश्विक पढ़ाई	एसजीए
4	अनीता ई. चेरियन	साहित्य कला	एससीसीई
5	अनुज भुवानिया	कानून	एसएलजीसी
6	अरिंदम बनर्जी	अर्थशास्त्र	एसएलएस
7	हीरा ओबेरॉय वैशाली	अंग्रेज़ी	एसओएल
8	दीपन शिवरामन	कला प्रदर्शन	एससीसीई
9	ज्योतिर्मय भट्टाचार्य	अर्थशास्त्र	एसएलएस
10	कंवल अनिल	प्रबंध	एसबीपीपीएसई
11	कौस्तव बनर्जी	वैश्विक पढ़ाई	एसजीए
12	कृष्ण कल्याण दीक्षित	अंग्रेजी भाषा	सीईएलई
13	मालबिका पाल	कानून	एसएलजीसी
14	मनीष जैन	शिक्षा	एसईएस
15	मोनिमालिका दिवस	शिक्षा	एसईएस
16	निहारिका बैनर्जी	समाज शास्त्र	एसएलएस
17	पराग वकनीस	अर्थशास्त्र	एसएलएस
18	पार्थ साहा	पीपी एंड जी ***	एसजीए
19	रचना चौधरी	लैंगिक अध्ययन	एसएचएस
20	राजन कृष्णन	सिनेमाई कला	एससीसीई
21	रोहित नेगी	शहरी अध्ययन	एसजीए
22	रमेश चंदर शर्मा	निर्देशात्मक डिजाइन	एसजीए

23	ऋचा अवस्थी	प्रबंध	एसबीपीपीएसई
24	समिक चौधरी	सार्वजनिक स्वास्थ्य	एसजीए
25	संतोष कुमन सिंह	नागरिक शास्त्र	एसएलएस
26	सुनालिनी कुमार	वैश्विक पढ़ाई	एसजीए
27	सुनीता सिंह	शिक्षा	एसईएस
28	सुरेश बाबू	परिस्थितिकी	एसएचई

क्रम सं.	सहायक प्रोफेसर	विषय	स्कूल
1	अखिल कात्याल	साहित्य कला	एससीसीई
2	अलका राय	पुस्तकालय	पुस्तकालय
3	अमित सिंह	अंग्रेजी साहित्य	एसयूएस
4	आनंदिनी डार	शिक्षा	एसईएस
5	अनिर्बान बिस्वास	अर्थशास्त्र	एसएलएस
6	अनिर्बान सेनगुप्ता	विकास अध्ययन	एसडीएस
7	अनूप कुमार कोइलरी	मनोविज्ञान	एसयूएस
8	अंशु गुप्ता	प्रबंध	एसबीपीपीएसई
9	अंशुमिता पांडे	मनोविज्ञान	एसएचएस
10	अनुष्का सिंह	कानून और कानूनी अध्ययन	एसएलजीसी
11	बालचंद प्रजापति	गणित	एसएलएस
12	बेनील बिस्वास	प्रदर्शन अध्ययन	एससीसीई
13	भौमिका मेइलिंग	अंग्रेजी	सोल
14	बिधान चंद्र दाश	नागरिक शास्त्र	एसएलएस
15	बिंदू के कोविलकम	लैंगिक अध्ययन	एसएचएस
16	बुधादित्य दास	सामाजिक विज्ञान	एसएचई
17	दीप्ति सचदेव	मनोविज्ञान	एसएचएस
18	दिनेश कुमार	पुस्तकालय	पुस्तकालय
19	दीपा सिन्हा	अर्थशास्त्र	एसएलएस
20	दिव्या चोपड़ा	डिजाइन	एसडीएसई
21	धारित्री चक्रवर्ती	इतिहास	एसएलएस
22	धीरज कुमार नीते	इतिहास	एसएलएस

23	एकता सिंह	पीपी एंड जी ***	
24	गंगमूमी केमी	मनोविज्ञान	एसएचएस
25	गुंजन शर्मा	शिक्षा	एसईएस
26	गनजीत अरोरा	अंग्रेजी	सोल
27	आइवी धर	विकास अध्ययन	एसडीएस
28	जावेद इकबाल वानी	कानून और कानूनी अध्ययन	एसएलजीसी
29	कालिंदी माहेश्वरी	प्रबंध	एसबीपीपीएसई
30	कंचनला वेलेंटीना	प्रबंध	एसबीपीपीएसई
31	खुश्बू	डिजाइन	एसडीईएस
32	कोपल	अंग्रेजी साहित्य	एसयूएस
33	क्रांति कुमार	गणित	एसएलएस
34	कृष्ण राम	अर्थशास्त्र	एसएलएस
35	कृतिका माथुर	प्रबंध	एसबीपीपीएसई
36	लोविटोली जिमो	लैंगिक अध्ययन	एसएचएस
37	ममता करोलिल	मनोविज्ञान	एसएचएस
38	मानसी थपलियाल नवानी	शिक्षा	एसईएस
39	मोगलगन भारती	विकास अध्ययन	एसडीएस
40	मोनाल माणिक देवल	अंग्रेजी भाषा	सेले
41	मृदुल वीर सिंह	गणित	एसएलएस
42	नंदिनी नायक	विकास अध्ययन	एसडीएस
43	नीतू सरीन	मनोविज्ञान	एसएचएस
44	नागोरु निक्सन	कानून और कानूनी अध्ययन	एसएलजीसी
45	निधि काइकर	प्रबंध	एसबीपीपीएसई
46	निवेदिता सरकार	शिक्षा	एसईएस
47	ओइणम हेमलता देवी	नृविज्ञान (ई एंड डी *)	एसएचई
48	पल्लवी चकरवार्ती	इतिहास	एसएलएस
49	पूजा सतयोगी	कानून और कानूनी अध्ययन	एसएलजीसी

50	प्रभाकरन एस.आर.	कानून और कानूनी अध्ययन	एसएलजीसी
51	प्रभात सी. राय	शिक्षा	एसईएस
52	प्रणय गोस्वामी	गणित	एसएलएस
53	प्रीति संपत	नागरिक शास्त्र	एसएलएस
54	प्रितपाल सिंह रंधावा	शहरी अध्ययन	एसजीए
55	प्रियांशा कौल	नागरिक सास्त्र	एसएलएस
56	पुलक दास	पारिस्थितिकी	वह
57	रचना मेहरा	शहरी अध्ययन	एसजीए
58	राजश्री चंचल	शिक्षा	एसईएस
59	रमनिक खासा	गणित	एसएलएस
60	रिंजू रासैली	नागरिक शास्त्र	एसएलएस
61	रॉबिन सिंघल	शहरी अध्ययन	एसजीए
62	संदीप आर सिंह	सीएलटीएस **	सोल
63	संजू थॉमस	अंग्रेजी	सोल
64	संतोष एस.	दृश्य कला	एससीसीई
65	सरनिका सरकार	अर्थशास्त्र	एसएलएस
66	सौम्या उमा	कानून और कानूनी अध्ययन	एसएलजीसी
67	सयनदेब चौधरी	अंग्रेजी	सोल
68	शाद नावेद	सीएलटीएस **	सोल
69	शैलजा मेनन	इतिहास	एसएलएस
70	शेफाली जैन	दृश्य कला	एससीसीई
71	शेलमी सांखिल	सीएलटीएस **	सोल
72	शिफा हक	मनोविज्ञान	एसएचएस
73	शिवानी नाग	शिक्षा	एसईएस
74	शुभ्रा नगालिया	लैंगिक अध्ययन	एसएचएस
75	तपोसिक बनर्जी	अर्थशास्त्र	एसएलएस
76	टीना अनिल	पीपी एंड जी ***	
77	थोकचोम बिबीनाज देवी	मनोविज्ञान	एसएचएस
78	उर्फत अंजम मीर	नागरिक शास्त्र	एसएलएस

79	उषा मुदिगंती	अंग्रेजी	सोल
80	वत्सला सक्सेना	मनोविज्ञान	एसयूएस
81	विभूति दुग्गल	फिल्म स्टडी	एससीसीई
82	वेणुगोपाल मदिपति	डिजाइन	एसडीईएस
83	विक्रम सिंह ठाकुर	अंग्रेजी	सोल
84	विनोद आर.	मनोविज्ञान	एसएचएस
85	वृक मित्र	मनोविज्ञान	एसएचएस
86	योगेश स्नेही	इतिहास	एसएलएस

No.	विजिटिंग फैकल्टी	पद, विषय	स्कूल
1	आदिल ज़ुबैर	सहायक प्रोफेसर, इतिहास	एसयूएस
2	अन्ना ज़िमर	सहायक प्रोफेसर, शहरी अध्ययन	एसजीए
3	अनुराधा कपूर	प्रोफेसर, कला प्रदर्शन	एससीसीई
4	आशीष राजध्यक्षा	प्रोफेसर, अंग्रेजी	सोल
5	अस्मा निसार	सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान	एसएचएस
6	ध्रुव पांडे	सहायक प्रोफेसर, लिंग अध्ययन	एसएचएस
7	बेलिंदर धनोआ	एसोसिएट प्रोफेसर, साहित्य कला	एससीसीई
8	गीतांजलि त्यागी	सहायक प्रोफेसर, इतिहास	एसएलएस
9	हरीश नारंग	प्रोफेसर, अंग्रेजी	एसएलएस
10	इशान आनंद	सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसयूएस
11	मनदीप सिंह रायखी	सहायक प्रोफेसर, डांस	एससीसीई
12	मनीष शर्मा	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी	एसयूएस
13	मनोला गायत्री	सहायक प्रोफेसर, डेवलपमेंट प्रैक्टिस	एसएचएस
14	मोनिका	असिस्टेंट प्रोफेसर, समाज विज्ञान	एसएचई

15	नीतू राणा	सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान	एसयूएस
16	परमा चक्रवर्ती	सहायक प्रोफेसर	एसयूएस
17	पारोमिता पत्रोनोबिश	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी	सोल
18	पॉलमी गुहा बिस्वास	सहायक प्रोफेसर, इतिहास	एसयूएस
19	राहुल ईश्वर	सहायक प्रोफेसर, इतिहास	एसयूएस
20	रंजना दवे	सहायक प्रोफेसर, डांस	एससीसीई
21	आरवी रमानी	प्रोफेसर, फिल्म अध्ययन	एससीसीई
22	सोनाली दत्त रॉय	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी	एसयूएस
23	सुनैना के.	सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान	एसएचएस
24	उमाशंकर पात्रा	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी	एसयूएस
25	विकास दीपक	सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान	एसएलएस
26	वृंदा दत्ता	प्रोफेसर, ईसीई ****	सीईसीईडी

क्रम सं.	अस्थायी संकाय	पद, विषय	स्कूल
1	भारती बवेजा	सहायक प्रोफेसर, ईसीई ****	एसईएस
2	शेली पाण्डेय	सहायक प्रोफेसर, लिंग अध्ययन	एसएचएस
क्रम सं.	कार्यकाल / संविदा संकाय	पद, विषय	स्कूल
1	अन्नू	सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसयूएस
2	अंकुश राठौर	सहायक प्रोफेसर स्तर के कार्यक्रम प्रबंधक	एसवीएस
3	आशीष रॉय	सहायक प्रोफेसर स्तर के मनोचिकित्सक	सीपीसीआर
4	अवधेश कुमार त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर, हिंदी	एसयूएस
5	डीएमएल हाओकिप	सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान	एसयूएस

6	फरिहा सिद्दीकी	सहायक प्रोफेसर स्तर के कार्यक्रम प्रबंधक	एसवीएस
7	गुलशन बानो	सहायक प्रोफेसर, हिंदी	एसयूएस
8	इमरान अमीन	सहायक प्रोफेसर, डेवलपमेंट प्रैक्टिस	सीडीपी
9	इप्शिता हाजरा ससमल	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी भाषा	एसयूएस
10	इशिता मेहरोत्रा	सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान	एसयूएस
11	जेनी सी. एलेक्स	परियोजना अधिकारी, अंग्रेजी भाषा	सीईएलई
12	मोनिशिता हाजरा पांडे	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी भाषा	एसयूएस
13	मृत्युंजय त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर, हिंदी	एसयूएस
14	निकिता जैन	सहायक प्रोफेसर स्तर के मनोचिकित्सक	सीपीसीआर
15	निखिल सिंह चरक	सहायक प्रोफेसर स्तर के कार्यक्रम प्रबंधक	एसवीएस
16	नूपुर सैमुअल	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी भाषा	एसयूएस
17	प्रियंका	सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान	एसयूएस
18	रचना शोखंडा	सहायक प्रोफेसर, गणित	एसयूएस
19	राजिंदर सिंह	सहायक प्रोफेसर स्तर के मनोचिकित्सक	सीपीसीआर
20	सजेश कुमार. सी	एसोसिएट प्रोफेसर, प्रकाशन	सीपी
21	शालिनी मसिह	सहायक प्रोफेसर स्तर के मनोचिकित्सक	सीपीसीआर

22	शेफाली सिंह	सहायक प्रोफेसर स्तर के मनोचिकित्सक	सीपीसीआर
23	शिरीन मिर्जा	सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र	एसयूएस
24	सुमन दत्ता	सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण अध्ययन	एसयूएस
25	सुरजीत सरकार	एसोसिएट प्रोफेसर के स्तर पर समन्वयक (कार्यक्रम)	सीसीके
26	स्वाति श्रेष्ठ	सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण अध्ययन	एसयूएस
27	वैभव	सहायक प्रोफेसर, हिंदी	एसयूएस

* पर्यावरण और विकास

** तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन

*** सार्वजनिक नीति और शासन

**** बचपन की शिक्षा

परिशिष्ट II: गैर-शिक्षण कर्मचारी

क्रम सं.	नाम	पद
कुलपति का कार्यालय और शासन		
1.	बिन्दु नायर	सहायक रजिस्ट्रार
2.	बी. मल्लेशा (ईओएल पर)	सहायक रजिस्ट्रार
3.	ममता असवाल	सहायक
4.	महेश कुमार	सहायक
5.	अनीता बक्शी ***	सचिव के सहायक
6.	रुद्रेश सिंह नेगी	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
7.	संदीप	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
प्रो-कुलपति का कार्यालय		
8.	सुनीता त्यागी	सहायक रजिस्ट्रार
9.	उमा खत्री ***	कार्यालय सहायक
10.	हरदेश कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
रजिस्ट्रार का कार्यालय		
11.	नीलिमा घिल्डियाल	सहायक
12.	रोहित कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
एचआर प्रभाग		
13.	नूरुल हक *	डिप्टी रजिस्ट्रार
14.	दीपक कपूर	सहायक रजिस्ट्रार
15.	पुनीत गोयल (ईओएल पर)	सहायक रजिस्ट्रार
16.	प्रबीर चौधरी **	सलाहकार
17.	भूपेंद्र सिंह	सहायक
18.	नीरू पांडे	सहायक
19.	आदेश कुमार	कार्यालय सहायक
20.	सुशीला देवी	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
प्रशासन प्रभाग		
21.	बिपुल कुमार श्रीवास्तव *	डिप्टी रजिस्ट्रार

22.	उपेंद्र नाथ सिंह	सहायक रजिस्ट्रार
23.	एन.टी. डिहंग	सहायक रजिस्ट्रार
24.	सतीश कुमार	जूनियर सलाहकार
25.	धीरज सिंह	जूनियर सलाहकार
26.	सुभाष	कनिष्ठ कार्यकारी
27.	सौरभ	सहायक
28.	रितिका कटारमल	सहायक
29.	मनोज कुमार***	कार्यालय सहायक
30.	आशीष राज ***	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
31.	जयवीर सिंह ***	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
संपत्ति प्रभाग		
32.	लोकेश गर्ग	डिप्टी रजिस्ट्रार
33.	धरमवीर सिंह मान **	सलाहकार
34.	मोहम्मद हसीन	सुरक्षा पर्यवेक्षक
35.	धर्मेंद्र कुमार	सुरक्षा पर्यवेक्षक
36.	अर्चना	कार्यालय सहायक
37.	यतिंदर सिंह	सहायक व कार्यवाहक
38.	धर्मेन्द्र महतो ***	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
योजना प्रभाग		
39.	अंशु सिंह	सहायक रजिस्ट्रार
40.	पंकज कुमार	तकनीकी अधिकारी
41.	समीर खान	कनिष्ठ कार्यकारी
42.	शिव चरण	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
वित्त प्रभाग		
43.	मनोज राणा	डिप्टी रजिस्ट्रार
44.	राज कुमार भारद्वाज	सहायक रजिस्ट्रार
45.	सुमर पाल	सलाहकार
46.	अजय कुमार ठाकुर	कनिष्ठ कार्यकारी

47.	प्रभात कुमार	कनिष्ठ कार्यकारी
48.	बृजेश कुमार गुप्ता	कनिष्ठ कार्यकारी
49.	अंजना कुमारी	सहायक
50.	सुमन नेगी	सहायक
51.	मोहन सिंह यादव	सहायक
52.	नीरज ***	कार्यालय सहायक (वित्त)
53.	पुनीत सोनकर ***	कार्यालय सहायक (वित्त)
54.	राज कुमार ***	कार्यालय सहायक (वित्त)
55.	केशव ठाकुर	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
शैक्षणिक सेवा प्रभाग		
56.	समीर सैनी *	डिप्टी रजिस्ट्रार
57.	मनजीत सिंह राणा	सहायक रजिस्ट्रार
58.	एबी मुथुरमन **	जूनियर सलाहकार
59.	यूसुफ रजा नकवी	सहायक
60.	नीतू नेगी ***	कार्यालय सहायक
61.	मोनिका रंजन	तथ्य दाखिला प्रचालक
62.	अशोक कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
छात्र सेवा प्रभाग		
63.	अरुणिमा पाल	सहायक
64.	नितिन चौधरी	सहायक
65.	सना खान	सहायक
66.	अजय कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
67.	सुमित सोलंकी	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
आंकलन मूल्यांकन और छात्र प्रगति (एईएस) प्रभाग		
68.	हर्ष कपूर	सहायक रजिस्ट्रार
69.	मनमोहन सिंह असवाल	सहायक
70.	संदीप कुमार	तथ्य दाखिला प्रचालक
71.	अलीमुद्दीन	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)

पुस्तकालय		
72.	रविंदर रावत	जूनियर कार्यकारी (पुस्तकालय)
73.	मंजू	जूनियर कार्यकारी (पुस्तकालय)
74.	मीना ***	पुस्तकालय सहायक
75.	निशा शर्मा ***	पुस्तकालय सहायक
76.	संजय रावत	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
77.	नेल्सन	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
78.	पिंकी	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
आईटी सेवा प्रभाग		
79.	दिनेश तनेजा *	निदेशक, आईटी सेवा
80.	दीपक बिशला	सिस्टम प्रशासक (आईटी)
81.	आशुतोष कुमार	सिस्टम प्रशासक (आईटी)
82.	मुकेश सिंह डांगी	तकनीकी सहायक (आईटी)
83.	रमीज काजमी	तकनीकी सहायक (आईटी)
84.	मानस रंजन डकुआ	तकनीकी सहायक (आईटी)
85.	अब्दुल मजीद खान ***	आईटी सहायक
86.	आशु मान	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
87.	अजय सिंह डांगी	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
इंजीनियरिंग और रखरखाव इकाई		
88.	मिथिलेश कुमार सिंह	कार्यकारी अभियंता (सिविल)
89.	के. युधिष्ठर	जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)
90.	उदय सिंह पाल	जूनियर इंजीनियर (सिविल)
91.	राहुल कुमार ***	कार्यालय सहायक
92.	मेवा लाल	एमटीएस (इलेक्ट्रीशियन)
93.	नवीन कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
94.	अश्वनी कुमार	एमटीएस (प्लम्बर)
पर्यावरण प्रबंधन		
95.	राज कुमार मौर्य	एमटीएस (माली)

96.	नरेश कुमार	एमटीएस (माली)
97.	रिजवान	एमटीएस (माली)
98.	रणजीत भुइमाली	एमटीएस (माली)
99.	फ़िदा हुसैन	एमटीएस (माली)
ओएसडी कार्यालय कश्मीरी गेट		
100.	गौरव कुमार ***	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
स्कूल और केंद्र		
स्नातक अध्ययन स्कूल (एसयूएस)		
101.	आशीष पाटीदार	सहायक रजिस्ट्रार
102.	प्रियंका अलघ	कनिष्ठ कार्यकारी
103.	आशा देवी डी.	सहायक
104.	सुरेश प्रसाद	कार्यालय सहायक
105.	संदीप कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
लिबरल अध्ययन स्कूल (एसएलएस)		
106.	पूनम पेटवाल	सहायक
107.	हरीश कुमार तोमर	कार्यालय सहायक
108.	अशोक कुमार- II	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
मानव अध्ययन स्कूल (एसएचएस)		
109.	संतोष थॉमस	सहायक
110.	मिनाक्षी सिंह	सहायक
111.	संदीप कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
विकास अध्ययन स्कूल (एसडीएस)		
112.	संगीता	सहायक
मानव पारिस्थितिकीय स्कूल (एसएचई)		
113.	राज कुमार	सहायक
114.	तिलक राज	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता स्कूल (एसबीपीपीएसई)		
115.	दीपक कुमार	सहायक

116.	शिवम कौशिक	सहायक
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल (एससीसीई)		
117.	एस. रामकृष्णन पोत्ती	सलाहकार
शैक्षिक अध्ययन स्कूल (एसईएस)		
118.	ओम प्रकाश झा ***	सहायक
119.	विजय कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
डिजाइन स्कूल (एसडीईएस)		
120.	निशांत सोलोमन	सहायक
121.	रुद्र पाल	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
लेटर्स स्कूल (एसओएल)		
122.	प्रेमा कुमारी	कार्यालय सहायक
123.	मिमो	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल (एसएलजीसी)		
124.	सुनील	कार्यालय सहायक
वोकेशनल स्टडीज स्कूल (एसवीएस)		
125.	प्रवीण कुमार नायक	कार्यालय सहायक
ग्लोबल अफेयर्स स्कूल (एसजीए)		
126.	राजू सोलंकी **	जूनियर सलाहकार
प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईसीईडी)		
127.	अनिल सिंह रावत	सहायक
अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र (सीईएलई)		
128.	अमित कुमार	कार्यालय सहायक
स्वास्थ्य केंद्र		
129.	अर्चना गुप्ता	मेडिकल ऑफिसर
करमपुरा कैंपस		
130.	मनीष कुमार	उप पंजीयक
131.	नरेंद्र मिश्रा (अध्ययन अवकाश पर)	सहायक रजिस्ट्रार
132.	राजीव कुमार	सहायक रजिस्ट्रार

133.	प्रवीण भट्ट	सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर (आईटी)
134.	शिव कुमार	जूनियर कंसल्टेंट
135.	जागेश कुमार त्यागी	स्टोर कीपर
136.	शंभू शरण सिंह	तकनीकी सहायक (आईटी)
137.	आशुतोष त्यागी	आईटी असिस्टेंट
138.	ओमप्रकाश मिश्रा	पुस्तकालय सहायक
139.	कुमुद ***	पुस्तकालय सहायक
140.	भावना	सदन कार्यालय सहायक
141.	कुंवर गौरव सिंह **	कार्यवाहक
142.	मीनाक्षी	जूनियर लाइब्रेरी असिस्टेंट
143.	आयुषी वर्मा	डेटा एंट्री ऑपरेटर
144.	सुनीता महार	डेटा एंट्री ऑपरेटर
145.	शैफिक अहमद	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
146.	स्वामी नाथ	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
147.	दीपक शर्मा	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
148.	तस्लीम	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
लोदी रोड कैंपस		
149.	प्रसाद टीएसवीके के	उप रजिस्ट्रार
150.	अशोक मल्लिक **	सलाहकार
151.	शिव कांत अवस्थी	स्टोर कीपर
152.	वीरेंद्र सिंह रावत **	केयरटेकर
153.	प्रीति ***	पुस्तकालय सहायक
154.	अनूप कुमार वर्मा ***	पुस्तकालय सहायक
155.	राम कुमार	कार्यालय सहायक
156.	बलराम	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
157.	राहुल कुमार	एमटीएस (लाइब्रेरी अटेंडेंट)
कैंपस डेवलपमेंट प्रभाग		
158.	एन.के. वर्मा सह निदेशक	निदेशक (तकनीकी)

159.	मंजुला खान	आर्किटेक्ट
160.	अनिल कुमार अरोड़ा	सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर (सिविल)
161.	अभिषेक अग्रवाल	प्रोजेक्ट इंजीनियर (सिविल)
162.	गौरव सक्सेना	प्रोजेक्ट इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)
163.	भूपेंद्र सिंह चौहान	सहायक

* 2018-19 में नियमित आधार पर विश्वविद्यालय में शामिल हुए।

** 2018-19 में अनुबंध के आधार पर विश्वविद्यालय में शामिल हुए।

*** 2018-19 में आउटसोर्सिंग के आधार पर विश्वविद्यालय में शामिल हुए।

परिशिष्ट III: गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची जिन्होंने 2018-19 में संविदात्मक कार्यकाल/इस्तीफा पूरा करने पर विश्वविद्यालय छोड़ दिया है

1. मोहित जगोता, सहायक (अनुबंध पर)
2. उर्मिल शेखावत, सलाहकार (अनुबंध पर)
3. केशर सिंह बिष्ट, सलाहकार (अनुबंध पर)
4. संतोष पांडे, जूनियर कंसल्टेंट (अनुबंध पर)
5. प्रेम कुमार झा, जूनियर कंसल्टेंट (अनुबंध पर)
6. सनी कुमार, एमटीएस ऑफिस अटेंडेंट (आउटसोर्स पर)
7. रोहित उज्जैनवाल, आईटी सहायक (आउटसोर्स पर)

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्लीt

परिसरों में:

लोथियन रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110006

शिवाजी मार्ग, करमपुरा, नई दिल्ली-110015

अलीगंज, बी के दत्त कॉलोनी, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003